



01  
30/1/92

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 8, 1992/माघ 19, 1913

No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 8, 1992/MAGHA 19, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खंड 3—उप-खंड (II) PART II—Section 3—Sub-Section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the  
Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 2 जनवरी 1992

का.प्रा. 396.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सी.टी. थावानी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे टगोर गार्डन नई दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(2)/92-न्या.]

पी.सी. कणन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

((Department of Legal Affairs))

NOTICE

New Delhi, the 2nd January, 1992

S.O. 396.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules by Shri C. T. Thawani Advocate for appointment as a Notary to practise in Tagore Garden U.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(2)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1992

का. प्रा. 397.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना

दी जाती है कि श्री जो.सी.राय करमाकर एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कूच बिहार, सदर सब डिवीजन (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(10)/92-न्या.]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 8th January, 1992

S.O. 397.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules by Shri G. C. Roy Karma-kar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Cooch Behar, Sadar Sub-Division (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(10)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 398.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री ग्रा.वी. परांजपे एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे ठाणे (जिला) महाराष्ट्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(14)/92-न्या.]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 9th January, 1992

S.O. 398.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri R. B. Paranjpe, Advocate for appointment as a Notary to practice in Distt. Thane, Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(14)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 399.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी

जाती है कि श्री अशोक कुमार जैन एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नासिराबाद (जिला अजमेर) राजस्थान में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(18)/92-न्या.]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 399.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ashok Kumar Jain, Advocate for appointment as a Notary to practise in Nasirabad, Distt. Ajmer (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(18)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 400.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री योगेश वारसोरल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कोटा राजस्थान में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(17)/92-न्या.]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 400.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Yogesh Warsoral, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kota Rajasthan.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(17)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

#### सूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1992

का.ग्रा. 401.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री टी.ग्रा. शर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधि-

कारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली (संघ राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(20)/92-न्याय]

पो. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 20th January, 1992

S.O. 401.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri T. R. Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(20)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

## सूचना

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1992

का.आ. 402 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री के. आई. जगियासी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे समस्त भारत में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(9)/92-न्या.]

पो. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 402.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri K. I. Jagiasi, Advocate for appointment as a Notary to practise in Whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(9)/92-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का.आ. 403 केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24

की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री वाई के. फुक्कन, अधिवक्ता, गुवाहाटी को विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी, गुवाहाटी के न्यायालय में श्री उमेश बोरगोहेन, तत्कालीन विक्रय कार्यपालक, इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स, लि. कलकत्ता के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना मामला संख्या आर.सी. 4/80-सी.आई.यू.-3 नई दिल्ली (1986 का न्यायालय मामला सं. 754) के अभियोजन में संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[सं. 225/21/91-एवीडी.-II]

ए.सी. शर्मा, अधर सचिव

## MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. &amp; PENSION

(Department of Personnel &amp; Training)

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 403.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Y. K. Phukan, Advocate, Guwahati, as Special Public Prosecutor for the purpose of conducting the trial of the Delhi Special Police Establishment case No. RC 4/80 CIU (III)/New Delhi being Court Case No. 754 of 1986 against Shri Umesh Borgohain, the then Sales Executive, Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd, Calcutta, in the Court of Special Judicial Magistrate, 1st Class, Guwahati.

[No. 225/21/91-AVD. II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1991

(आयकर)

का.आ. 404 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 'श्री दुर्गियाना कमेटी, अमृतसर' को 1990-91 से 1992-92 तक के कर-निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर निर्धारिनी इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिनी ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5)

में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक प्रशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमी नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[सं. 8960 (फा.सं. 197/136/91-आयकर नि.-1)]

एस. के. चटर्जी, विशेष कार्य अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th December, 1991

(INCOME-TAX)

S.O. 404.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Durgiana Committee, Amritsar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[No. 8960/F. No. 197/136/91-IT.A.I]

S. K. CHATTERJEE, Officer on Spl. Duty

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1992

(आयकर)

का.आ. 405 : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा दिनांक 3-9-1991 की अपनी अधिसूचना संख्या 8921 में निम्नालिखित संशोधन करती है:—

“शिवगंगा संस्थानम देवस्थानम, शिवगंगा”—के लिए  
“श्री सौम्य नारायण परुमल मन्दिर, थिरुकोशटियूर”—  
पढ़ा जाए।

[फा.सं. 8972 (फा.सं. 176/35/91-आयकर नि.-1)]

एस. के. चटर्जी, विशेष कार्य अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi the 7th January, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 405.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in its Notification No. 8921 dated 3-9-1991;

For—“Sivaganga Samasthanam Devasthanam, Sivaganga”  
Read—“Shree Sowmyanarayana Perumal Temple, Thirukoshtiyur”.

[No. 8972/F. No. 176/35/91-IT.A.I]

S. K. CHATTERJEE, Officer on Special Duty

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1991

का.आ. 406:— बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषण करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबन्ध, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मार्यादित (मध्य प्रदेश) पर अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1993 तक का नहीं होंगे।

[सं. एफ-6-1/91-ए.सी.]

पी.के. तेजयान, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 406.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Jila Sahakari Kendriya Bank Maryadit, Damoh (M.P.) from the date of publication of this notification in the official Gazette to 30 June, 1993.

[F. No. 6(1)/91-AC]

P. K. TEJYAN, Under Secy.



नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

New Delhi, the 17th January, 1992

का.आ. 407 :— बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध बैंक आफ बड़ोदा पर, 15 अगस्त, 1993 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनके संबंध नैनीताल बैंक लि., तथा बरेली कारपोरेशन बैंक लि. में शेयरों की उनकी धारिता से है।

S.O. 407.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to Bank of Baroda upto 15th August, 1993 in so far as they relate to its holding of shares in the Nainital Bank Limited and also in the Bareilly Corporation Bank Limited.

[सं. 15/8/89—बी.ओ. III]

[No. 15/8/89-B.O.III]

के.के. मंगल, अवर सचिव

K. K. MANGAL, Under Secy.

## खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्थान

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1992

का.आ. 408 :—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुमरण में एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिस/जिन भारतीय मान/मानकों का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे रद्द कर दिया गया है/दिए गए हैं और वापस लिया गया है/लिये गए हैं।

## अनुसूची

क्रम सं.	रद्द किए गए मानक की संख्या और वर्ष	जिस राजपत्र अधिसूचना में भारतीय मानक की स्थापना की गई थी, उस की का.आ. संख्या और तिथि	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 2296-1982	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1985-05-18 का का.आ. 2147 दिनांक 1985-04-24 को प्रकाशित	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और भा मा ब्यूरो की आपसी सहमत के कारण ये भारतीयमान कि वापस ले लिए गए।
2.	आईएस : 2490 (भाग 1)— 1991	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1985-05-18 का का.आ. 2148 दिनांक 1985-04-24 को प्रकाशित	
3.	आईएस : 2490 (भाग 2)— 1974	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1976-05-08 का का.आ. 1596 दिनांक 1976-02-26 को प्रकाशित	
4.	आईएस : 2490 (भाग 3)— 1985	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-06-02 का का.आ. 1523 दिनांक 1990-04-18 को प्रकाशित	

(1)	(2)	(3)	(4)
5. आईएस : 2490 (भाग 4)— 1988	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-06-02 का का.आ. 1523 दिनांक 1990-04-18 को प्रकाशित		
6. आईएस : 2490 (भाग 5)— 1974	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1976-05-08 का का.आ. 1597 दिनांक 1976-05-08 का का.आ. 1597 दिनांक 1976-04-06 को प्रकाशित		
7. आईएस : 2490 (भाग 6)— 1985	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-06-02 का का.आ. 1553 दिनांक 1990-05-10 को प्रकाशित		
8. आईएस : 2490 (भाग 7)— 1976	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1979-07-21 का का.आ. 2505 दिनांक 1979-06-27 को प्रकाशित		
9. आईएस : 2490 (भाग 8)— 1985	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-06-02 का का.आ. 1524 दिनांक 1990-04-19 को प्रकाशित		
10. आईएस : 2490 (भाग 9)—1977	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1980-03-15 का का.आ. 619 दिनांक 1980-02-26 को प्रकाशित		
11. आईएस : 2490 (भाग 10)— 1985	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-06-22 का का.आ. 1523 दिनांक 1990-04-18 को प्रकाशित		पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और भा. मा. ब्यूरो की आपसी सहमति के कारण ये भारतीय मानक वापस ले लिए गए।
12. आईएस : 4764-1973	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1975-09-06 का का.आ. 2939 दिनांक 1975-08-12 को प्रकाशित		
13. आईएस : 8635-1977	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1980-10-18 का का.आ. 2793 दिनांक 1980-09-24 को प्रकाशित		
14. आईएस : 8636-1983	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1980-02-14 का का.आ. 462 दिनांक 1987-01-09 को प्रकाशित		
15. आईएस : 9005-1978	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1981-08-29 का का.आ. 2274 दिनांक 1981-08-29 का का.आ. 2274 दिनांक 1981-08-12 को प्रकाशित		
16. आईएस : 9223 (भाग 1)—1985	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1987-05-30 का का.आ. 1356 दिनांक 1987-04-28 को प्रकाशित		
17. आईएस : 9533-1980	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1984-12-29 का का.आ. 4681 दिनांक 1984-11-27 को प्रकाशित		

(1)	(2)	(3)	(4)
18. आई एस : 9622-1980	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1984-12-29 का का.आ. 4688 दिनांक 1984-11-30 को प्रकाशित		
19. आई एस : 10127-1982	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1985-07-27 का का.आ. 3477 दिनांक 1985-06-10 को प्रकाशित		
20. आई एस : 10152-1982	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1985-07-20 का का.आ. 3336 दिनांक 1985-06-10 को प्रकाशित		
21. आई एस : 10153-1982	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1985-08-24 का का.आ. 3992 दिनांक 1985-07-18 को प्रकाशित		
22. आई एस : 10193 (भाग 1)- 1982	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1985-12-24 का का.आ. 5602 दिनांक 1985-11-20 को प्रकाशित		पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और भा.मा. ब्यूरो की आपसी सहमति के कारण ये भारतीय मानक वापस ले लिए गए।
23. आई एस : 10447-1983	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1981-08-09 का का.आ. 2786 दिनांक 1986-07-16 को प्रकाशित		
24. आई एस : 10693 (भाग 1)- 1982	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1986-11-29 का का.आ. 3975 दिनांक 1986-11-07 को प्रकाशित		
25. आई एस : 10693 (भाग 2)- 1987	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-05-17 का का.आ. 1426 दिनांक 1990-05-03 को प्रकाशित		
26. आई एस : 11247-1985	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-05-19 का का.आ. 1436 दिनांक 1990-05-10 को प्रकाशित		
27. आई एस : 12282-1988	भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1990-06-02 का का.आ. 1545 दिनांक 1990-05-04 को प्रकाशित		
28. आई एस : 12283-1988	-वही-		

[मं. के.प्र. वि./13:7]

एन. श्रीनिवासन, अपर महाविदेशीय

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 9th January, 1992

S.O. 408:—In pursuance of clause (b) of sub-rule (I) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, it is hereby notified that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn:

## THE SCHEDULE

Sl. No. & Year of the Indian No. Standard Cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)
1. IS : 2296-1982	S.O. 2147 dated, 1985-04-24 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1985-05-18	
2. IS : 2490 (Pt 1)-1981	S.O. 2148 dated 1985-04-24 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1985-05-18	
3. IS : 2490 (Pt 2)-1974	S.O. 1596 dated 1976-02-26 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1976-05-08	
4. IS : 2490 (Pt 3)-1985	S.O. 1523 dated 1990-04-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1990-06-02	
5. IS : 2490 (Pt 4)-1988	S.O. 1523 dated 1990-04-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1990-06-02	As a result of the understanding reached between the Ministry of Environment and Forests and BIS, these Indian Standards have been withdrawn.
6. IS : 2490 (Pt 5)-1974	S.O. 1597 dated 1976-04-06 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1976-05-08	
7. IS : 2490 (Pt 6)-1985	S.O. 1553 dated 1990-05-10 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1976-06-02	
8. IS : 2490 (Pt 7)-1976	S.O. 2505 dated 1979-06-27 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1979-07-21	
9. IS : 2490 (Pt 8)-1985	S.O. 1524 dated 1990-04-19 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1990-06-02	
10. IS : 2490 (Pt 9)-1977	S.O. 619 dated 1980-02-26 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1990-03-15	
11. IS : 2490 (Pt 10)-1985	S.O. 1523 dated 1990-04-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1990-06-22	

(1)	(2)	(3)	(4)
12. IS : 4764-1973		S.O. 2939 dated 1975-08-12 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1975-09-06	
13. IS : 8635-1977		S.O. 2793 dated 1980-09-24 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1980-10-18	
14. IS : 8636-1983		S.O. 462 dated 1987-01-09 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1987-02-14	
15. IS : 9005-1978		S.O. 2274 dated 1981-08-12 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1981-08-29	
16. IS : 9233 (Pt I)-1985		S.O. 1356 dated 1987-04-28 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1987-05-30	
17. IS : 9533-1980		S.O. 4681 dated 1984-11-27 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1984-12-29	As a result of the understanding reached between the Ministry of Environment and Forests and BIS, these Indian Standards have been withdrawn.
18. IS : 9622-1980		S.O. 4688 dated 1984-11-30 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1984-12-29	
19. IS : 10127-1982		S.O. 3477 dated 1985-06-10 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1985-07-27	
20. IS : 10152-1982		S.O. 3336 dated 1985-06-10 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1985-07-20	
21. IS : 10153-1982		S.O. 3992 dated 1985-07-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1985-08-24	
22. IS : 10193 (Pt I)-1982		S.-. 5602 dated 1985-11-20 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1985-12-24	
23. IS : 10447-1983		S.O. 2786 dated 1986-07-16 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated, 1986-08-09	
24. IS : 10693 (Pt I)-1982		S.O. 3975 dated 1986-11-07 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1986-11-29	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
25. IS : 10693 (Pt 2) -1987		S.O. 1426 dated 1990-05-03 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated 1990-05-17		
26. IS : 11247-1985		S.O. 1436 dated 1990-05-10 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated 1990-05-19		As a result of the understanding reached between the Ministry of Environment and Forests and BIS
27. IS : 12282-1888		S.O. 1545 dated 1990-05-04 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated 1990-06-02		these Indian Standards have been withdrawn.
28. IS : 12283-1988		-do-		

[No. CMD/13 : 7]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1992

का.आ. 409.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिस/जिन भारतीय मान/मानकों का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे रद्द कर दिया गया है/दिए गए हैं और वापस लिया गया है/लिये गए हैं।

## अनुसूची

क्रम सं.	रद्द किए गए मानक की संख्या और वर्ष	जिस राजपत्र अधिसूचना में भारतीय मानक की स्थापना की गई थी, उस की का.आ. संख्या और तिथि		टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. आई एस : 1859-1961	1267	1962-04-19	1962-04-28	<p>क्योंकि चूड़ी काटने वाली डाइयों के मानक का पुनरीक्षण कर दिया गया है और मानक की श्रृंखलाओं में विभाजिक कर दिया गया है। इनमें प्रत्येक मानक में विभिन्न पाइप से चूड़ी काटने के टेप, तकनीकी आपूर्ति अवस्थाओं और सामान्य आयाम अलग-अलग निर्दिष्ट किए गए हैं मानक निम्न—</p> <p>आई एस : 12319-1988, आई एस : 12320-1988, आई एस : 12321-1988, आई एस : 12322-1988, आई एस : 12323-1980, आई एस : 12324-1988 आई एस : 12325-1988</p>
2. आई एस : 4729-1968	1455	1969-04-03	1969-04-19	<p>इस मानक का विवरण आई एस : 12075-1986 में निर्दिष्ट है।</p>

3. आई एस : 7035-1970 2939 1975-08-12 1975-09-06 इस मानक के प्रावधान आईएस : 9617-1980 और 12898-1989 में सम्मिलित कर दिए गए हैं।

[सं. के.प्र.वि./13:7]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 9th January, 1992

S.O. 409:—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, it is, hereby notified that the Indian Standard(s), particulars of which is/are mentioned in the Schedule given hereinafter, has/have been cancelled and stands withdrawn

## SCHEDULE

Sl. No. of & Year of the No. Indian Standards Cancelled		Reference to Govt., of India Gazette Notification, Part-II, Section-3, Sub- Section (ii)		Remarks	
		S.O. No. and Date		Date of Issue	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 1859-1961		1267	1962-04-19	1962-04-28	As the thread cutting dies has been revised and split into a series of standards each covering dimensional requirements for various types of screwing taps, technical supply conditions and general dimensions under separate IS numbers such as IS : 12319-1988, IS : 12320-1988, IS : 12321-1988, IS : 12322-1988, IS : 12323-1988, IS : 12324-1988 and IS : 12325-1988.
2. IS : 4729-1968		1455	1969-04-03	1969-04-19	As the details of this standard are now covered in IS : 12075-1986.
3. IS : 7035-1970		2939	1975-08-12	1975-09-06	As the provisions of this standard have been incorporated in IS : 9617-1980 and IS : 12898-1989.

[No. CMD/13 : 7]

[N. SRINIVASAN, Addl. Director General]

कृषि मंत्रालय

(कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1992

शासी निकाय के निम्नलिखित सदस्यों को इस निकाय द्वारा 13-9-1991 से एक वर्ष के लिए या उस समय तक के लिए जब तक कि उनके उत्तराधिकारी का विधिवत निर्वाचन नहीं हो जाता, इसमें जो भी बाद में हों उस समय तक के लिए स्थायी वित्त समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है :—

का. आ. 410—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा निर्मित स्थायी वित्त समिति के विनियम 2 (iv) के अनुसरण में तथा कृषि उत्पादन उपकार अधिनियम, 1940 की धारा 27(2) में निहित प्रावधानों के अनुसरण में

1. श्री पी. के. वास,  
पूर्व स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री,  
उड़ीसा सरकार, जदुनाथ भवन,  
उड़ीसा बाजार, कटक-1 (उड़ीसा)

2. डॉ. ए. एल. चौधरी,  
कुलपति,  
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार

3. डॉ. डी. एम. बेलाचन,  
निदेशक,  
राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो  
एवं राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संस्थान,  
करनाल - 132001 (हरियाणा)

4. डॉ. एच. आर. कानिया  
आनुवंशिकविद् (संव निवृत्त)  
द्वारा हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय,  
पालमपुर 176062 (हि. प्र.)

5. श्री बहादुर सिंह,  
पूर्व विधायक, नोहर,  
जिला श्री गंगानगर (राजस्थान)।

6. डॉ. एम. अरविन्दकशन,  
अनुसंधान निदेशक,  
केरल कृषि विश्वविद्यालय,  
वेल्लानिककारा,  
त्रिचूर - 680654 (केरल)।

[फा. सं. 2/1/88 (समन्वय)]

गिरीश चंद्र श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agricultural Research & Education)

#### INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

New Delhi, the 14th January, 1992

S.O. 410.—In pursuance of Regulation 2(iv) of the Standing Finance Committee Regulations, framed by the Indian Council of Agricultural Research and in pursuance of provision contained in section 7(2) of the A.P. Cess Act, 1940, the Governing Body has elected the following members to the Standing Finance Committee for a period of one year with effect from 13-9-1991 or till such time their successors are duly elected, whichever is later:—

1. Shri P. K. Das  
Former Health and Education Minister,  
Government of Orissa, Jadunath Bhawan,  
Oriya Bazar, Cuttack-1 (Orissa).
2. Dr. A. L. Choudhary  
Vice-Chancellor,  
Haryana Agricultural University, Hissar.
3. Dr. D. S. Balaine  
Director,  
National Bureau of Animal Genetic Resources  
and National Institute of Animal Genetics,  
Karnal-132001. (Haryana).
4. Dr. H. R. Kalia  
Geneticist (Retd.)  
C/o H.P.K.V.V., Palampur-176062, (H.P.).
5. Shri Bahadur Singh,  
Ex-MLA, Nohar,  
Distt. Sriganaganagar. (Rajasthan).

6. Dr. M. Aravindakshan,  
Director of Research,  
Kerala Agricultural University,  
Vellanikkara, Trichur-68065 (Kerala).

[No. F. 2(1)/88-CDN]

G. C. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

कोयला मंत्रालय

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1992

का. आ. 411:—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7. उपधारा (i) के अधीन जारी और भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) पृष्ठ संख्यांक 1603 से 1604 में प्रकाशित भारत सरकार, उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का. आ. 963 ता. 22 मार्च, 1991 द्वारा इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि का अधिग्रहण करने के अपने आशय की सूचना दी थी।

और केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह बात लाई गई कि राजपत्र में प्रकाशित उपरोक्त अधिसूचना में मुद्रण की कुछ गलतियां हैं ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त सक्षम बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

पृष्ठ क्रम 1603 अधिसूचना में

पंक्ति 7 में “उपणी” (i) के स्थान पर “उपधारा (i)” पढ़ें।

पंक्ति 9 में— “बोर करने” के स्थान पर “बोर करने” पढ़ें।

पंक्ति 11 में— “एल/आर/के स्थान पर “ एल. ई. आर. ” पढ़ें।

पंक्ति 12 में— “लैंड 11” के स्थान पर “लैंड/ 77” पढ़ें।

पंक्ति 15 में— “आकृष्ट” के स्थान पर “आकृष्ट” पढ़ें।

पंक्ति 18 में— “तीद दिन” के स्थान पर “तीस दिन” पढ़ें।

पंक्ति 32 में— “धारा 39” के स्थान पर “ धारा 3” पढ़ें।

पंक्ति 12 में— मध्य प्रदेश के स्थान पर “मध्य प्रदेश” के पढ़ें।

अनुसूची में

पंक्ति 1 में— “सोनपुर” के स्थान पर “ सोनहट ” पढ़ें।

तालिका में—, ग्राम स्तंभ के नीचे ,

“कटधोरी” के स्थान पर “कटधोरी” पढ़ें और जहाँ कहीं भी “कटधोरी” शब्द प्रयुक्त हुआ हो, उसके स्थान पर “कटधोरी” पढ़ें।

“बन्दोबस्त सं. के नीचे “बैकुंठपुर” छपा है, उसके स्थान पर “227” पढ़ें। तहसील स्तंभ के नीचे “बैकुंठपुर” पढ़ें।



पृष्ठ क्र. 1604

पंक्ति 2 में "571 1 (भाग), 572 2 (भाग), 573/3 के स्थान पर 572/1 (भाग) 572/2 (भाग), 572/3 (भाग)" पढ़ें।

पंक्ति 7 में —

"828/2/823/3" के स्थान पर 828/2, 828/3 पढ़ें, 8291, 8292, 8293, 8294 (भाग)" के स्थान पर "829/1, 829/2, 829/3, 829/4 (भाग)" पढ़ें।

सीमा वर्णन में —रेखा क —ख,

पंक्ति 2 में "399 43" के स्थान पर "399/43" पढ़ें, "571, 571/1" के स्थान पर "571, 572/1, 572" पढ़ें।

पंक्ति 3 में "533/2/631" के स्थान पर "553/2, 631" पढ़ें।

रेखा ख — ग में,

पंक्ति 1 में "ग्रामा" के स्थान पर "ग्राम" पढ़ें।

ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत उपरोक्त संशोधन जारी किया गया है, हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के जारी किए जाने के तीस दिन के भीतर उक्त भूमि के संपूर्ण या किसी भाग के या उक्त ऐसी भूमि में या उस पर किसी अधिकार के अर्जित किए जाने के विरुद्ध उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के निबन्धनों के अनुसार आक्षेप कर सकेगा।

स्पष्टीकरण — केवल इस अधिसूचना के द्वारा संशोधित प्लॉट संख्याओं की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 8 (1) के निबन्धनों के अनुसार तीस दिन की उक्त अवधि यह अधिसूचना जारी की जाने की तारीख से प्रारंभ होगी।

[फा. सं. 43015 / 1 / 90 एल. एम. डब्ल्यू.]

के. एस. डागर, अवसर सचिव

पेट्रोलियम और केमिकल्स मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 412.—जब कि केन्द्रीय सरकार यह अनुभव करती है कि सर्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत उल्लमपर्ल से बेङ्गलूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है ;

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए, इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अशा की घोषणा करती है ;

बणर्त कि उक्त भूमि में अपनी रक्खे वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट भूसेकरणा कार्यालय, राजमद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ;

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विधेय का मे निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

पाईप लाईन उल्लमपर्ल से बेङ्गलूर तक स्टेट : आन्ध्र प्रदेश जिला : पश्चिम गोदावरी, मडल पात्ताकोन्

गांव	सं. नं.	हे.	एरे	सेन्टियम	एकम	सेन्ट
1	2	3	4	5	6	7
	371	0	00	5	0	04
	373/2	0	01	0	0	01
	373/1	0	15	0	0	37
	369/2	0	01	0	0	03
	369/2	0	08	0	0	20
	374/9,8	0	07	0	0	18
	374/1,2	0	15	0	0	37
	375/1	0	08	0	0	26
	368/पीटी	0	01	0	0	02
	368/पीटी	0	20	0	0	49
		0	78	0	1	92½

[सं. ओ-12016/39/91-ओ एन जी डी-4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 412.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103);

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## Main Pipe Line from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh

Dist. : West Godavari

Mandal : Palakollu

Village	S. No.	Hec-	Ares	Centieres	Akres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kapavaram	371	0	01	5	0	04
	373/2	0	01	0	0	01½
	373/1	0	15	0	0	37
	369/2	0	01	0	0	03
	369/2	0	08	0	0	20
	374/98	0	07	5	0	18
	374/1,2	0	15	0	0	37
	375/1	0	08	0	0	20
	368/PT	0	01	0	0	02½
	368/PT	0	20	0	0	49
		0	78	0	1	92

[No. O-12016/39/91-ONGD.4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. घा. 413—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सर्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खान के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत उल्लम्पारू से बेंड्रा तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न बिबरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है,

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा अनिवार्यता का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि पर पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारि मंशेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जिन प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुमूची

उप पाईप लाईन उल्लम्पारू से बेंड्रा तक

राज्य : आंध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

मण्डल : पालाकोल

गाँव	सं.	हे.	डार्से	सेन्टियर	एकर्स	सेट
चित्तपूर	91/सी	0	01	00	0	02
	91/ए	0	01	05	0	04

1	2	3	4	5	6	7
	176/पाटं	0	15	0	0	37½
	191/बी	0	06	0	0	15
	188/पाटं	0	13	5	0	33
	187/-	0	94	0	0	10
	186/1, 2	0	15	5	0	38
	187/पाटं	0	16	0	0	38½
	85/1, 2	0	15	5	0	38
	84/पाटं	0	07	5	0	19
	84	0	07	5	0	19
	83/3, 2मी	0	11	5	0	29
	83/2सी पाटं	0	07	5	0	18½
	82/2	0	09	5	0	22
	82/पाटं	0	06	0	0	15
	82/1पाटं	0	08	5	0	21
	31/3पाटं	0	04	5	0	11½
	81/4, 5	0	18	5	0	46
	179/2	0	06	5	0	16
	179/3	0	03	0	0	07½
	179/2	0	01	5	0	04
	178/2पाटं	0	01	5	0	04
	178/1पाटं	0	01	5	0	04
	178/1	0	03	0	0	06½
	79/-	0	00	5	0	01½
	107/-	0	16	5	0	41
	74/पाटं	0	01	0	0	03
	73/2पाटं	0	11	5	0	28½
	73/2पाटं	0	04	5	0	11
	175/7, 6, 1, 5, 3	0	24	5	0	60
	66/	0	05	5	0	14
	66/	0	05	0	0	12½
	66	0	05	5	0	12
	66/	0	05	5	0	12½
	66/	0	13	0	0	32½
	66/	0	10	0	0	24½
	66/	0	01	0	0	02½
	66/	0	01	0	0	16½
	66/	0	13	0	0	32
	66/	0	10	5	0	26
	13/2, 3	0	13	5	0	33
	16/	0	07	5	0	18½
	16/3पाटं	0	07	5	0	18½
	16/3पाटं	0	07	5	0	18½
	172/-	0	02	5	0	06½
	16/2, 3	0	09	5	0	23
	16/1	0	13	5	0	33
	16/-	0	07	0	0	17
	171/1	0	24	0	0	58½
		4	12	5	10	17

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 413.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by practitioner.

### SCHEDULE

#### Branch Pipe Line from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Mandal : Palakollu

Name of Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centars	Acars	Cents
<i>M</i>						
	91/C	0	01	0	0	02
	91/A	0	01	5	0	04
	176/Pt	0	15	0	0	37½
	91/B	0	06	0	0	15
	188/Pt	0	13	5	0	33
	187	0	04	0	0	10
	186/1,2	0	15	5	0	38
	187/Pt	0	16	0	0	38½
	185/1,2	0	15	5	0	38
	84/Pt	0	07	5	0	19
	84/Pt	0	07	5	0	19
	83/3,2C	0	11	5	0	29
	83/2 C Pt	0	07	5	0	19½
	82/2	0	09	5	0	22½
	82/1 Pt	0	06	0	0	15
	82/1 Pt	0	08	5	0	21
	81/3 Pt	0	04	5	0	11½
	81/4,2,5	0	18	5	0	46
	179/2	0	06	5	0	16
	179/3	0	03	0	0	07½
	179/2	0	01	5	0	04
	178/2 Pt	0	01	5	0	04
	178/2Pt	0	01	5	0	04
	178/1	0	03	0	0	06½
	79	0	00	5	0	01½
	107	0	16	5	0	41
	74/Pt	0	01	0	0	03
	73/2 Pt	0	11	5	0	28½
	73/2 Pt	0	04	5	0	11
	175/7,6,1,5,3	0	24	5	0	60
	66/Pt	0	05	5	0	14
	66/Pt	0	05	0	0	12½
	66/Pt	0	05	5	0	13
	66/Pt	0	05	5	0	12½
	66/Pt	0	13	0	0	32½
	66/Pt	0	10	0	0	24½
	66/Pt	0	01	0	0	02½
	60/ Pt	0	10	0	0	16½

1	2	3	4	5	6	7
	6/7 Pt	0	13	0	0	32
	6/7 Pt.	0	10	5	0	26
	13/2,3	0	13	5	0	33
	16/3 Pt	0	07	5	0	18½
	16/3 Pt	0	07	5	0	18½
	16/3 Pt	0	07	5	0	18½
	172	0	02	5	0	06½
	16/2, 3	0	09	5	0	23
	16/1	0	13	5	0	33
	16/2	0	07	0	0	17
	171/1	0	24	0	0	58½
Grand Total		4	12	5	10	17

[No. O-12016/40/91-ONG.D.-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 414--जब कि केन्द्रीय सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत उल्लमपख से बेंड्रा तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके माध्य संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा अदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्त का अधिकार ग्रहण करने की प्रशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि सक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंत्रि भवन, नई दिल्ली में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक विधि आवश्यक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

गैस मैन पाईप लाईन उल्लमपख से बेंड्रा तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोवावरी

मंडल : पालकील

गांव	एर्स. नं.	हे.	एसं	सें. एसं	एकसे	सें.
1	2	3	4	5	6	7
	679 /बी	0	11	0	0	27
	680 /1बी	0	11	5	0	28
	332 /बी	0	11	5	0	29
	327 /2बी					
	327 /6ए	0	28	5	0	70
	327 /6बी					
	326 /2बी	0	22	0	0	53½
	325	0	02	5	0	06
	323 /2बी	0	24	5	0	61
	322 /8बी	0	09	5	0	23
	322 /7बी	0	07	0	0	17
	322 /1बी	0	17	0	0	42
	321	0	03	0	0	07
	287 /11बी	0	17	0	0	42
	288 /6बी, 7बी	0	05	0	0	12

1	2	3	4	5	6	7
	286/1	0	22	0	0	54
	286/5बी	0	00	5	0	01
	286/5बी	0	04	5	0	11½
	289/1	0	01	0	0	02
	289/1	0	01	0	0	02
	289/1	0	01	0	0	02
	290/16बी	0	09	5	0	23
	290/14 बी	0	04	5	0	11
	290/15बी	0	05	5	0	14
	283	0	02	5	0	06
	279/1	0	22	5	0	55½
	280	0	02	5	0	06½
	252/2बी	0	0	5	0	01
	252/2ए	0	16	5	0	41
	251/3	0	03	0	0	07
	251/3 } 251/1 }	0	16	0	0	40
					4	
		2	87	0	6	95

[सं. प्रो.-12016/41/91/मो एन जी-डी-4]

एम माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 414.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by practitioner.

## G.O.U. Main Pipeline from Ullamparru to Vendra Village

State : Andhra Pradesh District : West Godavary

Mandal : Potakalu

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centi-Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Lankala Koderu	679/B	0	11	0	0	27
	680/1B	0	11	5	0	28
	332/1B	0	11	5	0	29
	{ 327/2B 327/6A 327/6B	0	28	5	0	70
	326/2B	0	22	0	0	53½
	325	0	02	5	0	06
	323/2B	0	24	5	0	61
	322/8B	0	09	5	0	23
	322/7B	0	07	0	0	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	322/1B	0	17	0	0	42
	321	0	03	0	0	07
	287/11B	0	17	0	0	42
	287/6B, 7B	0	05	0	0	12
	286/1	0	22	0	0	54
	286/5B	0	00	5	0	01
	286/5B	0	04	5	0	11½
	289/1	0	01	0	0	02
	289/1	0	01	0	0	02
	289/1	0	01	0	0	02
	290/16B	0	09	5	0	23
	290/14B	0	04	5	0	11
	290/15B	0	05	5	0	14
	283	0	02	5	0	06
	279/1	0	22	5	0	55½
	280	0	02	5	0	06½
	252/2B	0	0	5	0	01
	252/2A	0	16	5	0	41
	251/3	0	03	0	0	07
	251/3 } 251/1 }	0	16	0	0	40
		0	03	0	2	07
Total		2	83	0	6	95

[No. O-12016/41/91-ONG.D-4]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. भा. 415.--जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए जे. पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत उल्लसपारु से बेंगलूर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदि आगछा प्रवेग में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

बिसल पाईपल लाईन उल्लसपारु से बेंगलूर तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश जिला : पश्चिम गोदावरि मंडल : पालकोल्लु

गांव	एस. नं.	हे.	एस	सेन्टिअस	एकसे	सेण्ट.
1	2	3	4	5	6	7
वांगुलुरु	57	0	04	5	0	11
	55/3	0	11	5	0	29½
	53	0	07	5	0	17½

1	2	3	4	5	6	7
बाणलूक	61	0	01	0	0	02
	54/1	0	03	5	0	09
	54/1	0	12	0	0	30
	54/2	0	12	0	0	30
	67/1	0	08	5	0	21
	224	0	10	5	0	26½
	224	0	09	0	0	21½
	224	0	07	0	0	17
	91/2,3	0	20	5	0	51
	91/3	0	16	0	0	40
	92	0	02	0	0	05½
	223/1	0	26	0	0	63½
	18/2	0	05	5	0	14
	18/3	0	18	0	0	45½
	223/1	0	21	0	0	51½
	19/2	0	01	5	0	04
	19/1, 2	0	10	0	0	25
	18/3	0	07	0	0	17
	221	0	01	5	0	06
	15/2	0	10	5	0	41½
	14	0	08	0	0	20
	19/1, 2	0	21	0	0	47
	11	0	31	5	0	77
जोड़		2	93	0	7	25½

[सं. प्रो.-12016/42/91-प्रो एन जी डी - 4]

एम. माटिन, डेप्ट अफिसरी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 415.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority. Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Main Pipe line from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh, District : Godavari, Mandal : Palakollu

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Dagguluru	57	0	04	5	0	11
	55/3	0	11	5	0	29½
	53	0	07	5	0	17½
	51	0	01	0	0	02
	54/1	0	03	5	0	09



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Dagguluru	54/1	0	12	0	0	30
	54/2	0	12	0	0	30
	67/1	0	08	5	0	21
	224Pt	0	10	5	0	26½
	224Pt	0	09	0	0	21½
	224Pt	0	07	0	0	17
	91/2, 3	0	20	5	0	51
	91/3	0	16	0	0	40
	92	0	02	0	0	05½
	223/1 Pt	0	26	0	0	63½
	18/2	0	05	5	0	14
	18/3	0	18	0	0	45½
	223/1	0	21	0	0	51½
	19/2	0	01	5	0	04
	19/1, 2	0	10	0	0	25
	18/3	0	07	0	0	17
	221	0	02	5	0	06
	15/2	0	16	5	0	41½
	14 Pt	0	08	0	0	20
	12/1, 2	0	20	0	0	49
	11 Pt	0	31	5	0	77
Total		2	93	0	7	25½

[No. O-12016/42/91-ONG D-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 416.— जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत उल्लेखार्थ से श्रेष्ठा तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।  
बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सश्रम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रॉजक्ट, भूसेकरण, कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति बर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निविष्ट कराना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपनी विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

मैन पाईप लाइन  
स्टेट आन्ध्र प्रदेश

उल्लेखार्थ . वेन्कटा तक  
जिला पश्चिम गोदावरी

मंडल : कालमोह्लू

गांव	एस नं.	हेक्टेयर सं	आरी	सेन्टिएस	आकसं	सेन्टोअर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
चिक्कला	365	0	02	0	0	04
	365/1, 2	0	27	0	0	67
	364/1	0	07	5	0	18
	364/2	0	13	5	0	32
	363/तीटी	0	33	0	0	82

1	2	3	4	5	6	7
	362/पीटी	0	11	5	0	28
	361	0	02	5	0	06
	360/3	0	18	0	0	45
	359/पीटी	0	04	0	0	10
	358/पीटी	0	27	5	0	68
	360/2	0	01	0	0	03
	12	0	02	0	0	05
	9/पीटी	0	01	0	0	03
	9/पीटी	0	09	5	0	22½
	9/पीटी	0	07	5	0	18
	9/पीटी	0	06	0	0	15
	10/4	0	11	5	0	28½
		1	85	0	4	57

[संख्या ओ-12016/43/91-ओ एन. जी. डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 416.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## Main Pipeline from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Mandal : Palakol

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Sivadevuni Chikkala	365	0	02	0	0	04½
	365/1, 2	0	27	0	0	67
	364/1	0	07	5	0	18½
	364/2	0	13	5	0	32½
	363/Pt	0	33	0	0	82½
	362/Pt	0	11	5	0	28
	361	0	02	5	0	06
	360/3 Pt	0	18	0	0	45
	359/Pt	0	04	0	0	10
	358/Pt	0	27	5	0	68
	360/2	0	01	0	0	03
	12	0	02	0	0	05
	9/Pt	0	01	0	0	03
	9/Pt	0	09	5	0	22½
	9/Pt	0	07	5	0	18
	9/Pt	0	06	0	0	15
	10/4	0	11	5	0	28½
		1	85	0	4	57

[No. O-12016/43/91-ONG-D-4]

M. Martin, Desk Officer

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	478/2भाग	0	01	5	0	04
	480/भाग	0	01	0	0	02
	480/भाग	0	08	0	0	20
	479/1भाग	0	00	5	0	01
	479/1भाग	0	04	0	0	10
	479/1भाग	0	04	0	0	10
	479/1भाग	0	09	5	0	24½
	479/1भाग	0	02	0	0	04½
	जोड़	2	26	0	5	62½

[संख्या भो- 12016/44/91-भो एन जो-डी-4]

एम. माटिन, डम्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 417.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. Gas Pipe Line from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh

Village : Rayakuduru

Mandal :

Village,	R.S. No.	Hec- tars	Ares	Centi- Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Rayakuduru	499/2 BPt	0	03	0	0	08
	499/2B Pt	0	06	5	0	16
	498/4	0	11	5	0	28½
	498/3, 1	0	47	0	1	16½
	496/—	0	11	5	0	28
	491/3!	0	01	0	0	02½
	495/9 Pt	0	07	0	0	17
	495/9 Pt	0	00	5	0	00½
	495/9 Pt	0	04	0	0	10
	495/9, 14 Pt	0	05	0	0	12
	495/9, 14 Pt	0	05	0	0	12
	495/9, 14 Pt	0	01	5	0	04
	495/6,1	0	02	5	0	06
	490/2	0	00	5	0	01
	490/2	0	05	0	0	12
	490/1 Pt	0	07	5	0	19½
	490/1 Pt	0	08	5	0	21
	491/1 Pt	0	01	5	0	04
	491/1 Pt	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6	7
	491/1, 2, 3	0	11	5	0	29
	484/4	0	03	5	0	09
	484/4, 3	0	05	5	0	13½
	484/3 Pt	0	05	0	0	12½
	479/1	0	03	0	0	08
	484/3	0	01	5	0	04½
	484/2 A	0	08	0	0	20
	477/-	0	05	5	0	13
	478/4	0	00	5	0	0½
	477/3	0	08	0	0	20
	478/3	0	05	5	0	14
	478/2 Pt	0	06	5	0	16
	478/2 Pt	0	01	5	0	04
	480/Pt	0	01	0	0	02
	480/Pt	0	08	0	0	20
	479/1 Pt	0	00	5	0	01
	479/1 Pt	0	04	0	0	10
	479/1 Pt	0	04	0	0	10
	479/1 Pt	0	09	5	0	24½
	479/1 Pt	0	02	0	0	04½
Grand Total		2	26	0	5	62½

[No. O-12016/44/91-ONG. D-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. मा. 418.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत उल्लमपहूँ के बेंड़ा से बेंड़ा तक तेल प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बैशर्त कि उक्त भूमि में अपनी सचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जी. प्रोजेक्ट भूसेकरण कार्यालय, राजमुंछि, मान्छ प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अधिसूचना

मंडल पाइप लाइन उल्लमपहूँ से बेंड़ा तक

स्टेट : मान्छ प्रदेश

जिला : पश्चिम गोवावरी

मंडल : पालकोल्लु

1	2	3	4	5	6	7
श्रृंगवृक्षम	39	0	03	5	0	09
	38/2 पीटी	0	06	0	0	15
	35/6 पीटी	0	03	0	0	07
	34/1 पीटी	0	00	5	0	01
	38/4 पीटी	0	14	5	0	35

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	37/1 पी.टी.	0	07	5	0	18
	35/6 बी.	0	02	5	0	06
	34/1 पी.टी.	0	11	5	0	29
	27/2 पी.टी.	0	06	5	0	16
	33/1 पी.टी.	0	07	0	0	17
	35/2 पी.टी.	0	07	0	0	17-1/2
	35/3, 5 पी.टी.	0	06	0	0	14-1/2
	30/1 पी.टी.	0	02	5	0	06-1/2
	30/2 पी.टी.	0	16	5	0	41
	34/2 पी.टी.	0	10	5	0	25-1/2
	28/12, 4, 5 पी.टी.	0	43	5	1	08
	30/2 ए	0	09	0	0	21-1/2
	21/1, 2 पी.टी.	0	26	5	0	65
	21/1 पी.टी.	0	15	5	0	38
	20/1 पी.टी.	0	11	5	0	27½
	20/3 पी.टी.	0	04	5	0	23-1/2
	94/1 पी.टी.	0	27	5	0	68½
	59	0	05	5	0	12-1/2
	94/1 पी.टी.	0	02	5	0	06
	60/8 बी.	0	00	5	0	01
	112 पी.टी.	0	38	0	0	94
	88/1 सी.ई.टी.	0	08	0	0	20-1/2
	88/1 ए.	0	13	0	0	32
	88/1 बी.	0	08	5	0	20½
	94/2 पी.टी.	0	01	0	0	05½
	90/2 पी.टी.	0	20	5	0	51
	90/1 पी.टी.	0	02	5	0	06
	115/2 बी.	0	05	5	0	13/1/2
	115/2 ए.	0	12	5	0	31
	116/2 पी.टी.	0	31	0	0	75½
				0	0	0
	117/2 पी.टी.	0	16	5	0	41
	139/2 पी.टी.	0	06	5	0	16
	84/1 पी.टी.	0	20	0	0	48/3/2
	139/3 पी.टी.	0	14	0	0	35½
	134/2, 3 भाग	0	04	5	0	11½
	134/1 भाग	0	01	5	0	04
	140/2 भाग	0	11	5	0	28
	140/2 भाग	0	02	5	0	06
	141/2 भाग	0	07	5	0	18½
	142/2 बी.	0	10	0	0	25
	142/2 ए.	0	03	5	0	09
	142/3 भाग	0	17	0	0	42½
	182/ भाग	0	12	0	0	30
	181/6 भाग	0	10	0	0	25
	188/10 भाग	0	01	0	0	03
	188/10 भाग	0	22	5	0	54½
	189/1 भाग	0	16	0	0	39½
	189/1	0	11	5	0	27½
	189/2	0	08	5	0	21
	191	0	02	5	0	06½
	170	0	03	0	0	08
		6	00	0	14	79½

[सं. प्रो. 12016/45/91-ओ एन जी डी-4]

एम. साहित्य, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 418.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## Main Pipeline from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh

Dist : West Godavari

Mandal : Pallakadju

Village	S. No.	Hec-tars	Ares	Centi-Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Srungavruksham	39	0	03	5	0	09
	38/2 Pt	0	06	0	0	15
	35/6 Pt	0	03	0	0	07
	34/1 Pt	0	00	5	0	01
	38/4 Pt	0	14	5	0	35
	37/1 Pt	0	07	5	0	18
	35/6 B	0	02	5	0	06
	34/1 Pt	0	11	5	0	29
	37/2 Pt	0	06	5	0	16
	35/1 Pt	0	07	0	0	17
	35/2 Pt	0	07	0	0	17½
	35/3, 5Pt	0	06	0	0	14½
	30/1 Pt	0	02	5	0	06½
	30/2 Pt	0	16	5	0	41
	34/2 Pt	0	10	5	0	25½
	28/1, 2, 4, 5 Pt	0	43	5	1	08
	30/2 A	0	09	0	0	21½
		1	57	3	3	38½
	22/1, 2 Pt	0	26	5	0	65
	21/1 Pt	0	15	5	0	38
	20/1, 2 Pt	0	11	5	0	27½
	20/3 Pt	0	09	5	0	23½
	94/1 Pt	0	27	5	0	68½
	59	0	05	5	0	12½
	94/1 Pt	0	02		0	06
	60/B	0	00	5	0	01
	112 Pt	0	38	0	0	94
	88/12 Pt	0	08	0	0	20½
	88/1A	0	13	0	0	32
	88/1B	0	08	5	0	20½
	94/2 Pt	0	02	0	0	05½
	90/2 Pt	0	20	5	0	51
	90/1 Pt	0	02	5	0	06
	115/2 B		5	5	0	13½
	115/2A	0	12	5	0	31

1	2	3	4	5	6	7
	116/2 Pt	0	31	0	0	75½
	117/2 Pt	0	16	5	0	41
	139/2 Pt	0	06	5	0	16
	84/1 Pt	0	20	0	0	48½
	139/3 Pt	0	14	0	0	35½
	139/2B Pt	0	04	5	0	11½
	139/1 Pt	0	01	5	0	04
	140/2 Pt	0	11	5	0	28
	140/2 Pt	0	02	5	0	06
	141/2 Pt	0	07	5	0	18½
	142/2B	0	10	0	0	25
	142/2A	0	03	5	0	09
	142/3 Pt	0	17	0	0	42½
	182/Pt	0	12	0	0	30
	181/2 Pt	0	10	0	0	25
	188/10 Pt	0	01	0	0	03
	188/10 Pt	0	22	5	0	54½
	189/1½ Pt	0	16	0	0	39½
	189/1	0	11	5	0	27½
	189/2	0	03	5		021
	191	0	02	5	0	06½
	190	0	03	0	0	08
Total		6	00	0	14	79½

[No. O-12016/45/91-ONG..D4]

M. M. Martiu Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. घा. 419 --जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत उल्लमपूर से बेंगलूर तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न दिशरूपों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद् द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वेगलें कि उक्त भूमि में अपनी कृति रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संश्लेष प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

सारणी

मोहन पाईप लाइन उल्लमपूर बेंगलूर तक  
आंध्र प्रदेश, जिला 6 पश्चिम गोवार्दा; मंडल 6 पालकोडेम

गांव	एम. नं.	हेक्टास	ह्रास	सेप्टि	अकर्म	संख्या
1	2	3	4	5	6	7
	165/7, 2	0	04	5	0	11½
	195/6	0	05	0	0	1
	195/5	0	05	0	0	12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	192/3ऐ	0	05	0	0	12
	192/3 बी	0	05	0	0	12
	192/2	0	09	5	0	23
	192/1ऐ	0	14	5	0	35
	192/1ऐ	0	02	5	0	04½
	190/2	0	01	0	0	03½
	86/4	0	04	5	0	11
	86/4 ऐ, जेड	0	08	0	0	20
	87/2 ऐ, 1ऐ	0	14	5	0	36½
	94/1, 2	0	14	0	0	33
	36/3ऐ	0	02	5	0	06½
	86/2ऐ	0	03	0	0	07
	87/1ऐ	0	09	5	0	24½
	88/6	0	07	0	0	17
	88/5	0	08	0	0	20
	88/4, 3	0	09	5	0	23½
	88/3	0	03	0	0	08
	88/3	0	04	5	0	11½
	88/2	0	01	0	0	01½
	95/12	0	02	0	0	05½
	94/4	0	03	5	0	09
	94/3	0	04	0	0	10
	89	0	16	0	0	40
	90/1	0	08	0	0	20
	90/2	0	09	5	0	24
	91	0	18	0	0	45
	71/1	0	25	0	0	62
	70/1	0	13	5	0	33
	12ऐ	0	20	0	0	50
	69/1	0	00	5	0	01
	72/73	0	05	0	0	12
	75	0	17	5	0	42½
	74/4	0	04	5	0	11
	74/43	0	04	5	0	11½
	74/3	0	04	0	0	9½
	74/3	0	07	5	0	18
	74/4	0	01	0	0	02
	52	0	08	0	0	20
कुल मिलाकर		3	13	0	7	72

[सं. ओ.-- 12016/46/91-प्रो एन जी-डी 4]

एम. साठिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 419.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the

land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.



## SCHEDULE

R.O.U. Main Pipe line from "OLL AMPAPRO" to "VENDRA"

State : Andhra Pradesh; District : West Godavary Mandal : Palkolh

Village Name	R.S. No.	Hec- tars	Areas	Centares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Vendra	195/1, 2	0	04	5	0	11½
	195/6	0	05	0	0	12
	195/5	0	05	0	0	12
	192/3A	0	05	0	0	12
	192/3B	0	05	0	0	12
	192/2	0	09	5	0	23
	192/1A	0	14	5	0	35
	192/1A	0	02	5		04½
	190/2	0	01	0	0	3½
	86/4	0	04	5	0	11
	86/4A.Z	0	08	0	0	20
	87/2 A, 1A	0	14	5	0	36½
	94/1, 2	0	14	0	0	33
	86/3A	0	02	5	0	06½
	86/2A	0	03	0	0	07
	87/1A	0	09	5	0	24½
	88/6	0	07	0	0	17
	88/5	0	08	0	0	20
	59/4, 3	0	09	5	0	23½
	88/3	0	03	0	0	08
	88/3	0	04	5	0	11½
	88/2	0	01	0	0	01½
	95/12	0	02	0	0	05½
	94/4	0	03	5	0	09
	94/3	0	04	0	0	10
	89	0	16	0	0	40
	90/1	0	08	0	0	20
	90/2	0	09	5	0	24
	91	0	18	0	0	45½
	71/1	0	25	0	0	62
	70/1	0	13	5	0	33
	/2A	0	20	0	0	50
	69/1	0	00	5	0	01
	72, 73	0	05	0	0	12
	75	0	17	5	0	42½
	74/4	0	04	5	0	11
	74/43	0	04	5	0	11½
	74/3	0	04	0	0	9½
	74/3	0	07	5	0	18
	74/4	0	01	0	0	02
	52	0	08	0	0	20
	7	0	25	0	7	61
TOTAL		3	13	0	7	12

[No. O-12016/46/91-ONG.-D4]

M. Martinu, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 420.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत चित्तपूर से ए. पि. बगरिस तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करने है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं अतिरिक्त पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के डाक्यूण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की मंशा भी घोषणा करती है।

बशाते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि पर पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करासकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन चित्तपूर से डा. पि. बगरिस आंध्र प्रदेश; जिला; पश्चिम गोदावरी; मंडल: पालकोल।

गांव	एस. न.	हेक्टर	ए.म.	सेन्टि.एस.	एकड़	सेन्ट.
1	2	3	4	5	6	7
चित्तपूर	188	0	01	5	0	03½
	92	0	20	0	0	50
	170	0	08	0	0	20
	170	0	01	0	0	02
	90	0	02	0	0	5½
	96/1ए	0	02	5	0	06
	96/1बी, 1सी, 2ए, 3बी	0	18	5	0	46
	96/3बी	0	01	5	0	04
	97/1	0	02	5	0	06
	97/1	0	05	5	0	12½
	97/1	0	06	0	0	15
	97/3ए	0	04	5	0	11½
	122/1	0	15	5	0	38
	122/2ए					
	122/2बी, 2ए	0	11	5	0	27½
	125/1ए	0	05	0	0	12½
	120/3ए	0	37	0	0	91
	125/4	0	04	0	0	07½
	157/1ए	0	03	0	0	07½
	125/2	0	01	5	0	04½
	157/1बी	0	06	0	0	15
	157/1सी, 5ए, 5बी, 1	0	38	5	0	95
	4, 6					
	156/1, 2ए	0	11	5	0	29
	156/2ए	0	05	0	0	12
	155	0	09	5	0	23
		2	21	5	5	46½

[सं. ओ-12016/47/91-ओएनजी-डी]

एम. माटिम, डब्लू अधिकारी

New Delhi. the 31st December, 1991

S.O. 420.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chintaparru to A.P. Bagarries in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Main Pipe line from Chintapuram to A.P. Baggari's

State : Andhra Pradesh : District : West Godavari ; Mandal : Palakollu

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chintaparru	188	0	01	5	0	03½
	92	0	20	0	0	50
	{ 170	0	08	0	0	20
	{ 170	0	01	0	0	02
	90	0	02	0	0	05½
	96/1A	0	02	5	0	06
	96/1B, 1C,					
	2A, 3A	0	18	5	0	4
	96/3B	0	01	5	0	04
	97/1	0	02	5	0	06
	97/1	0	05	5	0	12½
	97/1	0	06	0	0	15
	97/3A	0	04	5	0	11½
	{ 122/1	0	15	5	0	38
	{ 122/2A					
	122/2B, 2A	0	11	5	0	27½
	125/1A	0	05	0	0	12½
	125/3A	0	37	0	0	91
	125/4	0	04	0	0	09½
	157/1A	0	03	0	0	7½
	125/2	0	01	5	0	04½
	157/1B	0	06	0	0	15
	157/1C	0	38	5	0	95
	5A					
	5B					
	4					
	6					
	156/1, 2A	0	11	5	0	29
	156/2A	0	05	0	0	12
	155	0	09	5	0	23
	Grand Total	2	21	5	5	46½

[No. O-12016/47/91—ONG. D4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ. 421 .—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सर्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसापुर 3 और 5 से नरसापुर तक लेव और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विकसित किया जाये।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अशा की घोषणा करने के लिए।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमि एवं पाइप लाइन विभाग के विरोध में अपनी आपत्ति सहित प्राधिकारी संश्लेष प्राधिकारि लेव और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, सूचकना कार्यालय, राजधानी आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विधेय रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप में प्रथम विधिब्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पार्श्व लाईन नरसापुर 3 और 5 से नरसापुर गांव आंध्र प्रदेश, जिला पश्चिम गोवामरो, मंडल नरसापुर

चाय	एस न	हृदयन	सेन्ट्रल	एकरी	सेन्ट्रल	
दशमनेषरम्	297/9	0	01	0	0	02
	297/9	0	03	0	0	07
	297/9	0	01	0	0	02
	297/9	0	03	5	0	09
	298	0	01	5	0	04
	298	0	03	0	0	07
	298	0	01	0	0	03
	288/2/3	0	05	0	0	12
	253	0	05	0	0	12
	258	0	02	0	0	05
	252	0	14	5	0	35
	251	0	01	5	0	04
	250	0	04	0	0	10
	253	0	03	5	0	09
	253	0	01	0	0	03
	253	0	02	5	0	06
	253	0	18	0	0	46
	253	0	01	0	0	03
	253	0	01	0	0	03
	257/2	0	05	5	0	13
	258/3	0	05	9	0	12
	258/3	0	00	5	0	01
	258/3	0	01	0	0	04
	258/3	0	07	5	0	18
	258/3	0	02	5	0	05
	258/3	0	07	5	0	18
	258/3	0	01	0	0	04
	258/4	0	02	0	0	06
	260/3	0	04	5	0	10
	261/2	0	01	5	0	04
	263	0	01	0	0	03
	266/21	0	01	0	0	02
	266/3	0	11	5	0	29
	22/16	0	01	5	0	04
	17	0	01	5	0	04
	22/17	0	01	5	0	04
	23/15	0	00	5	0	01
	23/8	0	01	0	0	03
	23/15	0	00	5	0	01
	23/9,15	0	01	0	0	03
	23/15	0	01	0	0	02
	23/15	0	01	0	0	03
	23/15	0	01	0	0	03
	27/2,1	0	09	0	0	22
	27/1,2	0	01	5	0	04
	27/1	0	05	5	0	13
	24	0	04	5	0	11
	11	0	12	0	0	30
	11	0	14	0	0	34
	11	0	00	5	0	01

1	2	3	4	5	6	7
	75/3	0	02	0	0	05
	75/1	0	01	0	0	03
	75/1	0	01	0	0	02
	75/1	0	04	0	0	10
	75/1	0	07	5	0	19
	75/1	0	05	5	0	14
कुल मिलाकर		2	04	5	5	07

[मं. अं-12016/48/91-ओ एन जी-डी 4]

एम. मार्टिन, डेप्ट अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 421.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur-3 to Narsapur-5 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Laxmanesawaram village well No. 3 and 5 to G.C.S. Narsapur

State : Andhra Pradesh District : West Godavari Mandal : Narsapur

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centiars	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Laxmaneswaram	297/9	0	01	0	0	02
	297/9	0	03	0	0	07
	297/9	0	01	0	0	02
	297/9	0	03	5	0	09
	298	0	01	5	0	04
	298	0	03	0	0	07
	298	0	01	0	0	03
	288/2. 3	0	05	0	0	12
	253	0	05	0	0	12
	258	0	02	0	0	05
	252	0	14	5	0	35
	251	0	01	5	0	04
	252	0	04	0	0	10
	253	0	03	5	0	09
	253	0	01	0	0	03
	253	0	02	5	0	06
	253	0	18	5	0	46
	253	0	01	0	0	03
	253	0	01	0	0	03
	257/2	0	05	5	0	13
	258/3	0	05	0	0	12
	258/3	0	00	5	0	01

1	2	3	4	5	6	7
	258/3	0	01	5	0	04
	258/3	0	07	5	0	18
	258/3	0	02	0	0	05
	258/3	0	07	5	0	18
	258/3	0	01	5	0	04
	258/3	0	02	5	0	06
	260/3	0	04	0	0	10
	261/2	0	01	5	0	04
	263	0	01	0	0	03
	266/2	0	01	0	0	02
	266/3	0	11	5	0	29
	22/16	0	01	5	0	04
	22/17	0	01	5	0	04
	22/17	0	01	5	0	04
	23/15	0	00	5	0	01
	23/8	0	01	0	0	03
	23/15	0	00	5	0	01
	23/9. 15	0	01	0	0	03
	23/15	0	01	0	0	02
	23/15	0	01	0	0	03
	23/15	0	01	0	0	03
	27/2, 1	0	09	0	0	22
	27/1, 2	0	01	5	0	04
	27/1, 2	0	05	5	0	13
	24	0	04	5	0	11
	11	0	12	0	0	30
	11	0	14	0	0	34
	11	0	00	5	0	01
	75/3	0	02	0	0	05
	75/1	0	01	0	0	03
	75/1	0	01	0	0	02
	75/1	0	04	0	0	10
	75/1	0	07	5	0	19
	75/1	0	05	5	0	14
Grand Total		2	04	5	5	07

[No. O-12016/48/91-ONG. D4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1901

का.प्र. 422.---जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसापुर, 3 और 5 से जि.मि.एस. नरसापुर तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर परीक्षा का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर परीक्षा का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर परीक्षा का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सख्त अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेक्शन कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## सूची

पाईप लाइन नरसापुर 3 और 5 से नरसापुर

जिला : पश्चिम गोदावरी स्टेट : आन्ध्र प्रदेश मंडल : नरसापुरम

गाँव	एस. न	हेक्टर	एस	सेन्टि एस	एकड़	नेट्स
1	2	3	4	5	6	7
बिनमामिडिपलि	350	0	03	0	0	00
	350	0	01	5	0	04
	350	0	21	5	0	53
	352/1	0	10	5	0	26
	334	0	03	0	0	08
	330/34	0	04	5	0	11
	329/4	0	00	5	0	01
	329/2	0	04	5	0	11
	327	0	20	0	0	49
	327	0	01	0	0	02
	328	0	07	5	0	19
	313/1	0	14	5	0	35
	313/2	0	03	0	0	01
	314/1	0	06	5	0	16
	314/1	0	05	5	0	13
	315/1	0	07	5	0	19
	316/6	0	08	0	0	20
	316/6	0	05	0	0	12
	316/4	0	05	0	0	12
	316/7	0	02	0	0	05
	190/3	0	01	5	0	04
	189/5	0	13	0	0	32
	189/4, 1	0	10	0	0	25
	174/34	0	07	5	0	19
	174/2, 1	0	20	5	0	51
	74/15	0	0	5	0	01
	170/2	0	03	0	0	07
	170/2	0	05	5	0	14
	172	0	03	5	0	09
	208/1	0	03	0	0	08
	208/1	0	17	5	0	43
	152	0	03	0	0	07
	209	0	18	5	0	46
	210	0	03	0	0	07
	389	0	03	0	0	07
	213/2	0	02	0	0	05
	213/2	0	02	5	0	06
	213/2	0	02	0	0	05
	213/3	0	03	0	0	07
	213/4	0	03	0	0	07
	104/2	0	02	5	0	06
	105/3	0	05	0	0	12
	104/1	0	07	5	0	18
	104/2	0	05	5	0	13
	105/2, 3	0	15	0	0	37
	105/3	0	06	5	0	16
	107/2	0	07	5	0	18
	107/1	0	12	0	0	30
	108/2	0	11	5	0	28

1	2	3	4	5	6	7
	108/3	0	06	0	0	15
	79	0	20	0	0	50
	80	0	04	5	0	11
	79	0	20	5	0	51
	79	0	13	0	0	32
	83	0	11	5	0	28
		4	08	5	10	06

[सं. प्रो-12016/49/91-प्रोएनजी-डी 4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 422.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur-3 to Narsapur-5 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow line from Chinamamidipalli well No. 3 and well No. 5 to G.C.S. Narsapur

State : Andhra Pradesh; District : West Godavari, Mandal : Narsapuram

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chinamamidipalli	350	0	03	0	0	08
	350	0	01	5	0	04
	350	0	21	5	0	53
	352/1	0	10	5	0	26
	334	0	03	0	0	08
	330/3,4	0	04	5	0	11
	329/4	0	00	5	0	01
	329/2	0	04	5	0	11
	327	0	20	0	0	49
	327	0	01	0	0	02
	328	0	07	5	0	19
	313/1	0	14	5	0	35
	313/2	0	03	0	0	07
	314/1	0	06	5	0	16
	314/1	0	05	5	0	13
	315/1	0	07	5	0	19
	316/6	0	08	0	0	20
	316/6	0	05	0	0	12
	316/4	0	05	0	0	12
	316/7	0	02	0	0	05
	190/3	0	01	5	0	04



1	2	3	4	5	6	7
	189/5	0	13	0	0	32
	189/4, 1	0	10	0	0	25
	174/3, 4	0	07	5	0	19
	174/2, 1	0	20	5	0	51
	174/5	0	0	5	0	01
	170/2	0	03	0	0	07
	170/2	0	05	5	0	14
	172	0	03	5	0	09
	208/1	0	03	0	0	08
	208/1	0	17	5	0	43
	152	0	03	0	0	07
	209	0	18	5	0	46
	210	0	03	0	0	07
	389	0	03	0	0	07
	213/2	0	02	0	0	05
	213/2	0	02	5	0	06
	213/2	0	02	0	0	05
	213/3	0	03	0	0	07
	213/4	0	03	0	0	07
	104/2	0	02	5	0	06
	105/3	0	05	0	0	12
	104/1	0	07	5	0	18
	104/2	0	05	5	0	13
	105/2, 3	0	15	0	0	37
	105/3	0	06	5	0	16
	107/2	0	07	5	0	18
	107/1	0	12	0	0	30
	108/2	0	11	5	0	28
	108/3	0	06	0	0	15
	79	0	20	0	0	50
	80	0	04	5	0	11
	79	0	20	5	0	51
	79	0	13	0	0	32
	83	0	11	5	0	28
	Total	4	08	5	10	06

[No. O-12016/49/91--ONG. D-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.प्र. 423.--जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपुर-3 और 5 से नरसपुर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए, उसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि गत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के ज.ि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमंथ्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाक्षप लाईन नरसपुर नंबर 3 और 5 से जि.सि.एल. नरसपुर

स्टैंड : आंध्र प्रदेश, जिला : पश्चिम गोदावरी, मंडल : नरसपुर

गाथ	एस नं.	हस्तास	डास	सेन्टि डास	डाकस	सेन्टसे
रस्तुमंदादा	436/1, 2	0	32	5	0	80
	436/2	0	06	5	0	16
	434/1	0	05	0	0	12
	433	0	01	5	0	04
	432	0	09	0	0	22
	431	0	09	5	0	23
	509/पीटी	0	03	0	0	07
	509/पीटी	0	05	0	0	13
	509	0	09	5	0	23
	508/3	0	06	0	0	15
	508/4	0	11	5	0	29
	507/2	0	20	5	0	51½
	507/2	0	21	0	0	51½
	506/2	0	09	5	0	24
	506/2	0	04	0	0	10
	506/3	0	01	0	0	03
	524	0	01	0	0	02
	524	0	03	0	0	07
	525/1	0	16	0	0	40
	525/2	0	07	0	0	17
	525/2	0	03	0	0	07
	525/2	0	03	0	0	08
	526/1	0	02	0	0	05
	521/3	0	03	5	0	09
	520	0	03	0	0	08
	229/1	0	17	0	0	42
	227	0	01	0	0	03
	223/3,4	0	09	0	0	22
	224	0	03	0	0	07
	211	0	05	5	0	13
	211	07	07	5	0	19
	210	0	01	0	0	03
	209	0	17	0	0	42
	207/1	0	05	5	0	13
	197	0	11	5	0	28
	195	0	05	0	0	12
	195 8	0	07	5	0	18
	193/15	0	05	5	0	14
	193/6	0	05	5	0	13
	194/1	0	01	0	0	03
	199/1,2	0	09	5	0	23
	180	0	02	5	0	06
	131/4,5	0	16	5	0	41
	132/5,2	0	15	5	0	38
	123/6,7	0	07	5	0	18
	123/2	0	05	5	0	13
	118/4	0	02	5	0	06

1	2	3	4	5	6	7
	118/3	0	06	5	0	16
	120	0	05	5	0	14
	119	0	05	5	0	21
	120	0	01	5	0	11
	126	0	04	5	0	11
	120	0	03	0	0	07
	146/2	0	07	0	0	17
	146/2	0	03	0	0	07
	147	0	06	0	0	15
	147/5	0	05	5	0	14
	148/1	0	05	5	0	13
	कुल मियादर	4	18	5	10	32

[मं. प्रो. 12016/50/91-प्रोग्रॅजी-डी 4]

एम. माटिन, डेप्ट अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 423.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur-3 to Narsapur-5 in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.A. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Rustumbada (Part) well No. 3 and 5 to G.C.S. Narsapur

State : Andhra Pradesh : District : West Godavari Mandal : Narsapur

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centares	Ares	Cents
Rustumbada	436/1, 2	0	32	5	0	80
	436/2	0	06	5	0	16
	434/1	0	05	0	0	12
	433	0	01	5	0	04
	432	0	09	0	0	22
	431	0	09	5	0	23
	509/pt	0	03	0	0	07
	509/pt	0	05	5	0	13
	509	0	09	5	0	23
	508/3	0	06	0	0	15
	508/4	0	11	5	0	29
	507/2	0	20	5	0	51½
	507/2	0	21	0	0	51½
	506/2	0	09	5	0	24
	506/2	0	04	0	0	10
	506/3	0	01	0	0	03
	524	0	01	0	0	02
	524	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
Rustumbada (contd.)	525/1	0	16	0	0	40
	525/2	0	07	0	0	17
	525/2	0	03	0	0	07
	525/2	0	03	0	0	08
	526/1	0	02	0	0	05
	521/3	0	03	5	0	09
	520	0	03	0	0	08
	229/1	0	17	0	0	42
	227	0	01	0	0	03
	223/3, 4	0	09	0	0	22
	224	0	03	0	0	07
	211	0	05	5	0	13
	211	0	07	5	0	19
	210	0	01	0	0	03
	209	0	17	0	0	42
	207/1	0	05	5	0	13
	197	0	11	5	0	28
	195	0	05	0	0	12
	195	0	07	5	0	18
	193/5	0	05	5	0	14
	193/6	0	05	5	0	13
	194/1	0	01	0	0	03
	192/1, 2	0	09	5	0	23
	189	0	02	5	0	06
	131/4, 5	0	16	5	0	41
	132/5, 2	0	15	5	0	38
	123/6, 7	0	07	5	0	18
	123/2	0	05	5	0	13
	118/4	0	02	5	0	06
	118/3	0	06	5	0	16
	120	0	05	5	0	14
	119	0	08	5	0	21
	120	0	04	5	0	11
	120	0	04	5	0	11
	120	0	03	0	0	07
	146/2	0	07	0	0	17
	146/2	0	03	0	0	07
	147	0	06	0	0	15
	147/5	0	05	5	0	14
	148/1	0	05	5	0	13
Grand Total		4	18	5	10	32

[No. O-12016/50/91-ONG D-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.धा. 424.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिये पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरमापूर से जि.मि.एम्. नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर परियोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्णित कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सश्रम प्राधिकारी सश्रम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसाय के माध्यम से अपना मन प्रस्तुत करना चाहता है।

मेन पाइप लाइन जि.सि.एस. अतुसूची नरसापुर जि.सि. एस नगरम तक स्टेट आंध्र प्रदेश, मंडल : नरसापुरम, जिला पश्चिम गोदावरी गांव : माधवायपालेम।

गांव	एस.नं.	हेक्टर	एर्स	सेन्टीयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
माधवायपालेम	62/2	0	09	0	0	22
	63/2	0	23	5	0	58
	68/4-बी	0	13	0	0	32
	68/2-बी, 3 बी	0	13	5	0	33
	72/2	0	25	5	0	62½
	73/1-बी	0	22	5	0	55½
	77/3	0	08	0	0	20
	77/2	0	17	0	0	42
	77/4	0	07	5	0	17½
	78/2	0	02	5	0	61½
जोड़		1	42	0	3	49

[सं. ओ-12016/51/91-ओ एन जी बी-4]

एम. मार्टिन, चेरक अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 424.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Main Pipe from G.C.S. Narsapur to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh; Mandal : Narasapuram; District. West Godavari Village: Madhavayapalem

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Madhavayapalem	62/2	0	09	0	0	22
	63/2	0	23	5	0	58
	68/4B		13	0	0	32
	68/2-B, 3B	0	13	5	0	33
	72/2	0	25	5	0	62½

1	2	3	4	5	6	7
Madhavayapalem (contd.)	73/1B	0	22	5	0	55½
	77/3	0	08	0	0	20
	77/2	0	17	0	0	42
	77/4	0	07	5	0	17½
	78/2	0	02	5	0	6½
	Total	1	42	0	5	49

[No. O-12016/51/91-ONG. D4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.भा. 425 .—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस याने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत जि.सि.एम. नरसापुर से जि.सि. एम्. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) का खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी हवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूतिकर्णा कार्यालय, राजमूद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

मेन पाइप लाइन जि.सि. एम्. नरसापुर से जि.सि.एम. नगरम स्टेट: आन्ध्र प्रदेश, जिला: पश्चिम गोदावरी; मंडल: नरसापुर।

गांव	एस.नं.	हेक्टार्स	एर्स	सेन्टीयरर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
नवरसपुरम	110/1	0	03	0	0	08
	109/1	0	02	5	0	06½
	111/4, 3	0	11	0	0	27
	112/1	0	11	5	0	27½
	112/4	0	0	5	0	01½
	109/2	0	02	5	0	06
	109/2	0	11	5	0	27½
	68/1	0	03	0	0	08
	68/2	0	03	0	0	07½
	73/2	0	05	0	0	12
	72/1	0	06	5	0	15½
	72/1	0	09	5	0	24
	72/4	0	03	0	0	08
	45/1	0	07	5	0	19½
	72/5	0	03	5	0	08½
	72/5	0	03	0	0	08½
	70/2	0	03	0	0	08½
	71/1	0	07	5	0	18½
	71/2	0	08	5	0	21½
	71/4	0	02	5	0	06
	64/10	0	06	0	0	15
	64/11, 12	0	14	5	0	36½
	63/5	0	11	5	0	29
	63/4	0	07	5	0	18

1	2	3	4	5	6	7
	46/1	0	08	0	0	20
	46/2	0	14	0	0	34
	45/4	0	07	0	0	21
	45/5	0	13	5	0	33½
	162/1	0	18	0	0	45
	163/1	0	33	0	0	81
	162/1	0	17	0	0	42
	162/1	0	03	5	0	09
	162/1	0	08	0	0	20
	183/4	0	07	5	0	19
	183/1	0	01	0	0	77½
	185/1	0	25	0		63½
	192/पाट	0	01	0	0	03
	194/13	0	10	5	0	26
	194/14 }					
	194/15 }	0	05	5		14½
	194/16 }					
	195/14	0	08	5	0	21½
	193/1 }					
	193/2 }	0	32	5	0	80
	195/1	0	05	5	0	14
	195/17	0	05	0	0	12
	196/2	0	07	0	0	17
	195/6	0	05	5	0	13
	196/2 }					
	196/7 }	0	25	0	0	62
	196/8 }					
	196/12 }					
	197/10	0	04	0	0	10
	197/10	0	05	0	0	12
	197/9	0	04	5	0	11
	197/1	0	08	0	0	21
	197/7	0	07	0	0	17
	206/1, 2	0	07	0	0	18
	197/7	0	04	0	0	10
	206/3	0	07	5	0	19
	206/4	0	04	0	0	10
	206/4	0	04	0	0	10
	206/6	0	14	5	0	35
	202/5	0	01	0	0	03
	206/6	0	05	5	0	14
	206/6	0	02	5	0	06
	202/5	0	09	5	0	24
	228 पाट	0	19	5	0	48
	228 पाट	0	14	0	0	34½
	45/6	0	03	0	0	07
	185/2	0	04	5	.	11
	205/-	0	03	0	0	08
	229/-	0	03	5	0	09
	228/1	0	01	5	0	04
		5	76	0	14	38

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 425.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### SCHEDULE

#### Main Pipeline from G.C.S. Narasapuram to G.C.S. Nagore

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Mandal : Narsapur.

Village	S.No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Navarasapuram	110/1	0	03	0	0	08
	109/1	0	02	5	0	06½
	111/4,3	0	11	0	0	27
	112/1	0	11	5	0	27½
	112/4	0	0	5	0	01½
	109/2	0	02	5	0	06
	109/2	0	11	5	0	27½
	68/1	0	03	0	0	08
	68/2	0	03	0	0	07½
	73/2	0	05	0	0	12
	72/1	0	06	5	0	15½
	72/1	0	09	5	0	24
	72/4	0	03	0	0	08
	45/1	0	07	5	0	19½
	72/5	0	03	5	0	08½
	72/5	0	03	0	0	08½
	73/2	0	03	0	0	08½
	71/1	0	07	5	0	18½
	71/3	0	08	5	0	21½
	71/4	0	02	5	0	06
	64/10	0	06	0	0	15
	64/11, 12	0	14	5	0	36½
	63/5	0	11	5	0	29
	63/4	0	07	5	0	18
	46/1	0	08	0	0	20
	46/2	0	14	0	0	34
	45/4	0	08	0	0	21
	45/5	0	13	5	0	33½
	162/1	0	18	0	0	45
	163/pt	0	33	0	0	81
	162/1	0	17	0	0	42
	162/1	0	03	5	0	09
	162/2	0	08	0	0	20
	183/4	0	07	5	0	19
	183/1	0	31	0	0	77½
	185/1	0	25	5	0	63½



1	2	3	4	5	6	7
	192/1 pt	0	01	0	0	03
	194/18	0	10	5	0	26
	194/14 } 194/15 } 194/16 }	0	05	5	0	14½
	195/14		8	0	0	21½
	193/1					
	193/2	0	32	5	0	80
	195/1	0	05	5	0	14
	195/17	0	05	0	0	12
	196/2	0	07	0	0	17
	195/6	0	05	0	0	13
	196/2 } 196/7 } 196/8 } 196/12 }	0	25	0	0	62
	197/10	0	04	0	0	10
	179/10	0	05	0	0	12
	197/9	0	04	5	0	11
	197/1	0	08	5	0	21
	197/7	0	07	0	0	17
	206/1, 2	0	07	5	0	18
	197/9	0	04	0	0	10
	206/3	0	07	5	0	19
	206/4	0	04	0	0	10
	206/4	0	04	0	0	10
	206/6	0	14	5	0	35
	202/5	0	01	0	0	03
	206/6	0	05	5	0	14
	206/6	0	02	5	0	06
	202/5	0	09	5	0	24
	228/pt	0	19	5	0	48
	228/Pt	0	14	0	0	34½
	45/6	0	03	0	0	07
	185/2	0	04	5	0	11
	205/-	0	03	0	0	08
	229/-	0	03	5	0	09
	228/1	0	01	5	0	04
		1	01	5	2	52½
		5	78	0	1	38

[No. O-12016/52/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.घा. 426: --जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसापुर से जि.सि.एस. नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

धन: पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की धरणा की घोषणा करती है।

वर्षों कि उसल भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर, भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी सेल और प्राकृतिक गैस आयोग के ज़ि. प्रोजेक्ट, भूमिकला कर्पोरेशन, राजमंदिर, आंध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किर्मा भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

मेहनत पाईप लाइन: जि. सि. एम. नरसपुर से जि. पि. डी. नगरम, स्टेट: आंध्र प्रदेश

जिला: पश्चिम गोदावरी

मंडल: नरसापुरम

गांव	एन. नं.	हेक्टेर्स	एम्	सेल्टियर्स	एकर्स	सेंट
1	2	3	4	5	5	7
गोन्डि	138	0	14	5	0	35
	138	0	04	0	0	10
	134/7	0	03	5	0	09
	134/6 } 134/5 }	0	14	0	0	34
	136/19	0	08	5	0	21
	136/17	0	00	5	0	01
	136/18	0	00	5	0	01
	136/16 } 136/14 } 136/15 }	0	13	0	0	23
	136/6	0	08	5	0	31
	136/3 } 136/4 } 136/5 }	0	10	5	0	26
	125/1	0	14	0	0	34
	124/2	0	11/14	5	0	29
	124/1	0	03	5	0	09
	124/1	5	05	0	0	14
	123/1	0	05	0	0	12
	123/1	0	04	5	0	81
	123/1	0	06	0	0	11
	122/4 } 122/3 }	0	09	0	0	22
	123/1	0	03	0	0	08
	74/2	0		0	0	02-1/2
	13/9	0	12	0	0	30
कुल मिनाकर		1	52	0	3	76½

[स.प्रो.-12016/53/91--ओ एन जी डी-4]

एम. माहिन, हेल्थ अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 426.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE  
Main Pipe Line from G.C.S. Narsapur to G.C.S. Nagaram  
State : A. P. Distt. : W.G. Mandal - Narsapur

Village	S.No	Hec- tars	Ares	Centi- ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Gondi Village	138	0	14	5	0	35
	138	0	04	0	0	10
	134/7	0	03	5	0	09
	134/6	0	14	0	0	34
	134/5					
	136/19	0	08	5	0	21
	316/17	0	00	5	0	01
	136/18	0	00	5	0	01
	136/16	0	13	0	0	32
	136/14					
	16/15					
	136/6	0	08	5	0	21
	136/3	0	10	5	0	26
	136/4					
	136/5					
			77	5	0	90
	125/1	0	14	0	0	34
	124/2	0	11	5	0	29
	124/1	0	03	5	0	09
	124/1	0	05	5	0	14
	123/1	0	05	0	0	12
	123/1	0	04	0	0	11
	123/1	0	06	0	0	15
	122/4	0	09	0	0	22
	122/3					
	123/1	0	03	0	0	08
	74/2		01	0	0	02½
	139	0	12	0	0	30
			76	0		
		0	0	0	0	56½
TOTAL		1	52	0	3	76½

[No.-12016/53/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 427.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत जि.मि.एस. नरसापूर से जि.मि. एस. नगरम तक रेल और प्राकृतिक गैस आयाग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पदार्थ लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

यशर्ने कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि गण पाश्च लाहम बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति गद्यम प्राधिसूचरी, लेख और प्राकृतिक गैस आयोग, के नि. प्रोजेक्ट, भूगर्भण कार्यालय, राजमुनि, [प्राध प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विरोध रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप में अथवा त्रिधिव्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुमृत्ती

मेन पाश्च लाहम जि.सि.एस. तस्मापुरम से जि.सि.एस. तगरम

स्टेट : प्राध प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

मंडल : ययमंचिनि

गांव	एस नं.	हैक्टर	एम्	सेन्टिगर्म	एकर्स	सैरटस
1	2	3	4	5	6	7
वै. वि. झंका	28/1, 6	0	01	0	0	03½
	28/1	0	22	5	0	56
	28/1	0	05	0	0	13½
	28/1	0	09	0	0	22
	28/6	0	01		0	02
	28/2 }					
	28/5 }	0	15	5	0	37
	28/3 }					
	28/4 }					
	33/1	0	03	0	0	07
	33/2 }					
	33/2 बी }	0	23	5	0	58
	33/3 बी }	0	05	5	0	13
	34/1	0	03	5	0	09½
	34/3	0	01	5	0	03½
	34/4	0	03	0	0	07
	34/4	0	03	0	0	07
	40/1	0	04	5	0	11
	40/2	0	02	5	0	06
	40/3	0	02	0	0	05
	40/7 बी	0	01	0	0	02½
	41/1ए	0	03	5	0	09
	40/6, 5	0	05	5	0	13½
	40/8, 9	0	05	5	0	13½
	40/4	0	02	0	0	04½
	40/4	0	07	5	0	18
	41/1	0	04	5	0	11
	41/2	0	03	0	0	08
	42/2 बी	0	07	5	0	19
	41/3	0	03	0	0	08½
	41/4	0	04	0	0	10
	42/1	0	03	0	0	08
	42/4	0	07	5	0	18
	51/1 पी.	0	02	5	0	06
	51/1 पी.	0	02	5	0	06
	51/2 बी	0	07	0	0	17
	51/2 सी	0	04	0	0	10
	51/2 सी	0	03	5	0	09
	51/3 बी	0	05	5	0	13
	51/5	0	06	0	0	15
	50/2	0	07	5	0	18
	50/3 बी	0	03	0	0	07½

1.	2	3	4	5	6	7.
	50/3/सी	0	12	0	0	29½
	49 भाग	0	07	0	0	17
	74 भाग	0	06	5	0	16
	73/1 बी	0	38	0	0	94
	73/1 बी	0	38	5	0	70
	71/1	0	08	5	0	21
	63 भाग	0	01	0	0	03
	72/4	0	11	5	0	09½
	72/3	0	01	5	0	04
	72/2 डी } 2 बी } 3 के }	0	04	0	0	09½
	72/2 डी	0	04	0	0	10½
	72/2 सी	0	01	0	0	02½
	72/3 सी } 3 एल } 3 एल }	0	03	5	0	09
	72/3 डी } 3 ई }	0	03	5	0	09½
	72/3 जे	0	03	5	0	09
	69/2 बी	0	04	5	0	11
	15	0	05	0	0	12
	16	0	01	0	0	02
	70/1	0	06	5	0	16
	70/2	0	08	0	0	19½
	70/2	0	05	5	0	14
	70/3	0	05	0	0	12
	69/1	0	04	5	0	11
	69/2	0	04	5	0	11
	68/-	0	06	5	0	16
	कुल मिलाकर	3	89	5	9	65½

[सं. प्रो. 12016/54/91-प्रो.एन.जी.डी.-4]

एम. माहिन, डेप्ट. अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 427.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

226 GI/92—7

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the

Land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, cons-

truction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### SCHEDULE

Main Pipe line for R.O.U. main line from G.C.S. Narsapur to G.C.S. Nagaram State Andhrapradesh  
District Godavari, Mandal Elamanchili

Village	Survey No.	Hec- tars	Ares	centi- ares	Acres	cnts
1	2	3	4	5	6	7
Y V Lakka	28/1, 6	0	01	0	0	03½
	28/1	0	22	5	0	56
	28/1	0	05	5	0	13½
	28/1	0	09	0	0	22
	28/6	0	01	0	0	02
	28/2 }	0	15	5	0	37½
	28/5 {					
	28/3 {					
	28/4 }					
	33/1	0	03	0	0	07½
	33/2	0	23	5	0	58
	33/2B					
	33/3B	0	05	5	0	13
	34/3pt	0	03	5	0	09½
	34/3	0	01	5	0	03½
	34/4	0	03	0	0	07
	34/4	0	03	0	0	07
	40/1	0	04	5	0	11
	40/2	0	02	5	0	06
	40/3	0	02	0	0	05
	40/7B	0	01	0	0	02½
	41/1pt	0	03	5	0	09
	40/6, 5	0	05	5	0	13½
	40/8, 9	0	05	5	0	13½
	40/4	0	02	0	0	04½
	42/4	0	07	5	0	18
	41/1	0	04	5	0	11
	41/2	0	03	0	0	08
	42/2B	0	07	5	0	19
	41/3	0	03	0	0	08½
	41/4	0	04	0	0	10
	42/1	0	03	0	0	08
	42/4	0	07	5	0	18
	51/1pt	0	02	5	0	06
	51/1pt	0	02	5	0	06
	51/2B	0	07	0	0	17
	51/2C	0	04	0	0	10
	51/2C	0	03	5	0	09
	51/3B	0	05	5	0	13
	51/5	0	06	0	0	15
	50/2	0	07	5	0	18
	50/3B	0	03	0	0	07½

1	2	3	4	5	6	7
Y V Lanka—(concl'd)	50/3/C	0	12	0	0	29½
	49/pt	0	07	0	0	17
	74/pt	0	06	5	0	16
	73/1B	0	38	0	0	94
	73/1B	0	28	5	0	70
	71/1	0	08	5	0	21
	63/pt	0	01	0	0	03
	72/4	0	11	5	0	29½
	72/3	0	01	5	0	04
	72/2D	}	0	04	0	09½
	2B					
	3K					
	72/2D	0	04	0	0	10½
	72/2C	0	01	0		02½
	72/3C	}	0	03	5	0
	3L					
	3M					
	72/3D					
	3E	0	03	5	0	09½
	72/3J	0	03	5	0	09
	69/2B	0	04	5	0	11
	15	0	05	0	0	12
	16	0	01	0	0	02
	70/1	0	06	5	0	16
	70/2	0	08	0	0	19½
	70/2	0	05	5	0	14
	70/3	0	05	0	0	12
	69/1	0	04	5	0	11
	69/2	0	04	5	0	11
	68/	0	06	5	0	16
		0	40	5	0	99½
Grand Total		3	90	5	9	65

[No. O-12016/54/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ. 428.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत तरसापुर से नगरा तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोजना द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रीयक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की औपस्था की घोषणा करती है।

यसमें कि उक्त भूमि में अपनी राई रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोजना, के. जे. प्रोजेक्ट, भूस्तरण कार्यालय, राजमुक्ति, भारत प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विविध व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

मेन पाइप लाइन जि.वि. एस. नरसापुर से जि.सि.एस. नगरम तक  
स्टेट : अन्ध्र प्रदेश जिला : पूरब गोदावरी मंडल : मलिकिपुरम

गांव	एस. सं.	हेक्टेयर्स	एअर	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट
1	2	3	4	5	6	7
	6/पा.	0	05		0	12-
	36/1	0	08	5	0	21
	36/1	0	12	5	0	31
	36/1	0	03	0	0	07
	7/4पा.	0	00	5	0	01
	35/1 पा	0	02	0	0	04½
	34	0	01	0	0	03½
	35/पा.	0	24	0	0	59
	70/1 ए	0	13	0	0	32
	21/2	0	05	5	0	12½
	21/2	0	09	5	0	23
	22/1, 2, 3	0	15	5	0	38½
	23/1 पा.	0	01	0	0	02½
	21/2	0	05	5	0	13
	24/2 पा.	0	09		0	22½
	24/3	0	20		0	50
	29/1 पा.	0	17	5	0	42½
	25/2 पा. } 69/1, 2 पा. } 69/7 पा. }	0	01		0	03½
		0	12		0	29½
	69/5 पा.	0	11	5	0	28½
	69/4 पा.	0	03		0	08
	69/3 पा.	0	01		0	02
	28	0	03		0	06½
	30	0	03		0	07½
	29 1 पा.	0	03		0	08½
		1	91	0	4	69

[सं० जी-12016/55/91-ओ.एन.जी.सी.-4]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 428.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority. Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Main pipe line from G.C.S. Narsapur to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh; DT : East-Godavari District : Mandal : Malikipuram Mandal

Village	S.No.	Hec- tares	Ares	Centi- ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mattapparlu	6/pt	0	05	0	0	12
	36/1	0	08	5	0	21



(1	(2	(3	(4				
		36/1	0	12	5	0	31
		36/1	0	03	0	0	07
		7/4 pt	0	00	5	0	01
		35/1pt	0	02	0	0	04½
		34/	0	01	0	0	03½
		35 pt	0	24	0	0	59
		70/1A	0	13	0	0	32
		21/2	0	05	5	0	12½
		21/2	0	09	5	0	23
		22/1, 2, 3	0	15	5	0	38½
		23/1 Pt	0	01	0	0	02½
		21/2	0	05	5	0	13
		24/2 Pt	0	09	0	0	22½
		24/3	0	20	0	0	50
		29/1Pt	0	17	5	0	42½
		25/2 Pt	0	01	0	0	03½
		69/1, 2 Pt	0	12	0	0	29½
		69/7 Pt					
		69/5 Pt	0	11	5	0	28½
		69/4 Pt	0	03	0	0	08½
		69/3 Pt	0	01	0	0	01½
		28	0	03	0	0	06½
		30	0	03	0	0	07½
		29/1Pt	0	0B	5	2	08½
			1	06	5	2	60
			1	91	0	4	69

[No. O-12016/55/91--ONGD-4]

M MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 सितम्बर, 1991

का. प्रा. 429. जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत जि. - सि. एस. नरसापुर से नगरध तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962, (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बगलें कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसंकरण कार्यालय, राजमंदि, अम्भ्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. ओ. यु. मेहन पाइप लाइन जि. सि. एस. नरसापुर से नगरध

स्टेट : आंध्र प्रदेश, जिला - पूरब गोदावरी, मंडल - राजोल

गांव	आर. एस. न.	हेक्टास	एस	सेन्टिएस	एकस	सेन्टस
6	2	3	9	5	6	7
गुडिमेल्लुका	51-1	0	07	0	0	17
	65-4,5	0	57	0	1	41

1	2	3	4	5	6	7
	65. 6	0	04	0	0	10
	66	0	07	5	0	19
	73. 2 पी	0	22	5	0	55
	85-3 पी	0	08	5	0	21
	72-1 पी	0	15	0	0	37
	72-34	0	16	0	0	40
	75-4 पी	0	09	5	0	23
	84-1 पी	0	05	5	0	14
	82-2 पी	0	05	5	0	13
	85-4 पी	0	08	0	0	20
	85-5 पी	0	09	0	0	22
	87 पी	0	03	0	0	07
	89-3, 4 पी	0	09	5	0	24
	88-2, 5, 3 ए	0	21	0	0	52
	6, 11					
	94 पी	0	02	5	0	06
	129 पी	0	47	0	1	16
	130 पी	0	08	0	0	20
	141-2 पी	0	22	5	0	56
	144-पी	0	03	0	0	09
	153-ए3, ए4	0	03	5	0	09
	153-4ए	0	05	0	0	12
	156-पी	0	03	5	0	09
	156-पी	0	08	5	0	21
	155-1 पी	0	20	5	0	51
	155-4ए, 4 बी	0	14	5	0	35
	158-पी	0	06	0	0	15
	172-2 पी	0	54	0	1	33
	169-पी	0	04	5	0	11
	167-1ए	0	03	0	0	07
	167-1बी	0	08	0	0	20
	167-1सी	0	09	5	0	23
	168-2ए	0	15	5	0	38
	169-2बी	0	07	5	0	18½
	327-2	0	03	0	0	07
	326-1ए, 4ए, 2ए	0	35	0	0	87
	327-3ए	0	06	5	0	151/2
	306-2	0	03	0	0	08
	305-ए	0	09	0	0	22
	297-5ए	0	06	0	0	15
	297-6ए	0	02	5	0	06
	297-7ए, 10ए	0	13	5	0	33
	297-8बी	0	01	5	0	04
	297-सी, 10 ए	0	13	0	0	13½
	299-2	0	20	0	0	50
	301-2बी	0	20	0	0	49/21
	302 1बी	0	03	0	0	06 1/2
	276-1	0	01	0	0	03
	273	0	01	0	0	02
	274-1ए, 2ए	0	19	0	0	46 1/2
	274-ए1, 2ए	0	02	0	0	50
	272-1ए	0	03	5	0	09
	272-2ए	0	15	0	0	37
	266	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
	264-8ए	0	05	5	0	14 1/2
	264-8बी	0	14	0	0	33 1/2
		6	55	0	16	17

[मं. ओ-12016/56/91-ओ एम जो डी-4]

एम. मार्टिन, टेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 429.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Mineyals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Main Gas Pipe line from G.C.S. Narsapur to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Razolu

Village	R.S. No.	Hec- tars	Ares	Cen- tares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Gudimalanka	51-1	0	07	0	0	17
	65-4, 5	0	57	0	1	41
	65-6	0	04	0	0	10
	66	0	07	5	0	19
	73-2P	0	22	5	0	55
	85-3P	0	08	5	0	21
	72-1P	0	15	0	0	37
	72-34	0	16	0	0	40
	75-4P	0	09	5	0	23
	84-1P	0	05	5	0	14
	82-2P	0	05	5	5	13
	85-4P	0	08	0	0	20
	85-5P	0	09	0	0	22
	87P	0	03	0	0	07
	89-3, 4P	0	09	5	0	24
	88-2, 5, 3A } 6, 11 }	0	21	0	0	52
	94P	0	02	5	0	06
	129 P		47	0	1	16
	130 P	0	08	0	0	20
	141-2P	0	22	5	0	56
	144 P	0	03	0	0	08
	153-A3, A4	0	03	5	0	09
	153-4A	0	05	0	0	12
	156 P	0	03	5	0	09
	156 P	0	08	5	0	21

1	2	3	4	5	6	7
	155/IP	0	20	5	0	51
	155/4A, 4B	0	14	5	0	35
	158 P	0	06	0	0	15
	172/2P	0	54	0	1	33
	169 P	0	04	5	0	11
	167/1A	0	03	0	0	07
	167/1B	0	08	0	0	20
	167/1C	0	09	5	0	23
	168/2A	0	15	5	0	38
	169/2B	0	07	5	0	18½
	327/2	0	03	0	0	07
	326/1A, 4A, 2A	0	35	0	0	87
	327/3A	0	06	5	0	15½
	306/2	0	03	0	0	08
	305/A	0	09	0	0	22
	297/5A	0	06	0	0	15
	297/6A	0	02	5	0	06
	297/7A, 8A	0	13	5	0	33
	297/8B	0	01	5	0	04
	297/8C, 10A	0	13	0	0	31½
	292/2	0	20	0	0	50
	301/2B	0	20	0	0	49½
	302/1B	0	03	0	0	06½
	276/1	0	01	0	0	03
	273	0	01	0	0	02
	274/1A, 2A	0	19	0	0	47½
	274/1A, 2A	0	02	0	0	05
	272/1A	0	03	5	0	09
	272/2A	0	15	0	0	37
	266	0	03	0	0	07
	264/8A	0	05	5	0	14½
	264/8B	0	14	0	0	33½
		6	55	0	16	17

[No. O-12016/56/91-ONGD-4]

M. MARTIV Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 430:—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि मार्बेजनिह हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लगाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पेरगवि से तनुकु तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विधाना जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके सार्थ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने का संज्ञा की घोषणा करती है।

बतते कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विधाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजसमि, ग्रामध प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विषय स्पष्ट में निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप में अथवा त्रिविधव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

आर. ओ. य. प.पी पाइप लाइन परेवलि से तणुकु  
स्टेट—आन्ध्र प्रदेश, मंडल—पेरवलि, जिला—पुश्ची गोवावरि

गांव	आर. एम. नं.	हेक्टेयर	एम्स	सेन्टिमीटर	एम्स	सेन्टिमीटर
1	2	3	4	5	6	7
	131/3ए	0	0.5	0	0	12
	131/3ब	0	0.4	5	0	11
	131/1ए, 2ए	0	0.8	5	0	21
	132/1बी, 5बी	0	0.5	5	0	13
	132/1बी, 2बी	0	0.5	5	0	13
	132/1ए, 1बी	0	1.6	0	0	40
	132/2बी	0	1.4	5	0	36
	137/5बी } 2बी 2 } 2बी 1 }	0	1.0	5	0	26
	137/1बी 2	0	0.6	5	0	18
	76/5बी 2	0	0.4	0	0	10
	76/4बी 1	0	0.6	0	0	15
	76/3बी } 77/1बी 3 }	0	0.7	5	0	18
	76/3ब 2	0	1.0	0	0	25
	76/2बी 1	0	0.9	0	0	23
	76/1बी 1	0	0.9	5	0	24
	77/1बी 4, 2ए	0	1.0	5	0	26
	77/1बी 1	0	0.4	0	0	10
	85/2ए 1	0	0.7	0	0	17
	85/2ए 1	0	0.1	5	0	11
	86/2बी	0	0.8	0	0	20
	86/2ए	0	1.0	0	0	25
	86/1बी 1	—				
	87/4ए, 5ए	0	2.1	5	0	53
	87/56	0	1.0	0	0	25
	87/6ए	0	0.1	0	0	02
कुल भिन्नाकर		1	9.9	5	4	92

[सं. अं - 12016/57/91 - ओ एन जी डी - 4]

एम्. माडिन, डेप्ट. अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 430.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Perawali to Tanuku in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and 226 GI/92—8

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority. Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Gas pipe line from Peravali to Tonuku

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Manoal : Peravali

Village	R.S. No.	Hec- tares	Ares	Cen- tares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Peravali Part	131/3A	0	05	0	0	12
	131/3B	0	04	5	0	11
	131/1A	0	08	5	0	21
	2A					
	131/1B	0	05	5	0	13
	3B					
	132/1B	0	05	5	0	13
	2B					
	132	0	16	0	0	40
	1A/1B					
	132	0	14	5	0	36
	2B					
	137/5B	0	10	5	0	26
	2B1					
	2B2					
	137/1B	0	06	5	0	16
	2					
	76/B52	0	04	0	0	10
	76/4B1	0	06	0	0	15
	76/3B	0	07	5	0	18
	77/1B5	0				
	76	0	10	0	0	25
	3B2					
	76	0	09	0	0	23
	2B1					
	76	0	09	5	0	24
	1B1					
	77	0	10	5	0	16
	1B4					
	2A					
	77	0	04	0	0	10
	1B1					
	85	0	07	0	0	17
	2A1					
	85	0	04	5	0	11
	2A1					
	86	0	08	0	0	20
	2C					

1	2	3	4	5	6	7
	86	0	10	0	0	25
	2A 86	0	21	5	0	53
	1B1 87					
	4A 5A					
	87					
	5C 87	0	01	0	0	02
	6A					
Grand Total		1	99	5	4	92

[No. O-11016/57/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.भा. 431 :- जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत पेरबल से तण्डु तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1982 (1982 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

अर्थात् कि उस भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के.जि. प्रोजेक्ट, भू से करणा कार्यालय, राजमुक्ति, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार.ओ. यू. गैस पाइप लाइन पेरबल से तण्डु

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

डिवीजन : तण्डु

मंडल : तण्डु

जिला : पश्चिम गोदावरी

शॉज	आर एस न.	हेक्टर	एकड़	सेन्टिअर्स	एकड़	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
तण्डु	743-2	0	08	5	0	16
	740-2 बी	0	10	5	0	48
	740-1 सी/3 ए	0	08	0	0	20

1	2	3	4	5	6	7
संयुक्त	740-1 बी/2 ए	0	09	5	0	24
	740-1 बी/1 ए		09	5	0	23
	737-1 बी/2 ए	0	14	0	0	34
	734-2 सी	0	09	5	0	24
	730-2 ए	0	35	0	0	86
	729-2	0	02	5	0	06
	724-2 बी	0	13	0	0	32
	440-1 ए	0	10	5	0	26
	457-1 बी	0	09	5	0	24
	459-1 बी 3	0	16	0	0	40
	461 1 ए/2 बी	0	18	5	0	46
	462-2 बी	0	18	5	0	46
	460-2 बी	0	12	0	0	30
	474-2 बी	0	21	5	0	53
	473-3 बी	0	09	0	0	22
	475-7 बी	0	07	0	0	17
	473-1 बी	0	01	5	0	04
	441-2ए	0	04	5	0	11
	444-2	0	03	0	0	07
	438-2ए	0	17	0	0	42
	439-4ए	0	12	5	0	31
	439-5ए	0	12	5	0	31
	437-1 ए 2	0	08	0	0	20
	384-5ए	0	09	5	0	24
	437-1 बी 1	0	00	5	0	01
	385-1 बी	0	26	5	0	66
	384-3 बी 2	0	14	5	0	36
	384-2 बी	0	09	5	0	24
	376-2 पी टी	0	39	0	0	96
	361-2	0	14	0	0	34
	359-2 टी	0	07	5	0	19
	356-2 बी	0	10	0	0	25
	351-1 बी	0	20	0	0	50
	351-2 बी	0	22	0	0	54
	348-	0	04	0	0	10
	336-1 बी	0	25	0	0	62
	185-4	0	14	0	0	34
	337-3 बी	0	17	5	0	43
	184-4 बी	0	00	5	0	01
	339-2	0	22	5	0	55
	342-3 बी	0	09	5	0	23
	342-3 बी	0	09	5	0	24
	341-2 बी	0	06	5	0	16
	341-1 बी	0	11	5	0	29
	343-4 बी	0	26	5	0	66
	341-4 बी	0	14	0	0	34
	167-2	0	07	5	0	18
	172-9 बी	0	30	5	0	75
	174-2	0	02	5	0	06
	244-1	0	01	0	0	02
	245-2	0	03	5	0	09
	192-23	0	10	5	0	26
	216-2	0	03	0	0	08
	215-2	0	03	5	0	09
	204-1 बी	0	23	0	0	57



ए.म. माटिल, डेस्क ब्राह्मणकारी।

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Cent Ares	Acers	Cents
1	2	3	4	5	6	7
<b>Tanuku</b>	743-2	0	06	5	0	16
	740-2B	0	19	5	0	48

	2	3	4	5	6	7
TANUKU						
740-1D/3A	0	08	0	0	20	
740-1D/2A	0	09	5	0	24	
740-1B/1A	0	09	5	0	23	
737-1B/2A	0	14	0	0	34	
734-2C	0	09	5	0	24	
730-2A	0	35	0	0	86	
729-2	0	02	5	0	06	
724-2B	0	13	0	0	32	
440-1A	0	10	5	0	26	
459-2B	0	09	5	0	24	
—1B3	0	16	0	0	40	
461-1A	0	18	5	0	46	
2B						
462-2B	0	18	5	0	46	
460-2B	0	12	0	0	30	
474-2B	0	21	5	0	53	
473-3B	0	09	0	0	22	
475-7B	0	07	0	0	17	
473-1B	0	01	5	0	04	
441-2A	0	04	5	0	11	
444-2	0	03	0	0	07	
438-2A	0	17	0	0	42	
439-4A	0	12	5	0	31	
439-5A	0	12	5	0	31	
437-1A2	0	08	0	0	20	
384-5A	0	09	5	0	24	
437-1B1	0	00	5	0	01	
385-1B	0	26	5	0	66	
384-3B 2	0	14	5	0	36	
384-2B	0	09	5	0	24	
376-2 pt	0	39	0	0	96	
361-2	0	14	0	0	34	
359-2B	0	07	5	0	19	
356-2B	0	10	0	0	25	
351-1B	0	20	0	0	50	
351-2B	0	22	0	0	54	
348	0	04	0	0	10	
336-1B	0	25	0	0	62	
184-4	0	14	0	0	34	
337-3B	0	17	5	0	43	
184-4B	0	00	5	0	01	
339-2	0	22	5	0	55	
342-3B	0	09	5	0	23	
342-3B	0	09	5	0	24	
341-2B	0	06	5	0	16	
341-1B	0	11	5	0	29	
343-4B	0	26	5	0	66	
341-4B	0	14	0	0	34	
167-2	0	07	5	0	18	
172-9B	0	30	5	0	75	
174-2	0	02	5	0	06	
244-1	0	01	0	0	02	

1	2	3	4	5	6	7
	245-2	0	03	5	0	09
	192-2B	0	10	5	0	26
	216-2	0	03	0	0	08
	215-2	0	03	5	0	09
	204-1B	0	23	0	0	57
	204-7B	0	01	5	0	04
	205-3B	0	24	5	0	61
	205-5B	0	13	5	0	33
	205-4B	0	07	5	0	18
	205-4B	0	07	5	p	18
	206-1P	0	03	0	0	07
	733-1B	0	14	5	0	35
	733-2B	0	14	0	0	34
	724-1B	0	14	5	5	35
	723-2B	0	35	0	0	87
	3A					
	358-2	0	19	0	0	47
	359-1B	0	09	5	0	23
	459-3B	0	09	5	0	23
	357-1B	0	25	5	0	63
	171-2	0	16	0	0	40
	178-2	0	22	0	0	54
	181-2B	0	33	0	0	82
	183-1	0	14	0	0	34
	180-4C	0	19	0	0	47
	180-4B	0	09	5	0	23
	186-1B					
	187-2	0	17	0	0	42
	188-3	0	16	0	0	39
	246-2	0	54	0	1	33
	217-1B	0	32	5	0	81
	2B					
		11	59	5	28	62

[No. O-12016/58/91-ONG.4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.श्रा. 432.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत तणकु से गीधामि सामबेन्दस तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाता है ;

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ सम्बन्धित विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उन पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी भविष्य में खाना कोई भी व्यक्ति अधिगृहणा की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति केवल अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ;

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## प्रवृत्तरी

भार. ओ. ए. प. वाइलेंट तेलकु से गोथमि सोल्वेंट्स और कोस्टल ग्रापो इन्डस्ट्रीज लिमिटेड

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

गाँव व मंडल : तणकु

ग्रामा : पूर्व गोदावरी

गाँव	भार एस नं.	हेक्टार्स	एजे	मान्डियर्स	एकर्स	सेंट
1	2	3	4	5	6	7
तणकु	376-ए	0	01	0	0	10
	380-5 बी	0	06	0	0	15
	380-3 बी	0	10	0	5	26
	380-1ए	0	01	0	0	02
	379-2बी	0	04	0	0	10
	-2					
	543-5	0	10	0	0	25
	543-2	0	04	0	0	10
	545-2	0	07	5	0	18
	545-6	0	06	0	0	15
	543-1 बी	0	04	5	0	11
	543-4	0	03	0	0	08
	545-5	0	05	5	0	14
	545-3	0	03	5	0	09
	545-1ए	0	01	5	0	04
	547-5	0	01	0	0	02
	547-1बी	0	03	0	0	08
	379-1ए	0	0	5	0	01
	जोड़	0	75	5	1	88

[सं ओ-12016/59/91-ओ एन जी सी-4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 432.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tanuku to Gowthami Solvent in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103);

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. GAS PIPE LINE FROM TANUKU TO GOWTHAMI SOLVENT

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : TANUKU

MANDAL : TANUKU :

Village	R. S. No	Hec- tares	Ares	Centi ares	Acres- Cents
1	2	3	4	5	6
Tanuka	376-A	0	04	0	0 10
	380-5B	0	06	0	0 15
	3B	0	10	5	0 26

1	2	3	4	5	6	7
	380-1A	0	01	0	0	02
	379-2B	0	04	0	0	10
	2					
	543-5	0	10	0	0	25
	543-2	0	04	0	0	10
	545-2	0	07	5	0	18
	545-6	0	06	0	0	15
	543-1B	0	04	5	0	11
	543-4	0	03	0	0	08
	545-5	0	05	5	0	14
	545-3	0	03	5	0	09
	545-1A	0	01	5	0	04
	547-5	0	01	0	0	02
	547-1B	0	03	0	0	08
	379-1A	0	0	5	0	01
		0	75	5	1	88

[No-O-12016/59/91-O.N.G.D.-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ.4.3.3.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत तणकु से गौतमि सालावेन्टम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करते हैं कि इस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्षों कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के.जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईप लाइन तणकु से गौतमि सालावेन्टम और कोस्टल ग्रामो इन्डस्ट्रियल लिमिटेड

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

विनेज : तणकु बेमावरम

मंडल : तणकु

जिला : पूरब गोदावरी

शॉक का नाम	आर.एम.नं.	हैक्टयर्स	एयर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टम
1	2	3	4	5	6	7
तणकु बेमावरम	75/1बी	0	03	5	0	09
	15/4 बी	0	07	0	0	17
	75/1ए	0	06	0	0	15
	71/4	0	04	0	0	10
	69/3	0	07	5	0	18
	71/3	0	05	5	0	13
	71/2					
	74/2	0	06	0	0	15
	72/1	0	04	5	0	11

1	2	3	4	5	6	7
	59/1	0	06	0	0	15
	53/2	0	19	5	0	48
	53/3					
	60/1	0	07	5	0	18
	52/6	0	10	5	0	27
	27/4	0	04	0	0	10
	27/3	0	05	5	0	13
	27/2, 1 बी	0	19	0	0	47
	15/4 ए	0	07	5	0	18
	16/1 बी	0	02	5	0	06
	4/3	0	0	5	0	01
	16/8 ए	0	02	5	0	06
	16/7, 1 ए	0	11	0	0	27
	9/4	0	05	5	0	13
	4/5	0	05	5	0	14
	9/5	0	05	5	0	13
	16/4	0	01	5	0	04
	16/8 बी	0	02	5	0	06
	9/3	0	01	0	0	02
	4/4	0	04	5	0	11
	4/1	0	08	0	0	20
	4/2	0	03	5	0	09
	2/3	0	0	5	0	01
	68	0	02	5	0	06
	61	0	01	5	0	04
	35	0	01	0	0	03
	18	0	02	0	0	05
	जोड़	1	85	5	4	55

[सं. प्रो-12016/60/91-प्रोएनजीसी-4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 433.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tanuku to Gowthami Solvent in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. GAS PIPE LINE FROM TANUKU TO GAUTAMI SOLVENTS AND COASTAL AGRO INDUSTRIES LIMITED

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : TANUKU VEMAVARAM  
MANDAL : TANUKU  
DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hec- tares	Ares	Cent Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Tanuku Vemavaram	75/1B	0	03	5	0	09
	15/4B	0	07	0	0	17

1	2	3	4	5	6	7
	75/1A	0	06	0	0	15
	71/4	0	04	0	0	10
	69/3	0	07	5	0	18
	71/3 } 71/2 }	0	05	5	0	13
	74/2	0	06	0	0	15
	72/1	0	04	5	0	11
	59/1	0	06	0	0	15
	53/2 } 53/3 }	0	19	5	0	48
	60/1	0	07	5	0	18
	52/6	0	11	0	0	27
	27/a	0	04	0	0	10
	27/3	0	05	5	0	13
	27/2, 1B	0	19	0	0	47
	15/4A	0	07	5	0	18
	16/1B	0	02	5	0	06
	4/3	0	0	5	0	01
	16/8A	0	02	5	0	06
	16/7, 1A	0	11	0	0	27
	9/4	0	05	5	0	13
	4/5	0	05	5	0	14
	9/5	0	05	5	0	13
	16/4	0	01	5	0	04
	16/8B	0	02	5	0	06
	9/3	0	01	0	0	02
	4/4	0	04	5	0	11
	4/1	0	08	0	0	20
	4/2	0	03	5	0	09
	2/3	0	0	5	0	01
	68	0	02	5	0	06
	61	0	01	5	0	04
	35	0	01	0	0	03
	18	0	02	0	0	05
		1	85	5	4	55

[No. O-12015/60/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.भा.434.--जब कि केंद्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत तण्डु से गीतमि सालवेस्टम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोजन द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुमति करते हैं कि इस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 60) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करने की आज्ञा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जे. प्रोजेक्ट, भूस्तरण कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अपना विधिवरताय के मध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन तणुक्कु से गोतमी सालवेन्द

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पुरब गीदावरी

मंडल : अम्हावावरम

गांव	आरएस नं.	हैकटयर्स	एर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट्स
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
का. अम्हारम	32-5	0	00	5	0	01
	31-8	0	17	0	0	42
	29-7सी	0	06	0	0	15
	29-7बी	0	03	0	0	08
	29-7ए	0	03	0	0	07
	29-1	0	01	5	0	04
	21-4	0	07	0	0	17
	21-3	0	03	0	0	08
	21-2 बी } 5 }	0	01	0	0	03
	21-2 ए	0	05	0	0	12
	21-1	0	01	5	0	04
	20-2 } 1 }	0	20	0	0	49
	19-4	0	08	5	0	21
	19-1	0	12	0	0	30
	10-3	0	11	5	0	23
	10-1 } 2 }	0	10	5	0	26
	3-1	0	17	5	0	43
	2-1 } 2-3 }	0	13	5	0	33
	2-2	0	06	0	0	15
	32-8	0	01	0	0	02
	31-9	0	01	0	0	02
	31-4	0	01	5	0	04
	29-6	0	01	0	0	03
	19-5 बी	0	00	5	0	01
औड़		1	53	0	3	78

[सं. अ. 12016/61/91-मोएनजीडी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 434.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tanuku to Gowthami Solvent in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.



## SCHEDULE

## PIPE LINE FROM TANUKU TO GOWTHAMY SOLVENT

K. SAVARAM VILLAGE, UNDRAJAVARAM MANDALAM

STATE : ANDHRA PRADESH  
DISTRICT: WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Conti- ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
K. Savaram	32-5	0	00	5	0	01
	30-8	0	17	0	0	42
	29-7C	0	06	0	0	15
	29-7B	0	03	0	0	08
	29-7A	0	03	0	0	07
	27-J	0	01	5	0	04
	21-4	0	07	0	0	17
	21-3	0	03	0	0	08
	21-2B	0	01	0	0	03
	5					
	21-2A	0	05	0	0	12
	21-1	0	01	5	0	04
	20-2	0	20	0	0	49
	1					
	19-4	0	08	5	0	21
	19-1	0	12	0	0	30
	10-3	0	11	5	0	28
	10-1	0	10	5	0	26
	2					
	3-1	0	17	5	0	43
	2-1	0	13	5	0	33
	2-3					
	2-2	0	06	0	0	15
	32-8	0	01	0	0	02
	31-9	0	01	0	0	02
	31-4	0	01	5	0	04
	29-6	0	01	0	0	03
	19-5 B	0	00	5	0	01
Total		1	53	0	3	78

[No. O-12016/61/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. भा. 435 --जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत तणुकु से गौतमि से सालावेन्दुस तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करते हैं कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजभुवि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## घनसूची

भार. प्रो. यू. पाइप लाइन तणुकु से गौतमि साल्वेंट्स और एग्रो इन्डस्ट्रीज लिमिटेड

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

गाव : चिवातम

मंडल : उन्ड्राजावरम

जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	भार. एन. नं.	हेक्टार्स	एर्स	सेन्ट्स	एकसे	सेण्ट्स
चिवातम	112-2सी	0	04	0	0	10
	112-2बी	0	01	0	0	03
	112-3	0	07	5	0	18
	112-4	0	03	5	0	09
	112-5ए	0	0	5	0	01
	109-7	0	01	5	0	04
	113-4	0	03	0	0	07
	109-6	0	03	5	0	09
	113-3	0	03	0	0	07
	113-8	0	0	5	0	01
	113-7	0	06	0	0	15
	108	0	11	5	0	28
	107-5	0	03	5	0	09
	107-3,6	0	05	0	0	12
	106-2बी	0	05	5	0	13
	107-4	0	0	5	0	01
	106-4बी	0	04	0	0	10
	106-7	0	03	0	0	08
	122-1ए	0	01	0	0	02
	122-1बी	0	05	5	0	13
	122-2,3ए	0	07	0	0	17
	122-3बी	0	01	5	0	04
जोड़		0	83	5	2	05

[सं. प्रो.-12016/62/91-प्रोएनजीडी-4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S. O. 435.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tanuku to Gowthami Solvent in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM TANUKU TO GAUTAMI SOLVENTS  
AND COASTAL AGRO INDUSTRIES

STATE : Andhra Pradesh

VILLAGE : CHIVATAM

MANDAL : UINDRAJAVARAM

DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hec- tars	Ares	Centi ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
	112-2C	0	04	0	0	10
	112-2B	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6	7
Chivatam	112-3	0	07	5	0	18
	112-4	0	03	5	0	09
	112-5A	0	0	5	0	01
	109-7	0	01	5	0	04
	113-4	0	03	0	0	07
	109-8	0	03	5	0	09
	113-3	0	03	0	0	07
	113-8	0	0	5	0	01
	113-7	0	06	0	0	15
	108-0	0	11	5	0	28
	107-5	0	03	5	0	09
	107-36	0	05	0	0	12
	106-2B	0	05	5	0	13
	107-4	0	0	5	0	01
	106-4B	0	04	0	0	10
	106-7	0	03	0	0	08
	122-1A	0	01	0	0	02
	122-1B	0	05	5	0	13
	122-23A	0	07	0	0	17
	122-3B	0	01	5	0	04
	122	0	01	5	0	04
		0	83	5	2	05

[No. O-12016/62/91/ONG-D4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 436.-जबकि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत तण्डु ये गैस सैलवेन्ट्स से ..... तक तेल और प्राकृतिक गैस प्राप्ति द्वारा विद्यमान है।

और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उन पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने का अंश का घोषणा करती है।

वेणुते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति प्रविष्टता को सार्वजनिक से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विधायन के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संश्लेष तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजनंदि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधिब्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर ओ यू गैस पाइप लाइन तण्डु से गौतमि सैलवेन्ट्स और कोस्टल आगरी इन्डस्ट्रीज लिमिटेड

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिले : सजापुरम

मंडल : तण्डु

जिला : पश्चिम गोदावरी

गांव	आर एस नं.	हेक्टेर्स	एर्स	सेन्ट्स एर्स	एकर्स	सेन्ट्स
सजापुरम	2-5,6,8	0	17	0	0	42
	1-2,3,5	0	07	5	0	18
	1-7	0	02	5	0	06
	1-6	0	03	5	0	09
	1-10	0	0	5	0	01

1	2	3	4	5	6	7
	1-8ए	0	01	5	0	04
	1-9	0	02	5	0	06
	1-8बी	0	03	0	0	08
	1111	0	03	5	0	09
	1-12	0	01	0	0	02
	1-13	0	01	0	0	02
	12, 1ए	0	01	0	0	02
	12-1बी	0	01	0	0	02
	12-1सी	0	0	5	0	01
	12-2बी	0	01	0	0	02
	12-3 पाट	0	04	0	0	10
		0	51	0	1	24

[सं. प्रो-12016/63/91-ओएनजीसी-4]

एन. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S. O. 436.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tanuku to Gowthami Solvent in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. GAS PIPE LINE FROM TANUKU TO GAUTAMI SOLVENTS AND COASTAL AGRO INDUSTRIES LIMITED

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : SAJJAPURAM

MANDAL : TANUKU

DISTRICT : WEST GODAVARI

Village	R.S. No.	Hec- tares	Ares	Centi Ares	Acres	Cents
Sajjapuram	2-5, 6, 8	0	17	0	0	42
	1-2, 3, 5	0	07	5	0	18
	1-7	0	02	5	0	06
	1-6	0	03	5	0	09
	1-10	0	0	5	0	01
	1-8A	0	01	5	0	04
	1-9	0	02	5	0	06
	1-8B	0	03	0	0	08
	1-11	0	03	5	0	02
	1-13	0	01	0	0	02
	12-1A	0	01	0	0	02
	12-1B	0	01	0	0	02
	12-1C	0	0	5	0	01
	12-2B	0	01	0	0	02
	12-3 pt	0	04	0	0	10
		0	51	0	1	24

[No. O-12016/63/91/ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 437.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत चिन्चिनाडा के जि. सि. एम. नरसापुरम तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेधर्मे कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

गैस पाइप लाइन चिन्चिनाडा से जि. सि. एम. नरसापुर

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश ; जिला: पश्चिम गोदावरी; मंडल : डालमंचिनि

गांव	एस. नं.	हेक्टास	एस	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टम
चिन्चिनाडा	186/9पी टी	0	03	0	0	07
	177/3पी टी	0	09	0	0	22
	177/3 पी टी	0	07	0	0	17
	177/2 पी टी	0	04	0	0	10
	172/2 पी टी	0	05	0	0	12
	157/5 पी टी	0	02	5	0	06
	157/5 पी टी	0	04	0	0	10
	156/5 पी टी	0	00	3	0	01
	157/4, 3 पी टी	0	05	5	0	13
	168/9, 5, 3, 4	0	08	0	0	20
	163/10 पी टी	0	02	5	0	06
	157/1 पी टी	0	02	0	0	05
	160/8 पी टी	0	03	0	0	08
	163/6 पी टी	0	08	0	0	20
	166/4 पी टी	0	04	5	0	11
	166/4 पी टी	0	04	8	0	11
	165/6 पी टी	0	04	5	0	11
	165/4, 5 पी टी	0	13	0	0	32
	कुल मिलाकर	0	90	5	2	22

[सं. ओ-12016/64/91-ओएनजीसी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S. O. 437.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chinchinada to G.C.S. Narsapur in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and 226 GI/92—10.

Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user thereon.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## GAS PIPE LINE CHINCHINADA TO G.C.S. NAGARAM

STATE : ANDHRA PRADESH

DISTRICT : WEST GODAVARI  
MANDAL : ELAMANCHILI

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
Chinchinada	186/9 pt	0	03	0	0	07
	177/3 pt	0	09	0	0	22
	177/3 pt	0	07	0	0	17
	177/2 pt	0	04	0	0	10
	172/2 pt	0	05	0	0	12
	157/5 pt	0	02	5	0	06
	157/5 pt	0	04	0	0	10
	156/5 pt	0	00	5	0	01
	157/4, 3 pt	0	05	5	0	13
	160/7,5,3,4	0	08	0	0	20
	163/10 pt	0	02	5	0	06
	157/1 pt	0	02	0	0	05
	160/8 pt	0	03	0	0	08
	163/6 pt	0	08	0	0	20
	166/4 pt	0	04	5	0	11
	166/4 pt	0	04	5	0	11
	165/6 pt	0	04	5	0	11
	165/4, 5 pt	0	13	0	0	32
GRAND TOTAL		0	90	5	2	22

[No. O-12016/64/91-ONG-D4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर 1991

का. प्रा. 438.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए जे. पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत चिन्चिनाडा से जि. सि. एम. नरसपुर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुखि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा अधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

प्रार. ओ. ए. पाइप लाइन चिन्चिनाडा से जि. सि. एम. नरसपुर

जिला : पश्चिम गोदावरी ; स्टेट : आन्ध्र प्रदेश ; मंडल : एलमंचिलि

गांव	एस. नं.	हेक्टासं	एर्स	सेन्टिएस	एक्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
बैखिलका	69-6 भाग, 7 भाग	0	04	5	0	11
	69-2 भाग 5 भाग,	0	09	5	0	24

1	2	3	4	5	6	7
	69-2भाग	0	03	0	0	08
	69-1भाग	0	02	0	0	05
	70-7भाग	0	09	5	0	24
	70-6भाग, 7 भाग	0	03	0	0	07
	80भाग	0	07	0	0	17
	78/4भाग	0	06	5	0	16
	70-6भाग	0	03	0	0	07
	85-3भाग	0	01	0	0	03
	85-3भाग	0	06	5	0	16
	85-3भाग	0	01	5	0	04
	85-5भाग	0	05	5	0	13
	80भाग	0	03	5	0	09
	85/7भाग	0	04	5	0	11
	80भाग	0	03	0	0	07
	85-6भाग	0	02	5	0	06
	80भाग	0	03	5	0	09
	कुल मिलाकर	0	79	5	1	97

[सं. आ.-12016/65/91-ओएनजी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S. O. 438.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chinchinada to G.C.S. Narsapur in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. PIPE LINE FROM CHINCHINADA to G.C.S. NARSAPUR

STATE : ANDHRA PRADESH

DISTRICT : WEST GODAVARI

MANDAL : ELAMANCHILI

Village	R. S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Y. V. Lanka	69-6 pt	0	04	5	0	11
	7 part					
	69-2 pt, 5 pt	0	09	5	0	24
	69-2 pt	0	03	0	0	08
	69-1 pt	0	02	0	0	05
	70-7 pt	0	09	5	0	24
	70-6 pt, 7 pt	0	03	0	0	07
	80 pt	0	07	0	00	17
	78/4 pt	0	06	5	0	16
	70-6 pt	0	03	0	0	07
	85-3 pt	0	01	0	0	03
	85-3 pt	0	06	5	0	16

1	2	3	4	5	6	7
	85-3 pt	0	01	5	0	04
	85-5 pt	0	05	5	0	13
	80 pt	0	03	5	0	90
	85/7 pt	0	04	5	0	11
	80 pt	0	03	0	0	07
	85-6 pt	0	02	5	0	06
	80 pt	0	03	5	0	09
GRAND TOTAL		0	79	5	1	97

[No. O-12016/65/91-ONG-D4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. मा. 430.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत चिन्विनाडा से जि. मि. एस. नरसापुर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

घन: पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सहित प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमन्दि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा सिध्दियवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## शेड्यूल

आर.ओ. ए. पाइप लाइन चिन्विनाडा से जि. मि. एस. नरसापुर

स्टेट: आंध्र प्रदेश जिला: पश्चिम गोदावरी मंडल: नरसापुर

गांव	एस न.	हेक्टार्स	एस	सेन्टिएस	एस	सेन्ट्स
नवरस पुरम	231/6भाग	0	01	0	0	02
	231/5भाग	0	09	5	0	23
	231/4भाग	0	07	0	0	17
	231/3भाग	0	04	5	0	11
	231/1भाग	0	02	0	0	05
	231/1भाग	0	04	5	0	11
	231/1भाग	0	03	5	0	09
	231/1भाग	0	01	0	03	03
	226/6भाग	0	02	0	0	05
	226/6भाग	0	00	5	0	00½
	246/5भाग } 6भाग	0	08	5	0	21
	226/4भाग	0	05	5	0	13
	226/—भाग	0	04	5	0	11
	226/1भाग	0	02	0	0	05
	207/2भाग	0	04	0	0	10
	207/3भाग	0	05	5	0	14
	207/4भाग	0	02	5	0	06
	207/5भाग, 10भाग	0	09	0	0	22



1	2	3	4	5	6	7
	208/3 भाग	0	02	0	0	05
	208/4 भाग	0	08	5	0	21
	कुल मिलाकर	0	87	5	2	14½

[सं. आ. 12016/66/91-ओएनजी ड-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S. O. 439.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chinchinada to G.C.S. Narsapur in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mine-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. PIPE LINE FROM CHINCHINADA TO G.C.S. NARSAPUR

STATE ANDHRA PRADESH

DISTRICT : WEST GODAVARI

MANDAL : NARSAPUR

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Navarasapuram	231/6 pt	0	01	0	0	02
	231/5 pt	0	09	5	0	23
	231/4 pt	0	07	0	0	17
	231/3 pt	0	04	5	0	11
	231/1 pt	0	02	0	0	05
	231/1 pt	0	04	5	0	11
	231/1 pt	0	03	5	0	09
	231/1 pt	0	01	0	0	03
	226/6 pt	0	02	0	0	05
	226/6 pt }	0	00	5	0	00½
	226/5 pt }					
	226/6 pt	0	08	5	0	21
	226/4 pt	0	05	5	0	13
	226/3 pt	0	04	5	0	11
	226/1 pt	0	02	0	0	05
	207/2 pt	0	04	0	0	10
	207/3 pt	0	05	5	0	14
	207/4 pt	0	02	5	0	06
	207/5 pt }	0	09	0	0	22
	10 pt }					
	208/3 pt	0	02	0	0	05
	208/4 pt	0	08	5	0	21
Grand Total		0	87	5	2	146½

[No. O 12016/66/91-ONED-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ. 440:- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत नरसापुर-6 और नरसापुर-3 तह सील और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (i) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिवृत्ता की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के .जि. प्रोजेक्ट, भूसंरक्षण कार्यालय, राजमुंछि आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

ओ ए पाइप लाईन मोगलतूर गांधी में से नरसपुर 6 से 3 तक

आन्ध्र प्रदेश, जिला : पश्चिम गोदावरी, मंडल मोगलतूर

गांधी	एस नं.	हेक्टास	हेक्टास	एस	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
मोगलतूर	1248/1 ए 2	0	06	0	0	15
	1247 1 बी	0	08	5	0	21
	1247/2 ए 2	0	02	0	0	05
	1247[2 सी 2	0	01	5	0	04
	1240/1 बी	0	06	0	0	15
	1241/4 बी	0	03	5	0	09
	1241/6 बी	0	03	5	0	09
	1241/6 सी	0	03	6	0	09
	1241/9 बी	0	02	5	0	06
	1242/3 बी 2	0	03	5	0	09
	1168/3 ए	0	05	5	0	13
	1240/2 ए 2	0	06	5	0	16
	1240/2 बी 2	0	00	5	0	01
	1241/5 बी	0	02	5	0	06
	1241/7 बी	0	04	0	0	10
	1241/8 बी	0	04	0	0	10
	1247/3 बी 2	0	09	0	0	22
	1248/1 बी 2	0	02	0	0	05
	1248/2 बी	0	08	0	0	20
	1248/3 बी	0	00	5	0	01
	1241/5 बी	0	02	5	0	06
	1241/6 बी	0	03	5	0	09
	1242/4 बी	0	07	0	0	17
	1242/3 सी 2	40	03	5	0	09
	1242/1 ए	0	01	0	0	90
	1242/2 ए	0	01	5	0	04
	1242/1 बी	0	01	0	0	03
	1168/7 बी	0	01	0	0	02
	1242/2 बी	0	01	5	0	04
	1242/3 सी	0	03	5	0	09
	1242/4 बी	0	07	0	0	17
	1168/6 बी	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6	7
	1168/12 बी	0	01	0	0	02
	1168/13 बी	0	03	0	0	07
	1168/14 बी	0	01	0	0	02
	1169/4 बी	0	02	0	0	05
	1271/9, 6, 7	0	09	0	0	22
	1170/2 बी	0	01	0	0	02
	1169/4 बी	0	06	5	0	16
	1170/7 बी	0	05	0	0	12
	1170/13 ए	0	01	0	0	02
	1169/1 बी	0	02	0	0	05
	1170/10 बी	0	03	0	0	07
	1170/1 बी	0	00	5	0	01
	1169/1 बी	0	03	0	0	07
	1170/बी	0	05	0	0	12
	1167/1 बी	0	13	0	0	32
	1271/21,9	0	07	5	0	18
	1167/5 बी	0	00	5	0	01
	1166/14 बी	0	03	0	0	07
	1166/15 बी	0	01	0	0	02
	1271/24	0	03	0	0	08
	1272/12,8,14,15	0	11	5	0	29
	1272/25	0	04	5	0	11
	1272/22	0	02	0	0	05
	1271/17,18,22	0	03	5	0	09
	1272/11,12	0	04	5	0	11
	1278/11	0	04	0	0	10
	1278/6,11	0	04	0	0	10
	1278/6	0	04	0	0	10
	1278/6	0	02	0	0	05
	1279/1 सी					
		2	29	0	5	64

[सं. जो. 12016/67/91-ओ एन जी बी-4]

एम. मादिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S. O. 440.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narasapur-6 to Narasapur-3 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mine-

als pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether, he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow line from Mogaltur village on the Narsapur 6 to 3 State : Andhra Pradesh; District Godavari; Mandal : Mogaltur

Village	RS. No.	Hectars	Ares	Centi-arcs	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mogaltur	1A 1248— 2	0	06	0	0	15

1	2	3	4	5	6	7
Mogaltur (contd.)	1 1247/— B	0	08	5	0	21
	A 1247/2— 2	0	02	0	0	05
	C 1247/2— 2	0	01	5	0	04
	1240/1B 4	0	06	0	0	15
	1241/— B	0	03	5	0	09
	6 1241/— B	0	03	5	0	09
	6 1241/— C	0	03	5	0	09
	9 1241/— B	0	02	5	0	06
	3 1242/— B2	0	03	5	0	09
	3 1168/— A	0	05	5	0	13
	A 1240/2— 2	0	06	5	0	16
	B 1240/2— 2	0	00	5	0	01
	5 1241/— B	0	02	5	0	06
	7 1241/— B	0	04	0	0	10
	8 1241/— B	0	04	0	0	10
	3B 1247/— 2	0	09	0	0	22
	B 1248/1— 2	0	02	0	0	05
	1248/2B 3	0	08	0	0	20
	1248/— B	0	00	5	0	01
	5 1241/— B	0	02	5	0	06
	6 1241/— B	0	03	5	0	09
	4 1242/— B	0	07	0	0	17

1	2	3	4	5	6	7
Mogaltur (contd.)	C					
	1242/3— 2	0	03	5	0	09
	1 1242/— A	0	01	0	0	03
	2 1242/— A	0	01	5	0	04
	1 1242/— B	0	01	0	0	03
	7 1168/— B	0	01	0	0	02
	1242/2B	0	01	5	0	04
	3 1242/— C	0	03	5	0	09
	4 1242/— B	0	07	0	0	17
	6 1168/— B	0	02	0	0	05
	12 1168/— B	0	01	0	0	02
	13 1168/— B	0	03	0	0	07
	14 1168/— B	0	01	0	0	02
	4 1169/— C	0	02	0	0	05
	1271/9,6,7	0	09	0	0	22
	1170/2B	0	01	0	0	02
	1169/4B	0	06	5	0	16
	1170/7B	0	05	0	0	12
	13 1170/— A	0	01	0	0	02
	1 1169/— B	0	02	0	0	05
	10 1170/— B	0	03	0	0	07
	13 1170/— B	0	00	5	0	01
	1169/16	0	03	0	0	07
	1170/B	0	05	0	0	12
	1 1167/— B	0	13	0	0	32
	1271/21, 9	0	07	5	0	18

1	2	3	4	5	6	7
	1167/5B	0	00	5	0	01
	1166/14B	0	03	0	0	07
	1166/15B	0	01	0	0	02
	1271/24	0	03	0	0	08
	2172/12, 8, 14, 15	0	11	5	0	29
	1272/25	0	04	5	0	11
	1272/22	0	02	0	0	05
	1271/17, 18, 22	0	03	5	0	09
	1272/11, 12	0	04	5	0	11
	1278/11	0	04	0	0	10
	1278/6, 11	0	04	0	0	10
	1278/6	0	04	0	0	10
	1279/1C	0	02	0	0	05
	Grand Total	2	29	0	5	64

[No. O-12016/67/91-ONG D-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 441—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत नरसापुर-6 से नरसापुर-3 तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए हमके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बसर्ते कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट भूसंरक्षण कार्यालय राजामुंछि आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निश्चित करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रत्यक्ष विधिब्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

पाईप लाईन नरसापुर 6 से नरसापुर 3

आन्ध्र प्रदेश, जिला पश्चिम गोदावरी मंडल, 6 नरसापुर

गांव	एस नं	हेक्टास	एस	सेन्टएस	एकरी	से.
1	2	3	4	5	6	7
लक्ष्मणेश्वरम	309/1बी	0	03	0	0	08
	309/6ए	0	00	5	0	01
	310/6बी	0	04	0	0	10
	310/6ई	0	01	5	0	04
	310/10बी	0	08	0	0	20
	310/1जी	0	02	5	0	06
	310/5बी	0	06	0	0	15
	310/7ए	0	02	0	0	05
	311/1बी	0	08	5	0	21
	311/2जी	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	7	7
	311/4बी	0	03	0	0	08
	311/6बी	0	02	5	0	06
	311/8बी	0	03	0	0	07
कुल मिलाकर		0	46	5	1	16

[सं. ओ.-12016/68/91-ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

als pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

S.O. 441.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur-6 to Narsapur-3 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

## SCHEDULE

Flow line from Narasapur 6 to Narasapur 3

State : Andhara Pradesh Dt : West Godavari, Mandal : Narasapur

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Lakshmanoswaram	309/1B	0	03	0	0	08
	309/6A	0	00	5	0	01
	310/6B	0	04	0	0	10
	310/6E	0	01	5	0	04
	310/10B	0	08	0	0	20
	310/6G	0	02	5	0	06
	310/5B	0	06	0	0	15
	310/7A	0	02	0	0	05
	311/1B	0	08	5	0	21
	311/2b	0	02	0	0	05
	311/4b	0	03	0	0	08
	311/6b	0	02	5	0	06
	311/8b	0	03	0	0	07
Grand Total		0	46	5	1	16

[No. O-12016/68/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. घा. 442.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पार्श्व लाइन परियोजना के अन्तर्गत नाटिका-1 जि. सि. एम. नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुमति करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

घात: पेट्रोलियम एवं खनिज पार्श्व लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पार्श्व लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मजबूत प्राधिकारी मजबूत प्राधिकारि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जी. प्रोजेक्ट भूसेकरणा कार्यालय, राजगुंदि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से धनवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करता चाहता है।

संख्या

1	2	3	4	5	6	7
नगर	169/2	0	05	0	0	12
	107/1बी	0	06	5	0	16
	167/2बी	0	06	0	0	15
	167/3बी	0	11	5	0	29
	167/4बी	0	07	5	0	18
	167/5बी	0	03	5	0	09
	167/6बी	0	08	5	0	21
	166/1	0	02	5	0	06
	165/बी	0	20	5	0	51
	166/3	0	00	5	0	01
	सी					
	164/4	0	03	0	0	08
	2					
	166/2	0	01	0	0	02
	166/4	0	19	5	0	48
	166/5	0	03	0	0	07
	112/11	0	03	0	0	07½
	114/ए2	0	12	0	0	30
	153/2	0	07	5	0	18
	154/2	0	01	0	0	03
	4 1 1 8					
	157/— — — —	0	32	5	0	80
	3, 3, बी, 9					
	155/1बी	0	04	0	0	10
	2बी					
	1					
	113/—					
	बी	0	05	5	0	13
	ए					
	114/1—					
	4	0	11	5	0	28
	4					
	114/—	0	05	5	0	13
	ए					
	4					
	114/—	0	02	0	0	05
	बी					
	ए					
	114/1—	0	04	5	0	11
	3					
	बी					
	117/— 1	0	01	0	0	03
	2					
	बी					
	117/1—					
	2	0	13	0	0	32
	117/2 बी	0	06	5	0	18
	337/2	0	02	5	0	06
	338/1 बी	0	08	0	0	15
	1					
	338/—	0	03	0	0	07
	सी					



1	2	3	4	5	6	7
	ए					
	335/----- 2	0	03	5	0	09
	338/2	0	02	0	0	05
	336/1,2/बी पी टी	0	15	0	0	37
	335/2 बी	0	05	5	0	14
	341/1 बी	0	18	5	0	46
	बी					
	335/2----- 2	0	06	0	0	13
	ए					
	335/7----- 2	0	03	0	0	08
	8					
	335/----- बी	0	10	0	0	25
	2					
	341/----- बी	0	24	5	0	61
	ए					
	340/1----- 2	0	01	5	0	04
	2 बी					
	340/----- 2	0	01	0	0	02
	2					
	330/----- बी	0	04	5	0	11
	328/2	0	03	0	0	07½
	347/1 बी	0	09	0	0	42
	2 ए					
	347----- 2	0	01	0	0	03
	3 ए					
	347----- 2	0	11	0	0	27
	3 बी					
	348----- 2	0	03	0	0	07
	2 बी					
	347----- 1	0	05	5	0	14
	2 बी					
	347----- 2	0	04	0	0	10
	348/2	0	03	0	0	07
	349/2, ए 2 बी	0	03	5	0	09½
	ए					
	349/3----- 2	0	03	0	0	20
	3 बी					
	349----- 2	0	03	5	0	21

1	2	3	4	5	6	7
	<b>B</b>	<b>2</b>				
	350/1---	---	0	09	5	0
	1	<b>B</b>				23
	352/1बी		0	06	0	0
	352/1बी		0	02	0	0
	352/1सी		0	09	5	0
	2					
	353 ---		0	11	5	0
	<b>B</b>					28
			4	14	5	10
						23½

[सं. जो.-12018/69/91-ओ एन जी सी-4]

एम. माटिन, डेप्ट. अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 442.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum Tatipak-I to G.C.S. Nagaram in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Min-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying to the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner,

## SCHEDULE

Main Pipe line from Tatipak I to G.C.S. Nagaram  
State : Andhra Pradesh Dt : East Godavari, Mandal: Mamidisudurb

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	169/2	0	05	0	0	12
	157/1B	0	06	5	0	16
	167/2B	0	06	0	0	15
	167/3B	0	11	5	0	29
	167/4B	0	07	5	0	18
	167/5B	0	03	5	0	09
	167/6B	0	08	5	0	21
	166/1	0	02	5	0	06
	165/9B	0	20	5	0	51
	166/3	0	00	5	0	01
	164/4½	0	03	0	0	08
	166/2	0	01	0	0	02
	166/4	0	19	5	0	48
	166/5	0	03	0	0	07
	112/11	0	03	0	0	07½
	114/A2	0	12	0	0	30
	153/2	0	07	5	0	18
	154/2	0	01	0	0	03
	157/4/3, 5/B, 7/B, 8/9	0	32	5	0	80
	1B,					
	155/2B	0	04	0	0	10
	1					
	115/---	0	05	5	0	13
	<b>B</b>					

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram (contd.)						
	A 114/1— 4	0	11	5	0	28
	4 114/— A	0	05	5	0	13
	4 114/— B	0	02	0	0	05
	A 114/1— 3	0	04	5	0	11
	B 117/1— 2	0	01	0	0	03
	B 117/1— 2	0	13	0	0	32
	117/2B	0	06	5	0	16
	337/2	0	02	5	0	06
	338/1B	0	06	0	0	15
	1 338/— C	0	03	0	0	07
	A 335/— 2	0	03	5	0	09
	338/2	0	02	0	0	05
	336/1, 2BPT	0	15	0	0	37
	335/2B	0	05	0	5	14
	341/1B	0	18	5	0	46
	C 335/2— 2	0	06	0	0	15
	A 335/7— 2	0	03	0	0	08
	8 335/— B	0	10	0	0	25
	2 341/— B	0	24	5	0	61
	A 340/1— 2	0	01	5	0	04
	2B 340/— 2	0	01	0	0	02
	2B 330/— B	0	04	5	0	11
	328/2	0	03	0	0	07½
	347/1B	0	09	0	0	22
	2A 347/— 2	0	01	0	0	03
	3A 347/— 2	0	11	0	0	27

1	2	3	4	5	6	7
	3B 348/— 2	0	03	0	0	07
	2B 347/— 1	0	05	5	0	14
	2B 347/— 2	0	04	0	0	10
	348/2	0	03	0	0	07
	349/2A 2B	0	03	5	0	09½
	A 349/3— 2	0	08	0	0	20
	3B 349/— 2	0	08	5	0	21
	B 2 350/1—, — 1, B	0	09	5	0	23
	352/1B	0	06	0	0	15
	35 /1D	0	03	0	0	07
	352/1C 2	0	09	5	0	24
	35 /— B	0	11	5	0	28
		4	14	5	10	22½

[No. O-12016/69/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

वई जिल्ला, 31 दिसम्बर, 1991

का. घा. 443-----जब कि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाईन परियोजना के अन्तर्गत या पाइप-पूडि-1 में जि. सि. एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुमति करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके माध्यम से निम्नलिखित स्थिति में निर्धारित भूमि पर प्रयोगिता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पदार्थ लाईन भूमि पर प्रयोगिता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोगिता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

इससे कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारित तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के जि. प्रोजेक्ट भूस्तरण कार्यलय राजमन्दि, छान्द्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि नई व्यक्तिगत रूप से व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आ ओ पू कली पाईप लाईन पास्वर्नपूडि-1 से जि. सि. एस. नगरम

छाँछ प्रदेश, जिला --पूरुब गोदावरी ; मंडल सुदिनेपल्लि

गांव	आर एस नं.	हेक्टाई	एई	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टिय
1	2	3	4	5	6	7
मानिकुडुक्क	140-13 भाग	0	05	5	0	13
	149-14,15 भाग	0	05	0	0	12

1	2	3	4	5	6	7
मानिकपुर (जारी)	149-- 16, 17	0	06	0	0	15
	149-- 20 भाग	0	03	5	0	09
	149-- 8 भाग	0	07	5	0	19
	150-- 8 भाग	0	03	0	0	07
	150-- 2ए	0	11	5	0	29
	150-- 4ए/4बी	0	03	5	0	09
	151-- भाग	0	03	5	0	09½
	151-- भाग	0	11	0	0	27
	151-- भाग } 152-- 3 भाग }	0	23	0	0	57
	152-- 4, 5, 6, 8, 9 भाग	0	18	0	0	45
	152-- 9 भाग	0	08	5	0	21
	141-- 1 भाग	0	04	5	0	11
	141-- 3 भाग	0	06	0	0	14½
	141-- 3 भाग	0	14	0	0	314
	154-- 12बी	0	01	5	0	04
	153-- 6 भाग	0	02	5	0	06
	153-- 3, 4 ए					
	4बी, 3ए, 1 भाग	0	21	5	0	53
	160-- 6, 7 भाग	0	12	5	0	31
	160-- 7 भाग	0	07	5	0	16
	162-- 1 भाग	0	03	0	0	08
	162-- 2 भाग	0	01	5	0	04
	162-- 2, 3 भाग	0	05	0	0	12
	162-- 6ए	0	01	5	0	04½
	163-- 6ए	0	04	5	0	11
	163-- 5, 3, 2 भाग	0	04	0	0	10
	163-- 5बी, 2½ भाग	0	14	5	0	36
	164	0	03	5	0	09
	105 भाग	0	05	5	0	14
	104-- 3सी	0	13	5	0	33
	104-- 1, 2 भाग	0	05	0	0	12
	104-- 3 ए	0	07	5	0	18
	102-- 3सी भाग	0	05	5	0	13
	102-- 5 सी भाग	0	05	0	0	13
	102-- 3बी भाग	0	03	0	0	07
	101-- 2ई भाग	0	09	0	0	22
	101-- 2 ई/2डी भाग	0	04	0	0	10
	101-- 2डी भाग	0	03	0	0	07
	101-- 2डी } 99-- 1 भाग }	0	08	0	0	20½
	99-- 3 भाग	0	07	5	0	18½
	99-- 4 भाग	0	09	5	0	23
	92-- 2 भाग	0	05	5	0	14
	98-- 2 भाग	0	07	5	0	19½
	98-- 1 भाग	0	03	5	0	08½
	98-- 1 भाग	0	04	5	0	11½
	97-- 2ई, 2एफ, 2सी, 2डी	0	18	0	0	45
	94	0	07	5	0	18

1	2	3	4	5	6	7
	93	0	02	5	0	09
	80,81,82—1सी	0	22	0	0	54
	79	0	02	5	0	06
<hr/>						
कुल मिलाकर		3	78	5	9	35

[सं० ओ०-12016/70/91 ऑ एन जी 11-4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 443.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flou pipe line from Pasarlapudi I to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Mamidikuduru

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Mamidikuduru	149-13Pt	0	05	5	0	13
	149-14, 15Pt	0	05	0	0	12
	149-16, 17	0	06	0	0	15
	149-20Pt	0	03	5	0	09
	149-8Pt	0	07	5	0	19
	150-8Pt	0	03	0	0	07
	150-2A	0	11	5	0	29
	150-4A4B	0	03	5	0	09
	151-Pt	0	03	5	0	09½
	151-Pt	0	11	0	0	27
	151-Pt } 152-3Pt }	0	23	0	0	57
	152-4,5,6,8, 9, Pt	0	18	0	0	45
	152-9Pt	0	08	5	0	21
	141-1Pt	0	04	5	0	11
	141-3Pt	0	06	0	0	14½
	141-3Pt	0	14	0	0	34
	154-12B	0	01	5	0	04
	153-6Pt	0	02	5	0	06
	153-3, 4A } 46, 2A, 1, Pt }	0	21	5	0	53
	160-6, 7 Pt	0	12	5	0	31
	160-7Pt	0	07	5	0	18
	162-1Pt	0	03	0	0	08
	162-2Pt	0	01	5	0	04
	162-2, 3Pt	0	05	0	0	12
	163-6A	0	01	5	0	04½
	163-6A	0	04	5	0	11
	163-5,3,2Pt	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6	7
Manidikuduru-(co ltd.)	163-5B, 2Pt	0	14	5	0	36
	164-	0	03	5	0	09
	105 Pt	0	05	5	0	14
	104-3C	0	13	5	0	33
	104-12Pt	0	05	0	0	12
	104-3A	0	07	5	0	18
	102-3cpt	0	05	5	0	13
	102-3cpt	0	05	0	0	13
	102-3bpt	0	03	0	0	07
	101-2Ept	0	09	0	0	22
	101-2E					
	2DPt	0	04	0	0	10
	101-2D Pt	0	03	0	0	07
	101-2D } 99-1Pt	0	08	0	0	20½
	99-3Pt	0	07	5	0	18½
	99-4Pt	0	09	5	0	23
	92-2Pt	0	05	5	0	14
	98-2Pt	0	07	5	0	19½
	98-1Pt	0	03	5	0	081
	98-1Pt	0	04	5	0	11½
	97-2E, 2F					
	2C, 2D	0	18	0	0	45
	94	0	07	5	0	18
	93	0	03	5	0	09
	80,81,82-1C	0	22	0	0	54
	79	0	02	5	0	06
	Total	3	78	5	9	35

[No. O-12016/70/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 444—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाईन परियोजना के अन्तर्गत पासलपूडि—IV से पासलपूडि-1 तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी मजि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारित तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के ज. प्रोजेक्ट भूसेकरण कार्यालय, राजमुन्शी आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

पाईप लाईन पासलपूडि—IV—से पासलपूडि I तक

स्टेट	आन्ध्र प्रदेश	जिला	पूरब	गोदावरि	मंडल मामिडिकुडुरु		
गवि	ए नं.			कटाई हे.	आर्स	सेन्टिहार्स	एकर्स
	4			0	03	5	0
	3			0	04	5	0
							सेन्टस
							09
							11

1	2	3	4	5	6	7
पसरापुडी लंका (जारी)	5/भाग	0	04	0	0	10
	7/भाग	0	06	0	0	15
	7/भाग	0	01	5	0	04
	10/1ए	0	06	5	0	16
	10/1सी	0	07	0	0	17
	14/13	0	07	5	0	19
	10, 11	0	18	0	0	45
	13/1ए	0	10	0	0	25
	40/भाग	0	01	0	0	03
	39/भाग	0	25	0	0	62
	38/भाग	0	10	5	0	26
	38/1भाग	0	01	5	0	04
	140	0	02	0	0	05
	141/2, 4, 5	0	12	5	0	31
	141/5	0	01	0	0	03
	141/2	0	03	0	0	08
	141/1ए 1बी	0	05	5	0	14
	98/2बी	0	07	0	0	17
	97	0	02	5	0	06
	98/2ए	0	04	0	0	10
	98/3बी	0	05	5	0	13
	3B <sub>3</sub>	0	01	5	0	04
	98/2a	0	00	5	0	01
	/5बी	0	01	5	0	04
	/6ए <sub>1</sub>	0	02	0	0	05
	/6बी <sub>1</sub>	0	01	0	0	02
	142/ए	0	01	0	0	03
	142/1बी	0	01	5	0	04
	142/1सी	0	01	5	0	04
	140/2भाग	0	06	5	0	16
	/ 3भाग, 4भाग	0	03	0	0	08
	140/3भाग	0	03	5	0	09
		1	73	0	4	33

[सं. अं-12016/71/91-ओ एन जी बी-4]

एम. माटिन, डेप्ट. अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 444.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-A to Pasarlapudi-I in A.P. State Pipeline should be land by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

als Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Pasarlapudi IV to I

State : Andhra Pradesh ; District : East Godavari; Mandal : Mamidikuduru

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acers	Cents.
1	2	3	4	5	6	7
Pasarlapudi Lanka	4	0	03	5	0	09
	3	0	04	5	0	11



1	2	3	4	5	6	7
Pasariapudi Lanka (contd.)	5/Pt	0	04	0	0	10
	7/Pt	0	06	0	0	15
	7/Pt }	0	01	5	0	04
	10/1A	0	06	5	0	16
	10/1C	0	07	0	0	17
	14/13	0	07	5	0	19
	10, 11	0	18	0	0	45
	13/1A	0	10	0	0	25
	40/Pt	0	01	0	0	03
	39/Pt	0	25	0	0	62
	38/Pt	0	10	5	0	26
	38/Pt	0	01	5	0	04
	140	0	02	0	0	05
	141/2,4,5	0	12	5	0	31
	141/5	0	01	0	0	03
	141/2	0	03	0	0	08
	141/1A/B	0	05	5	0	14
	98/2B	0	07	0	0	17
	97	0	02	5	0	06
	98/2A	0	04	0	0	10
	98/3B <sub>1</sub>	0	05	5	0	13
	98/3B <sub>2</sub>	0	01	5	0	04
	98/2C <sub>1</sub>	0	00	5	0	01
	98/5B	0	01	5	0	04
	98/6A <sub>1</sub>	0	02	0	0	05
	98/6B <sub>1</sub>	0	01	0	0	02
	142/A	0	01	0	0	03
	142/1B	0	01	5	0	04
	142/1C	0	01	5	0	04
	140/2Pt	0	06	5	0	16
	140/3Pt, 4Pt	0	03	0	0	08
	140/3Pt	0	03	5	0	29
Total		1	73	0	4	33

[No. O-12016/71/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर 1991

का. भा. 145 :--जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक तौर पर यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत ताटियाका--II से जि. सि. एस. नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

जहाँ कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के 0 जि० प्रोजेक्ट, भूमेक्षण कार्यालय, राजमंत्रि, ग्राम्भ-प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## शेड्यूल

पाइप लाइन नाटिपाका II से जि. सि. एस. नगरम

स्टेट

आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोदावरी, मंडल : मामिडिगु

गांव	एस. नं.	हेक्टर	एसे	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट
1	2	3	4	5	6	7
मामिडिगुडुरु	147/1ए	0	08	0	0	20
	147/1बी	0	05	5	0	14
	148/2, 5	0	07	5	0	18
	148/1,3	0	07	5	0	19
कुल मिलाकर		0	28	5	0	71

[सं० आ. 12016/72/91-आएनजी बी-4]

एम. मार्टिन डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 445.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tatipaka-2 to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

als pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## R.O.U. Pipe Line from Tatipaka II to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari,

Mandal : Mamidikuduru

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mamidikuduru	147/1A	0	08	0	0	20
	147/1B	0	05	5	0	14
	148/2, 5	0	07	5	0	18
	148/1, 3	0	07	5	0	19
TOTAL:		0	28	5	0	71

[No. O-12016/72/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 446 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत नाटिपाका—II से जि.सि. एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज वाहन लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 ( 1962 का 50 ) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

वशत कि उक्त भूमि में अपनी रूबि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी नेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूमेक्षण कार्यालय, राजमुनि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यावसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन लाटिका-- II से जि. मि. एस. नगरम

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोदावरी, मंडल : सामिचिकुट्टुन

गांव	एस नं.	हेक्टास	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	मेन्टस-
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	310/1	0	08	0	0	20
	309/1	0	21	5	0	53
	309/1	0	09	5	0	23
	310/1	0	11	0	0	27
	312/1	0	28	5	0	71
	312/1 बी	0	05	0	0	12
	304/1 बी	0	11	5	0	38
	312/1 बी	0	18	5	0	46
	303	0	03	0	0	07
	304/1 ए	0	03	0	0	08
	389/1 एफ, 2 बी	0	03	5	0	09
	304/2 ए	0	04	0	0	10
	304/1 ए	0	04	5	0	11
	380/10 ए <sub>2</sub>	0	06	0	0	15
	379/3	0	08	0	0	20
	304/1 ए	0	02	5	0	06
	379/4, 3 <sup>11</sup>	0	07	5	0	18
	304/ए 1	0	02	5	0	06
	379/3/2/बी	0	06	0	0	15
	304/1 बी	0	02	0	0	05
	380/10 ए	0	08	0	0	20
	379/1 ई, 2 सी	0	06	5	0	16
	301	0	02	5	0	06
	278/10 ए	0	09	0	0	22½
	380/10 ए		08	5	0	21
	300	0	01	5	0	04
	278	0	04	5	0	11
	277	0	03	0	0	08
		0	05	0	0	12
	276/4 ए, 4 पी	0	07	5	0	17½
		0	05	5	0	14
	276/3	0	10	0	0	25½
	276/4 ए	0	05	5	0	13
	275/1 पी	0	05	5	0	14
	275/1 पी	0	05	5	0	13
	275/1 बी	0	09	5	0	23
	275/2 ए	0	04	0	0	10
	275/2 ए	0	06	0	0	15
	275/2 बी	0	10	5	0	26

1	2	3	4	5	6	7
नगरम—जारी	275/2 बी	0	04	5	0	11
	272	0	03	0	0	07
	269/2	0	03	5	0	09
	270/20	0	06	0	0	15
	270/19, 18	0	14	5	0	36
	270/14 बी	0	10	0	0	25
	329	0	03	5	0	09
	330/2	0	06	0	0	15
	--	3	35	0	8	28½

[सं० ओ-12016/73/91-अ/नवी/डि-4]

एम. माटिन, डेस्क अफिशर/

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 446.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tatipaka-2 to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land prescribed in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

als pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## R.O.U. Pipe Line from Tatipaka II to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh District : East Godavari Mandal : Mamidikuduru

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	310/1	0	08	0	0	20
	309/1	0	21	5	0	53
	309/1	0	09	5	0	23
	310/1	0	11	0	0	27
	312/1	0	28	5	0	71
	312/1B	0	05	0	0	12
	304/1B	0	11	5	0	28
	312/1B	0	18	5	0	46
	303	0	03	0	0	07
	304/1A	0	03	0	0	08
	379/1F, 2D	0	03	5	0	09
	304/2A	0	04	0	0	10
	304/1A	0	04	5	0	11
	380/10A	0	06	0	0	15
	379/3	0	08	0	0	20
	304/1A	0	02	5	0	06
	379/3, 4	0	07	5	0	18
	304/1A	0	02	5	0	06
	377/3, 2B	0	06	0	0	15
	304/1B	0	02	0	0	05
	380/10A	0	08	0	0	20
	379/1E, 2C	0	06	5	0	16

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram—(contd.)	301	0	02	5	0	06
	278/10A	0	09	0	0	22½
	380/10A	0	08	5	0	21
	300	0	01	5	0	04
	278	0	04	5	0	11
	277	{ 0	03	0	0	{ 08
		{ 0	05	0	0	{ 12
	276/4A, 4P	{ 0	07	5	0	{ 17½
		{ 0	05	5	0	{ 14
	276/3	0	10	0	0	25½
	276/4A	0	05	5	0	13
	275/1P	0	05	5	0	14
	275/1P	0	05	5	0	13
	275/1B	0	09	5	0	23
	275/2A	0	04	0	0	10
	275/2A	0	06	0	0	15
	275/2B	0	10	5	0	26
	275/2B	0	04	5	0	11
	272	0	03	0	0	07
	269/2	0	03	5	0	09
	270/20	0	06	0	0	15
	270/19, 18	0	14	5	0	36
	270/14B	0	10	0	0	26
	329	0	03	5	0	09
	330/2	0	06	0	0	15
TOTAL		3	35	8	8	28½

[No. O-12016/73/91-ONGD-4]

M, Martin, Desk Officer

नई दिल्ली 31 दिसम्बर 1991

का. आ. 447 :-जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पासर्नपूडि--III से पासर्नपूडि--I तक तेज और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछा जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा को घोषणा करते हैं।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूषणा की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेज और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रावि.ए. भू-पेकराग कार्यालय, राजमुठि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किता भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपना विधि-व्यावसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन पासलपुडि III से पासलपुडि I तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश :

ज़िला : पूरब गोदावरी

मंडल : मामिडिकुलु

गांव	एस. नं.	हेक्टास	एस०	सेन्टिएस	एक्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
पासलपुडि	212/पीटी	0	09	0	0	22
	213/25	0	10	0	0	25
	234 /1सी 1 डी	0	05	5	0	13
	218/पीटी	0	05	0	0	12
	221/4	0	07	5	0	19
	219/ए	0	07	0	0	17
	219/1 बी	0	03	0	0	08
	220/1 बी	0	14	0	0	34
	229/पी टी	0	03	0	0	08
	230/2 सी 2 एफ 4 डी	0	14	0	0	34
	235 /1 ए जेड	0	12	5	0	31
	230/4 डी	0	05	5	0	13-
	231/पीटी	0	02	5	0	06
	232/1 ए 1 बी, 2 बी	0	12	5	0	31
	233 /1 बी	0	07	5	0	19
	233/3 बी, 3 ए	0	07	0	0	17
	234/ए 1	0	03	5	0	09
	234/2 ए, 2 बी	0	07	0	0	17
	149/पीटी	0	03	0	0	07
	164/6	0	02	5	0	06
	151/पीटी	0	03	0	0	08
	150/1ए	0	18	5	0	46
	150/1 बी	0	08	5	0	21
	152/पीटी	0	06	5	0	16
	154/पीटी	0	02	5	0	06
	151/पीटी	0	03	5	0	09
	155/7	0	05	5	0	14
	155/7	0	05	5	0	14
	155/95	0	11	0	0	27
कुल मिलाफ्ट		2	06	0	5	09

सं०ओ-12016/74/91-ओएनजी/डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 447.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-3 to Pasarlapudi-1 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Min-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Pasarlapudi III to Pasrlapudi I

State: Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Manmidikuduru

Village	S.No.	Hectars	Ares	Centares	Acers	Cents
I	2	3	4	5	6	7
Pasarlapudi	212/pt	6	09	0	0	22
	213/2.5	0	10	0	0	25
	234/1 C 1D	0	05	5	0	13
	218/pt	0	05	0	0	12
	221/4	0	07	5	0	19
	219/1A	0	07	0	0	17
	219/1B	0	03	0	0	08
	220/1B	0	14	0	0	34
	229/1 Pt	0	03	0	0	08
	230/2C, 2E 4D	0	14	0	0	34
	235/1, AZ	0	12	5	0	31
	230/4D	0	05	5	0	13
	231/pt	0	02	5	0	06
	231/1A, 1B, 2B	0	12	5	0	31
	233/1B	0	07	5	0	19
	233 /3B, 3A	0	07	0	0	17
	234/1A	0	03	5	0	09
	234/2A 2B	0	07	0	0	17
	149/pt	0	03	0	0	07
	164/6	0	02	5	0	06
	151/pt	0	03	0	0	08
	150/1A	0	18	5	0	46
	150/1B	0	08	5	0	21
	152/pt	0	06	5	0	16
	154/pt	0	02	5	0	06
	151/pt	0	03	5	0	09
	155/7	0	05	5	0	14
	155/7	0	05	5	0	14
	155/7, 5	0	11	0	0	27
TOTAL		2	06	0	5	09

[No. O-12016/74/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. अ। 448 :--जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए वाष्प लाइन परियोजना के अंतर्गत पासलपुडि --III से पासलपुडि--I तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962, ( 1962 का 50 ) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एन० द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने को मग को घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी कृषि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मजम प्राधिकारी, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, मनेहरण कार्यालय, राजमंड्री, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यसायक के माध्यम से भयता मत प्रस्तुत करना चाहता है।

#### अनुसूची

पाइप लाइन पारलपूडि III से पारलपूडि I तक

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोदावरी

मंडल : मारिडिकुदुरु

गाँव	एम. न.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टायर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
अप्पनपल्लि	290/1	0	01	5	0	04
	289/3	0	08	0	0	20
	289/2	0	02	0	0	05
	289, 1	0	05	0	0	12
कुल मिलाकर		0	16	5	0	41

[सं. ओ-12016/76/91-ओएन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 448.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasralapudi-3 to Pasrapuri-I in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mmc-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry, (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Pasralapudi III to Pasralapudi I

District : East Godavari

Mandal : Manridikuduru

State : Andhra Pradesh

Village	S.No.	Hectars	Ares	Centares	Acres	Cents.
1	2	3	4	5	6	7
Appanapalli	290/1	0	01	5	0	04
	289/3	0	08	0	0	20
	289/2	0	02	0	0	05
	289/1	0	05	0	0	12
TOTAL		0	16	5	0	41

[No. O-12016/75/91-ONGD-4]  
M. MARTIN, Desk Officer



नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. धा. 449 :-- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत कडलि--I से नगरम तक गैल और प्राकृतिक गैस प्रयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इनके साथ संलग्न निदेशों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पदार्थ लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है,

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सभ्य प्राधिकारी तथा और प्राकृतिक गैस प्रयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूमेक्षण कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किंवा भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यवसाय के माध्यम से अपनी मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन नगरम गाँव से कडलि--I से नगरम तक

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोवावरी

मंडल : मारिडिकुल

गाँव	आर एस. नं.	हेक्टेयर	एम्फ	सेन्टयर्स	एकड़	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
कडलि	358/1 पीटी	0	01	0	0	02½
	389/3 पीटी	0	05	0	0	12
	389/2 पीटी	0	03	0	0	07½
	359/5 पीटी	0	04	0	0	10½
	389/3 पीटी	0	02	5	0	06
	402/1 पीटी	0	05	5	0	14
	401/2	0	00	5	0	00½
	389/4 पीटी	0	01	5	0	04½
	389/2 पीटी	0	06	5	0	15½
	387/पीटी	0	00	5	0	01
	390/1 पीटी	0	01	5	0	04
	390/2 पीटी	0	02	5	0	06
	388	0	02	0	0	05½
	387/4 पीटी	0	03	5	0	09
	387/4	0	03	5	0	09
	387/3	0	00	5	0	00½
	388/1	0	06	5	0	15½
	366/2	0	01	0	0	02
	400/4	0	08	0	0	20
	401/1	0	09	5	0	24
	398/2	0	00	5	0	00½
	399/1	0	11	0	0	27
	400/3	0	04	5	0	11
	402/1	0	01	5	0	04½
	401/2	0	10	5	0	26
	383	0	03	0	0	06½
	382/1	0	05	5	0	13½
	418/1	0	03	0	0	07
	382/1	0	11	5	0	28
	413	0	02	0	0	05
	435	0	13	0	0	32½
	415/2	0	09	0	0	21½
	416/3	0	05	5	0	13

1	2	3	4	5	6	7
	416/2 अ	0	05	0	0	12½
	416/2 ए	0	06	5	0	16
	417/1	0	24	5	0	60
		1	83	0	4	54

[सं० आ०-12016/76/91-आपनजीकी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 449.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kadali-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Min-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying to the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Gas Pipe line from Kadali—I to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh, District : East Godavari, Mandal : Razole

Village	S. S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kadali	358/1 Pt	0	01	0	0	02½
	389/3 Pt	0	05	0	0	12
	389/2 Pt.	0	03	0	0	07½
	359/5 Pt	0	04	0	0	10½
	389/3 Pt	0	02	5	0	06
	402/1 Pt	0	05	5	0	14
	401/2	0	00	5	0	00½
	389/4 Pt	0	01	5	0	04½
	389/2 Pt	0	06	5	0	15½
	387/4 Pt	0	00	5	0	01
	390/1 Pt	0	01	5	0	04
	390/2 Pt	0	02	5	0	06
	388	0	02	0	0	5½
	387/4 Pt	0	03	5	0	09
	387/4	0	03	5	0	09
	387/3	0	00	5	0	00½
	398/1	0	06	5	0	15½
	366/2	0	01	0	0	02
	400/4	0	08	0	0	20
	401/1	0	09	5	0	24
	398/2	0	00	5	0	00½
	399/1	0	11	0	0	27
	400/3	0	04	5	0	11
	402/1	0	01	5	0	04½
	401/2	0	10	5	0	26
	383	0	03	0	0	06½

1	2	3	4	5	6	7
	382/1	0	05	5	0	13½
	418/1	0	03	0	0	07
	382/1	0	11	5	0	28
	413	0	02	0	0	05
	435	0	13	0	0	32½
	415/2	0	09	0	0	21½
	416/3	0	05	5	0	13
	416/2 B	0	05	0	0	12½
	416/2 A	0	06	5	0	16
	417/1	0	24	5	0	60
TOTAL		1	83	0	4	54

[No. O-12016/76/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली 31 दिसम्बर, 1991

का. मा. 450 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत कइल—I में जि. सि. एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बनते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूमेक्षण कार्यालय, राजमंडि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विषय रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

भार. ओ. यू. फ्लो पाइप लाइन कइल I . जि. सि. एस. नगरम

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोवावरी

मंडल : मायिडिकुलु

गांव	एस. नं.	टेक्टर्स	एस	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस
	2	3	4	5	5	7
गेवाडा	152/3 ए	0	01	0	0	02
	4 बी/2	0	03	5	0	09
	130/बी	0	05	0	0	12
	/सी	0	06	0	0	15
	148/बी	0	09	0	0	22
	149/बी	0	12	5	0	31
	145/डी	0	01	0	0	02
	149/सी	0	03	5	0	09
	130/डी	0	05	0	0	12
	145/ए	0	02	0	0	05
	145/ई	0	03	0	0	08
	149/बी	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	7	7
	149/ई	0	08	5	0	21
	145/बी	0	05	0	0	12
	144	0	04	0	0	10
कुल मिलाकर		0	70	0	1	73

[T. आ-12016/77/91 ओएनजी गै-4]

एम. माटिन, डस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 450.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kadali-1 to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying to the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Flow from Kadali 1 to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Mamidikudum

Village	R.S.No.	Hec- tars	Ares	Cent- tiars	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Gedada	152/3A	0	01	0	0	02
	4B/2	0	03	5	0	09
	130/B	0	05	0	0	12
	/C	0	06	0	0	15
	148/B	0	09	0	0	22
	149/B	0	12	5	0	31
	145/D	0	01	0	0	02
	149/C	0	03	5	0	09
	130/D	0	05	0	0	12
	145/A	0	02	0	0	05
	145/E	0	03	0	0	08
	149/D	0	01	0	0	03
	149/E	0	08	5	0	21
	145/B	0	05	0	0	12
	144	0	04	0	0	10
Total		0	70	0	1	73

[ No. O-12016/77/ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 451.— जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत कडलि-I से नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है ;

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोगता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोगता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोगता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा को घोषणा करती है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी राशि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति संक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूतेकरणा कार्यालय, राजमंत्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ;

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निश्चित करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से भयवा विधिव्यवसायक के भाष्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. प्रो. यू. पली लाइन नगरम गांव में कडलि I से नगरम तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोदावरि

मंडल : मामिडिकुदुरु

गांव	एम. नं.	हेक्टास	एन	सेन्टियस	एकर्स	सैन्टस
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	349/1बी	0	24	0	0	59
	348/2	0	02	0	0	05
	347/1बी	0	08	0	0	20
	3बी/2	0	07	0	0	17
	3/सी2	0	04	0	0	10
	3/ए2	0	04	0	0	10
	3/डी2	0	07	0	0	17
	346/1बी2	0	12	0	0	30
	1/सी2	0	12	0	0	30
	1/सी3	0	01	0	0	02
	342	0	06	0	0	15
	340/1ए2	0	05	0	0	12
	340/2बी	0	05	0	0	12
	340/3बी	0	09	0	0	22
	340/2सी1	0	02	0	0	05
	340/1डी2	0	05	0	0	12
	340/4ए	0	01	0	0	04
	335/4बी, 5बी	0	03	0	0	07
		0	00	5	0	01
	335/9बी	0	04	0	0	10
	339/1ए	0	06	0	0	15
	106/9बी	0	00	5	0	01
	2बी	0	04	0	0	10
	108/4बी 1, 4/बी1/2	0	04	0	0	10
	339/3बी	0	08	0	0	20
	4बी	0	03	0	0	07
	106/7सी	0	02	0	0	05
	107/4बी	0	07	0	0	17
	3ए	0	03	0	0	07
	7बी	0	01	0	0	02
	114/3बी	0	04	0	0	10
	106/4ए	0	01	0	0	02
	106/3बी	0	07	0	0	17
	108/3बी	0	04	0	0	10
	3डी	0	01	0	0	02
	116	0	02	0	0	05
	115/1बी	0	05	0	0	12

1	2	3	4	5	6	7
भण्डार—जारी	114/1 ए 2	0	04	5	0	11
	114/1 बी 2	0	13	5	0	33
	112/20 बी	0	09	0	0	22
	114/2 ए 2	0	04	5	0	11
	155	0	03	0		07
	157/1 बी	0	03	0		08
	157/बी	0	01	5	0	04
	127/4 बी	0	06	0	0	15
	8 बी	0	04	0	0	10
	106/बी	0	04	0	0	11
		0	03	0	0	08
	153	0	02	0	0	06
	106/बी	0	03	0	5	08
	164/4 सी 2	0	05	0	5	12
	3 बी	0	00	5	5	01
	165/9 बी	0	12	5	0	31
	167/2 बी	0	04	0	5	10
	3 बी	0	07	0	0	17
	4 बी	0	05	0	0	12
	5 बी	0	02	0	0	05
	6/बी	0	05	0	0	12
	169	0	02	5		06
कुल मिलाकर		2	89	5	7	10

[सं. जो—12016/78/91 जो. एम. जी. डी.-4]  
एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 451.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kadali-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

R.O.U. of flow line in Nagaram village of the Kadali-I To G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Mamidikuduru

Village	R.S.No.	Hec-tares	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	349/1B	0	24	0	0	59
	348/2	0	02	0	0	05
	347/1B	0	08	0	0	20
	3/B2	0	07	0	0	17
	3 C/2	0	04	0	0	10
	3/A2	0	04	0	0	10
	3 D/2	0	07	0	0	17
	346/1/B2	0	12	0	0	30
	1 C/2	0	12	0	0	30
	1 C/3	0	01	0	0	02

1	2	3	4	5	6	7
	342	0	06	0	0	15
	340/1/A/2	0	05	0	0	12
	340/2B	0	05	0	0	12
	340/3B	0	09	0	0	22
	340/2/C1	0	02	0	0	05
	340/1/D2	0	05	0	0	12
	340/4A	0	01	0	0	02
	335/4B, 5B	} 0	03	0	0	07
		} 0	00	5	0	01
	335/9B	0	04	0	0	10
	339/1A	0	06	0	0	15
	106/9B	0	00	5	0	01
	2B	0	04	0	0	10
	108/4B1, 4/B1/2	0	04	0	0	10
	339/3B	0	08	0	0	20
	4B	0	03	0	0	07
	106/7C	0	02	0	0	05
	107/4B	0	07	0	0	17
	3/4	0	03	0	0	07
	7B	0	01	0	0	02
	114/3B	0	04	0	0	10
	106/4A	0	01	0	0	02
	106/3B	0	07	0	0	17
	108/3B	0	04	0	0	10
	3D	0	01	0	0	02
	116	0	02	0	0	05
	115/1B	0	05	0	0	12
	114/1A2	0	04	5	0	11
	114/1B2	0	13	5	0	33
	112/20B	0	09	0	0	22
	114/2A2	0	04	5	0	11
	155	0	03	0	0	07
	157/1B	0	03	0	0	08
	157/B	0	01	5	0	04
	157/4B	0	06	0	0	15
	8B	0	04	0	0	10
	166/B	} 0	04	5	0	11
		} 0	03	0	0	08
	153	0	02	5	0	06
	166/B	0	03	0	0	08
	164/4 C/2	0	05	0	0	12
	3B	0	00	5	0	01
	165/9B	0	12	5	0	31
	167/2B	0	04	0	0	10
	3B	0	07	0	0	17
	4B	0	05	0	0	12
	5B	0	02	0	0	05
	6/B	0	05	0	0	12
	169	0	02	5	0	06
Total		2	89	5	7	10

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

क्र.अ. 452.—अबकि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परिपोजना के अंतर्गत साइटपाका-VI से कंडलि I तक तेल और प्राकृतिक गैस आप्रोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुमति करती है कि इस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्दिष्ट भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण प्रविनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एकाद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने का अंश को घोषणा करती है;

अतः कि उक्त भूमि में अपनी सक्ति रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभुक्तों को तारीख से 21 दिन के अंतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपना आपत्ति सक्षम प्राधिकारों, तेल और प्राकृतिक गैस आप्रोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूतेकरण, कायितय, राजमंदि, आरक्ष प्रदेश में दर्ज करा सकता है;

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि-व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

ग्राम.ओ.पु. पलो साइन साइटपाका VI से कंडलि I

स्टेट : आंध्र प्रदेश

मंडल : राजांले

जिला : पूरब गोदावरी

गांव	एस. नं.	हेक्टास	एस	सेन्टियस	एकस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
कंडलि	354/19 पीटी	0	03	0	0	06½
	504/1 पीटी	0	01	5	0	04
	504/1ए पीटी	0	01	5	0	04
	504/2 पीटी	0	01	0	0	02
	505/3 पीटी	0	10	5	0	26
	505/1 पीटी	0	08	5	0	21
	506/पीटी	0	01	5	0	04½
	507/2ए	0	07	5	0	19
	505/1	0	17	5	0	42½
	340/2 पीटी	0	02	0	0	05
	510/1	0	04	0	0	10½
	511/1 बी	0	05	5	0	14
	340/1	0	09	5	0	24
	342/1 से पीटी	0	26	0	0	64
	344/4, 1 बी/बी	0	05	0	0	12
	344 1 ए, 2 बी, 2, 1 बी/3 }	0	08	0	0	20
	344/1 ए, 2 ए	0	06	5	0	16
	345/1 बी	0	03	0	0	06½
	345/1 सी	0	01	0	0	02
	345/1 ए	0	00	5	0	01
	335/1	0	03	0	0	08½
	335/2	0	03	5	0	09
	335/3	0	00	5	0	01
	346/2	0	06	5	0	15½
	505/2	0	01	0	0	02
	504/1 ए	0	01	5	0	04
	341/पीटी	0	02	5	0	06½
कुल मिलाकर		1	42	0	2	51

[सं. ओ.-11016/79/91-ओ. एन. जी. बी.-4]

ए. माटिन, डेस्क अधिकारी



New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 452.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tatipaka-6 to Kadali-I in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. flow line from Tatipaka-6 to Kadali-I State of Andhra Pradesh, Mandal Razole, Distt. East Godavari.

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Kadali	354/10pt	0	03	0	0	06½
	504/1A pt.	0	01	5	0	04
	504/1A Pt.	0	01	5	0	04
	504/2 pt.	0	01	0	0	02
	505/3 pt.	0	10	5	0	26
	505/1 pt.	0	08	5	0	21
	506/Pt.	0	01	5	0	04½
	507/2A	0	07	5	0	19
	508/1	0	17	5	0	42½
	340/2 Pt.	0	02	0	0	05
	510/1	0	04	0	0	10½
	511/1B	0	05	5	0	14
	340/1	0	09	5	0	24
	342/1 to 1 pt	0	26	0	0	64
	344/4,1B/B	0	05	0	0	12
	344/1A, 2B, 2, 1B/3	0	08	0	0	20
	344/1A, 2A	0	06	5	0	16
	345/1B	0	03	0	0	06½
	345/1C	0	01	0	0	02
	345/1A	0	00	5	0	01
	335/1	0	03	0	0	08½
	335/2	0	03	5	0	09
	335/3	0	00	5	0	01
	346/2	0	06	5	0	15½
	505/2	0	01	0	0	02
	504/1A	0	01	5	0	04
	341/Pt	0	02	5	0	06½
Grant Total		1	42	0	3	51

[No. O-12016/79/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. भा. 453.— जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाइनों के लिए बाईन लाईन परियोजना के अंतर्गत राजपत्र-II में अंकित बॉल पॉइंट तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विद्यमान है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निष्पक्षित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 56) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उन पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा का घोषणा करती है,

बनते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिवृत्तना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सभ्य प्राधिकारी मेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोमोट प्रोत्सरण कार्यालय राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसा आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अववा विविध व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

फर्ना लाइन राजोल् III से जंक्शन वोल्व पाइन्ट तक स्टेट आंध्र प्रदेश, जिला : पश्चिम गोदावरी मण्डल नरसापुर

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट्स
वे. वि. लंका.	202/2बी1	0	19	5	0	48
	201/2 जी1	0	38	0	0	94
	201/2 एच 1 } 201/2 सी 1 } 199/2A }	0	03	5	0	09
	200/1	0	13	0	0	32
	199/3 ए	0	07	5	0	19
	198/ए		01	0	0	03
कुल मिलाकर		0	82	5	2	95

[सं. ओ-12016/80/91-ओ एन जीडी-4]  
एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 453.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Razole III to Razole-Junction involve-point in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

als Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Flow line Razole III to Junction involve point state of Andhra Pradesh Distt: West Godavari, Mandal : Narsapur

Village	R.S. No.	Hectars	Areas	Centiares	Acres	Cents
V.V. Lanka	202/2B1	0	19	5	0	48
	201/2G1	0	38	0	0	94
	201/2H1 } 201/2C1 } 199/2A }	0	03	5	0	09
	200/1	0	13	0	0	32
	199/3A	0	07	5	0	19
	198/A	0	01	0	0	03
Grant Total		0	82	5	2	05

[No. O-12016/80/91-ONGD-4]  
M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. भा. 454.--जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि गवर्जनिक हित में यह आवश्यक है कि पैट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइपलाइन परियोजना के अन्तर्गत एलमंचिलि-I से जि. सि. एस नरसापुर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पैट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की प्रशा की घोषणा करती है।

यद्यपि उक्त भूमि में अपनी हवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट भूसेकरण कार्यालय राजमुक्ति आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

आर ओ. यु. गैस पाइप लाइन एलमंचिलि-I से जि. सि. एस. नगरम

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

मंडल : एलमंचिलि

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टर	एम	सेन्टिअर्स	एकड़	सेन्ट्स
काजा	60/पीटी	0	02	0	0	05
	65/7पीटी	0	04	0	0	10
	40/1पीटी	0	05	5	0	13
	65/3पीटी	0	06	0	0	15
	65/7पीटी	0	01	0	0	02
	65/2पीटी	0	01	0	0	02
	65/1पीटी	0	01	5	0	11
	66/पीटी	0	03	0	0	08
	76/2पीटी	0	01	0	0	02
	64/2पीटी	0	18	5	0	46
	77/4पीटी	0	00	5	0	01
	41/पीटी	0	01	0	0	03
	27/5पीटी	0	06	5	0	16
	27/5पीटी	0	04	5	0	11
	39/1पीटी	0	17	0	0	42
	38/7, 8, 10, 11पीटी	0	11	5	0	28
	38/13, 15 16, 17पीटी	0	07	5	0	18
	37/पीटी	0	06	5	0	16
	36/8, 7पीटी	0	11	5	0	29
	33/3पीटी	0	01	0	0	03
	36/6पीटी	0	02	5	0	06
	33/3पीटी	0	03	5	0	09
	32/पीटी	0	01	5	0	01
	250/1, 2पीटी	0	18	0	0	45
	251/1पीटी	0	03	5	0	09
	251/1पीटी	0	03	0	0	08
	251/1पीटी	0	01	0	0	02
	251/1पीटी	0	03	5	0	09
	252/2पीटी	0	16	0	0	40
	244/4बी	0	13	0	0	32
	247/2	0	01	0	0	02½
	243/1बी पीटी	0	06	0	0	14½
	243/2बी पीटी	0	09	5	0	24½
	245/1पीटी	0	03	5	0	08½

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	248/2 पी टी	0	09	5	0	23-1/2
	281/2 बी पी टी	0	03	0	0	06-1/2
	281/2 सी पी टी	0	02	5	0	06
	281/ 3 बी पी टी	0	07	5	0	19-1/2
	281/2 टी पी टी	0	02	5	0	06
	268/3 बी पी टी	0	08	5	0	20-1/2
	269/4 पी टी	0	01	5	0	04
	271/6 बी	0	05	0	0	12-1/2
	269/3 पी टी	0	02	0	0	05
	269/2 पी टी	0	02	0	0	05
	271/1 बी	0	03	0	0	07
	271/4 बी } 6 बी }	0	04	5	0	10-1/2
	272/1 बी	0	06	5	0	16
	272/2 बी	0	07	0	0	17-1/2
	273/2 बी	0	05	5	0	12-1/2
	274/2 पी टी	0	04	5	0	11
	कुल मिलाकर	2	74	5	6	78

[सं. ओ.-12016/89/91-ओ.एन.जी.ई.-4]

एम. माटिन, डेकर अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 454.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Elamanchili-I to G. C. S. Narsapur in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

als Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Gas pipe line from Elamanchili I to G.C.S. Narasapur Distt. : West Godavari, State : Andhra Pradesh  
Mandal : Elamanchili

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
KAZA	60/pt.	0	02	0	0	05
	65/7pt.	0	04	0	0	10
	40/1pt.	0	05	5	0	13
	65/3 pt.	0	06	0	0	15
	65/7 pt.	0	01	0	0	02
	65/2pt.	0	01	0	0	02
	65/1 pt.	0	04	5	0	11
	66 pt.	0	03	0	0	08
	76/2 pt.	0	01	0	0	02
	64/2pt.	0	18	5	0	46
	77/4 pt.	0	00	5	0	01
	41/pt.	0	01	0	0	03
	27/5 pt.	0	06	5	0	16
	27/5 pt.	0	04	5	0	11
	39/1 pt.	0	17	0	0	42
	38/7, 8, 10, 11 pt.	0	11	5	0	28
	38/13, 15, 16 17 pt.	0	07	5	0	18
	37/pt.	0	06	5	0	16
	36/8, 7 pt.	0	11	5	0	29
	33/3 pt.	0	01	0	0	03
	36/6 pt.	0	02	5	0	06
	33/3 pt.	0	03	5	0	09
	32 pt.	0	01	5	0	04

1	2	3	4	5	6	7
	250/1, 2 pt.	0	18	0	0	45
	251/1 pt.	0	03	5	0	09
	251/1 pt.	0	03	0	0	08
	251/1 pt.	0	01	0	0	02
	251/1 pt.	0	03	5	0	09
	252/2 pt.	0	16	0	0	40
	244/4B	0	13	0	0	32
	247/2	0	01	0	0	02½
	243/1B pt.	0	06	0	0	14½
	243/2B pt.	0	09	5	0	24½
	245/1 pt.	0	03	5	0	08½
	246/2 pt.	0	09	5	0	23½
	281/2 B pt.	0	03	0	0	06½
	281/2 C pt.	0	02	5	0	06
	281/3 B Pt.	0	07	5	0	19½
	281/2D pt.	0	02	5	0	06
	268/3B pt.	0	08	5	0	20½
	269/4 pt.	0	01	5	0	04
	271/6 B	0	05	0	0	12½
	269/3 pt.	0	02	0	0	05
	269/2 pt.	0	02	0	0	05
	271/1B	0	03	0	0	0
	271/4B, 6C	0	04	5	0	10½
	272/1B	0	06	5	0	16
	272/2B	0	07	0	0	17½
	273/2B	0	05	5	0	12½
	274/2 pt.	0	04	5	0	11
	Total	2	74	5	6	78

[No. O-12016/81/91-ONGD-4]

M. MARTI, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

क।. आ. 435-- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइपलाइन परियोजना के अन्तर्गत एलांसविल-1 से जि. मि. एम. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरण में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एन्क्ट्रारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की श्रृंखला की घोषणा करती है।

वेबलॉ कि उक्त भूमि में अपनी गति रखन वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विद्युत के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग के जि. प्रोजेक्ट सुनेकरण कानियव. राजपुत्री आर्य प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विवेक रूप से निश्चित करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अपनी विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर. प्रो. यु. पाठप लाइन एलायन्स 1 से जि.सि. एम. तगरम आध्र प्रदेश जिला, पश्चिम गोदवरी,

मंडल मरसपुर

गांव	आर. एल नं.	हैक्टरस	एअर	सेन्टियस डाकर्स	एअर	सेन्टग
चिट्टवरम	223/1 बी	0	0.6	5	0	16
	223/1सी	0	0.9	5	0	23
	223/2बी	0	0.4	5	0	11
	226/1बी	10	1.1	0	0	27½
	226/2बी	0	1.1	5	0	28
	226/2सी	0	0.4	0	0	09½
	225/4ए	0	0.0	5	0	01½
	227/1बी/1	0	0.2	5	0	05½
	228/3बी	0	1.8	0	0	45
	229/15बी	0	0.1	0	0	02
	257/3बी/1बी	0	0.3	0	0	07 1½
	258/2बी	0	0.2	0	0	05
	258/3बी	0	1.4	5	0	36
	250/2बी	0	1.2	0	0	29.4
	256/2बी	0	0.1	5	0	04
	262/2 बी	0	0.2	0	0	05
	272/3ए	0	0.0	5	0	01
	259/2ए	0	0.1	0	0	10
	283/1, 2	0	0.8	5	0	21
	282/7बी	0	0.2	5	0	06
	282 11 बी	0	0.3	0	0	08
	282/10, बी	0	0.2	0	0	05½
	9सी	0	--	--	--	--
	282/9बी	0	0.1	0	0	02
	282/5बी	0	0.5	5	0	13½
	282/6ए	0	0.0	5	0	00
	281/7 बी/10बी,	0	0.5	5	0	14
	277/11बी	0	0.2	0	0	05
	281/11बी	0	0.5	0	0	12½
	277/12बी	0	0.2	0	0	04½
	281/12 बी	0	0.5	5	0	13
	277/10बी	0	0.3	5	0	09
	277/9बी	0	0.1	5	0	0 1
	277/8बी	0	0.1	5	0	04½
	277/7 बी	0	0.4	0	0	10
	277/5बी	0	0.5	5	0	13
	277-1बी	0	0.6	0	0	15
	277-6बी	0	0.9	5	0	21
	277-4सी	0	0.3	0	0	08
	277-4बी	0	0.3	0	0	07
	277-2बी/3बी	0	0.6	0	0	15
	276-3ए	0	0.0	5	0	01
	280-1बी	0	1.6	0	0	10
	273-2बी	0	0.8	5	0	20½
	273-4ए	0	0.1	0	0	02
	273-3बी	0	0.8	5	0	24½
	272-2बी	0	1.0	5	0	25½
		2	40	0	5	93

[सं. ओ-12016/82/91 ओ एन जी बी-4]

एम. माटिन, हेल्थ अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 455.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Elamanchili-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Gas pipe line from Elamanchili I to G.C.S. Narsapur

State : Andhra Pradesh

Mandal Narsapur.

Distt. West Godavari

Village	R.S. No.	Hectares	Areas	Centiares	Acres	Cents
Chittavaram	223/1B	0	06	5	0	16
	223/1 C	0	09	5	0	23
	223/2B	0	04	5	0	11
	226/1B	0	11	0	0	27½
	226/2B	0	11	5	0	28
	226/2C	0	04	0	0	09½
	225/4A	0	00	5	0	01½
	227/1D/2	0	02	5	0	05½
	228/3B	0	18	0	0	45
	229/5B	0	01	0	0	02
	257/3B, 1B	0	03	0	0	07½
	258/2B	0	02	0	0	05
	258/3B	0	14	5	0	36
	250/2B	0	12	0	0	29½
	256/2B	0	01	5	0	04
	262/2	0	02	0	0	05
	272-3A	0	00	5	0	01
	259-2A	0	04	0	0	10
	283, 1, 2	0	08	5	0	21
	282-7B	0	02	5	0	06
	282-11B	0	03	0	0	08
	282-10B-	0	02	0	0	05½
	-9C	—	—	—	—	—
	282-9B	0	01	0	0	02
	282-5B	0	05	5	0	13½
	282-6A	0	00	5	0	01
	281-7B	0	05	5	0	14
	10B					
	277-11B	0	02	0	0	05
	281-11B	0	05	0	0	12½
	277-12B	0	02	0	0	04½
	281-12B	0	05	5	0	13
	277-10B	0	03	5	0	09
	277-9B	0	01	5	0	04
	277-8B	0	01	5	0	04½
	277-7B	0	04	0	0	10
	277-5B	0	05	5	0	13
	277-1B	0	06	0	0	15
	277-6B	0	09	5	0	24
	277-4C	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6	7
	277-4B	0	03	0	0	07
	277-2B/3B	0	06	0	0	15
	276-3A	0	00	5	0	01
	280-1B	0	16	0	0	40
	273-2B	0	08	5	0	20½
	273-4A	0	01	0	0	02
	273-3B	0	08	5	0	21
	272-2B	0	10	5	0	25½
		2	40	0	5	93

[No. O-12016/82/91-ONGD-4]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 456.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हिस में यह आवश्यक है कि पैट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत एलामंचिल-1 से जि. मि. एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस सायोन द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरण में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार रहण करना आवश्यक है।

अतः पैट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार रहण करने की प्रणाली को घोषणा करती है :

वेणते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि पर पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सशम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रोजेक्ट भूमेकरणा कार्यालय, राजमुक्ति आन्दोलन में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति का यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा अधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

शेड्यूल

आर. आ. यू. पाइप लाइन एलामंचिल से जि. मि. एस. नगर, स्टेट आन्ध्र प्रदेश जिला पश्चिम गोदावरी मंडल नरसपुर

गांव	आर. एस. नं.	हैक्टर	एक	सेल्ड्रास	एकड़	सेट्स
1	2	3	4	5	6	7
नरस पुरम	103 भाग	0	04	0	0	10
	103-2 भाग	0	25	0	0	62
	104—1 भाग	—	—	—	—	—
	102—1 भाग	—	—	—	—	—
	101 भाग	—	—	—	—	—
	97 भाग	0	00	5	0	01
	98 भाग	0	10	0	0	25
	93—1,2 भाग	0	07	5	0	18
	93—3,4 भाग	0	06	5	0	16
	78-3	—	—	—	—	—
	79-1	0	15	0	0	37
	80-3	—	—	—	—	—
	78—1 भाग	—	11	5	0	28
	80—5 भाग	0	06	5	0	16
	80—6,7 भाग	0	05	5	0	13



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
नवरस पुरम- (जारी)	54-1 भाग	0	08	0	0	2
	13 भाग	0	05	5	0	13
	57-1,3	0	07	5	0	19
	57-2 भाग	0	06	5	0	16
	54-2 भाग	0	10	0	0	25
	56-3 भाग	0	03	0	0	08
	17-1,12 भाग	0	09	5	0	23
	17-13 भाग	0	01	5	0	04
	17-12 भाग	0	08	0	0	20
	13-4 भाग	0	03	0	0	08
		1	54	5	3	82

[No.O-12016/83/91-ONGD-4]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 456.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Elamanchili-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. PIPE LINE FROM ELAMANCHILI-I TO G.C.S. NARSAPUR

STATE : ANDHRA PRADESH

DISTRICT : WEST GODAVARI

MANDAL : NARSAPUR

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centi ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Navarasapuram	103-pt	0	04	0	0	10
	103-2 pt	0	25	0	0	62
	104-1					
	102-pt					
	101-pt					
	97-pt	0	00	5	0	01
	98 pt	0	10	0	0	25
	93-1, 2 pt	0	07	5	0	18
	93-3, 4 pt	0	06	5	0	16
	78-3	0	15	0	0	37
	79-1					
	80-3					
	78-1 pt	0	11	5	0	28
	80-5 pt	0	06	5	0	16
	80-6, 7	0	05	5	0	13
	54-1 pt	0	08	0	0	20
	13 pt	0	05	5	0	13
	57-1, 3	0	07	5	0	19
	57-2 pt	0	06	5	0	16

1	2	3	4	5	6	7
	54-2 pt	0	10	0	0	25
	56-3 pt	0	03	0	0	08
	17-1, 12 pt	0	09	5	0	23
	17-13 P	0	01	5	0	04
	17-12 pt	0	08	0	0	20
	13-4 pt	0	03	0	0	08
	TOTAL	1	54	5	3	82

[No. O-12016/83/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ.457--जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत एलमचिल-1 से जी.सी.एम. नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाया जाना है।

आर. यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोजना का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

अतः कि उक्त भूमि में अपनी संचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सख्त प्राधिकारों तेल और प्राकृतिक गैस, प्रोजेक्ट, भूमिकर्मा कार्यालय, राजमंत्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

आर. ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विरोध रूप में निवेदित करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विनिश्चयसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करता चाहता है।

## अनुसूची

आर.ओ.यू. लाइन एलमचिल से जी.सी.एम. नगर

राज्य : आंध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोवादरी

मंडल : नरसपुर

गांव	एस.नं.	हेक्टा.यस	एस	मेन्टियर्स	ए.कस	मेन्टस
माझ बावपालेम	62/3 भाग	0	06	5	0	15½
	63/2 भाग	0	15	0	0	37½
	67/1 ए	0	09	0	0	22
	67/2 बी	0	01	0	0	02½
	67/1 बी	0	08	0	0	20½
	64/1	0	01	5	0	04
	64/2	0	02	0	0	04½
	65/2 ए	0	10	0	0	25
	65/2 बी	0	09	0	0	22
	57/4	0	07	0	0	17
	57/1	0	03	0	0	08½
	57/2	0	09	0	0	21½
	57/2	0	02	5	0	06½
	58/2 भाग	0	04	5	0	10½
	58/3 भाग	0	09	5	0	24½
	56 भाग	0	01	0	0	02½
औड़		0	98	5	2	44½

[No. O-12016/84/91ONGD-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 457.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Elamanchili-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

## SCHEDULE

## R.O.U. GAS PIPE LINE FROM ELAMANCHILI-I TO G.C.S. MAGARAM

STATE : ANDHRA PRADESH

VILLAGE : MADHAVAIPALEM

MANDAL : NARSAPUR

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centi-Ares	Acres	Cents
MADHAVAIPALEM	62/3 pt	0	06	5	0	15½
	63/2 pt	0	15	0	0	37½
	67/1A	0	09	0	0	22
	67/2 C	0	01	0	0	02½
	67/1 B	0	08	0	0	20½
	64/1	0	01	5	0	04
	64/2	0	02	0	0	04½
	65/2A	0	10	0	0	25
	65/2B	0	09	0	0	22
	57/4	0	07	0	0	17
	57/1	0	03	0	0	08½
	57/2	0	09	0	0	21½
	57/2	0	02	5	0	06½
	58/2 pt	0	04	5	0	10½
	58/3 pt	0	09	5	0	24½
	56 pt	0	01	0	0	02½
		0	98	5	2	44½

[No. O-12016/84/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

तारीख : 31 दिसम्बर 1991

का आ 457 --जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि राख्यनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोमियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस वाले के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत एलमंचिली-1 से जी.सी.एस. नगर तक केन्द्र और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर परीक्षा का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोमियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर परीक्षा का अधिकार सहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एलमंचिली-1 से जी.सी.एस. नगर तक केन्द्र और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

अतः कि उक्त भूमि में अपनी राशि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विभाग के विशेष से अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जी. सी. प्रोजेक्ट, संरक्षण कार्यालय, राजमुन्डा, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निश्चित करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवस्था के माध्यम से अपनी मन प्रस्तुत करना चाहता है।

## भूमि

प्रा.प्र.प. पाइप लाइन एक्जिक्जिटिव-1 से जी.सी.एस. नगरम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

मण्डल : नरसपुरम

गाँव	एकड़	हेक्टेयर	एकड़	सेन्टिनेर	एकड़	सेन्टिनेर
1	2	3	4	5	6	7
चिनाममिदिपल्ली	84/3	0	05	5	0	12½
	जोड़	0	05	5	0	12½

[सं O-12016/85/91-ओ एन जी डी-4]

एम० मार्टिन डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 458.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport to petroleum from Elamanchili-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe Line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. PIPE LINE FROM ELAMANCHILI I-TO G.C.S. NAGRAM

STATE : ANDHRA PRADESH DISTRICT : WEST GODAVARI MANDAL : NARASAPURAM

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chinamamidiipalli	84/3	0	05'	5	0	12½
GRAND TOTAL		0	05	5	0	12½

[No. O-12016/85/91-ONGD-4]

M. MARTIN Desk Officer

तारीख, 31 दिसम्बर, 1991

का.प्र. 458. — जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-1 से जी.सी.एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की प्रक्रिया की घोषणा करती है।

बनने कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिगूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सूक्ष्म आधिकारिक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जी.सी.प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निश्चित करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप में यथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

आर.ओ.यू. लाइन मोरि-I से जी.सी.एस. नगरम्

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूर्व गोदावरी

मंडल : सखिनेलिपल्लि

गांव	एस नं.	हेक्टास	एर्स	सेन्टियर्स	एकड़	सेण्टस
केसवदासुपालेम	147/2 एर्पाटो	0	07	5	0	18
	147/2 बीर्पाटो	0	08	5	0	21
	147/2 सी	0	12	5	0	31
	148/1 बी	0	03	0	0	07
	145/एर्पाटो	0	01	0	0	02
	142/1 ए, 2 ए	0	01	5	0	04
	132/1, 2, एर्पाटो	0	28	5	0	70
	131/4 एर्पाटो	0	01	0	0	03
	138/1 एर्पाटो	0	18	5	0	46
	129/5 ए	0	09	5	0	24
	128/2 ए	0	02	5	0	05
	126/8	0	01	0	0	02
	125/एर्पाटो	0	27	0	0	67
	122/1, 2 एर्पाटो	0	12	0	0	30
	122/2 एर्पाटो	0	01	0	0	03
	121/4	0	01	0	0	03
	121/5 एर्पाटो	0	08	5	0	21
	121/6 एर्पाटो	0	03	0	0	08
	117/1, 2 एर्पाटो	0	39	5	0	97
	114/7, 2 एर्पाटो	0				
	114/4 एर्पाटो	0	05	0	0	12
कुल मिलकर		1	92	0	4	74

[सं.ओ.-12016-/83/91 आ एन जी डी-4]

एम्. माटिन डेव्ड शाफिसर

New Delhi, (the 31st December, 1991)

S.O. 459.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mari-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

erals pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Line from Mori-I to G.C.S. Nagaram

STATE : ANDHRA PRADESH

DISTRICT : EAST GODAVARI  
MANDAL : SAKHINELIPALLI

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kesavadasupalem	147/2A pt	0	07	5	0	18
	147/2B pt	0	08	5	0	21
	147/2C	0	12	5	0	31
	148/1B	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
	145/pt	0	01	0	0	02
	142/1A B	0	01	5	0	04
	132/1, 2 pt	0	28	5	0	70
	138/4 pt	0	01	0	0	03
	131/4 pt	0	18	5	0	46
	129/5A	0	09	5	0	24
	128/2 pt	0	02	5	0	05
	126/8	0	01	0	0	02
	125/pt	0	27	0	0	67
	122/1, 2 pt	p	12	0	0	30
	122/2 pt	0	01	0	0	03
	121/4	0	01	0	0	03
	121/5 pt	0	08	5	0	21
	121/1 pt	0	03	0	0	08
	117/1, 2pt } 114/7, 2 pt }	0	39	5	0	97
	114/4 pt	0	05	0	0	12
GRAND TOTAL		1	92	0	4	74

[No. O-12016/86/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर 1991

का.आ. 460--जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-1 से जि.सि.एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती हैं कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निम्नलिखित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति संश्लेषण अधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरण कार्यालय, राजमुंद्री, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन मोरि-1 से जि.सि.एस. नगरम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूर्व गोदावरी

मंडल : सखिनेतिपल्लि

गांव	एस. नं.	हेक्टास	एस	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
अंतर्वेदिपालेम	413/5 पीटी	0	11	0	0	27
	414/पीटी	0	11	5	0	28
	415/1 पीटी	0	12	0	0	30
	415/1 पीटी	0	01	5	0	04
	420/2 पीटी	0	04	5	0	11
	420/2 पीटी	0	01	0	0	03
	419/पीटी	0	14	0	0	34
	418/4, 5 पीटी	0	14	5	0	36
	418/6 पीटी	0	09	0	0	22
	404/पीटी	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6	7
असबे दिवालेम	431/1 पीटी } 430/2 पीटी }	0	15	0	0	37
	431/2 पीटी	0	05	5	0	13
	430/1 पीटी	0	00	5	0	01
	430/7 पीटी	0	07	0	0	17
	430/11 पीटी	0	05	5	0	13
	430/12 पीटी	0	02	5	0	06
	433/2 पीटी	0	10	5	0	21
	480/1 पीटी } 434/3 पीटी }	0	18	0	0	45
	434/3 पीटी	0	09	5	0	24
	504/पीटी	0	04	5	0	04
	503/1 पीटी	0	05	0	0	12
	503/3 पीटी	0	03	0	0	08
	503/2 पीटी	0	02	0	0	05
	502/2 पीटी	0	12	0	0	30
	493/3 पीटी	0	02	0	0	05
	493/3, 2 पीटी	0	08	5	0	21
	493/1 पीटी	0	18	0	0	45
	491/पीटी	0	09	5	0	23
	484/2 बी	0	03	0	0	07
	483/1 पीटी	0	12	5	0	31
	484/1 पीटी	0	10	5	0	26
	482/4 पीटी	0	03	0	0	07
	484/12 पीटी	0	05	0	0	12
	476/3 पीटी	0	08	0	0	20
	484/2 पीटी	0	02	5	0	06
	481/ए पीटी	0	07	5	0	18
	476/3 ए पीटी	0	03	0	0	07
	478/4, 5 पीटी	0	05	5	0	14
	478/2 पीटी	0	07	5	0	18
	465/2, 3 पीटी	0	20	0	0	49
	465/1 पीटी	0	01	5	0	04
	465/1 पीटी	0	01	5	0	04
	465/2 पीटी	0	08	0	0	20
कुल मिलाकर		3	15	0	7	76

[नं. मो-12016/88/91-प्रो एन जी डी-4]

एम० माटिन, डेस्क ऑफिसर

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 460.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mari-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority. Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. p'p's line from Mori-I to G.C.S. Nagarain

State : Andhra Pradesh

Distt. East Godavari

Mandal : Sakshinetipalli

Village	R.S. No.	Hectars	Areas	Centiares	Acres	Cents
Antaruedipalam	413/5pt.	0	11	0	0	27
	414 /pt.	?	11	5	0	28
	415/1 pt.	0	12	0	0	30
	415/1 pt.	0	01	5	0	04
	420/2 pt.	0	04	5	0	11
	420/2 pt.	0	01	0	0	03
	419/pt.	0	14	0	0	34
	418/4, 5pt		14	5	0	36
	418/6 pt.	0	09	0	0	22
	404 pt.	0	01	0	0	03
	431/1pt. }					
	430/2 pt.	0	15	0	0	37
	431/2 pt.	0	05	5	0	13
	430/1 pt.	0	00	5	0	01
	430/7 pt.	0	07	0	0	17
	430/11pt.	0	05	5	0	13
	430/12 pt.	0	02	5	0	06
	433/2pt.	0	10	5	0	26
	480/1 pt. }					
	434/3pt.	0	18	0	0	45
	434/3 pt.	0	09	5	0	24
	504/pt.	0	01	5	0	04
	503/1pt.	0	05	0	0	12
	503/3 pt.	0	03	0	0	08
	503/2 pt.	0	02	0	0	05
	502/2pt.	0	12	0	0	30
	493/3pt.	0	02	0	0	05
	493/3,2pt.	0	08	5	0	21
	493/1 pt.	0	18	0	0	45
	491/pt.	0	09	5	0	23
	484/2B	0	03	0	0	07
	483/1pt.	0	12	5	0	31
	484/1 pt.	0	10	5	0	26
	482/4 pt.	0	03	0	0	07
	484/12 pt.	0	05	0	0	12
	476/3 pt.	0	08	0	0	20
	484/2 pt.	0	02	5	0	06
	481/A pt.	0	07	5	0	18
	476/3A pt.	0	03	0	0	07
	478/4, 5 pt.	0	05	5	0	14
	478/2 pt.	0	07	5	0	18
	465/2,3pt.	0	20	0	0	49
	465/1pt.	0	01	5	0	04
	465/1pt.	0	01	5	0	04
	465/2 pt.	0	08	0	0	20
Grand Total		3	15	0	7	76



नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 461.--जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-1 से जि.सि.एस. नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंगी को घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी सजि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के.जि. प्राजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुंदी, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा किसी व्यक्तिगत रूप से माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.प्रो.यु. पाइप लाइन मोरि-1 से जि.सि.एस. नगर

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूर्व गोदावरी

मंडल : मलिकिपुरम

शक्ति	आर. एस.नं.	हेक्टेयर	एकड़	सेण्टियर	एकड़	सेण्टियर
1	2	3	4	5	6	7
मलिकिपुरम	23/3 पीटी	0	0.2	5	0	0.6
	23/3 पीटी	0	0.5	0	0	12
	23/3 पीटी	0	0.6	0	0	15
	23/3 पीटी	0	0.3	5	0	0.9
	23/3 पीटी	0	0.1	0	0	0.3
	23/2 पीटी	0	0.3	0	0	0.7
	23/2 पीटी	0	0.3	0	0	0.7
	24/1 पीटी	0	0.2	0	0	0.5
	24/1 पीटी	0	0.2	0	0	0.5
	24/1 पीटी	0	0.2	0	0	0.5
	22/3 पीटी	0	0.3	0	0	0.7
	22/4 पीटी	0	0.5	0	0	12
	22/4 पीटी	0	0.4	0	0	10
	22/4 पीटी	0	0.2	5	0	0.6
	22/4	0	0.2	5	0	0.6
	22/4 पीटी	0	0.3	0	0	0.7
	27/1 पीटी	0	0.2	0	0	0.5
	27/2 पीटी	0	0.5	0	0	12
	29/7 पीटी	0	0.4	0	0	10
	29/2 पीटी	0	0.3	5	0	0.9
	29/1 पीटी	0	0.1	0	0	0.2
	31/10 पीटी	0	0.3	5	0	0.9
	31/2 पीटी	0	0.1	0	0	0.2
	32/पीटी	0	0.3	0	0	0.8
	9-13 ई	0	0.6	5	0	1.6
	9-13 डी	0	1.6	0	0	3.9
	12 सी					
	5					
	9-14 पीटी	0	0.5	5	0	1.3
	36 पीटी	0	0.3	5	0	0.9
कुल मिलाकर		1	0.4	5	2	5.6

[सं. ओ-12016/89/91-प्रो एन जा डो-4]

एम माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 461.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mari-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

ral pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. pipeline from Mori-I to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

Distt. : East Godavari.

Mandal : Malkipura.

Village	R.S.No.	Hectares	Ares	Centiares	Acers	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Malkipuram	23-3 pt.	0	02	5	0	06
	23-3 pt.	0	05	0	0	12
	23-3 pt.	0	06	0	0	15
	23-3 pt.	0	03	5	0	09
	23-3 pt.	0	01	0	0	03
	23-2 pt.	0	03	0	0	07
	23-2 pt.	0	03	0	0	07
	24-1 pt.	0	02	0	0	05
	24-1 pt.	0	02	0	0	05
	24-1 pt.	0	02	0	0	05
	22-3 pt.	0	03	0	0	07
	22-4 pt.	0	05	0	0	12
	22-4 pt.	0	04	0	0	10
	22-4 pt.	0	02	5	0	06
	22-4	0	02	5	0	06
	22-4 pt.	0	03	0	0	07
	27-1 pt.	0	02	0	0	05
	27-2 pt.	0	05	0	0	12
	29-7 pt.	0	04	0	0	10
	29-2 pt.	0	03	5	0	39
	29-1 pt.	0	01	0	0	02
	31-10- Cl	0	03	5	0	09
	31-2 pt.	0	01	0	0	02
	32 pt.	0	03	0	0	08
	9-13 E.	0	06	5	0	16
	9-13 D.	}	0	0	0	39
	12 C					
	5					
	9-14 pt.	0	05	5	0	13
	36 pt.	0	03	5	0	09
Total		1	04	5	2	56

[No. O-12016/89/91-ONGD-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 46A-अबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-1 से जि०सि०एस० नगरम तक नेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1982 (1982 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (i) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उन पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की आज्ञा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुजि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिनियम की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सभ्य प्राधिकारी नेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि० प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमुक्ति, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिब्यवसायक के माध्यम से अपना ममे प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन मोरि-1 से जि०सि०एस० नगरम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूर्व गोदावरी

मंडल : राजोल

शॉव	आर एम नं.	हेक्टर	एर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
कान्ति ब्लाक I	48/2 पीटी	0	0.5	0	0	12
	48/3 पीटी	0	18	5	0	46
	54/पीटी	0	19	5	0	48
	55/पीटी	0	18	5	0	46
	49/3 ए	0	0.3	0	0	08
	78/2 पीटी	0	17	0	5	42
	70/पीटी	0	17	0	0	42
	68/1बी	0	00	5	0	01
	68/1 सी	0	01	5	0	04
	68/1 एफ	0	0.3	0	0	07
	59/ए	0	0.9	0	0	22
	59/बी 2	0	15	5	0	38
	56	0	10	0	0	25
	68	0	0.4	0	0	10
	68/1 ओ	0	0.3	0	0	08
	68/1के	0	0.3	0	0	08
	68/एल	0	0.3	0	0	09
	69/2 ब/ 2, 3	0	0.9	5	0	23
	78/1 पीटी, 2 पीटी	0	17	0	0	42
	91/2 पीटी	0	15	0	0	37
	78/2 पीटी					
	78/2 पीटी					
	78/2 पीटी	0	0.5	0	0	12
	78/2 पीटी	0	0.2	5	0	06
	82/1 पीटी	0	18	0	0	45
	82/1 पीटी	0	0.1	5	0	04
	83/1 पीटी, 2 पीटी	0	0.3	5	0	09
	83/1 पीटी	0	0.2	5	0	06
	83/1 पीटी	0	0.1	0	0	03
	83/1 पीटी	0	0.1	0	0	03
	83/1 पीटी	0	0.2	5	0	06
	90/1 पीटी	0	16	5	0	41
	91/2 पीटी	0	0.2	5	0	06
	90/2	0	18	0	0	44
	90/2 पीटी	0	0.2	0	0	05
	91/2 पीटी	0	0.2	0	0	05
	91/2 पीटी	0	0.3	0	0	07
	117/1 पीटी	0	0.9	5	0	23

1	2	3	4	5	6	7
	91/2 पीटी	0	01	0	0	03
	91/2 पीटी	0	01	0	0	03
	95/1 पीटी	0	09	5	0	24
	116/1 पीटी	0	02	0	0	05
	95/1, 7 पीटी	0	07	0	0	17
	94/4 पीटी	0	01	0	0	02
	117/1 पीटी	0	02	5	0	06
	93/पीटी	0	03	0	0	07
	117/1 पीटी	0	00	5	0	01
	118/1 पीटी	0	05	5	0	14
	117/1 पीटी	0	08	0	0	20
	118/3	0	04	5	0	11
	118/4 पीटी } 118/5 पीटी }	0	05	5	0	13
	122/1 पीटी	0	07	5	0	19
	122/2 पीटी	0	08	0	0	20
	114/4	0	09	5	0	24
	114/3, 5, 6	0	06	0	0	15
	113/1 पीटी	0	01	0	0	03
	136/1 पीटी	0	08	5	0	21
	113/1 पीटी	0	03	5	0	09
	112/1 पीटी	0	01	5	0	04
	कुल मिलाकर	3	80	0	0	43

[पं. ऑन-12016/90/91-आ एन जी डी-4]

एम० मॉडिन, डेप्टी आधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 462.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mori-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil & Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K.G. Project, Rajahmundry (533 10).

And, every person making such objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Mori-I to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh, Distt. : East Godavari, Mandal : Razole.

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
Kadali Block I	48/2 pt.	0	05	0	0	12
	48/3 pt.	0	18	5	0	46
	54/pt.	0	19	5	0	48
	55/pt.	0	18	5	0	46
	49/3 A	0	03	0	0	08
	78/2 pt.	0	17	0	0	42
	70/pt.	0	17	0	0	42
	68/1 B	0	00	5	0	01
	68/1 C	0	01	5	0	04
	68/1 F.	0	03	0	0	07
	59/A	0	09	0	0	22
	59/B2	0	15	5	0	38

1	2	3	4	5	6	7
Kadali Block I—(contd.)	56	0	10	0	0	25
	68	0	04	0	0	10
	68/1 G	0	03	0	0	
	68/1 K	0	03	0	0	08
	68/L	0	03	0	0	08
	68/2B, 2, 3	0	90	5	0	23
	78/1pt., 2pt.	0	17	0	0	42
	78/1 pt. } 78/1 pt. } 78/2 pt. }	0	15	0	0	37
	78/2 pt.	0	05	0	0	12
	78/2pt.	0	02	5	?	06
	82/1 pt.	0	18	0	0	45
	82/1 pt.	0	01	5	0	04
	83/1pt. 2pt.	0	03	5	0	09
	83/1 pt.	0	02	5	0	06
	83/1 pt.	0	01	0	0	03
	83/1 pt.	0	01	0	0	03
	83/1pt.	0	02	5	0	06
	90/1 pt.	0	16	5	0	41
	91/2 pt.	0	02	5	0	06
	90/2	0	18	0	0	44
	90/2 pt.	0	02	0	0	05
	91/2 pt.	0	02	0	0	05
	91/2 pt.	0	03	0	0	07
	117/1 pt.	0	09	5	0	23
	91/2 pt.	0	01	0	0	03
	91/2 pt.	0	01	0	0	03
	95/1 pt.	0	09	5	0	24
	116/1 pt.	0	02	0	0	05
	95/1, 7pt.	0	07	0	0	17
	94/4 pt.	0	01	0	0	02
	117/1 pt.	0	02	5	0	06
	93/pt.	0	03	0	0	07
	117/1 pt.	0	00	5	0	01
	118/1 pt.	0	05	5	0	14
	117/1pt.	0	08	0	0	20
	118/3	0	04	5	0	11
	118/4 pt. } 118/5 pt. }	0	05	5	0	13
	122/1 pt.	0	07	5	0	19
	122/2 pt.	0	08	0	0	20
	114/4	0	09	6	0	24
	113/3, 5, 6	0	06	0	0	15
	113/1pt.	0	01	0	0	03
	136/1 pt.	0	08	5	0	21
	113/1 pt.	0	03	5	0	09
	112/1 pt.	0	01	5	0	04
Grant Total		3	80	0	9	43

मई दिल्ली, 31 दिसम्बर 1991

का.आ. 463—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि मासैजलिक जित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-] से जि.सि. एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमंदिर आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह अभिव्यक्त कर के प्रथम विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

आर.ओ.यू. लाइन मोरि- से जि.सि.एस० नगरम

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूर्व गोवाबरी

मंडल : राजोल

गाँव	आर.एस. नं.	हेक्टास	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	सेट्स
कडलि	558/1बी 2 बी	0	02	0	0	04-1/2
	558/1ए, 2 ए	0	07	5	0	19
	563/1 बी	0	05	5	0	13
	563/1 ए	0	02	0	0	05
	572/1 बी, 2 बी	0	11	0	0	27
	572/6 बी	0	07	5	0	18
	570/1 बी	0	07	5	0	18-1/2
	571/4 ए, 6 ए	0	09	5	0	24
	571/4 बी	0	04	0	0	09-1/2
	571/8 ए	0	07	0	0	17
	571/6 बी	0	00	5	0	01
	580/2	0	07	5	0	19-1/2
	579/3 बी, 5 ए	0	06	0	0	15
	579/4 ए	0	03	5	0	09
	579/3 ए	0	00	5	0	01
	579/2 बी	0	08	5	0	20-1/2
	579/1 बी	0	00	5	0	01
	591/3ए	0	08	0	0	20-1/1
	591/3 बी	0	07	5	0	17-1/2
	591/4 सी	0	03	0	0	08-1/2
	591/4 बी	0	04	0	0	09-1/2
	591/4 डी	0	02	0	0	50
	591/2 बी	0	00	0	0	0-1/2
	592/2 बी	0	06	0	0	15
	592/1 बी	0	07	0	0	17
	691/7 बी	0	06	0	0	15
	691/9 बी 10 ए/ 2	0	09	0	0	22
	691/6 बी	0	00	5	0	01
	690/1 ए/2	0	04	5	0	10-1/2
	689/2 बी	0	00	5	0	01
	688/3	0	05	5	0	12
	688/2	0	05	5	0	13
	684/1 बी, 2 ए	0	08	0	0	20
	681/5 बी, 4 बी	0	02	0	0	05
	681/5 सी 4 सी	0	07	0	0	17

1	2	3	4	5	6	7
कदाली (जारी)	681/3 ए 2 बी 1 बी	0	09	5	0	23
	682/2 बी	0	02	5	0	06
	682/3 बी	0	09	5	0	23
	682/3 सी	0	04	0	0	10 1/2
	682/3 डी	0	08	5	0	20 1/2
	683/2	0	08	0	0	20
	718/2	0	02	0	0	05 1/2
	687/2	0	02	5	0	05 1/2
	689/1 बी	0	03	0	0	07
	564/2	0	02	0	0	04
	555/1 बी, 2 बी	0	07	5	0	18 1/2
कुल मिलाकर		2	35	5	5	77 1/2

[सं. ओ. 12016/125/91-ओ.एन.जी.डी. 4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 463.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mori-I to G.C.S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals

pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Pipeline from Mori I to G.C.S. Nagaram State of Andhra Pradesh, Distt. East Godavari, Mandal, Razole

Village	R.S.No.	Hectares	Areas	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kadali Block II	558/1B, 2B	0	02	0	0	04½
	08/1A, 2A	0	07	5	0	19
	563/1B	0	05	5	0	13
	563/1A	0	02	0	0	05
	572/1B, 2B	0	11	0	0	27
	572/6B	0	07	5	0	18
	570/1B	0	07	5	0	18½
	571/4A, 6A	0	09	5	0	24
	571/4B	0	04	0	0	09½
	571/8A	0	07	0	0	17
	571/6B	0	00	5	0	01
	580/2	0	07	5	0	19½
	579/3B, 5A	0	06	0	0	15
	579/4A	0	03	5	0	09
	579/3A	0	00	5	0	01
	579/2B	0	08	5	0	20½
	579/1B	0	00	5	0	01
	591/3A	0	08	0	0	20½
	591/3B	0	07	5	0	17½
	591/4C	0	03	0	0	08½
	591/4B	0	04	0	0	09½
	591/4D	0	02	0	0	05
	591/2B	0	00	0	0	0½

1	2	3	4	5	6	7
Kadali Black II (Contd.)	592/2B	0	06	0	0	15
	592/1B	0	07	0	0	17
	691/7B	0	06	0	0	15
	691/9B10A/2	0	09	0	0	22
	691/6B	0	00	5	0	01
	690/1A/2	0	04	5	0	10½
	698/2B	0	00	5	0	01
	688/2	0	05	5	0	13
	688/2	0	05	5	0	13
	654/1B, 2A	0	08	0	0	20
	681/5B, 4B	0	02	0	0	05
	681/5C, 4C	0	07	0	0	17
	681/3A, 2B, 1B	0	09	5	0	23
	682/2B	0	02	5	0	06
	682/3B	0	09	5	0	23
	682/3C	0	04	0	0	10½
	682/3D	0	08	5	0	20½
	683/2	0	08	0	0	20
	718/2	0	02	0	0	05½
	687/2	0	02	5	0	05½
	689/1B	0	03	0	0	07
	564/2	0	02	0	0	04½
	555/1B, 2B	0	07	5	0	18½
Grand Total		2	35	5	5	77½

[No. O-12016/125/91-ONG D4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ. 464 :- जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस माने के लिए प्राकृतिक गैस पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-I से जिसमि.एस नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

यह और भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके माध्यम से निम्नलिखित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हेतु केन्द्र सरकार एन.डब्ल्यू.ओ. पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने का संशय को घौपना करती है।

अतः कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संश्लेष प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भू-संरक्षण, कार्यविधि, राजभूमि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किन्हीं भी व्यक्ति को यह विरोध रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्ति रूप से अपना विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

एस.ओ.यू. पाइप लाइन मोरि I से जि.सि.एस. नगरम्

स्टेट	आन्ध्र प्रदेश	जिला : पूर्व गोदावरी		मंडल : राजोल		
गांव	आर.एस. नं.	हेक्टार्स	ए.स.	सेन्टिअर्स	चाकर्स	रेगुलर्स
1	2	3	4	5	6	7
काहलि-बि-3	731 पी टी	0	01	0	0	02
	725-2/1	0	11	5	0	29
	725-2/2	0	06	5	0	16
	727-1	0	05	5	0	13



1	2	3	4	5	6	7
	728-3	0	07	5	0	18
	725-3	0	05	5	0	14
	725-4	0	05	5	0	14
	728-1	0	02	5	0	06
	722-1	0	00	5	0	01
	728-2	0	02	5	0	06
	728-4	0	01	0	0	02
	722-2	0	06	0	0	15
	-3	0	04	0	0	10
	741-1	0	05	0	0	12
	741-2	0	03	0	0	08
	742 -पी टी	0	02	0	0	05
	742-2	0	01	5	0	04
	742-3	0	03	0	0	07
	474-3 पी टी	0	05	0	0	12
	471-1 पी टी	0	09	5	0	23
	721-1 पी टी	0	00	5	0	01
	470-1	0	15	0	0	37
	470-2	0	07	5	0	19
	472 पीटी	0	08	0	0	20
	471-पी टी	0	07	0	0	17
	393-पीटी	0	03	0	0	07
	394-पी टी	0	03	0	0	07
	395-1 पी टी	0	00	5	0	01
	396-2 पीटी	0	05	5	0	13
	396-1 पीटी	0	08	5	0	21
	397-1 पीटी	0	05	0	0	12
	397-2 पीटी	0	04	5	0	11
	397-3 पी टी	0	04	0	0	10
	397-4 पी टी	0	03	5	0	04
	403-1 पी टी	0	04	5	0	11
	401-2 पी टी	0	19	5	0	48
	403-2 पी टी	0	09	5	0	23
	378-1 पी टी	0	08	0	0	20
	402-2 पी टी	0	09	5	0	23
	401-1 पी टी	0	07	0	0	17
	401-3 पी टी	0	09	0	0	22
	378-3 पी टी	0	11	5	0	29
	384-पी टी	0	02	0	0	05
	380-1 पी टी	0	12	0	0	30
	380-2 पी टी	0	09	5	0	24
	380-4 पीटी	0	06	5	0	16
	380-3 पी टी	0	00	5	0	01
	380-5 पी टी	0	01	5	0	04
	381-पी टी	0	01	5	0	04
	378-2 पीटी	0	02	0	0	05
	378-4 पी टी	0	11	5	0	29
	374-पी टी	0	14	0	0	34
	376-1 पी टी	0	10	5	0	26
	377 पी टी	0	03	0	0	07
	377 पी टी	0	01	0	0	02
	कुल मिलाकर	3	18	0	7	82

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 464.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mori-I to G.C.S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

R.O.U. pipeline at "MORI -I" to "G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh, District, East Godavari

Mandal : Razole.

Village	R.S. No.	Hectars	Areas	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kadali—B-3	731/pt.	0	01	0	0	02
	725-2/1	0	11	5	0	29
	725/2/2	0	06	5	0	16
	727/1	0	05	5	0	13
	728-3	0	07	5	0	18
	725-3	0	05	5	0	14
	725-4	0	05	5	0	14
	728-1	0	02	5	0	06
	722-1	0	00	5	0	01
	728-2	0	02	5	0	06
	728-4	0	01	0	0	02
	722-2	0	06	0	0	15
	—3	0	04	0	0	10
	741-1	0	05	0	0	12
	741-2	0	03	0	0	08
	742-pt.	0	02	0	0	05
	742-2	0	01	5	0	04
	742-3	0	03	0	0	07
	474-3pt.	0	05	0	0	12
	471-1pt.	0	09	5	0	23
	721-1pt.	0	00	5	0	01
	470-1	0	15	0	0	37
	470-2	0	07	5	0	19
	472-pt.	0	08	0	0	20
	471-pt.	0	07	0	0	17
	393--pt.	0	03	0	0	07
	394-pt.	0	03	0	0	07
	395-1pt.	0	00	5	0	01
	396-2pt.	0	05	5	0	13
	396-1pt.	0	08	5	0	21
	397-1pt.	0	05	0	0	12
	397-2pt.	0	04	5	0	11
	397-3pt.	0	04	0	0	10
	397-4pt.	0	03	5	0	09
	403-1pt.	0	04	5	0	11
	401-2pt.	0	19	5	0	48
	403-2pt.	0	09	5	0	23

1	2	3	4	5	6	7
Kadali—B-3 (Contd.)	378-1pt.	0	08	0	0	20
	402-2pt.	0	09	5	0	23
	401--1pt.	0	07	0	0	17
	401-3pt.	0	09	0	0	22
	378-3pt.	0	11	5	0	29
	384-pt.	0	02	0	0	05
	380-1pt.	0	12	0	0	30
	380-2pt.	0	09	5	0	24
	380-4pt.	0	06	5	0	16
	380-3pt.	0	00	5	0	01
	380-5pt.	0	01	5	0	04
	381-pt.	0	01	5	0	04
	378-2pt.	0	02	0	0	05
	378-3pt.	0	11	5	0	29
	374-1pt.	0	14	0	0	34
	376-1pt.	0	10	5	0	26
	377pt.	0	03	0	0	07
	377-pt.	0	01	0	0	02
Total		3	18	0	7	82

[No.-O-12016/126/91-ONGD.-4]

M. Martin, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का प्रा 465—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाईप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि-1 से जि. सि. एम. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाना जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है ;

अतः कि उसमें भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमहि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

भार. ओ. यू. पाइप लाइन मोरि-1 से जी. सी. एम. नगरम

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश, मंडल - मामडिकुदुरु, जिला - पूरब गोदावरी

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टार्स	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
गोदाडा	123-ए	0	03	0	0	07
	122-4ए	0	02	0	0	05
	122-4बी	0	05	5	0	13
	109-1	0	01	0	0	02
	109-2	0	00	5	0	01
	109-3	0	00	5	0	01
	108-2	0	01	0	0	02
	107-ए	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
गोधदाडा (जारी)	106-4ए, 3ए	0	11	5	0	29
	104-ए	0	32	0	0	79
	135-1ए, 2ए, 2बी	0	21	0	0	52
	138-ए					
	136-3ए, 4ए	0	16	0	0	40
	136-1ए, 141-4ए	0	14	5	0	36
	137-1ए, 2ए	0	14	5	0	36
	141-4बी	0	04	5	0	11
कुल मिलाकर		1	30	5	3	21

[सं. भा - 12016/127/91 - ओ ए न जी डी - 4]

New Delhi, the 31st December, 1991

एम. सठिन, डेस्क अधिकारी

S.O. 465.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mori-I to G.C.S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Petroleum and Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. pipe line from Mori I to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

Mandal—Mamidikuduru

District. East Godavari.

Name of the village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents.
Geddada	123-A	0	03	0	0	07
	122-4A	0	02	0	0	05
	122-4B	0	05	5	0	13
	109-1	0	01	0	0	02
	109-2	0	00	5	0	01
	109-3	0	00	5	0	01
	108-2	0	01	0	0	02
	107-A	0	03	0	0	07
	106-4A, 3A	0	11	5	0	29
	104-A	0	32	0	0	79
	135-1A, 2A	0	21	0	0	52
	2B					
	138/A					
	136-3A, 4A	0	16	0	0	40
	136-1A					
	141-4A	0	14	5	0	36
	137-1A, 2A	0	14	5	0	36
	141-4B	0	04	5	0	11
Grand Total		1	30	5	3	21

[No. O-12016/179/91-ONG.D-4]

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 466.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पार्षप लाइन परियोजना के अन्तर्गत मोरि - I से जि. सि. एस. नगरम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है :

यह कि उक्त भूमि में अपनी रचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिगूचना की तारीख से '21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संश्लेष प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरण कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराये समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

आर० ओ. य. फल्लो पाइप लाइन मोरि I से जि. सि. एस. नगरम

राज्य: - आन्ध्र प्रदेश, मंडल - मामिडिक्कुरु, जिला - पूर्व गोदावरी

गांव	आर. एन. नं.	हेक्टर	एर्स	सेम्टिअर्स	एकर्स	सेम्टस
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	93-1ए	0	15	5	0	38
	92-ए	0	09	5	0	23
	92-सी	0	07	5	0	19
	94-1ए	0	—	—	—	—
	94-4बी	0	10	5	0	26
	92-3	0	14	5	0	35
	103-भाग	0	07	5	0	19
	104-अ ग	0	02	5	0	06
	105-1	0	08	0	0	20
	105-2	0	05	5	0	14
	106-3	0	02	5	0	06
	106-1भाग	0	04	5	0	11
	106-2ए	0	03	0	0	07
	106-2बी	0	01	0	0	03
	106-4	0	02	5	0	0
	108-1	0	02	5	0	06
	103-2	0	04	5	0	11
	112-8भाग	0	01	0	0	02
	116-भाग	0	02	0	0	05
	115 अ ग	0	00	5	0	01
	113-4	0	17	0	0	42
	113-1 भाग	0	03	5	0	09
	112-7ई	0	04	0	0	10
	113-1ए/2	0	03	5	0	09
	157-1भाग	0	03	5	0	09 1/2
	113-3 भाग	0	04	0	0	10
	157-2	0	07	0	0	16 1/2
	156	0	03	0	0	08
	163	0	03	0	0	08
	165-8भाग	0	16	0	0	39
	164-1भाग	0	06	0	0	15
	164-4भाग	0	11	0	0	27
	167-1भाग	0	16	0	0	39
	167-3भाग	0	03	0	0	08
	167-4	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6	7
नगरम—जारी	167-2	0	14	5	0	36
	169-1भाग	0	09	0	0	22
	169-2भाग	0	09	5	0	23
	166 भाग	0	02	5	0	06
	112-7डी	0	01	5	0	02
	112-6डी	0	04	5	0	11
	112-6सी	0	02	5	0	06
	112-5बी } 112-5सी }	0	03	0	0	08
	कुल मिलाकर	2	55	5	6	30

[सं. ओ-12016/128/91-ओ एन जी - डी 4]

एम. माट्टन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 466.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mori-I to G.C.S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Flow Pipeline from Mori I to G.C.S. Nagaram

State—Andhra Pradesh Mandal—Mamidikuduru Distt.—East Godavari

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents.
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	93-1A	0	15	5	0	38
	92-A	0	09	5	0	23
	92-C	0	07	5	0	19
	94-4A } 94-4B }	0	10	5	0	26
	92-3	0	14	5	0	35
	103-pt.	0	07	5	0	19
	104-pt.	0	02	5	0	06
	105-1	0	08	0	0	20
	105-2 } 106-3 }	0	05	5	0	14
	106-1 pt.	0	02	5	0	06
	106-2A	0	03	0	0	07
	106-2B	0	01	0	0	03
	106-4	0	02	5	0	06
	108-1	0	02	5	0	06
	108-2	0	04	5	0	11
	112-8pt.	0	01	0	0	02
	116-pt.	0	02	0	0	05
	115-pt.	0	00	5	0	01
	113-4	0	17	0	0	42
	113-pt.	0	03	5	0	09

1	2	3	4	5	6	7
NAGARAM—concl'd.	112-7E	0	04	0	0	10
	113-1A/2	0	03	5	0	09
	157-1pt.	0	03	5	0	9½
	113-3pt.	0	04	0	0	10
	157-2	0	07	0	0	16½
	156	0	03	0	0	08
	163	0	03	0	0	08
	165-8pt.	0	16	0	0	39
	164-1pt.	0	06	0	0	15
	164-2pt.	0	11	0	0	27
	167-1pt.	0	16	0	0	39
	167-3pt.	0	03	0	0	08
	167-4	0	03	0	0	08
	167-2	0	14	5	0	36
	169-1pt.	0	09	0	0	22
	169-2pt.	0	09	5	0	23
	116-pt.	0	02	5	0	06
	112-7D	0	01	5	0	02½
	112-6D	0	04	5	0	11
	112-6C	0	02	5	0	06
	112-5B	0 }	03	0	0	08
	112-5C	0 }	69	0	01	69½
Grand Total		2	55	5	6	30½

M. MARTIN, Desk Officer  
[No. O-12016/128/91-ONG.D-4]

नई दिल्ली/ 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 467.--जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत बडलि-I से कैकदूर-3 तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है:

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी सचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.० आ.० यू.० पाइप लाइन बडलि-I से कैकदूर-3 तक

राज्य- आंध्र प्रदेश, जिला - कृष्णा,

मंडल - मुदिनेपल्लि

गांव	आ. एस नं.	हेक्टरस	एस	सेन्टिएस	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
बडलि	31-2बी	0	04	0	0	10
	31-5बी	0	04	5	1	11
	32-6बी, 7ए	0	03	0	1	07
	32/7बी	0	02	5	1	06
	32/8ए, 9बी	0	02	5	1	06
	32/8बी	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
वर्डील (जारी)	32/11बी	0	05	0	0	12 1/2
	32/12बी	0	04	5	0	10 1/2
	114/2	0	03	0	0	07
	80/7ए	0	01	0	0	03
	81/1बी	0	07	5	0	18
	81/3ए	0	50	0	0	12
	81/3बी	0	60	0	0	15 1/2
	82/1ए	0	05	0	0	12
	82/4ए, 6ए1, 6बीए	0	60	5	0	16
	84/3ए/1	0	05	5	0	12 1/2
	84/4ए	0	05	5	0	13
	85/7ए/2	0	02	0	0	05
	85/7बी/2	0	01	0	0	02
	76/2	0	04	0	0	10 1/2
	65/1बी	0	03	0	0	07
	66/2बी	0	08	0	0	20
	67/2बी	0	06	5	0	15 1/2
	69/1बी	0	06	5	0	16
	70/1बी/2	0	06	5	0	16 1/2
	70/2ए/2	0	02	0	0	04 1/2
	70/3ए/2	0	03	0	0	08
	70/4ए/2	0	02	5	0	06
	72/1	0	03	0	0	08
	72/3	0	01	5	0	04
	72/2	0	01	5	0	04
	201/1बी	0	06	0	0	15
	202/2	0	01	0	0	01 1/2
	202/1	0	01	0	0	03 1/2
कुल मिलाकर		1	33	0	3	26

[सं. ओ-12016/129/91-ओ एन जी-बी 4]

एम माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 467.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Vadali-I to Kajkoleru-3 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipe lines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line From Vadali-I to Kaikalur-3

State : Andhra Pradesh

District : Krishna

Mandali : Mudinepalli

Village	S.No.	Hec-tars	Areas	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Vadali	31-2B	0	04	0	0	10
	31-5B	0	04	5	0	11
	32-6B, 7A	0	03	0	0	07



1	2	3	4	5	6	7
Vadali (Contd.)		32/7B	0	02	5	0 06
		32/8A, 9B	0	02	5	0 06
		32/8B	0	03	0	0 07
		32/11B	0	05	0	12½
		32/12B	0	04	5	10½
		114/2	0	03	0	07
		80/7A	0	01	0	03
		81/1B	0	07	5	18
		81/3A	0	05	0	12
		81/3B	0	06	0	15½
		82/1A	0	05	0	12
		82/4A, 6A1, 6B1	0	06	5	16½
		84/3A/1	0	05	5	12
		84/4A	0	05	5	13
		85/7A/2	0	02	0	05
		85/7B/2	0	01	0	02
		76/2	0	04	0	10½
		65/1B	0	03	0	07
		66/2B	0	08	0	20
		67/2B	0	06	5	15½
		69/1B	0	06	5	16
		70/1B/2	0	06	5	16½
		70/2A/2	0	02	0	04½
		70/3A/2	0	03	0	08
		70/4A/2	0	02	5	06
		72/1	0	03	0	08
		72/3	0	01	5	04
		72/2	0	01	5	04
		201/1B	0	06	0	15
		202/2	0	01	0	01½
		202/1	0	01	0	03½
Total			1	33	0	3 26

[ No. O-12016/129/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

वा. आ. 468.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस खाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत बडवि-1 से कैकलूर-3 तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ सहायक विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

यशते कि उस भूमि में अपनी हवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिनियम की गारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति नक्षत्र प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट, भूमेकरणा कार्यालय, राजमणि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची						
पाइप लाइन वडलि-I से कैकलूर 3						
स्टेट : आंध्र प्रदेश;			जिला : कृष्णा;		मंडल : मुदिनेपल्लि	
गांव	एस नं.	हेक्टास	एस	सेंटियस	एकस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
चेऊरु	33/3	0	09	0	0	22
	35/2	0	11	5	0	29
	36/1बी	0	08	0	0	20
	37/बी	0	02	0	0	05
	38/2बी	0	04	0	0	10
	38/1बी	0	01	0	0	02
	34/2	0	01	5	0	04
कुल मिलाकर		0	37	0	0	92

[सं. ओ.—12016/130/91—ओ एन जी डी-4]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 468.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Vadali-I to Kaikaluru-3 in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## Pipeline from Vadali I to Kaikalur 3

State : Andhra Pradesh

District : Krishna

Mandal : Mudunepa

Village	S.No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents.
1	2	3	4	5	6	7
Chevuru	33/3	0	09	0	0	22
	35/2	0	11	5	0	29
	36/1B	0	08	0	0	20
	37/B	0	02	0	0	05
	38/2B	0	04	0	0	10
	38/1B	0	01	0	0	02
	34/2	0	01	5	0	04
Grand Total		0	37	0	0	92

[No. O-12016/130/91—ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 469.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत लिगाला-ए से लिगालान तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरण में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

वस्तु यह कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विछाने के विरोध में अपनी आपत्ति गलत पाधिकारी के जल और प्राकृतिक गैस वायुमंडल के वि. प्रोजेक्ट, प्रसंस्करण कार्यालय, राजमंडि आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किन्हीं भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से सिद्धिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रत्यक्ष निधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

पाइप लाइन विद्यालय में विद्यालय I

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश		जिला : कृष्णा;		मंडल : मुदितेपल्लि		
गांव	आर.एस. न.	हेक्टेर्स	एर्स	सेन्टिगैम्	एकर्स	सेन्टगै
चिगुरु काटा	380/1बी/2	0	0.3	0	0	0.7
	380/1बी	0	0.5	0	0	1.2
	382/4सी/2	0	0.5	5	0	1.3
	382/5ए/1	0	0.3	5	0	0.8½
	380/1ए/2	0	0.3	0	0	0.7
	382/4ए/2	0	1.2	0	0	3.0½
	382/4सी	0	0.6	5	0	1.5½
	382/5बी/1	0	0.3	0	0	0.8
	383/2ए	0	0.4	5	0	1.1
	375/2ई/2	0	0.5	5	0	1.4
	383/3ए	0	0.4	0	0	1.0½
	383/2ए	0	0.2	5	0	0.5½
	483/1ए	0	0.1	5	0	0.4½
	387/1सी/3	0	0.5	5	0	1.3
	387/1सी/2	0	0.3	0	0	0.7
	387/1सी/1	0	0.6	5	0	1.6
	375/2ई/2/सी	0	1.4	5	0	3.5
	375/2बी	0	0.2	0	0	0.5
	375/1सी	0	0.6	5	0	1.6
	375/1बी	0	1.3	0	0	3.2
	373/2	0	1.0	0	0	2.5
	372/1बी/3	0	0.1	0	0	0.3
	372/1बी/2	0	0.4	5	0	1.1
	375/1ए	0	0.2	0	0	0.5
कुल मिलाकर		1	28	0	3	1

[स. ओ.—12016/131/91—ओ एन जी ई-4]

एम० मॉडिन, जेष्ठ अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 469.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lingalo-A to Lingalo-I in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## Gas Pipeline from Lingola A to Lingola-I

State : Andhra Pradesh

District : Krishna

Mandal : Mudinepalli

Village	R.S.No.	Hec-tars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chiguru Kota	380/1B2	0	03	0	0	07
	380/2B	0	05	0	0	12
	382/4C/2	0	05	5	0	13
	382/5A/2	0	03	5	0	08½
	380/1A2	0	03	0	0	07
	382/4A2	0	12	0	0	30½
	382/4D	0	06	5	0	15½
	382/5B1	0	03	0	0	08
	383/7A	0	04	5	0	11
	375/2E2/2	0	05	5	0	14
	383/3A	0	04	0	0	10½
	383/2A	0	02	5	0	05½
	383/1A	0	01	5	0	04½
	387/1C/3	0	05	5	0	13
	387/1C/2	0	03	0	0	07
	387/1C/1	0	06	5	0	16
	375/2E2/C	0	14	5	0	35
	375/2B	0	02	0	0	05
	375/1C	0	06	5	0	16
	375/1B	0	13	0	0	32
	373/2	0	10	0	0	25
	372/1B3	0	01	0	0	03
	372/1B/2	0	04	5	0	11
	375/1A	0	02	0	0	05
Grand Total		1	28	0	3	15

[No. O-12016/131/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. आ. 470.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत लिगाला-“ए” से लिगाला-I तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी हवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के. जी. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा निधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

प्रार. ओ. यू. पाइप लाइन लिंगाला से लिंगाला-आई तक

स्टेट : आंध्र प्रदेश

जिला : कृष्णा

मंडल : मुदिनेपल्लि

गांव	प्रार. एम. सं.	हेक्टास	एस	सेन्टिएस	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
चिनकामनपूडि	23-5ई/2	0	02	5	0	06-1/2
	23-5डी/3	0	02	5	0	06
	23-5ई/1	0	01	0	0	03
	23-5सी/2	0	03	0	0	07
	23-5डी/2	0	03	0	0	07
	23-5ए/2	0	03	0	0	08
	22-5बी/2	0	03	5	0	09
	23-5सी/3	0	02	0	0	04 1/2
	23-4बी	0	03	0	0	07
	23-3बी	0	03	0	0	07
	23-2बी	0	02	5	0	06
	21-1ए/2	0	03	5	0	09
	21-1ए/4	0	03	0	0	07
	23-1सी/2	0	03	5	0	09
	23-1ए/2	0	03	5	0	09
	21-1ए5/बी	0	02	5	0	06-1/2
	21-1ए/बी	0	02	5	0	06
	21-1ए/बी	0	02	5	0	06
	19-2 पी टी	0	03	0	0	06-1/2
कुल मिलाकर		0	53	0	1	30

[सं. ओ.—12016/132/91—ओ एन जी डी-4]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 470.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lingala-A to Lingala-I in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the land land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

R.O.U. Flow Line "Lingala "A" to Lingala-I

State : Andhra Pradesh

District : Krishna

Mandal : Mudanepalli

Village	R.S. No.	Hec-tars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chinakamanapudi	23-5E/2	0	02	5	0	06 1/2
	23-5D/3	0	02	5	0	06
	23-5E/1	0	01	0	0	03
	23-5C/3	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
		23-5D/2	0	03	0	07
		23-5A/2	0	03	0	08
		23-5B/2	0	03	5	09
		23-5C/3	0	02	0	04½
		23-4B	0	03	0	07
		23-3B	0	03	0	07
		23-2B	0	02	5	06
		21-1A/2	0	03	5	09
		21/1A/4	0	03	0	07
		23-1C/2	0	03	5	09
		23-1A/2	0	03	5	09
		21-1A5/B	0	02	5	06½
		21-1A/D	0	02	5	06
		21-1AB	0	02	5	06
		19-2Pt	0	03	0	06½
Total			0	53	0	30

[ No. O-12016/132/91-ONGD-4 ]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का. आ. 471.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत जी. सी. एस. नरसापुर में नगर तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न बिबरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की अंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मध्यम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के, जि. प्रोजेक्ट भुनेकरणा कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

#### अनुसूची

ग्राम. ओ. ए. पाइप लाइन (मेहन) नरसापुरम से जि. मि. एस. नगरम

स्टेट : आंध्र प्रदेश

जिला : पूरव गोवासरि

मंडल : राजोल

गांव	एस. नं.	हेक्टास	एसे	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टर्स
सिवकाहु	308/2ए	0	01	0	0	02
	308/2ब	0	01	0	0	03½
	309/2ए	0	11	5	0	29
	309/1बी	0	17	0	0	42
	309/3ए	0	03	0	0	08
	309/2बी	0	03	0	0	08
	311/2डी	0	12	0	0	30
	311/2सी	0	05	5	0	13
	311/2एफ	0	05	5	0	14
	318/2ए	0	03	0	0	06½
	311/2बी	0	07	5	0	06½
	311/2ई	0	03	5	0	09
	314/2,3	0	07	0	0	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	318/2बी	0	02	0	0	05
	318/2सी	0	09	0	0	22
	317/3बी	0	00	5	0	01
	324/1बी 2बी	0	24	0	0	59
	318/1बी	0	05	5	0	14
	319/1सी	0	24	5	0	61
	324/3बी	0	01	0	0	02½
	452/2	0	14	5	0	35
	452/3	0	03	0	0	06-1/2
	447/2	0	01	5	0	04-1/2
	447/3	0	05	5	0	12-1/2
	447/4	0	06	5	0	16
	451/1बी	0	01	0	0	02
	451/2बी	0	09	5	0	24-1/2
	451/3सी	0	01	5	0	04
	449/3बी	0	01	0	0	02
	451/2डी	0	10	5	0	26
	449/4बी	0	16	0	0	40
	450/1ए	0	02	0	0	05
	449/3सी	0	05	0	0	12
	530/2	0	28	5	0	71
	531/2	0	01.	5	0	04
	527/2	0	03	0	0	07
	526/1बी	0	03	5	0	09
	526/2ए	0	03	5	0	09
	526/3बी	0	04	0	0	10
	526/4बी	0	03	5	0	09
	526/5ए	0	04	0	0	10
	523/1डी	0	04	0	0	10
	523/1सी	0	01	0	0	03
	523/1बी	0	01	0	0	02
	523/2बी	0	03	0	0	08
	523/2सी	0	03	0	0	08
	523/3ए	0	04	0	0	10
	523/3बी	0	05	5	0	13
	520/2	0	04	5	0	11
	519/1बी	0	14	5	0	36
	519/2ए	0	01	0	0	03
	545/2	0	07	5	0	19
	543/2	0	03	0	0	08
	546/2	0	08	5	0	21
	546/4	0	05	5	0	14
	546/3	0	06	5	0	16-1/2
	546/5	0	10	5	0	26
	547/2	0	05	5	0	12-1/2
	600/6ए	0	01	5	0	04-1/2
	600/5बी	0	18	5	0	45-1/2
	601/1बी	0	11	5	0	29
	599/2बी	0	05	5	0	13
	602/5बी	0	06	5	0	15-1/2
	602/5सी	0	03	0	0	07
	602/5डी	0	01	0	0	03
	602/4बी 3 पी टी	0	07	0	0	17

1	2	3	4	5	6	7
	602/6बी	0	08	0	0	20-1/2
	605/2	0	10	5	0	26
	604/2बी	0	10	0	0	25
	604/2डी	0	03	0	0	08
	604/2सी	0	07	0	0	17
	624/1बी	0	02	0	0	05
	604/1बी	0	03	0	0	08
	625/2	0	37	5	0	93
	624/2सी	0	14	5	0	35
	620/2	0	09	0	0	22
	624/2बी	0	20	5	0	51
	622/2बी	0	05	5	0	14
	622/1बी	0	09	0	0	22
	622/2सी	0	06	0	0	14-1/2
	621/1बी	0	09	5	0	24
	621/1सी	0	05	0	0	12
	621/1डी	0	04	0	0	10
	632/3बी	0	01	0	0	0-1/2
	633/1बी	0	18	0	0	45
	662/1सी	0	02	5	0	06
	662/1बी	0	07	5	0	18
	662/2ए 2	0	10	0	0	25
	662/3बी	0	09	5	0	24
	661/2सी 3 पी टी	0	07	5	0	18
	660/2	0	11	0	0	27-1/2
	670/3ए	0	11	5	0	29
	670/2ए	0	07	5	0	18
	670/3	0	01	5	0	06
	671/2	0	02	0	0	05
	कुल मिलाकर	6	72	5	16	60

[सं. प्रो.-12018/133/91--प्रो एन जी बी-4]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 471.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.C.S. Narsapur to Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipe line under the land to the competent authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.



## SCHEDULE

R.O.U. Pipeline (Main) Narsapur G.C.S. to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Razole

Village	R.S.No.	Hec- tars	Arcs	Centi- ares	Acers	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Sivakodu	308/2A	0	01	0	0	02
	308/2B	0	01	0	0	03½
	309/2A	0	11	5	0	29
	309/1B	0	17	0	0	42
	/3A	0	03	0	0	08
	309/2B	0	03	0	0	08
	311/2D	0	12	0	0	30
	311/2C	0	05	5	0	13
	311/2F	0	05	5	0	14
	318/2A	0	03	0	0	06½
	311/2B	0	17	5	0	18
	311/2E	0	03	5	0	09
	314/2, 3	0	07	0	0	17
	318/2B	0	02	0	0	05
	318/2C	0	09	0	0	22
	317/3B	0	00	5	0	01
	324/1B2B	0	24	0	0	59
	318/1B	0	05	5	0	14
	318/1C	0	24	5	0	61
	324/3B	0	01	0	0	02½
	452/2	0	14	5	0	35
	452/3	0	03	0	0	06½
	447/2	0	01	5	0	04½
	447/3	0	05	5	0	12½
	447/4	0	06	5	0	16
	451/1B	0	01	0	0	02
	451/2B	0	09	5	0	24½
	451/2C	0	01	5	0	04
	449/3B	0	01	0	0	02
	451/2D	0	10	5	0	26
	449/4B	0	16	0	0	40
	450/1A	0	02	0	0	05
	449/3C	0	05	0	0	12
	530/2	0	28	5	0	71
	531/2	0	01	5	0	04
	527/2	0	03	0	0	07
	526/1B	0	03	5	0	09
	526/2A	0	03	5	0	09
	526/3B	0	04	0	0	10
	526/4B	0	03	5	0	09
	526/5A	0	04	0	0	10
	523/1D	0	04	0	0	10
	523/1C	0	01	0	0	03
	523/1B	0	01	0	0	02
	523/2B	0	03	0	0	08
	523/2C	0	03	0	0	08
	523/3A	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6	7
Sivakodu (Contd.)		523/3B	0	05	5	0 13
		520/2	0	04	5	0 11
		519/1B	0	14	5	0 36
		519/2A	0	01	0	0 03
		545/2	0	07	5	0 19
		543/2	0	03	0	0 08
		546/2	0	08	5	0 21
		546/4	0	05	5	0 14
		546/3	0	06	5	0 16½
		546/5	0	10	5	0 26
		547/2	0	05	5	0 12½
		600/6A	0	01	5	0 04½
		600/5B	0	18	5	0 45½
		601/1B	0	11	5	0 29
		599/2B	0	05	5	0 13
		602/5B	0	06	5	0 15½
		602/5C	0	03	0	0 07
		602/5D	0	01	0	0 03
		602/4B/3 Pt	0	07	0	0 17
		602/6B	0	08	0	0 20½
		605/2	0	10	5	0 26
		604/2B	0	10	0	0 25
		604/2D	0	03	0	0 08
		604/2C	0	07	0	0 17
		624/1B	0	02	0	0 05
		604/1B	0	03	0	0 08
		625/2	0	37	5	0 93
		624/2C	0	14	5	0 35
		620/2	0	09	0	0 22
		624/2B	0	20	5	0 51
		622/2B	0	05	5	0 14
		622/1B	0	09	0	0 22
		622/2C	0	06	0	0 14½
		621/1B	0	09	5	0 24
		621/1C	0	05	0	0 12
		621/1D	0	04	0	0 10
		632/3B	0	01	0	0 02½
		633/1B	0	18	0	0 45
		662/1C	0	02	5	0 06
		662/1B	0	07	5	0 18
		662/2A2	0	10	0	0 25
		662/3B	0	09	5	0 24
		661/2C/3Pt	0	07	5	0 18
		660/2	0	11	0	0 27½
		670/3A	0	11	5	0 29
		670/2A	0	07	5	0 18
		670/3	0	01	5	0 04
		671/2	0	02	0	0 05
Grand Total			6	72	5	16 68

M. MARTIN, Deck Officer

[ No. O-12016/133/91-ONG-D-4]

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का.आ. 472 —जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत दोमरे से चागल्लू मृगर फैक्टरी तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाया जाना है ।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है ।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण कराने की मंशा की घोषणा करती है ।

वर्णित कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भुसेकरणा, कार्यालय, राजमंडि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है ।

अनुसूची

दोमरे से चागल्लू मृगर फैक्टरी

जनपद	तहसील	ग्राम	मर्चे नं.	क्षेत्रफल हेक्टे./ एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	चागल्लू	चागल्लू	621-6बी	0.095	
			621-5बी	0.030	
			621-3बी, 4बी	0.030	
			620-1बी	0.080	
			620-2बी	0.095	
			620-3बी	0.050	
			620-3बी	0.050	
			620-5बी, 8बी	0.215	
			381-1	0.025	
			379-1बी	0.080	
			379-1सी	0.100	
			379-2बी	0.050	
			380	0.100	
			380-1सी, 2बी	0.325	
			400-20बी, 23बी	0.335	
			400-6बी	0.255	
			402-2	0.045	
			397-1बी 3बी, 2बी	0.230	
			397-2सी	0.010	
			421 पीटी	0.405	
			417-6	0.365	
			416-1 पीटी	0.215	
			417-1, 2	0.115	
			417-3	0.060	

1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी—जारी			417-4	0.055	
			417-5 पीटी	0.065	
			417-2	0.030	
			जोड़	3.510 हेक्ट.	
				या	
				8.67 एकड़	

[सं. ओ-12016/134/91-ओ एन जी डी 4]

एम माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 422.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dommeru to Chagallu Sugar Factory in A.P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## Dommeru to Chagallu Sugar Factory

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)		Remarks
1	2	3	4	5	6	
West Godavari	Chagallu	Chagallu	621-6B	0.095		
			621-5B	0.030		
			621-3B } 4B }	0.030		
			620-1B	0.080		
			620-2B	0.095		
			620-3B	0.050		
			620-3B	0.050		
			620-5B } 8B }	0.215		
			383-1	0.025		
			379-1B	0.080		
			379-1C	0.100		
			379-2B	0.050		
			380	0.100		
			380-1C } 2B }	0.325		
			400-20B } 23B }	0.335		
			400-6B	0.255		
			402-2	0.045		
			397-1B } 3B, 2B }	0.230		
			397-2C	0.010		
			421 Pt	0.405		
			417-6	0.365		

1	2	3	4	5	6
				416—1 Pt	0.215
				417—1, 2	0.115
				417—3	0.060
				417—4	0.055
				417—5 Pt	0.065
				437—2	0.030
Total					3.510 or 8.67
					Hectares Area

[No. O-12016/134/91-ONG-D4]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का.आ. 473.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत आर. ओ. यू. लाइन से सि. पि. स्टेशन तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदि, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकना है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

#### अनुसूची

आर. ओ. यू. निरमाण से मि. पी. स्टेशन

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्र फल हेक्टे./ एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	पालकोल्लु	लंकलाकोडे	279-1बी	0.020	
			281-5ई	0.015	
			281-5बी	0.030	
			281-6बी	0.015	
			281-6डी	0.010	
			कुल	0.090	हेक्ट.
			या		
				0.23	सेन्टेस

[सं. ओ.-12016/135/91/ओ एन जीडी 4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 473.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from R.O.U. Line to the C.P. Station in A. P. State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Raichmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### SCHEDULE R.O.U. to C.P. Station

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./Acres)	Remarks
West Godavari	Palakol	Lankalakoderu	279—1B	0.020	
			281—5E	0.015	
			281—5B	0.030	
			281—6B	0.015	
			281—6D	0.010	
			Total	0.090	Hectares
				Or	
				0.23	Cents

[No. O-12016/135/91-ONG-D4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का. आ. 474.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत आर. ओ. यु. निरमाण से सि. पि. स्टेशन तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विद्यया जाणा है ।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संगत विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार, ग्रहण करना आवश्यक है ।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंड्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है

अनुसूची

आर. ओ. यु. निरमाण से सि. पि. स्टेशन

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्ट./ एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	पालकोलू	पालकोलू	197-2डी	0.030	
			197-2एफ	0.005	

2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी (जारी)		200-9	0.010	
		200-3	0.045	
		कुल	0.090	हेक्टे.
			या	
			0.22	सेन्ट्स

[सं. ओ-12016/136/91-ओ एन जी डी 4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 474.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from R.O.U. Line to the C. P. Station in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE R.O.U. Line to the C.P. Station

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect/acs)	Remarks
West Godavari	Palakole	Palakole	197-2D	0.030	
			197-2F	0.005	
			200-9	0.010	
			200-3	0.045	
		Total		0.090	Hectares
				Or	
				0.22	Cents

[No. O-12016/136/91-ONG.D-4]

M. MARTIN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का. आ. 475.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत नरसपूर जि.सि. एस से नगरम जि. सि. एस तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरण में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरणा, कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

## अनुसूची

नरसपुर बि. सि. एस से नगरम जि. सि. एस.

जनपद	तहसील	ग्राम	मर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
पुरब गोदावरी	मामिडिकूटदुरु	नगरम	345-1बी	0.115	
			344-4ए	0.115	
			344-3बी	0.080	
			344-2बी	0.085	
			344-1बी	0.055	
			343-3बी/2	0.050	
			343-3ए/2	0.015	
			346-1सी/2	0.025	
			346-1सी/2	0.010	
			346-1सी/1	0.005	
			346-1बी/2	0.085	
			1सी/4	0.005	
			342-2	0.030	
			340-1सी/1	0.020	
			335-1ए/1	0.045	
			340-3बी	0.095	
			340-2बी	0.045	
			346-1ए/2	0.055	
			335-9बी	0.075	
			335-5ए	0.045	
			339-2ए/2	0.015	
			335-4बी	0.020	
			335-1बी/2	0.030	
			339-3बी	0.040	
			339-2बी/2	0.015	
			107-4बी	0.160	
			115-1बी	0.080	
			114-1ए/2	0.065	
			107-3बी	0.030	
			112-10बी	0.145	
			114-1बी/2	0.185	
			106-5बी	0.050	
			108-6ए	0.050	
			108-6बी	0.005	
			108-7ए	0.030	
			116-2पीटी	0.015	
			114-2बी/2	0.050	
			114-1बी/1	0.005	
			114-3बी	0.055	
			155-2पीटी	0.045	
			157-1ए	0.140	



1	2	3	4	5	6
		157-8ए	0.060		
		157-7ए	0.030		
		153-2पीटी	0.055		
		166-3पीटी	0.260		
		166-2पीटी	0.080		
		166-1पीटी	0.105		
		166-4पीटी	0.055		
		166-5पीटी	0.035		
		167-3ए	0.175		
		167-4ए	0.040		
		6ए, 7ए	0.090		
		167-4बी	0.030		
		169-1पीटी	0.160		
		167-5पीटी	0.030		
		कुल	3.655	हेक्टे	
			9.02	एकड़	

[सं. ओ-12016/137/91-ओएनजी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 475.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Narsapur G.C.S. to Nagaram G.C.S. in A. P. State Pipe Line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-

als pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Narsapur G.C.S. to Nagaram G.C.S.

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect/Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Mamibikuduru	Nagaram	345—1B	0.115	
			3A		
			2	0.115	
			344—4A	0.045	
			344—3B	0.080	
			2B	0.085	
			344—1B	0.055	
			3B		
			343—2	0.050	
			3A		
			343—2	0.015	

1	2	3	4	5	6
			346—1C 3	0.025	
			346—1C 2	0.010	
			346—1C 1	0.005	
			346—1B 2	0.085	
			1C 4	0.005	
			342—2 1C	0.030	
			340—1 1A	0.020	
			335—1 1	0.045	
			340—3B	0.095	
			340—2B 1A	0.045	
			346—2	0.055	
			335—9B	0.075	
			335—5A 2A	0.045	
			339—2	0.075	
			335—4B 1B	0.020	
			335—1	0.030	
			339—3B 2B	0.040	
			339—2	0.075	
			107—4B	0.160	
			115—1B 1A	0.080	
			114—2	0.065	
			107—3B	0.030	
			112—10B 2	0.145	
			1B	0.185	
			114—2		
			106—5B	0.050	
			108—6A	0.050	

1	2	3	4	5	6
East Godavari	Nanidikuduru	Nagaram	108--6B	0.005	
			108--7A	0.030	
			116--2 Pt	0.015	
			2B		
			114-----	0.050	
			2		
			1B		
			114-----	0.005	
			1		
			114--3B	0.055	
			155--2 Pt	0.045	
			157--1A	0.140	
			5A	0.060	
			8A		
			157--7A	0.030	
			153--2 Pt	0.055	
			166--3 Pt	0.260	
			166--2 Pt	0.080	
			166--1 Pt	0.105	
			166--4 Pt	0.055	
			166--5 Pt	0.035	
			167--3A	0.175	
			167--4A	0.040	
			6A, 7A	0.090	
			167--4B	0.030	
			169--1 Pt	0.160	
			167--5 Pt	0.030	
			Total	3.655	
				Or	
				9.02	Acres

[No. O-12016/137/91-ONG. D-4]  
M. Martin, Desk officer

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का.आ. 476 .—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सर्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पंगिडि से कोडमुगुडेम तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है ।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार, ग्रहण करना आवश्यक है ।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है ।

बेशर्त कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि गत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संक्षेप प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरण कार्यालय, राजमंदिर, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है ।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विगेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत अथवा विधिव्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है ।

## अनुसूची

पंगिडि से कोण्डगुडेम

ग्रामपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टे./ एकड़ में	विवरण
पश्चिम गोदावरी	कोव्वूरु	पंगिडि	11-1ए	0.055	
			13-2बी	0.110	
			14-1बी/1	0.130	
			14-1ए/2	0.055	
			17-1बी/2	0.150	
			17-1ए/2	0.090	
			18-1ई	0.090	
			18-1डी	0.095	
			18-1सी, 1बी	0.200	
				0.975	हेक्टे.
				या	
				2.40	एकड़

[सं. ओ-12016/138/91-ओ एन जी-डी 4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 476.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pangidi to Kondagudem in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1952 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

**SCHEDULE**  
Pangidi to Kondagudem

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect Acres)	Remarks
West Godavari	Kovvur	Pangidi	11-1A	0.055	
			13-2B	0.110	
			14-1B		
			1	0.130	
			14-1A		
			2	0.055	
			17-1B		
			2	0.150	
			17-1A		
			2	0.090	
			18-1E	0.090	

1	2	3	4	5	6
			18-1D } 18-1C } 1B }	0.095 0.200	
				0.975 Or 2.40	Hectars Acres

[No. O-12016/138/91-ONGD-4]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.प्रा. 477.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए एच. वि. जे. पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत आर. ओ. यु. निर्माण से सि. पि. स्टेशन तक तेल और सहज वायु आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का '50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एनद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और सहज वायु आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भुसेकरणा, कार्यालय, राजमुद्रि आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

#### अनुसूची

आर. ओ. यु. निर्माण से सि. पि. स्टेशन

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर/ एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	पोडूरु	पोडूरु	163-1बी	0.050	
			163-1ई	0.025	
			163.3बी	0.030	
			कुल	0.105	एकड़ में
				और 0.25	सेन्ट्स

[सं. ओ-12016/139/91-ओ एन जी डी-(4)]  
एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 477.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interests that for the transport of petroleum from C. P. Station in A. P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in the land) Act,

1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### SCHEDULE

#### R.O.U. Construction of C.P. Station

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect Acres)	Remarks
West Godavari	Poduru	Poduru	163—1B 163—1E 163—3B	0.050 0.025 0.030	
			Total	0.105 Hectares Or 0.25 Cents	

[No. O-12016/139/91-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.आ. 478.—जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए एच.वि.जे. पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत आर.ओ.यू. निरमाण से मि. वि. स्टेशन तक तेल और सहज वायु आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्णते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और सहज वायु आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भुवनेश्वर, कार्यालय, राजमुंद्री, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से तथवा विधिव्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. निरमाण से मि. वि. स्टेशन

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6
पश्चिम गोदावरी	इरगवरम	पंकेरु	219-2 221-ई 221-सी	0.015 0.030 0.055	
				0.100 और	हेक्टे.
				0.26	एकड़

[सं. ओ-12016/140/91-ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 478.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from R.O.V. Pipe Line to the C. P. Station in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## R.O.U. Line to the C.P. Station

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect Acres)	Remarks
West Godavari	Iragauaram	Pekeru	219—2 221—E 221—C	0.015 — .030 0.055	
			Total	0.100 Hectares Or 0.26 Cents	

[No. O-12016/140/91-ONG-D-4]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

अनुसूची

का० आ० 479—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का०आ० 833 तारीख 23 मार्च, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय घोषणा की थी ;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 8 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के अन्तर्गण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है।

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वचाएँ सभी, विल्लगनों से मुक्त इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

तहसील	बरनाला	जिला :	समूह	राज्य :	पंजाब
गांव का नाम	हदबस्त नं.	मुस्ततीत नं. किला नं.	क्षेत्रफल	हैक्टर	आर. वगं मीटर
1	2	3	4	5	6
असपाल कलां	79	198			
		21/1	—	11	38
		21/1	—	01	02
		22	—	12	39
		23	—	12	39
		25	—	12	39
		109			
		21	—	12	62
		22	00	11	38
		33	—	12	49
		24	—	12	39
		25/1	—	08	35
	79	110			
		21/1	—	01	52
		21/2	—	01	01

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	5	7
असपास कलां—(जारी)						असपास कलां (समाप्त)						
	22		—	04	55		5			—	12	14
	23		—	06	83							
	24		—	09	11			127				
	25		—	11	12			1		—	10	12
	111							2		—	07	84
	25/1		—	—	25			3/3		—	02	28
	122							3/2		—	03	29
	16/1		—	07	84			4		—	03	29
	16/2		—	04	04			5/1		—	01	01
	17		—	12	40	कोट दूना		80	44			
	18/1		—	01	26			21		—	10	62
	18/2		—	11	13			22		—	12	40
	19		—	11	13			23		—	12	40
	123							24/1		—	05	56
	11/1		—	—	51			24/2		—	06	84
	12/2		—	06	83			25/1		—	11	89
	14/1/1		—	04	29			25/2		—	—	51
	15/1		—	01	01			80	45			
	15/3		—	11	58			20		—	02	02
	19		—	03	29			21/1		—	03	79
	20		—	11	89			21/3		—	03	29
	124							48				
	12/2		—	—	51			1		—	01	77
	14		—	11	89			49				
	15/1		—	01	77							
	15/2		—	08	35			1		—	12	40
	17		—	—	25			2		—	11	38
	18		—	05	57			3		—	08	85
	19/2		—	10	63			4		—	12	39
	20		—	12	39			5		—	08	35
	125											
	3		—	01	77			50				
	4		—	08	35			4		—	02	53
	5/1		—	02	02			5		—	09	61
	5/2		—	10	37			6		—	02	78
	7		—	04	05			7/1		—	06	83
	8		—	10	62			7/2		—	03	04
	9		—	12	40			8		—	12	39
	10		—	11	38			9		—	12	40
	126							10		—	12	39
	1/1		—	05	06			51				
	1/2		—	06	82			6/2		—	12	14
	2		—	12	39			7/2		—	08	35
	3		—	12	14			8		—	02	02
	4/1		—	—	76			11		—	12	40
	4/2		—	08	35			12		—	12	39
								13		—	10	37
								52				



1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	7
कोट कृता (आरी)	12		—	—	76	मेरी कृता	75	702		—	14	16
	17		—	08	83			712		—	12	40
	14/1		—	03	04			713		—	12	40
80	52							714		—	12	39
								722		—	03	28
	15/1		—	09	61			727		—	07	34
	15/2		—	02	78			728		—	10	88
								736		—	11	63
	53							738		—	09	11
								739		—	12	39
	16		—	12	39			753		—	02	78
	17/1		—	12	39			765		—	12	39
	18		—	11	63			767		—	12	39
	19		—	05	06			864		—	05	31
	20		—	—	25			865		—	14	92
	21		—	12	14			866		—	16	95
	22		—	01	33			871		—	11	37
	23		—	—	76			2195		—	12	40
								2196		—	11	89
	54							2170		—	10	62
								2171		—	04	56
	24/2		—	12	39			2172		—	—	25
	25		—	12	40			2197		—	05	56
	23/1		—	12	39			2198		—	—	51
	21/2		—	12	40			21 53		—	12	39
	22		—	11	38			2154		—	12	39
								2158		—	12	40
	55							2139		—	12	14
	21		—	12	39			2140		—	07	83
	22/1		—	06	06			2141		—	01	01
	22/2		—	05	56		75	2398		—	11	38
	23/1		—	06	07			2401		—	—	25
	23/2		—	06	07			2404		—	12	39
	34		—	12	40			2408		—	12	40
	25		—	12	39			2409		—	11	63
								2098/2		—	16	44
	56							2099		—	16	44
								2110		—	08	35
	21		—	12	40			2111		—	12	39
	22		—	12	39			2112		—	12	39
	23		—	12	39			2121		—	—	25
	24		—	12	40			2122		—	12	14
	25		—	12	40			2128		—	12	39
80	58					फरवरी कृता	53	339				
	21		—	04	56			17		—	05	82
	22		—	12	39			18		—	06	07
	23		—	12	40			19		—	11	89
	24		—	12	39			20		—	11	13
	25		—	12	40							
								340				
	51							16		—	10	12
								17		—	11	13
	14		—	04	05			18		—	—	25
	15		—	—	25							

1	2	3	4	5	6
फखों कला (जारी)	21/1		—	05	06
	21/2		—	07	33
	22		—	12	39
	23		—	12	13
	341				
	21		—	12	39
	22		—	12	40
	23		—	13	40
	24		—	12	39
	25		—	12	39
	342				
	24		—	06	58
	25		—	12	39
53	343				
	21		—	09	11
	22		—	11	13
	23		—	04	05
	24		—	03	79
	344				
	21		—	02	28
	22		—	04	55
	23/2		—	07	08
	24		—	04	05
	25		—	07	34
	345				
	25		—	—	25
	352				
	5		—	06	07
	353				
	1/1		—	05	82
	1/2		—	06	57
	2		—	12	39
	3		—	12	39
	4		—	12	40
	5		—	12	39
	354				
	1		—	12	40
	2		—	12	39
	4/2		—	03	29
	5		—	12	39
53	410				
	2		—	07	84
	356				

1	2	3	4	4	6
फखों कला (जारी)	356				
1			—	11	38
2			—	12	39
3			—	12	39
4			—	12	39
5/2			—	12	39
357					
1			—	12	39
2/1			—	06	07
2/2			—	06	07
3			—	12	40
357					
4			—	12	39
5			—	12	39
358					
1			—	12	40
2			—	12	40
3			—	12	39
4			12	11	38
5			—	12	14
359					
1			—	10	12
2			—	07	84
3/1			—	04	81
3/2			—	01	26
4/1			—	01	77
4/2			—	03	29
5			—	05	06
360					
1			—	03	29

[सं. आर. 31015 / 2 / 90 ओ आर -I]

कलदीप सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 479.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 833, dated the 23rd March, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government ;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired :

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Barnala		District : Sangrur		State : Punjab	
Name of Village	Hadbast Survey No./ No.	Khasra No./ Mustateel/ No./ Killa No./	Area		
			Hectare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Aspalkalan	79	108			
		21/1	..	11	38
		21/2	..	01	02
		22	—	12	39
		23	—	12	39
		25	—	12	39
		109			
		21	..	12	40
		22	—	11	38
		23	—	12	40
		24	—	12	39
		25/1	—	08	35
	79	110			
		21/1	—	01	52
		21/2	—	01	01
		22	—	04	55
		23	—	06	83
		24	—	09	11
		25	—	11	12
		111			
		25/1	—	—	25
		122			
		16/1	—	07	48
		16/2	—	04	04
		17	—	12	40
		18/1	—	01	26
		18/2	—	11	13
		19	—	11	13
	123	11/1	—	—	51
		12/2	—	06	83
		14/1/1	—	04	29
		15/1	—	01	01
		15/3	—	11	58
		19	—	03	29
		20	—	11	89
		124			
		12/2	—	—	51
		14	—	11	89
		15/1	—	01	77
		15/2	—	08	35
	17	17	—	—	25
		18	—	05	57
		19/2	—	10	63
		20	—	12	39

1	2	3	4	5	6
Aspalkalan— (Contd.)	79	125			
		3	—	01	77
		4	—	08	35
		5/1	—	02	02
		5/2	—	10	37
		7	—	04	05
		8	—	10	62
		9	—	12	40
		10	—	11	38
		126			
		1/1	—	05	06
		1/2	—	06	82
		2	—	12	39
		3	—	12	14
		4/1	—	—	76
		4/2	—	08	35
		5	—	12	14
	127	1	—	10	12
		2	—	07	84
		3/1	—	02	28
		3/2	—	03	29
		4	—	03	29
		5/1	—	01	01
Kotduna	80	44			
		21	—	10	62
		22	—	12	40
		23	—	12	40
		24/1	—	05	56
		24/2	—	06	83
		25/1	—	11	89
		25/2	—	—	51
		45			
		20	—	02	02
		21/1	—	03	79
		21/3	—	03	29
	48	1	—	01	77
		49			
		1	—	12	40
		2	—	11	38
		3	—	08	85
		4	—	12	39
		5	—	08	35
		50			
		4	—	02	53
		5	—	09	61
	51	6	—	02	78
		7/1	—	06	83
		7/2	—	03	04
		8	—	12	39
		9	—	12	40
		10	—	12	39
		6/2	—	12	14
		7/2	—	08	35
		8	—	02	02
		11	—	12	40

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kotduna—(contd.) 80						Bheni-Fatta—contd. 75 753					
	12	—	—	12	39		765	—	—	02	78
	13	—	—	10	37		767	—	—	12	39
	52	—	—	—	—		864	—	—	05	31
	12	—	—	—	76		865	—	—	14	92
	17	—	—	06	32		866	—	—	16	95
	14/1	—	—	03	04		871	—	—	11	37
	52	—	—	—	—		2195	—	—	12	40
	15/1	—	—	09	61		2196	—	—	11	89
	15/2	—	—	02	78		2170	—	—	10	62
	53	—	—	—	—		2171	—	—	04	56
	16	—	—	12	39		2172	—	—	—	25
	17/1	—	—	12	39		2197	—	—	05	56
	18	—	—	11	63		2198	—	—	—	51
	19	—	—	05	06		2153	—	—	12	39
	20	—	—	—	25		2154	—	—	12	39
	21	—	—	12	14		2158	—	—	12	40
	22	—	—	07	33		2139	—	—	12	14
	23	—	—	—	76		2140	—	—	07	83
	54	—	—	—	—		2141	—	—	01	01
	24/2	—	—	12	39		2398	—	—	11	38
	25	—	—	12	40		2401	—	—	—	25
	23/1	—	—	12	39		2404	—	—	12	39
	21/2	—	—	12	40		2408	—	—	12	40
	22	—	—	11	38		2409	—	—	11	63
	55	—	—	—	—		2098/2	—	—	16	44
	21	—	—	12	39		2099	—	—	16	44
	22/1	—	—	06	06		2110	—	—	08	35
	22/2	—	—	05	56		2111	—	—	12	39
	23/1	—	—	06	07		2112	—	—	12	39
	23/2	—	—	06	07		2121	—	—	—	25
	24	—	—	12	40		2122	—	—	12	14
	25	—	—	12	39		2128	—	—	12	39
	56	—	—	—	—		Pakho-Kalan 53 339				
	21	—	—	12	40		17	—	—	05	82
	22	—	—	12	39		18	—	—	06	07
	23	—	—	12	39		19	—	—	11	89
	24	—	—	12	40		20	—	—	11	13
	25	—	—	12	40		340	—	—	—	—
	58	—	—	—	—		16	—	—	10	12
	21	—	—	04	56		17	—	—	11	13
	22	—	—	12	39		18	—	—	—	25
	23	—	—	12	40		21/1	—	—	05	06
	24	—	—	12	39		21/2	—	—	07	33
	25	—	—	12	40		22	—	—	12	39
	51	—	—	—	—		23	—	—	12	13
	14	—	—	04	05		341	—	—	—	—
	15	—	—	—	25		21	—	—	12	39
							22	—	—	12	40
							23	—	—	12	40
							24	—	—	12	39
							25	—	—	12	39
Bheni-Fatta 75 702							342	—	—	—	—
	712	—	—	12	40		24	—	—	06	58
	713	—	—	12	40		25	—	—	12	39
	714	—	—	12	39		343	—	—	—	—
	722	—	—	03	28		21	—	—	09	11
	727	—	—	07	34		22	—	—	11	13
	728	—	—	10	88		23	—	—	04	05
	736	—	—	11	63		24	—	—	03	79
	738	—	—	09	11		344	—	—	—	—
	739	—	—	12	39		21	—	—	02	28

1	2	3	4	5	6
Pakhokalan-(contd.)	5322	-	04	55	
	23/2	-	07	08	
	24	-	04	05	
	25	-	07	34	
	345				
	25	-	-	25	
	352				
	5	-	06	07	
	353				
	1/1	-	05	82	
	1/2	-	06	57	
	2	-	12	39	
	3	-	12	39	
	4	-	12	40	
	5	-	12	39	
	354				
	1	-	12	40	
	2	-	12	39	
	4/2	-	03	29	
	5	-	12	39	
	410				
	2	-	07	84	
	356				
	1	-	11	38	
	2	-	12	39	
	3	-	12	39	
	4	-	12	39	
	5/2	-	12	39	
	357				
	1	-	12	39	
	2/1	-	06	07	
	2/2	-	06	07	
	3	-	12	40	
	357				
	4	-	12	39	
	5	-	12	39	
	358				
	1	-	12	40	
	2	-	12	40	
	3	-	12	39	
	4	-	11	38	
	5	-	12	14	
	359				
	1	-	10	12	
	2	-	07	84	
	3/1	-	04	81	
	3/2	-	01	26	
	4/1	-	01	77	
	4/2	-	03	29	
	5	-	05	06	
	360				
	1	-	03	29	

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का आ. 480 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाहवाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का आ. 836 तारीख 23 मार्च, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जतना को तारीख 8 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी चिल्लंगमों से मुक्त इंडियन प्रायल कांपैनिशन लिमिटेड में निहित होगा।

## अनुसूची

तहसील : अटिंडा	जिला : अटिंडा	राज्य : पंजाब			
गांव का नाम	हबबस्त नं.	सुस्ततीस नं./ किलानं./	क्षेत्रफल	हैक्टर	घार
				मीटर	वर्ग
1	2	3	4	5	6
चक राम सिंह वाला	204	66			
		8/1	0	03	29
		09	0	08	34
		18	0	06	32
		11	0	05	31
		12	0	04	05
		67			
		07	0	04	05
		09	0	01	77
		10	0	06	25
		11	0	11	89
		12	0	10	62
		13/1	0	09	61
		14/1	0	07	09
		14/2	0	01	77
		15	0	07	34

[No. R-31015/2/90-O.R.I.]

Kuldip Singh, Under Secy.

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बक राम सिंह बाला (जारी)	204	69				बक राम सिंह बाला 204 (जारी)	17		0	12	65
		11	0	12	39		18		0	12	64
		12	0	12	40		19		0	12	63
		13	0	12	39		20		0	10	11
		14	0	12	39		21		0	01	77
		15	0	11	64		76				
		70					16/2		0	02	78
		11	0	12	40		25		0	06	07
		12	0	12	39		135				
		13	0	12	39						
		14	0	12	90		17		0	01	77
		15	0	10	88		21		0	08	09
		71					22		0	15	43
		12	0	11	63		23/1		0	12	14
		13	0	12	40		23/2		0	00	51
		14	0	12	39		24		0	09	36
		15	0	12	40		25/1		0	00	76
		72					136				
		11/1	0	09	61						
		11/2	0	01	52		21/1		0	07	33
		12/2	0	12	39		21/2		0	05	06
		13/2/2	0	05	82		22/1		0	04	05
		73					22/2		0	08	35
		14/1/1	0	00	25		23/1		0	09	61
		14/1/2	0	05	79		23/2		0	02	78
		14/2	0	08	35		24/1		0	01	17
		15	0	12	39		24/2		0	10	63
		73					25		0	12	39
		11/3	0	04	55		137				
		12/2	0	03	35		22		0	04	81
		13/1	0	00	75		23		0	12	39
		13/2	0	08	35		24/1		0	12	39
		14/2	0	09	36		25		0	12	39
		15	0	04	30		144				
		16	0	02	28						
		17/2	0	01	52		17		0	05	31
		18	0	02	78		18		0	12	65
		19	0	04	05		19		0	12	13
		20	0	05	06		21		0	03	29
		74					22		0	01	26
		11/2	0	01	77						
		12/1	0	02	78		145				
		13	0	03	29						
		14/2	0	03	54		11		0	04	05
		15	0	04	05		12/1		0	06	83
		16	0	06	07		12/2		0	04	05
		17/1	0	08	60		13/1		0	03	79
		18/1	0	08	60		13/2		0	08	85
		19	0	09	61		14		0	12	65
		20	0	10	62		15		0	10	88
		75					19/2		0	01	51
		15	0	00	51		20		0	08	35
		16	0	11	88		146				
							05		0	06	32

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
चक्र फतह सिंह बख्शी 205	06		0	06	32	तृगुवाली 208 (जारी)	177				
	07		5	13	66						
	08		0	12	14		06		0	12	39
	09		0	08	35		07		0	07	84
	10/1		0	02	53		08		0	01	27
	10/2		0	00	51		11/1		0	11	63
	11/1		0	03	04		11/2		0	00	76
	11/2		0	00	75		12		0	12	39
							13		0	13	13
	147						14		0	04	55
	01		0	11	89						
	02		0	08	60		178				
तृगुवाली	208	170					12/1		0	01	26
							13		0	07	85
	25		0	01	77		14		0	11	13
							15		0	12	39
	171						18		0	04	55
							19		0	11	13
	16		0	00	51		20		0	12	65
	21		0	08	35		179				
	22		0	11	13		16		0	12	64
	23		0	12	65		17		0	12	65
	24		0	12	39		18		0	10	87
	25		0	12	14		19		0	04	05
							21		0	10	61
	172						22		0	01	77
							180				
	21/1		0	06	76						
	21/2		0	04	30		25		0	06	33
	174						196				
	01		0	04	05		16/2		0	00	25
							17		0	11	38
	175						18		0	12	39
							19		0	12	39
	1/2		0	12	39		20		0	04	56
	02		0	12	40		25		0	00	76
	03		0	11	63						
	04		0	12	40		197				
	5/1		0	10	62						
	176						16		0	00	25
							17/2		0	02	03
							18		0	04	55
	04		0	01	51		19/1		0	06	32
	5/2		0	07	84		19/2		0	00	51
	06		0	04	55		20/1		0	00	51
	07		0	10	12		20/3		0	03	04
	8/1		0	01	26		21/1		0	01	01
	8/2		0	11	14		21/3		0	00	26
	9/1		0	05	82		22/1		0	05	56
	9/2		0	06	58		23/1/2/1		0	07	84
	10/1		0	03	29		24		0	09	36
	10/2		0	07	84						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
कुंवाली जारी	208	25	0	11	38	कुंवाली जारी	208	22/1/2	0	01	55
	198							22/2	0	04	05
		21/1	0	12	39			23	0	12	39
		22	0	12	39			24	0	12	39
		23	0	12	39			25	0	12	39
		24	0	12	39		206				
		25	0	11	64			16/2	0	08	35
								17/2/2	0	05	82
	200							18	0	01	77
		21	0	12	39			19	0	01	02
		22	0	12	39			21	0	12	39
		23/1	0	10	12			22	0	11	38
		23/2	0	00	51			23/1	0	06	83
		23/3	0	01	01			23/2	0	01	26
		23/4	0	00	51			24/1	0	06	83
		24	0	07	84			25/1	0	02	78
		25/2	0	10	88			25/2	0	01	01
							207				
	201							16/2	0	11	13
		21/2	0	03	06			18/1	0	05	06
		22/1	0	01	77						
	202							207			
		23	0	01	01			16/2	0	11	13
		24	0	02	78			18/1	0	05	06
		25	0	01	05			18/2	0	03	29
								19/2	0	06	83
	203							20/1	0	06	58
		21	0	05	56			20/3	0	01	01
		22	0	07	59			20/4	0	03	29
		23	0	10	12			20/5	0	03	03
		24/1	0	03	54			21/1	0	00	51
		24/2	0	08	60						
		25	0	12	39		208				
								12/2/3	0	09	86
	204							13	0	09	36
		21/1	0	05	31			14	0	12	39
		21/2	0	05	31			15/1	0	06	07
		22/3/2	0	12	40			15/2	0	06	07
		23	0	12	39						
		24/1	0	07	84		209				
		24/2	0	04	55			5/1	0	04	30
		25/1	0	11	12			5/2	0	01	81
		25/2	0	00	51			06	0	07	54
								07	0	13	18
	205							08	0	06	32
		21	0	12	39			9/1	0	00	25
		22/1/1	0	03	79			9/2	0	02	28
								11/1	0	02	52



[illegible]

1	2	3	4	5	6
कुस मण्डो	60	215/2	0	12	90
(आरर)		228	0	11	13
		229	0	03	79
		229/2	0	04	56

[सं आर-3) 015/2/92-जो. आर-1]

कुरुद्वि सिद्ध, अवर सन्धि

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 480.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. No. 836, dated the 23rd March, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Bhatinda District : Bhatinda State : Punjab					
Name of village	Haddast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustafel No./ Killa No.	Area		
1	2	3	4	5	6
Chak Ram	204	66			
Singh Wala		8/1	0	03	29
		09	0	08	34
		10	0	06	32
		11	0	05	31
		12	0	04	05
		67			
		07	0	04	05
		09	0	01	77
		10	0	00	25
		11	0	11	89
		12	0	10	62
		13/1	0	09	61
		14/1	0	07	08

1	2	3	4	5	6
		14/2	0	01	77
		15	0	07	34
Chak Ram	204	74			
Singh Wala—		11/2	0	01	77
Contd.		12/1	0	02	78
		13	0	03	29
		14/2	0	03	54
		15	0	04	05
		16	0	06	07
		17/1	0	08	60
		18/1	0	08	60
		19	0	09	61
		20	0	10	62
		75			
		15	0	00	51
		16	0	11	88
		17	0	12	65
		18	0	12	64
		19	0	12	65
		20	0	10	11
		21	0	01	77
		76			
		16/2	0	02	78
		25	0	06	07
Chak Fateh	205	135			
Singh Wala		17	0	01	77
		21	0	08	09
		22	0	15	43
		23/1	0	12	14
		23/2	0	00	51
		24	0	09	36
		25/1	0	00	76
		136			
		21/1	0	07	33
		21/2	0	05	06
		22/1	0	04	05
		22/2	0	08	35
		23/1	0	09	61
		23/2	0	02	78
		24/1	0	01	17
		24/2	0	10	63
		25	0	12	39
		137			
		22	0	04	81
		23	0	12	39
		24/1	0	12	39
		25	0	12	39
	204	69			
		11	0	12	39
		12	0	12	40
		13	0	12	39
		14	0	12	39
		15	0	11	64
		70			
		11	0	12	40
		12	0	12	39
		13	0	12	39
		14	0	12	90
		15	0	10	88
		71			
		12	0	11	63
		13	0	12	40
		14	0	12	39

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Chak Ram	204	15	0	12	40	Tungwali—Contd. 208	174				
Singh Walu—		72					01	0	04	05	
Contd.		11/1	0	09	61		175				
		11/2	0	01	52		1/2	0	12	39	
		12/2	0	12	39		02	0	12	40	
		13/2/2	0	05	82		03	0	11	63	
		14/1/1	0	00	25		04	0	12	40	
		14/1/2	0	03	79		5/1	0	10	62	
		14/2	0	08	35		176				
		15	0	12	39		04	0	01	51	
		73					5/2	0	07	84	
		11/3	0	04	55		06	0	04	55	
		12/2	0	08	35		07	0	10	12	
		13/1	0	00	75		8/1	0	01	26	
		13/2	0	08	35		8/2	0	11	14	
		14/2	0	09	36		9/1	0	05	82	
		15	0	04	30		9/2	0	06	58	
		16	0	02	28		10/1	0	03	29	
		17/2	0	01	52		10/2	0	07	84	
		18	0	02	78		177				
		19	0	04	05		06	0	12	39	
		20	0	05	06		07	0	07	84	
							08	0	01	27	
Chak Fattch	205	144					11/1	0	11	63	
Singh Walu—		17	0	05	31		11/2	0	00	76	
Contd.		18	0	12	65		12	0	12	39	
		19	0	12	13		13	0	13	13	
		21	0	03	29		14	0	04	55	
		22	0	01	26		178				
		145					12/1	0	01	26	
		11	0	04	05		13	0	07	85	
		12/1	0	06	83		14	0	11	13	
		12/2	0	04	05		15	0	12	39	
		13/1	0	03	79		18	0	04	55	
		13/2	0	08	85		19	0	11	13	
		14	0	12	65		20	0	12	65	
		15	0	10	88		179				
		19/2	0	01	51		16	0	12	64	
		20	0	08	35		17	0	12	65	
		146					18	0	10	87	
		05	0	06	32		19	0	04	05	
		06	0	06	32		21	0	10	61	
		07	0	13	66		22	0	01	77	
		08	0	12	14		180				
		09	0	08	35		25	0	06	33	
		10/1	0	02	53		196				
		10/2	0	00	51		16/2	0	00	25	
		11/1	0	03	04		17	0	11	38	
		11/2	0	00	75		18	0	12	39	
		147					19	0	12	39	
		01	0	11	89		20	0	04	56	
		02	0	08	60		25	0	00	76	
							197				
Tungwali	208	170					16	0	00	25	
		25	0	01	77		17/2	0	02	03	
		171					18	0	04	55	
		16	0	00	51		19/1	0	06	32	
		21	0	08	35		19/2	0	00	51	
		22	0	11	13		20/1	0	00	51	
		23	0	12	65		20/3	0	03	04	
		24	0	12	39		21/1	0	01	01	
		25	0	12	14		21/3	0	00	26	
		172					22/1	0	05	56	
		21/1	0	00	76		23/1/2/1	0	07	84	
		21/2	0	04	30		24	0	09	36	



1	2	3	4	5	6
		24			
Gulab Garh	58	13	0	01	77
Alias Nai Wala—		14	0	09	61
Contd.		15/1	0	04	05
		15/2	0	08	34
		17	0	02	78
		18	0	05	57
		23	0	06	83
		25			
		6/1	0	11	89
		6/2	0	00	50
		07	0	03	04
		11	0	12	39
		12	0	12	40
		13	0	12	14
		14	0	06	83
		15	0	00	25
		26			
		02	0	06	32
		03	0	12	90
		4/1/1	0	08	35
		4/2	0	04	04
		05	0	03	04
		09	0	06	07
		10	0	12	90
		37			
		03	0	11	13
		08	0	10	62
		09	0	12	39
		38			
		06	0	10	37
		07	0	03	04
		12	0	10	62
		13	0	12	65
		14	0	09	61
		15	0	02	02
Phus Mandi	60	178	0	22	25
		180/3	0	10	88
		181	0	02	53
		188	0	16	95
		189	0	12	14
		190	0	05	82
		194/3	0	16	95
		196	0	05	56
		197/2	0	16	44
		211	0	00	51
		213/1	0	16	95
		214	0	04	30
		215/2	0	12	90
		228	0	11	13
		229/1	0	03	79
		229/2	0	04	56

[No. R-31015/2/90-O.R-J.]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का. आ. 431.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पार्श्वसाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) जिये. इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संशोधन की अधिसूचना सं० का. आ 834 तारीख 23 मार्च, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए 226 GI/92—23

पार्श्वसाईन विद्युत के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी —

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियाँ जनता की तारीख 8 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी—

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है—

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए—

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलगनों में मुक्त इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

## अनुसूची

तहसील	समाना	जिला	पटियाला	राज्य	पंजाब
गंव का नाम	हदबस्त न.	मुस्तालील न. किला न.	क्षेत्रफल हे.	प्रार वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	6
सिओना	187	1			
	22		0	05	81
	4				
	21		0	12	14
	22		0	04	05
	5				
	10		0	11	89
	11		0	02	53
	12		0	14	42
	13		0	02	53
	17/1		0	11	65
	18		0	11	38
	24/1		0	02	78
	25		0	12	64
	6				
	05		0	04	05
	06		0	09	10
	12				
	01		0	00	51
	08		0	07	33
	9/2		0	12	65
	10		0	12	35

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
सिओना (जारी)	187	13	0	13	41	सिओना (जारी)	62				
		17	0	12	90		03		0	12	65
		18	0	00	76		7/2		0	07	58
		24	0	07	59		08		0	05	56
		25	0	06	58		14		0	12	65
		11					16		0	08	85
		02	0	07	07		17		0	03	79
		03	0	12	90		23/1		0	03	54
		04	0	14	42		25/3		0	09	11
		05	0	09	35		68				
		06	0	03	29		5/2		0	01	01
		14					69				
		01	0	01	26		1/2		0	10	37
		10	0	12	14		9/1		0	00	51
		11	0	00	51		10/1		0	10	87
		15					96				
		05	0	12	64		1		0	06	07
		06	0	00	51	बायशहपुर	188	59			
		44					10		0	00	51
		2/1	0	08	09		11		0	07	84
		2/2	0	00	51		12		0	03	79
		3/2	0	03	03		19		0	13	40
		8/1	0	13	41		22		0	05	06
		13/2	0	05	56		23		0	07	84
		14	0	06	07		67				
		17	0	12	90		21		0	09	60
		24/1	0	03	04		68				
		25/1	0	07	33		03		0	13	15
		52					04		0	00	51
		5/1	0	13	15		07		0	12	14
		06	0	01	52		08		0	01	27
		53					14		0	08	85
		1/1	0	00	25		15		0	03	29
		10/1/1	0	06	57		16		0	13	41
		10/1/2	0	03	04		25		0	03	04
		10/2	0	01	01		70				
		11/1	0	10	12		01		0	12	39
		19	0	12	39		02		0	00	76
		22/1	0	06	33		09		0	12	90
		22/2	0	01	26		12/1		0	05	56
		23/2/2	0	04	55		13		0	06	83
		61					18		0	12	05
		21	0	00	51						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बादशाहपुर (जारी)	188	23	0	00	76	भगोके (जारी)	05		0	04	05
		24	0	12	39		08		0	13	15
							15		0	00	76
	75						43				
		11	0	08	60		21		0	11	64
		20	0	12	90		44				
		19	0	00	51		01		0	01	52
		21	0	01	26		09		0	09	10
		22	0	08	09		10/1		0	10	62
	76						12		0	06	07
							13		0	13	15
		04	0	10	12		14		0	01	01
		05	0	03	14		16		0	02	78
		06	0	14	16		17		0	14	67
		15	0	03	04		25		0	07	84
ऊगोक	186	17					45				
							4/1		0	05	56
		24	0	06	82		4/2		0	01	77
							5/1		0	00	51
		31					5/2		0	13	91
		19	0	11	14		6/1		0	00	51
							50				
		31					01		0	02	28
							02		0	14	07
		10	0	00	76		03		0	03	79
		20	0	03	04		50				
		23 /1	0	03	53						
		23 /2	0	00	76		70		0	03	28
	33						08		0	05	81
							14/2		0	04	05
		03	0	13	15		15/1		0	13	91
		4/1	0	01	01		16		0	00	51
							51				
		6/2	0	06	32		11/1		0	01	26
		7/1	0	07	08		19/1 / 1		0	05	31
		7/2	0	07	08		20		0	08	61
		08	0	00	51		73		0	02	28
		15	0	08	09						
						कुलमानु	185	14			
		04					02		0	12	14
							03		0	00	76
		11	0	10	88		07		0	01	01
		18	0	03	79		08		0	14	92
		19	0	14	41		13		0	00	51
		20	0	03	04		14		0	14	16
		23	0	10	62		15		0	03	04
		24	0	09	36		16		0	12	14
							15				
		32					20		0	07	33
		04	0	10	12		21		0	07	08





1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अक्षा-(अरी)	183	3/2	0	00	76	देशना (अरी)	184	55			
	07		0	01	01		11		0	04	36
	08		0	15	18		19/2		0	03	51
	09		0	01	77		20		0	08	6 0
	14		0	15	18		22		0	13	66
	15		0	01	26						
	16		0	14	93		71				
	17		0	00	51						
	25		0	00	51		20		0	00	25
देशना	181	24					21/1		0	00	51
							21/3		0	11	12
	11		0	00	51		72				
	20		0	13	15						
	21/1		0	03	29		02		0	00	25
	21/2		0	04	04		03		0	13	41
	27						7/2		0	08	35
							08		0	05	56
	22		0	08	35		14		0	11	64
							15		0	02	53
	28						16		0	13	92
							25		0	02	02
	13		0	12	90						
	16		0	01	77		91				
	31						10		0	10	37
							11		0	08	85
	02		0	12	13		12		0	06	57
	03		0	03	04		18/2		0	05	82
	8/1		0	05	83		19/1		0	07	08
	8/2		0	05	82		19/2		0	06	07
	09		0	00	25		23		0	09	61
	13		0	03	29		24		0	05	06
	48						92				
							04		0	00	25
	01		0	13	40		5/1		0	02	78
	09		0	06	58		5/2		0	11	64
	10		0	07	58		06		0	03	29
	12/1		0	06	58						
	12/2		0	05	56		95				
	13		0	01	26						
	18		0	13	41		04		0	04	81
	23		0	05	56		05		0	13	91
	24		0	08	60		06		0	01	01
	49						96				
							1/1		0	01	01
	05		0	03	04		09		0	04	03
							10		0	14	42
	51						12		0	11	63
							13		0	07	08
	04		0	11	13		17		0	10	88
	05		0	03	04		18		0	09	11
	06		0	13	90		24/2		0	05	56
	15		0	03	04		25/2		0	12	14

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
देवता (जारी)	184	97				खेडी नाथिया (जारी)	128	03	0	10	88
		21	0	00	25			04	0	06	32
								6/2	0	08	09
								07	0	08	60
								15	0	06	58
		106						44			
		01	0	14	93			11	0	09	86
		02	0	01	26			19	0	10	88
		8/2	0	07	08			20/1	0	05	56
		09	0	14	67						
		10	0	00	76			47			
		107						22	0	04	30
		05	0	02	28			23	0	11	63
		77						52			
		01	0	10	12			10	0	00	25
		02	0	04	81			11	0	12	39
		8/2	0	00	76			19/2	0	07	08
		09	0	13	65			20	0	06	83
		12	0	00	76			22	0	12	91
		13	0	11	13			23/1	0	01	26
		17	0	07	84			53			
		18	0	04	80						
		24	0	11	63			03	0	03	29
		25	0	02	28			04	0	11	38
अहमम भाजरा	129	14						06	0	14	16
		10	0	10	12			07	0	03	04
		11	0	08	09			15	0	02	01
		12	0	07	34			58			
		18	0	01	52			02	0	00	51
		19	0	12	14			3/1	0	03	29
		23/1	0	13	66			3/2	0	07	08
		17						07	0	08	85
		3/2	0	05	06			14	0	10	38
		04	0	09	36			15	0	03	54
		7/1	0	05	06			16	0	14	16
		7/2	0	06	85			25	0	02	71
		6/2	0	06	83			59			
खेडी नाथिया	128	40						20	0	00	08
		19	0	05	31			21	0	11	65
		20	0	10	62			63			
		22	0	08	85			01	0	07	33
		23	0	05	82			2/2	0	07	08
		43						9/2	0	12	65
								24/1	0	00	76
								24/2	0	09	86

1	2	3	4	5	6
खेड़ी नाखिया (आरी)	128	25	0	03	79
		68			
		05	0	13	67
		06	0	05	31

[सं. आर. 31015/2/90 ओ. आर.-1]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 481.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 834, dated the 23rd March, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And, further, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Samana	District : Patiala	State : Punjab			
Name of Village	Had- bast No.	Survey No. Khasra No./ Mustatcel No./ Killa No./	Area		
			Hec- tare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Seona	187	1			
		22	0	05	81
		4			
		21	0	12	14
		22	0	04	05
		5			
		10	0	11	89
		11	0	02	53
		12	0	14	42
		13	0	02	53
		17/1	0	11	65

1	2	3	4	5	6
Seona —(Contd.)	187	18	0	11	38
		24/1	0	02	78
		25	0	12	64
		6			
		05	0	04	05
		06	0	09	10
		12			
		01	0	00	51
		08	0	07	33
		9/2	0	12	65
		10	0	12	35
		13	0	13	41
		17	0	12	90
		18	0	00	76
		24	0	07	59
		25	0	06	58
		11			
		02	0	07	07
		03	0	12	90
		04	0	14	42
		05	0	09	35
		06	0	03	29
		14			
		01	0	01	26
		10	0	12	14
		11	0	00	51
		15			
		05	0	12	64
		06	0	00	51
		44			
		2/1	0	08	09
		2/2	0	00	51
		3/2	0	03	03
		8/1	0	13	41
		13/2	0	05	56
		14	0	06	07
		17	0	12	90
		24/1	0	03	04
		25/1	0	07	33
		52			
		5/1	0	13	15
		06	0	01	52
		53			
		1/1	0	00	25
		10/1/1	0	06	57
		53			
		10/1/2	0	03	04
		10/2	0	01	01
		11/1	0	10	12
		19	0	12	39
		22/1	0	06	33
		22/2	0	01	26
		23/2/2	0	04	55
		61			
		21	0	00	51
		62			
		03	0	12	65
		7/2	0	07	58
		08	0	05	56
		14	0	12	65
		16	0	08	85
		17	0	03	79
		25/1	0	03	54
		25/2	0	09	11
		68			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Seona -Contd.	5/2		0	01	01		18		0	03	79
	69						19		0	14	41
	1/2		0	10	37		20		0	03	04
	9/1		0	00	51		23		0	10	62
	10/1		0	10	87		24		0	09	36
	96						32				
	1		0	06	07		04		0	10	12
Badshapur	188	59					05		0	04	05
	10		0	00	51		06		0	13	16
	11		0	07	84		15		0	00	76
	12		0	03	79		43				
	19		0	13	40		21		0	11	64
	22		0	05	06		44				
	23		0	07	84		01		0	01	52
	67						09		0	09	10
	21		0	09	60		10/1		0	10	62
	68						12		0	06	07
	03		0	13	15		13		0	13	15
	04		0	00	51		14		0	01	01
	07		0	12	14		16		0	02	78
	08		0	01	27		17		0	14	67
	14		0	08	85		25		0	07	84
	15		0	03	29		45				
	16		0	13	41		4/1		0	05	56
	25		0	03	04		4/2		0	01	77
	70						5/1		0	00	51
	01		0	12	39		5/2		0	13	91
	02		0	00	76		6/1		0	00	51
	09		0	12	90		50				
	12/1		0	05	56		01		0	02	28
	13		0	06	83		02		0	14	67
	18		0	12	65		03		0	03	79
	23		0	00	76						
	24		0	12	39		07		0	03	28
	75						08		0	05	81
	11		0	08	60		14/2		0	04	05
	20		0	12	90		15/1		0	13	91
	19		0	00	51		16		0	00	51
	21		0	01	26		51				
	22		0	08	09		11/1		0	01	26
	76						19/1/1		0	05	31
	04		0	10	12		20		0	08	61
	05		0	03	04		73		0	02	28
	06		0	14	16						
	15		0	03	04	Kul Banu	185	14			
Ugoke	186	17					02		0	12	14
	24		0	06	82		03		0	00	76
	31						07		0	01	01
	19		0	11	14		08		0	14	92
	31						13		0	00	51
	10		0	00	76		14		0	14	16
	20		0	03	04		15		0	03	04
	23/1		0	03	53		16		0	12	14
	23/2		0	00	76		15				
	33						20		0	07	33
	03		0	13	15		21		0	07	08
	4/1		0	01	01		22		0	10	12
	6/2		0	06	32		22				
	7/1		0	07	08		11/2		0	05	37
	7/2		0	07	08		19		0	07	08
	08		0	00	51		20		0	10	37
	15		0	08	09		22		0	08	85
	34						23				
	11		0	10	88		02		0	04	81
							03		0	13	41

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kal Banu— Contd.	185	4/1	0	00	00		20		0	01	00
		06	0	01	01		21		0	14	17
		07	0	14	42		22		0	03	04
		37					59				
		25/1	0	11	13		1/2		0	01	52
		23					2/1		0	12	39
		14	0	00	51		3/2		0	00	76
		23					07		0	01	01
		15	0	12	90		08		0	15	18
		31					09		0	01	77
		03	0	08	85		14		0	15	18
		04	0	06	07		15		0	01	26
		06	0	03	29		16		0	14	93
		07	0	12	14		17		0	00	51
		15	0	12	90		25		0	00	51
		16	0	00	26						
		32									
		11	0	02	01	Dedna	184	24			
		19	0	00	51			11	0	00	51
		20	0	14	67			20	0	13	15
		21	0	01	01			21/1	0	03	29
		22	0	14	67			21/2	0	04	04
		23	0	00	25			27			
		37						22	0	08	35
		12	0	11	13			28			
		13	0	12	14			15	0	12	90
		14	0	04	05			16	0	01	77
		17	0	12	89			31			
		19	0	00	51			02	0	12	13
		24	0	03	28			03	0	03	04
		38						8/1	0	05	83
		14	0	00	51			8/2	0	05	82
		17	0	12	90			09	0	00	25
		18	0	12	39			13	0	03	29
		19	0	12	39			48			
		20/2	0	11	63			01	0	13	40
		39						09	0	06	58
		02	0	01	52			10	0	07	58
		03	0	13	66			12/1	0	06	58
		07	0	12	14			12/2	0	05	56
		08	0	03	29			13	0	01	26
		14/2	0	05	56			18	0	13	41
		15/2	0	09	10			23	0	05	56
		16	0	07	09			24	0	08	60
		50						49			
		05	0	09	36			05	0	03	04
		51						54			
		01	0	03	29			04	0	11	13
		9/1	0	00	51			05	0	03	04
		10/2	0	12	39			06	0	13	90
		11	0	01	26			15	0	03	04
		12	0	12	39			55			
		18	0	08	10			11	0	09	36
		19	0	07	09			19/2	0	03	54
		23	0	11	63			20	0	08	60
		26/1	0	05	06			22	0	13	66
Ghagga	183	55						71			
		13	0	05	06			20	0	00	25
		14	0	05	31			21/1	0	00	51
		16	0	10	12			21/2	0	11	12
		17	0	04	80			72			
		25/2	0	05	32			02	0	00	25
		56						03	0	13	41
		21/2	0	13	91			7/2	0	08	35
		22/1	0	00	25						
		58									

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Dedna—	184	08	0	05	56		3/2		0	05	06
Contd.		14	0	11	64		04		0	09	36
		15	0	02	53		7/1		0	05	06
		16	0	13	92		7/2		0	06	83
		25	0	02	02		6/2		0	06	83
		91									
		10	0	10	37	Kheri Naghia	128	40			
		11	0	08	85			19	0	05	31
		12	0	06	57			20	0	10	62
		18/2	0	05	82			22	0	08	85
		19/1	0	07	08			23	0	05	82
		19/2	0	06	07			43			
		23	0	09	61			03	0	10	88
		24	0	05	06			04	0	06	32
		92						6/2	0	08	09
		04	0	00	25			07	0	08	60
		5/1	0	02	78			15	0	06	58
		5/2	0	11	64						
		06	0	03	29			44			
		95						11	0	09	86
		04	0	04	81			19	0	10	88
		05	0	13	91			20/1	0	05	56
		06	0	01	01			47			
		96						22	0	04	30
		1/1	0	01	01			23	0	11	63
		09	0	04	05			52			
		10	0	14	42			10	0	00	25
		12	0	11	63			11	0	12	39
		13	0	07	08			19/2	0	07	08
		17	0	10	88			20	0	06	83
		18	0	09	11			22	0	12	91
		24/2	0	05	56			23/1	0	01	26
		25/2	0	12	14			53			
		97						03	0	03	29
		21	0	00	25			04	0	11	38
		106						06	0	14	16
		01	0	14	93			07	0	03	04
		106						15	0	02	01
		02	0	01	26			58			
		8/2	0	07	08			02	0	00	51
		09	0	14	67			3/1	0	03	29
		10	0	00	76			3/2	0	07	08
		107						07	0	08	85
		05	0	02	28			14	0	10	38
		77						15	0	03	54
		01	0	10	12			16	0	14	16
		02	0	04	81			25	0	02	71
		8/2	0	00	76			59			
		09	0	13	65			20	0	00	08
		12	0	00	76			21	0	11	63
		13	0	11	13			63			
		17	0	07	84			01	0	07	33
		18	0	04	80			2/2	0	07	08
		24	0	11	63			9/2	0	12	65
		25	0	02	28			24/1	0	00	76
								24/2	0	09	86
								25	0	03	79
								68			
								05	0	13	67
								06	0	05	31
Bhraman Majra	129	14									
Alias Jawalapur		10	0	10	12						
		11	0	08	09						
		12	0	07	34						
		18	0	01	52						
		19	0	12	14						
		23/1	0	13	66						
		17	0								

[No. R-31015/2/90-O.R.-1]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1992

का. प्रा. 482--केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें हमके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना स. का. प्रा. 1051 तारीख 13 अप्रैल, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अधीन के अपने शासन की घोषणा की थी ;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां अन्तर्गत को तारीख 30 अप्रैल 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम अधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रयोजन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ।

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निहित होने की बजाए सभी विस्तारणों से मुक्त इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : तलवंडी जिला : बटिन्दा राज्य : पंजाब					
गांव का नाम	हवेली नं.	सर्वे नं०		क्षेत्रफल	
		स. कासरा नं०	मुस्ततील न. किला ना.	हे. आर	बंग मीटर
1	2	3	4	5	6
राय खाना	32	80	07	0	07 33

[सं० आर-31015/2/90-आर-1]

कुलदीप सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd January, 1992

S.O. 482.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1051, dated the 13th April, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And, whereas, the copies of the Gazette notification were made available to the public on 30th April, 1991 ;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government ;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired ;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Talwandi District : Bhatinda State : Punjab					
Name of Village	Had- bast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No. Killa No./	Area		
			Hec- ture	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Rai Khana	32	80 07	0	07	33

[NoR-31015/2/90-O.R.-I]

Kuldeep Singh, Under Secy.

अस मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1992

का.प्रा. 483 —औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आयल एंड नेचुरल गैस कमीशन, राजाहमुन्दरी के प्रबंध-तल से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधि-करण, हैदराबाद के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-82 को प्राप्त हुआ था ।

[सं एन० 30010/6/88-बो III (बी)]

बी०एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th January, 1992

S.O. 483.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad (Andhra Pradesh) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Oil and Natural Gas Commission, Rajahmundry and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th January, 1992.

[No. L-30010/6/88-D.III (B)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT  
HYDERABAD

## PRESENT:

Sri G. Krishna Rao, B.A.,B.L., Industrial Tribunal.

Hyderabad, the 30th December, 1991

Industrial Dispute No. 96 of 1988

## BETWEEN

The Workmen of O.I. & Natural Gas Commission,  
Rajahmundry (A.P.) ...Petitioner

## AND

The Management of Oil & Natural Gas Commission,  
Rajahmundry (A.P.) ...Respondent.

This case is coming for final hearing before me in the presence of Sri M. Sridhar Rao, Advocate for the petitioner and M/s. S. Ravindranath, K. Venkateswara Rao and M. Sohan, Advocates for the respondent and upon perusing the material papers on record and having stood over for consideration till this day, this Tribunal passed the following:

## AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-30012/6/88-D.III(B) dated 8th September, 1988 for adjudication of the dispute between the management of Oil and Natural Gas Commission, Rajahmundry and their workmen, setting forth the point for adjudication in the schedule annexed thereto as follows:

"Whether the action of the management of Oil and Natural Gas Commission, Rajahmundry in terminating the services of Sri G. Appa Rao, Ex-Sweeper with effect from 25th April, 1987 is justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

The said reference was registered as Industrial Dispute No. 96 of 1988 on the file of this Tribunal. After issuing the notice by this Tribunal, both the parties put in their appearance and the petitioner-workman filed his claims statement on 10th May, 1989 and the respondent filed the counter on 6th June, 1989.

2. The averments of the claims statement filed by the petitioner-workman read as follows:

The workman was employed as sweeper (House Keeper) on 3rd December, 1984 at Dowlaiswaram Workshop of Krishna Godavari Project O.N.G.C. on 3rd December, 1984 on a wage of Rs. 11.50 per day. The name of the worker was borne out by the casual labour book maintained by the security people of the security gate of the workshop and attendance register maintained by the time keeper in the time keeper's office. He was also receiving wages every month in the office of the ONGC at Rajahmundry. The worker submits that the management ONGC used to deploy him on various names such as G. Gawarai G. Pullaiah, Krishna etc. With effect from 25th April, 1987 the worker was prohibited to enter into the workshop by security gate with the effect that his services were terminated. Since then the services of the worker were not required and his entry into the work premises was denied. The workman made a request to the management that he should be continued in service since he has already put in more than nearly three years service. The management's contention was that he was not permitted to be employed under rules and therefore the management never employed the workman. They also state that the security section is not responsible and not authorised for making any casual labour registers. They also state that attendance of this house keeper was to be maintained by the Superintending Engineer. They also commit that the wages of the workman if due from 1st April, 1987 to 20th April, 1987 will be paid to the workman. The management denies back wages and reinstatement. The management also concede that the workman worked on part-time basis during 1985 and in 1986 also, and one month in 1987. The management purposefully had hidden the real and continuous service of the workman and since registers were in their control. They manipulated as they could. The very fact that the management

admits part employment of the workman indicates clearance for the end service put in by the workman is claimed. In spite of continuous nearly three years service, the workman was not given a notice before termination nor any charge-sheet was served on him and no enquiry was conducted. Therefore, the termination is highly illegal. The fact that the management changed the name of the worker to avoid continuity of service of the employee is highly objectionable and leads to criminal measures. The workman also submits that there are labour witnesses who saw this workman continuously working. The management cleverly avoided to give appointment order and shifted the workman from place to place within six months and therefore, the action of the management is manipulated. Even though the service of the workman was in different sections, but under the same management, the service of the workman should be treated as continuous and all benefits as if for a permanent workman should be given to him. The matter was conciliated by Asstt. Labour Commissioner, Visakhapatnam and on 29th January, 1988 conciliation meeting was held and proceedings closed. As a result the conciliation officer observed the dispute ended in failure and because there was no amicable settlement, the matter was referred to the Government and by Government later to the Honble Court. The action of the management in terminating services of the workman after nearly three years service is highly objectionable and lack of notice, enquiry, in this case establish that the management illegally terminated the workman. The workman therefore prays the Honble Court may be pleased to direct the management to reinstate the workman with full back wages and pass such other order or orders as necessary in this case.

3. The averments of the counter filed by the management read as follows:

The material allegations in the claim statement are false and baseless and they are denied. The petitioner-workman is put to strict proof of all the allegations made in the claim statement. The allegation made in para 1 of the claim statement that the petitioner-workman was employed as Sweeper (House Keeper) is not correct. The allegation that the name of petitioner-workman was borne out by the casual labour book maintained by the security people at the Security gate of the workshop and attendance register is maintained by the Time-Keeper in Time Keeper's office is equally incorrect and it is denied. The allegation that the petitioner-workman was deployed on various names such as G. Gawarai, G. Pullaiah, Krishna etc., is false and baseless and it is denied. The said allegation is concocted for purpose of raising the dispute. It is not correct to state that the petitioner-workman was prohibited to enter into security gate with effect from 25th April, 1987 on the ground that his services were terminated and since then his services were not required. It is also not correct to state that the petitioner-workman made a request to the respondent-management that he should be continued in service. Except sending a notice through a lawyer with all false and concocted allegations the petitioner-workman never made any such request. In reply to the various allegations made in para 1 of the claim statement it is stated as follows: The petitioner-workman was initially engaged on contract basis on 3rd December, 1984 for specified period upto 24th December, 1984 to render sundry services of maintenance of Oil and Natural Gas Commission (Krishna Godavari Project) at Dowlaiswaram Complex (Transport Wing) under the Administrative control of the Senior Deputy Director (Transport). The petitioner had entered into a contract for this purpose on 3rd December, 1984. It is clearly stipulated in the said contract that it will confer no right on the contractor to claim any employment in the department or other benefits whatsoever. After the expiry of the contract period the petitioner-workman was raising the bill for payment of remuneration for the services rendered as per the terms of the contract and the remuneration was being paid on certification by the competent authority. After the expiry of the said contract period, the petitioner-workman had again entered into contract in the month of February, 1985 and rendered services as per the terms of contract. During the year 1985, the petitioner-workman had entered into periodical contracts every month from February, 1985 to November, 1985 for rendering services and rendered sundry services as per the terms of the contract for some days in each month and never rendered services throughout the month. On expiry of each contract period, the petitioner-workman was raising bills for payment of remuneration for the services rendered as per terms of the contract and it



was being paid on the certification by the competent authority. The petitioner-workman had not entered into any contract with the respondent management for the month of December, 1985, and some days during this month the services of the petitioner-workman were supplied by regular labour contractor along with other labourers and the remuneration was paid to the labour contractor as per the terms of the contract. The petitioner-workman had again entered into contracts with the respondent-management for the months of July, August, September, 1986 and rendered services for 26 days, 23 days and 26 days respectively in each of these months and raised bills after the expiry of contract period for payment of remuneration for the services rendered according to the terms of contract and on the certification by the competent authority he was paid the same. The petitioner had never rendered any services to the respondent-management after the expiry of contract period in the month of September, 1986. Thus the petitioner-workman was only a contractor and he was not a workman within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947. There was no relationship of workman and employer between the petitioner-workman and the respondent-management. The allegations to the contract in the claim statement are denied. Copies of periodical contracts entered into between the petitioner-workman and the respondent-management and the bills raised by the petitioner-workman from time to time are filed herewith as Annexure 'A' & 'B'. The petitioner-workman was not borne out on the rolls of the management as regular or casual worker and question of his attendance being marked by the Time-Keeper and his name being borne on the casual labour Book maintained by the Security Department does not arise. The Security Department maintains a book who passes through Security gate to workshop to render services in different capacities but the same cannot be taken as a book showing the names of casual labour. The allegation that the petitioner-workman was deployed to work on different names such as G. Gawaiarah, G. Pullaiah, Krishna etc., is false and concocted. They are different persons who rendered services to the respondent-management during the relevant period. The contentions raised in para 2 of the claim statement are untenable and unsustainable. It is not correct to state that the management has conceded that the petitioner-workman worked on part-time basis during 1985, 1986 and one month in the year 1987. It is also not correct to state that the management committed that the wages to the petitioner-workman from 1st April, 1987 to 20th April, 1987 will be paid. It was only stated before Conciliation Officer that any amount if due will be paid. On verification of the records it was found that the petitioner workman had never rendered any services in the month of April, 1987 and the question of payment of any amount does not arise. The petitioner-workman had never rendered services after the month of September, 1986. The allegations made in para 3 of the claim statement that the management had purposely hidden the real and continuous service of the workman since their registers are in their control and they were manipulated as they could are all false and baseless and they are emphatically denied. The services rendered by the petitioner-workman as contractor from time to time is borne out by record. The petitioner-workman in order to sustain his false and avaricious claim is making all false and wild allegations against management. The contention that the very fact that the management admits part employment of the workman indicates clearance for the full services put in by the workman is untenable and unsustainable. The contention that in spite of putting three years of continuous service the petitioner-workman was not given any notice before termination of his services is equally untenable and unsustainable. The petitioner-workman had never rendered services continuously for a period of 3 years and the services of the petitioner-workman were never terminated by the respondent-management. The petitioner-workman had rendered services intermittently on contract basis as stated above and his services stood automatically terminated on expiry of the period of contract. The question of issuing any notice to the petitioner-workman for terminating his services does not therefore arise. The petitioner-workman is not a (workman) within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947. Even otherwise the petitioner-workman was never retrenched from service. The services of petitioner-workman automatically stood terminated on expiry of the contract period and there is no retrenchment within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947. The question of issuing any notice or following the procedure under Section 25-F of the Industrial Disputes Act, does not therefore arise. It is not

correct to state that the termination of services is highly illegal. The allegations that the management charged the name of the worker to avoid continuity of service is false and baseless. The contention that there are labour witnesses who saw the workman working continuously is untenable. If there are any such witnesses who speak contrary to the records then evidence cannot be relied or believed. The contention that the management clearly avoided to give appointment order and shifted the workman from place to place is untenable. The petitioner-workman was not employed as such in any capacity and the question of giving him any appointment order does not arise. Other contentions raised in para 3 of the claim statement are untenable and unsustainable. The petitioner-workman is not entitled to any benefits. The contention raised in para 5 of the claim statement is untenable. The petitioner-workman is not entitled to relief claimed in para 6 of the claim statement. The claim made by the petitioner-workman is tall, false and the averments made in the claim statement are tissues of lies and he is not entitled to any relief much less the relief claimed. The reference made to this Hon'ble Tribunal by the Central Government is incompetent and invalid and this Hon'ble Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the same. There is no industrial dispute existed or apprehended between the petitioner-workman and the management so as to warrant reference. The petitioner-workman was not a workman within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947 and there was no relationship of workman and employer between them. The petitioner-workman was only a contractor and there was automatic cessation of his services on expiry of contract period. The petitioner-workman was never retrenched from service and the provisions of section 25-F of Industrial Dispute Act are not applicable to this case. The reference is liable to be rejected on this ground. The reference made to this Hon'ble Tribunal is also invalid and incompetent and this Hon'ble Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the same for the reason that neither the parties reside nor any part of cause of action arose within the territorial limits of jurisdiction of this Hon'ble Tribunal. The reference is liable to be rejected on this ground alone.

4. The petitioner-workman himself examined as W.W. 1 and the petitioner-workman's side was closed. Exs. W1 to W11 are marked for the petitioner-workman. M.W.1 was examined for the respondent and the respondent's side was closed. Exs. M1 to M12 were marked for the respondent.

5. Point for adjudication whether the action of the management of Oil and Natural Gas Commission, Rajahmundry in terminating the services of Sri G. Apparao, Ex. Sweeper with effect from 25th April, 1987 is justified. If not, to what relief the said workman is entitled?"

6. POINT.—The case of the petitioner was that he was employed as Sweeper (House Keeper) on 3rd December, 1984 at Dawlasiwaram Workshop of Krishna Godavari Project, O.N.G.C. on a wage of Rs. 11.50 per day, that he continuously worked till 25th April, 1987, that the management of O.N.G.C. used to deploy him on various names such as G. Gawaiarah, G. Pullaiah, Krishna etc., that he was not allowed to attend to work from 25th April, 1987, and that since he continuously worked for more than 240 days he is entitled for reinstatement into service with full back wages. The contention of the respondent was that the petitioner was initially engaged on contract basis on 3rd December, 1984 for specified period upto 24th December, 1984, that the petitioner had entered into a contract for this purpose on 3rd December, 1984, that it is clearly stipulated in the said contract that it will confirm no right on the contractor to claim any employment in the Department or other benefits whatsoever, that after the expiry of the contract period the petitioner-workman had again entered into contract in the month of February, 1985, that during the year 1985, the petitioner-workman had entered into periodical contracts every month from February, 1985 to November, 1985 for rendering services, that the petitioner-workman had not entered into any contract with the respondent-management for the month of December, 1985, that the petitioner-workman had again entered into contracts within the respondent-management for the months of July, August, September, 1986 and rendered services for 26 days, 23 days and 26 days respectively in each of these months, that the petitioner-workman had never rendered any services to the respondent-management after the expiry of contract period in the month of September, 1986, that the respondent never employed petitioner to work on different names such as G. Gawaiarah, G. Pullaiah and Krishna to work, that they are different persons who

rendered services to the respondent-management during the relevant period, that the petitioner is not a workman within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947 and that therefore the petitioner is not entitled for any relief in this case much less relief of reinstatement with full back wages. Exs. W1 to W4 are photostat copies of the contracts entered into between the management of the respondent and the petitioner-workman. Ex. W1 relates to the period from 3rd December, 1984 to 24th December, 1984, Ex. W2 relates to the period from 1st April, 1985 to 30th June, 1985, Ex. W3 relates to the period from 1st July, 1985 to 30th September, 1985 and Ex. W4 relates to the period from 1st October, 1985 to 31st December, 1985. Though it is the admitted case of the respondent that the petitioner-workman entered into contracts with the respondent-management for the months of July, August, September, 1986 and rendered services for 20 days, 23 days and 26 days respectively in each of these months the said contracts were not filed into court by either side. Though it is contended by the petitioner-workman that he worked continuously from 3rd December, 1984 to 25th April, 1987, he did not file any documentary evidence for the periods from 25th December, 1984 to 31st March, 1985 and from 1st January, 1986 to 25th April, 1987. Exs. W5 and W6 are the photostat copies of the bills submitted by G. Gavaraiyah for the months of October and November, 1986 respectively, Ex. W7 is the photostat copy of the bill submitted by G. Pullaiyah for the month of February, 1987, Ex. W8 is the photostat copy of the bill submitted by G. Raju for the month of February, 1987 and Ex. W9 is the photostat copy of the bill submitted by L. Kasu on 13th May, 1987 for the period from 1st April, 1987 to 24th April, 1987. The contention of the petitioner that G. Gavaraiyah was his father and he was made to work in the name of his father and also in the names of G. Pullaiyah and Krishna in the pleadings. During the course of evidence of petitioner as W.W.1 deposed on this aspect that later on, though he continued to serve as sweeper they used to pay in the name of his father and he was asked to sign as Gavaraiyah that Exs. W5 and W6 are such bills for the months of October, 1986 and November, 1987, that during February, 1987 as per Ex. W7 he was asked to sign as 'G. Pullaiyah', that his signature was also obtained as G. Raju for February, 1987 itself as per Ex. W8 and that for the month of April, 1987 his name was mentioned to be one 'Kesu' as per Ex. W9. In the pleadings of his claims statement, the petitioner did not mention the names of G. Raju and Kasu as the persons in whose names he was made to work. It is improper to accept that the petitioner was made to sign on the two different bills with two different names viz., G. Pullaiyah and G. Raju for one and the same month i.e. February, 1987. It is contended by the petitioner in the pleadings that there are labour witnesses who saw the petitioner-workman continuously working during that period, but the petitioner did not choose to examine any of the workman to testify his statement that he worked continuously during the period subsequent to Ex. W4 i.e., from 1st January, 1986 to 25th April, 1987. As seen from the documentary evidence in Exs. W1 to W4, on which the petitioner placed much reliance to establish that he worked continuously under the respondent, it is clear that Exs. W1 to W4 are the contracts entered into between the petitioner and the respondent for the petitioner to work under the respondent for a specified period under each contract. So far as the period covered by Exs. W1 to W4 it is clearly established beyond doubt that the petitioner worked for specific periods on contract basis as mentioned in Exs. W1 to W4 and the job of the petitioner is terminated on the expiry of the contract period under each of the contracts under Exs. W1 to W4 and therefore the termination on the expiry of contract period cannot come under definition of retrenchment as defined under Section 2(oo) as per the provisions of Section 2(oo)(bb) of the Industrial Disputes Act. So in that view of the matter I am of opinion that the petitioner cannot claim that the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act are attracted in respect of the period covered by Exs. W1 to W4. With regard to the remaining period from 1st January, 1986 to 25th April, 1987 from which date the petitioner was disengaged even according to the case of the petitioner, there was no evidence brought on record that he was continuously engaged during that period. In view of the admissions made by the respondent, the petitioner worked during the months of July, August and September, 1986 and rendered the service for 26 days, 23 days and 26 days respectively in each of these months. Even if it is taken the entire month including Sundays and

Public Holidays if any during those three months i.e. July, August, and September, 1986 into consideration for the purpose of calculation of continuous service it would come to 92 days only and it is of no help to satisfy the contention of the petitioner that he worked for more than 240 days continuously within 12 months prior to the date of his termination from service. Even if 24 days from 1st April, 1986 to 25th April, 1987 is added to the above said 92 days it would come to 116 days only and it would also be no help to the petitioner to satisfy that he worked continuously for 240 days within a period of 12 months prior to the date of termination of his service. So under the facts and circumstances of the case and the evidence brought on record I am of opinion that the petitioner is not successful in establishing that he worked continuously for more than 240 days within a period of 12 months prior to the date of his termination from service or disengaging him to work as the case may be. It is contended by the learned counsel for the respondent that the petitioner was employed on contract basis for different periods from time to time, that it is evidence from Exs. W1 to W4 and Exs. M1 to M12 and that the petitioner's employment under each contract was expired by the end of the contract period and therefore there is no question of termination and that it does not come under the definition of retrenchment for the petitioner to claim that the provisions of Sec. 25-F should be complied with before terminating his services. In support of his contention, the learned counsel for the respondent cited a ruling in *K. Govardhan Reddy and others vs. The Assistant Engineer (Civil) Andhra Pradesh Dairy Development Co-operative Federation Limited R. R. District and Another (I)* wherein it was held :

'Held : In this matter the petitioners were engaged for a specific work which was over. Thereafter there is no work left for the petitioners to do in the respondent Dairy Development Co-operative Federation. Their appointment had been made subject to the specific condition that the term of employment was for the duration of the work of Mother Dairy. Under these circumstances their case is clearly governed by the provisions of Sec. 2(oo)(bb) of the Act and does not fall within the term 'retrenchment' as visualised under Section 2(oo) of the Act. In this view of the matter it cannot be said that the petitioner are entitled to a notice under Sec. 25-F of the Act before their services are terminated by the respondents.'

Relying on the above ruling the learned counsel for the respondent contended that the petitioner was appointed for specific period on different occasions from time to time as can be seen from Exs. W1 to W4 and that it is specifically stated in Exs. W1 to W4, that the contract will confirm no right on the petitioner to claim any employment in the department or other benefits whatsoever and that the petitioner now cannot claim that he is entitled for the benefits under Section 25-F of the Industrial Disputes Act, as the termination of the employment under the contracts is by afflux of time on the expiry of contract automatically and therefore it will not answer the definition of termination under Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act, in view of the provisions of Section 2(oo)(bb). In view of my foregoing discussion, I am of opinion that ruling cited by the learned counsel for the respondent is quite applicable to the facts of the case on hand.

7. It is contended by the learned counsel for the petitioner that the provisions of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 are applicable to the facts of this case and that there is no valid registration obtained by the respondent under Section 7 of the said Act and there is no valid licence obtained by the contractor as required under Section 12 of the said Act and therefore the petitioner is to be deemed that he is employed directly by the respondent and hence he is entitled for the relief of reinstatement, since he completed 240 days of service and the provisions of Section 25-F are not complied with before retrenching the petitioner from service by the respondent. Admittedly, the petitioner entered into contract with the respondent under Exs. W1 to W4 to work for a specific period as per the terms of the contract entered into. It is not the case of the petitioner that he was

employed by the contract and made to work under the respondent through the contractor for him to claim that the provisions of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 are applicable to his case. In view of my above discussion I hold that the provisions of Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 are not applicable to the facts of the present case on hand. The learned counsel for the petitioner submitted a ruling reported in 1990 Lab. I.C. Page 1968 (Gujarat High Court) on the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 which is not applicable to the facts of the case as stated by me earlier and therefore the said ruling cited by the learned counsel for the petitioner is no help to the petitioner's case. So in view of my above discussion, I answer the point accordingly, holding that the petitioner is not entitled for any relief, in this case.

8. In the result, an award is passed holding that the petitioner is not entitled for any relief in this case. There will be no order as to costs under the circumstances of the case.

Dictated to the steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of December, 1991.

G. KRISHNA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-30012/6/88-D.II(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### Appendix of Evidence

Witness examined on behalf of the petitioner—W.W.1  
G. Appa Rao.

Witness examined on behalf of the respondent—M.W.1  
M. Rammohan Rao.

#### Documents marked for the petitioner

- Ex. W1/3-12-84—Photostat copy of the contract No. 2(45)/84-Tpt. (Dow) dated 3rd December, 1984 with regard to G. Appa Rao.
- Ex. W2/1-4-85—Photostat copy of the contract No. 2(45)/84-85/Tpt. (Dow) dated 1st April, 1985 with regard to G. Appa Rao.
- Ex. W3/1-7-85—Photostat copy of the contract No. 2(45)/84-85/Tpt. (Dow) dated 1st July, 1985 with regard to G. Appa Rao.
- Ex. W4/1-10-85—Photostat copy of the contract No. 2(45)/84-85/Tpt. (Dow) dated 1st October, 1985 with regard to G. Appa Rao.
- Ex. W5/October, 1986—Photostat copy of the bill for keeping jobs engaged in Dowlaswaram for the month of October, 1986.
- Ex. W6/-11-86—Photostat copy of the Bill for House keeping jobs engaged in the Dowlaswaram complex for the month of November, 1986.
- Ex. W7/-2-87—Photostat copy of the bill for house keeping jobs engaged in Dowlaswaram for the month of February, 1987.
- Ex. W8/-2-87—Photostat copy of the Bill for House keeping jobs engaged in Dowlaswaram for the month of February, 1987.
- Ex. W9—Photostat copy of the Bill for House keeping jobs.
- Ex. W10/17-8-88—Photostat copy of the representation dated 17th August, 1988 of G. Appa Rao to the Chief Labour Commissioner, New Delhi.
- Ex. W11/29-1-88—Photostat copy of the minutes of conciliation proceedings received on 29th January, 1988.

#### Documents marked for the Management

- Ex. M1/-3-85—Photostat copy of the bill for the month of March, 1985 pertaining to G. Appa Rao.
- Ex. M2/-4-85—Photostat copy of the bill particulars of G. Appa Rao for Rs. 276 paid in the month of April, 1985.
- Ex. M3/-5-85—Photostat copy of the bill for the month of May, 1985 pertaining to G. Appa Rao.

Ex. M4/-6-85—Photostat copy of the bill particulars of G. Appa Rao for Rs. 312 paid in the month of June, 1985.

Ex. M5/-6-85—Photostat copy of the bill for the month of June, 1985 pertaining to G. Appa Rao.

Ex. M6/-7-85—Photostat copy of the bill particulars of G. Appa Rao for Rs. 276 paid in the month of July, 1985.

Ex. M7/-7-85—Photostat copy of the bill for the month of July, 1985 pertaining to G. Appa Rao.

Ex. M8/-8-85—Photostat copy of the bill particulars of G. Appa Rao for Rs. 312 paid in the month of August, 1985.

Ex. M9/-9-85—Photostat copy of the bill for the month of September, 1985 pertaining to G. Appa Rao.

Ex. M10/-10-85—Photostat copy of the bill particulars of G. Appa Rao for Rs. 276 paid in the month of October, 1985.

Ex. M11/-10-85—Photostat copy of the bill for the month of October, 1985 pertaining to G. Appa Rao.

Ex. M12/-11-85—Photostat copy of the bill particulars of G. Appa Rao for Rs. 288 paid in the month of November, 1985.

Sd/-

Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1992

का.आ. 484.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ट्रावन्कोर टिटैनियम प्रोडक्ट्स लि. विवेन्द्रम के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट श्रीयोगिक विवाद में श्रीयोगिक अधिकरण, कोल्लम के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल 29012/15/89—आई. आर. (विलिख)]  
वी. एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th January, 1992

S.O. 484.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Kollam as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Travancore Titanium Products Ltd. Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on 10-1-1992.

#### ANNEXURE

IN THE COURT OF INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM  
(Dated this the 18th day of December, 1991)

PRESENT :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal.

IN

Industrial Dispute No. 69/89

#### BETWEEN

The Managing Director, Travancore Titanium Products Ltd., Reg. Office: Trivandrum-695021.

(By S/Shri G. Krishna Nair and R. Somanathan, Advocates)

## AND

Shri C. Antony, W/No. 1096, Thyvilakom House,  
Valiaveli, Trivandrum-695021.

(By Sri B. Balakrishna Menon, Advocate)

## AWARD

The Government of India as per Order No. L-29012/15/89-IR (Misc.) dated 26-7-1989, have referred this Industrial Dispute for adjudicating the following issue :

"Whether the action on the part of the management of M/s. Tranvancore Titanium Products Ltd. Trivandrum in dismissing the services of Sri C. Antony, Plant Worker with effect from 27-2-1987 is legal and justifiable. If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The workman Sri Antony has filed a detailed claim statement and the contentions are briefly as under :

The workman entered the service of Management company in the year 1971 as a canteen boy. Subsequently he was absorbed as a work assistant in the plant from 1974 and he was discharging his duties and responsibilities to the satisfaction of the management. During the year 1985 he was not able to attend for work for 127½ days due to circumstances beyond his control such as mental as well as physical sickness. The management without conducting a proper enquiry dismissed the workman from service as per order dated 27-2-1987. It was on the basis of an improper, irregular and illegal enquiry. The workman was charge sheeted for absenting from duty and he gave explanation to the management. But the management appointed Assistant Manager (Administration) as enquiry officer. The enquiry officer conducted a farse of an enquiry and the workman was straight away asked about the charges and questioned him without letting in evidence on behalf of the management and affording an opportunity to the workman. The workman explained the reasons for his absence and also expressed his hardship to work for the third shift continuously which forced him to take leave. He had sent Medical Certificates also along with leave letters but the management did not sanction leave. The enquiry officer concluded the enquiry proceedings on the assumption that the workman had accepted the charges. The enquiry officer thus committed a grave error. The enquiry was not conducted in compliance with principles of natural justice. The workman was not given opportunity to defend the charges. The findings of the enquiry officer are nothing but perverse. The procedure to be followed in the enquiry was never explained to the workman. The enquiry is therefore vitiated. The management did not produce relevant records relied upon by the enquiry officer in his findings. The documents were not given to the workman. The attendance register neither produced nor marked in the enquiry. The management wilfully suppressed medical documents. Clause 13(b) of the standing orders will not apply in the case of the workman because he had sent leave letters along with the medical certificates. The workman has put in 16 years of unblemished records of service with the management which was not taken into account for awarding severe punishment of dismissal. According to the workman the enquiry findings is liable to be set aside and he is entitled to be reinstated in service.

3. The management oppose the claim of the workman. The case pleaded by the management is briefly as under :

The workman was charge sheeted on 24-3-1986 for unauthorised absence from duty without sanction of leave for 127½ days during the year 1985. Since he had not offered any explanation to the charge sheet, an enquiry was ordered which fact was intimated to him. The workman fully participated in the enquiry and on the basis of the materials available at the enquiry and evidence on record, the

enquiry officer came to the conclusion that the workman is guilty of the charge levelled against him. The workman was guilty of the charge under standing order No. 13(6) i.e. Habitual absence without leave. On the basis of the enquiry findings the management was satisfied that the guilt is established against the workman. He was a habitual absentee in the past also for several days. The management has stated the details of absence in the written statement. On the basis of the enquiry findings show cause notice was given to the workman to show cause why punishment of dismissal should not be imposed on him and he has replied stating that he was absent for 127½ days due to illness and nothing more was stated. After due consideration of the explanation the punishment of dismissal was imposed. The action of management is legal and proper and do not suffer from any infirmity recognised by law. A fair and proper enquiry has been conducted and the punishment was awarded properly. This Tribunal has granted approval for the dismissal on the application filed by management under Section 33(2) (b) of the Industrial Disputes Act. Principles of natural justice has not been violated by the enquiry officer and sufficient opportunity has been afforded to the workman to defend the charges. The management denies all other allegations made by the workman. According to the management the workman was dismissed on the basis of a proper and valid enquiry and he is not entitled to any relief.

4. The workman has filed a replication denying the case pleaded by the management and reaffirming his contentions. It is further stated that the management failed to consider the medical certificates produced by him and the medical reimbursement made by the management has been suppressed before this Tribunal. The personal department of the management was pleased to drop the proceedings against all workers whose unauthorised absence was up to 100 days. The workman has exceeded only 27½ days for which dismissal from service is too much of punishment. According to the workman there are workmen with still larger number of absenteeism who are even now permitted to continue. It is also stated that the management has canvassed extraneous matter with ulterior motive for dismissing the workman.

5. The workman examined himself as WW-1 and one Dr. Balakrishnan was examined as WW-2 in support of the case of the workman. Exts. W-1 to W-4 have also been marked on his side. The section officer of the management was examined as MW-1 and senior time keeper was examined as MW-2. Exts. M-1 to M-15 have also been marked on the side of the management.

6. The workman was dismissed from service for unauthorised absence on the basis of domestic enquiry finding. The validity of the domestic enquiry was considered as a preliminary issue by this Tribunal and as per order dated 19-6-1990 this Tribunal found that there was no proper and valid enquiry. Accordingly the management was permitted to adduce fresh evidence to prove the charge of unauthorised absence alleged against the workman. The workman also gave evidence.

7. The absence of 127½ days from the company is not in dispute. But according to the workman he has applied for leave with medical certificate but the concerned officials of management did not account leave properly and that resulted in his dismissal. The further case of the workman is that he never absented unauthorisedly. The section officer of Finance Department of the management was examined as MW-1 and he has proved Exts. M-1 to M-14 documents. MW-1 has deposed that the workman absented unauthorisedly for 127½ days during 1985 but applied for 52 days leave which was not granted since he was not legally eligible. He has further deposed that the workman has not applied for leave for the balance 75½ days. Since the workman was a covered under the Employees State Insurance Scheme during that time, Employees State Insurance medical certificate was to be produced. But the workman failed to produce any such certificate. Ext. M-5 is the leave register and Ext. M-5-A is copy of page Nos. 154 and 155 of Ext. M-5. Ext. M-5-A shows that the workman had

not applied for leave for the disputed days. Ext. M-6 is a statement showing leave and leave application details which also shows that he never applied for leave for these days. Ext. M-7 series are punch cards which are to be punched at the time of reporting for duty. These cards also reveal that the workman absented for the days in dispute. Ext. M-8 series statements prove that the workman was punished for unauthorised absence for 91 days in 1984. MW-2 is the Senior Time Keeper in the Time office of management. This witness has proved Ext. M-15 series Attendance Registers. MW-2 had deposed that the workman absented from duty for 127½ days as per the records of the company and not applied for leave stating necessary reasons. The contention of the workman is that the documents produced by the management are fabricated for the purpose of this case and they are not genuine documents. It is true that certain days leave are not recorded in Ext. M-5 leave register. Such stray omissions will not come to the rescue of the workman because the absence is for 127½ days. But all the days of leave and absence and other details are clearly recorded in Ext. M-15 series. Attendance registers. No irregularity has been pointed out in these Attendance registers. So the omissions in Ext. M-5 leave register cannot support the argument of the learned counsel for the workman that the entries in leave register and other documents are not tallying and therefore these are fabricated documents. Though the workman has a contention that his leave was not properly accounted by the officers in the personnel department. The reason stated by him is as below :

"Aware kanenda reethiyil kandalea leave account-il kollik-kukayullu". But no attempt has been made to substitute this allegation. While giving evidence as WW-1 the workman has given only a vague statement. In support of the above contention it was pointed out that M/s. Abraham and Jacob working in the personnel department of the company were suspended for fabricating their attendance particulars. But it has come out in evidence through MW-1 that the above mentioned persons were suspended for falsely recording as excess time worked and not for fabricating attendance particulars. There is no contra evidence as well to prove the allegation of the workman. It is also specific to note that the workman never complained to any of the officers of the company regarding such improper accounting of leave. So the present contention can be considered only as an after thought to escape from his unauthorised absence without applying for leave. In these circumstances I do not find any reason to disbelieve the statement of MWs-1 and 2 and the documents proved by these witnesses. The evidence of management clearly establish that the workman absented from work unauthorisedly for 127½ days. I have therefore no hesitation to hold that the workman absented from duty for 127½ days unauthorisedly as contended by the management.

8. The case of the workman is that due to physical and mental reasons he could not attend his work in the year 1985 and applied for leave with medical certificate. He has got produced even a single copy of any of such leave application. He has examined one retired Doctor Sri Balakrishnan as WW-2 to prove that he was under treatment of that Doctor for mental depression and therefore could not attend his work. WW-2 has proved Ext. W-2 series medical certificates stated to be issued by him. These are photocopies. Out of the five certificates the registration number of the medical officer is stated only in two certificates. In none of these certificates the seal of the Director or the hospital is affixed. No supporting documents are also produced from the hospital where WW-2 was attached in 1985. The above aspects make me doubt the genuineness of these certificates and the deposition of WW-2. Particularly in the absence of any other supporting convincing evidence. Further there is nothing on record to show that originals of these certificates were produced in the company along with leave letters stating his illness. MW-1 has deposed that the leave applied for 52 days was rejected because the workman was not eligible for leave. It is not proved otherwise. So even if the medical certificates in question are considered to be genuine and produced before the management that will not help the workman because he was not eligible for the leave applied for by him. According to the workman he absented from work because of his mental depression due to the death of his wife, two sisters, uncle and his brother-in-law and also that he had to look after his children and his aged parents.

226 GI/92-25.

MW-1 has categorically denied that these reasons were never informed to the company for the absence. There is no contra evidence also to support the above pleading of the workman. It is also notworthy that the workman has not stated the above reasons for his absence in his reply Ext. M-10 submitted to the management in reply to Ext. M-9 show cause notice. In Ext. M-10 he has stated that he absented because of his illness only. So the above contention can be considered only as an after thought. The workman has a further contention that other workers having more absence than him are still continuing in the company. But the details of leave of such workers are not before this Court. No attempt has been made to establish that contention. It is also not known under what circumstances the management had allowed such workman to continue in the company. Reliance was also placed by the workman on Ext. W-1 circular of management in this regard. Ext. W-1 is regarding condonation of absence of certain workers who had absented upto 100 days. Here the workman absented for 127½ days and Ext. W-1 circular cannot therefore help the workman for his unauthorised absence. So these contentions cannot be accepted and will not therefore come to the rescue of the workman. The workman thus failed to establish his contentions and to controvert the convincing and reliable evidence of management proving that he unauthorisedly absented for 127½ days. He is therefore not entitled to any relief.

9. In the result, an award is passed holding that the dismissal of the workman Sri Antony from the service of management is legal and justifiable. The workman is therefore not entitled to any relief.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

[No. L-29012/15/89-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### APPENDIX

Witnesses examined on the side of the Management

MW-1—Sri R. Vijaya Kumar.

MW-2—Sri C. Vijaya Kumar.

Witnesses examined on the side of the Workman

WW-1—Sri C. Antony.

WW-2—Dr. R. Balakrishnan.

Documents marked on the side of the Management

Ext. M-1—Standing orders of the Management Company.

Ext. M-2—Photocopy of charge sheet issued to Sri Antony from the management on 24-3-1986.

Ext. M-3—Photocopy of memo issued to Sri Antony from the management dated 14-5-1986.

Ext. M-4—Sample leave application form.

Ext. M-5—Leave register.

Ext. M-5A—Photocopy of pages 154 and 155 of Ext. M-5.

Ext. M-6—Statement regarding absenteeism of Sri Antony for the period from 1-1-1985 to 31-3-1985.

Ext. M-7—Series (11 Nos.) Punch cards.

Ext. M-8—Series (5 Nos.) Photocopies of statements regarding previous punishment awarded to Sri Antony.

Ext. M-9—Photocopy of show cause notice issued to Sri Antony from the management on 24-12-1986.

Ext. M-10—Reply letter of Sri Antony to Ext. M-9 show cause notice.

Ext. M-11—Photocopy of dismissal order dated 27-2-1987.

Ext. M-12—Petition submitted to the management by the wife of Sri Antony dated 6-3-1987.

Ext. M-13—Petition dated 16-3-1987 submitted to the Minister for Industries by Sri Antony and directed to the management from the office of the Minister.  
Ext. M-14—Enquiry proceedings.

Ext. M-15—Series (12 Nos.) Attendance registers for the year 1985.

Documents marked on the side of the Workman

Ext. W-1—Photocopy of circular issued by the management on 15-7-1987 regarding absenteeism.

Ext. W-2—Series (5 Nos.) Photocopies of medical certificates.

Ext. W-3—Personal data card of Sri Antony.

Ext. W-4—Series (7 Nos.) Sports certificates

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

क्र.आ. 485.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स बी. सी. सी. एल. की बरारी कोलियरी के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (स. 1) धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[फा.सं. एन 20012/69/90—आई.आर. (कोल I)]  
के.जे. देव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th January, 1992

S.O. 485.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. B.C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on the 14-1-92.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 217 of 1990.

Parties :

Employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. B.C.C.L.

AND

Their Workmen.

Appearances :

For the Employers —Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen.—Shri U. K. Sharma, Branch Secretary, Janta Mazdoor Sangh. (But not on the final date of hearing).

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated. the 26th December, 1991.

#### AWARD

By Order No. I-20012(69)/90-I.R. (Coal-I), dated the 19th September, 1990, the Central Government in the Ministry of

Labour, has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Bararee Colliery of Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C.L. Dhanbad in not providing employment to Shri Sailendra Kumar, dependent son of late Hari Prasad, as per provision 10-4-2 of the NCWA-II is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

The case of the management of Bararee Colliery of M/s. B.C.C. Ltd., as disclosed in the written statement-cum-rejoinder, details apart, is as follows :

The present reference is not legally maintainable. No industrial dispute can be raised on behalf of an ex-workman after his death. Similarly, no industrial dispute on behalf of the person who is not a workman can be raised. Hari Prasad was a workman of Bararee colliery. He died in the year 1978. During the period prior to 31-12-78 there was a provision in NCWA to provide employment to a dependent of a workman who died while in service. NCWA-II came into force with effect from 1-1-79 which contained a provision for employment of a dependent of a workman who died while in service. Sailendra Kumar, the concerned workman, took advantage of NCWA-II and manufactured a document purported to have been issued by the Hospital of Joalgora colliery indicating the date of death of his father as 14-5-79 and he claimed for his employment as a dependent son. Form ‘B’ Register of the management indicated that Hari Prasad died in 1978. The death certificate appears to have been issued on 13-5-87 indicating the date of death of Hari Prasad on 14-5-79. The records of the hospital were called for to find out the entry in the hospital register regarding the death of Hari Prasad. The record of the hospital indicates that there was no such entry relating to death of Hari Prasad on 14-5-79. The certificate is found to be fabricated and hence the claim of Sailendra Kumar is not sustainable.

3. The case of the concerned person, as disclosed in the written statement submitted on his behalf by the Branch Secretary, Janta Mazdoor Sangh, Branch Bararee Colliery, briefly stated, is as follows :

Sailendra Kumar is the dependent son of late Hari Prasad, a workman of Bararee Colliery who died on 14-5-79 while in service. After the death of his father, Sailendra Kumar approached the management for employment under the provisions of NCWA-II and after proper verification and scrutiny and completion of all the procedural formalities, the management issued letter of appointment to him as Minor/Loader on 21-3-87 and he was posted at Bhowra South Colliery. He reported for joining his duty at Bhowra South Colliery immediately after receiving the said letter but he was not allowed to join either at Bhowra South Colliery or at any other place either on 21-3-87 or thereafter though he used to report daily at Bhowra South Colliery from 21-3-87. As the management did not listen to him and allow him to join his duty, the present industrial dispute was raised. The death of Hari Prasad took place on 14-5-79 and there is a death certificate duly granted by the Medical Officer, Jealgora Central Hospital of M/s. B.C.C. Ltd. The management is not justified in refusing employment to him.

4. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has reiterated that Hari Prasad died in 1978 and not in 1979. The management has stated that after the death of Hari Prasad, Sailendra Kumar approached the local management in 1986 for his employment as dependent son of Hari Prasad claiming that his father died in 1979. The local management accepted his false representation and prepared a temporary appointment letter in his favour subject to verification. On verification it was observed that



late Hari Prasad died in 1978 and not in 1979 as claimed by Sailendra Kumar. Hence, employment to him was not given.

5. None of the parties arrayed has adduced any evidence, oral or documentary.

6. Admittedly, Hari Prasad was a workman of Bararee Colliery, Sailendra Kumar, the concerned person, is claiming employment for him as dependent son of his deceased father Hari Prasad and according to him, Hari Prasad died on 14-5-79 and certificate to that effect was issued by the Medical Officer, Jealgora Central Hospital of M/s. B.C.C. Ltd. It is the firm contention of the management that Hari Prasad died in 1978 and not on 14-5-79 and that the certificate issued by the Jealgora Central Hospital is not a genuine one and as per Form 'B' Register Hari Prasad died in 1978.

7. There was no provision for employment of a dependent of a workman who died while in service in NCWA-I which came into force with effect from 1-1-74 and lasted till 31-12-78. NCWA-II came into force with effect from 1-1-79 and lasted till 31-12-82. In NCWA-II there is provision for employment of a dependent of a workman who dies while in service. Hence, the crux of the matter is whether Hari Prasad died in 1978 as claimed by the management or on 14-5-79 as claimed by the concerned person, Sailendra Kumar. The death certificate of Hari Prasad issued by the Medical Officer, Jealgora Central Hospital of M/s. BCCL disclosing the death of Hari Prasad on 14-5-79 has not been produced. It has been asserted by the management that this certificate has not been found to be a genuine one on verification. In the circumstances the concerned person should have produced the death certificate and examined the hospital authority to prove the authenticity of the certificate. That not having been done, I am constrained to state that the concerned workman has failed to establish that Hari Prasad died on 14-5-79. That apart, he is required to establish his identity as the son of late Hari Prasad. That has not been also done. In the circumstances, I am constrained to hold that the claim of the concerned person, Sailendra Kumar, for employment as dependent son of late Hari Prasad is not sustainable. It follows, therefore, that the action of the management of Bararee Colliery of Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd. in not providing employment to Sailendra Kumar as dependent son of late Hari Prasad, is justified.

8. Accordingly, the following award is rendered—the action of the management of Bararee Colliery of Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd. in not providing employment to Sailendra Kumar, dependent son of late Hari Prasad is justified.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. 1-20012/69/90-IR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

का. आ. 486.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स बी. सी. सी. एल. की बरोरा कोलियरी के प्रबंधन में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (स. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[फा सं० एल-20012/192/83-डी 3(ए) आई आर(कोल I)  
के० जे० देव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th January, 1992

S.O. 486.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure

in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Barora Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on the 14-1-92.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 27 of 1988.

Parties :

Employers in relation to the management of Barora Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

Present :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

Appearances :

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dated, the 27th December, 1991

#### AWARD

By Order No. L-20012(192)/83-D.III(A), dated, the 19th/20th December, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the management of Barora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad are justified in superannuating their workman Sri Ojha Mahato, Trammer, on and from 3rd May, 1983 ? If not, to what relief is this workman entitled?”

2. The case of the management of Barora Colliery of M/s. B.C.C. Ltd., Dhanbad, as disclosed in the written statement, details apart, is as follows :—

The present reference is not legally maintainable. The age/date of birth of the concerned workman has been recorded as 3-5-1923 in the statutory Form 'B' Register. His date of birth was also assessed by the Medical Board and approximate age was determined. He was superannuated with effect from 4-5-1983 after attaining the age of superannuation which is 60 years. Form 'B' register is statutory document maintained under Section 48 of the Mines Act, 1952. The concerned workman authenticated the entries after fully understanding the contents written therein, he cannot now challenged the entries in the said register. He was provided with an Identity Card which is a copy of the Identity Card Register. He authenticated the said register in token of his having accepted the entries made therein. The medical examination report has also been authenticated by him in token of his having accepted of the correctness of the entries made therein. It has been alleged that after superannuation the concerned workman has raised the present industrial dispute at the instigation of some interested persons which is nothing but gambling in litigation. In the circumstances, the management has prayed that an award be passed holding that the concerned workman is not entitled to any relief.

3 The case of the concerned workman, as appearing in the

written statement submitted on his behalf by the sponsoring union, Bihar Colliery Kamgar Union, briefly stated, is as follows :

The concerned workman, Ojha Mahato, had been working as permanent trimmer since long with unblemished record of service. He was an active member of Bihar Colliery Kamgar Union. The management illegally and arbitrarily superannuated him with effect from 3-5-83. His actual date of birth was 11-3-86. In the Form 'B' Register maintained by the erstwhile employer his date of birth was recorded as 11-3-36. In the Form 'A' Register maintained as per Provident Fund Act in the office of the Coal Mines Provident Fund Office, the date of his birth was recorded as 11-3-36. The management illegally and arbitrarily changed his date of birth on the pretext of the report of the so-called Medical Board and ultimately terminated his service with effect from 3-5-83. He represented before the management several times against the illegal and arbitrary act of superannuation but without any effect. Seeing the adamant attitude of the management, the union raised an industrial dispute before the Asstt. Labour Commissioner (C), Dhanbad, which ended in a failure due to recalcitrant attitude of the management. In the circumstances, the appropriate Government has referred the dispute for adjudication by this Tribunal. The union has stated that the concerned workman prays that the reference be answered in his favour by awarding his reinstatement in service with full back wages.

4. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has denied the contentions of the union about the age of the concerned workman and contended that large scale manipulations and fabrication of documents maintained in the C.M.P.F. office were carried on by interested parties in connivance with the staff of the C.M.P.F. office and C.M.P.F. Commissioner advised the management not to rely on the records of C.M.P.F. for age verification. The management must rely on the statutory documents under the Mines Act for verification of the age.

5. In support of its action, the management examined two witnesses, namely, MW-1 Dr. Jagdish Prasad, Medical Officer and MW-2 M. K. Singh, staff working in Barora Colliery and laid in evidence medical report and Form 'B' register which were exhibited as Exts. M-1, and M-1/1 and M-2 respectively.

On the other hand, the concerned workman examined himself but laid no documentary evidence.

6. Upon consideration of evidence on record an award was passed on 24-10-88 holding that the action of the management in superannuating Ojha Mahato, Trimmer, with effect from 3-5-83 was not justified and the management was directed to re-instate him in service and to pay him back wages from 3-5-83 till he resumed his duty for which he was to report within one month from the date of publication of the award. It was also held that the management was, however, at liberty to retire him from service after determination of his age by holding an enquiry which included his examination by a competent Medical Board. Being aggrieved, the management took up the matter before Hon'ble Patna High Court, Ranchi Bench, and the Hon'ble Court was pleased to quash the award and directed as follows :

"In the circumstances, we allow this application and quash the award as contained in annexure-5, with a direction to respondent no. 1 to constitute and refer the case of Ojha Mahato to a Medical Board of medical expert consisting more than one member or one member. The Board after giving opportunities to the parties shall record its opinion with regard to the date of birth of Ojha Mahato.

On the basis of the report of the Medical Board and on the basis of other materials already on the record or that may be brought on record, the respondent no. 1 shall dispose of the matter. The cost of the Board shall be borne out by the petitioner.

Since the question of reinstatement of a workman is

involved in this application, the respondent no. 1 shall dispose of the matter expeditiously preferably within six months from to-day."

7. Certified copy of the order of the Hon'ble Court was made available to this Tribunal by the sponsoring union with a prayer for constitution of Medical Board as per direction of Hon'ble Court. In the circumstances, the Civil Surgeon, Dhanbad was requested to constitute a Medical Board of his choice consisting of one member or more than one members for determination of age of the concerned workman. Necessary intimations were sent to the management and to the sponsoring union. The Medical Board consisting of Civil Surgeon-cum-Chief Medical Officer, Dhanbad as Chairman and Prof. & H.O.D. (Surgery) and Prof. & H.O.B. (Medicine) as members, held the medical examination of the concerned workman for determination of his age on 25-10-91 and the Civil Surgeon-cum-Chief Medical Officer, Dhanbad, as Chairman of the Medical Board, sent the report of the Medical Board to this Tribunal alongwith forwarding letter which was received in the office of this Tribunal on 29-10-91 (Ext. W-1). Thereafter the matter was heard on 18-12-91. The management did not adduce any evidence, oral or documentary. The medical report submitted by the Medical Board was marked as Ext. W-1 on formal proof being dispensed with. Admittedly, the management held the medical examination of the concerned workman for determination of his age way back on 1-3-77 (Exts. M-1 and M-1/1). As per this medical report the age of the concerned workman was determined as 54 years as on 1-3-77. The evidence on MW-1, Dr. Jagdish Prasad who is one of the two doctors who examined the concerned workman medically for determination of age, discloses that the report of the medical examination held by the management does not mention the basis on which the age of the concerned workman was determined. He has admitted in cross-examination that by examining the 3rd molar teeth the age of a person can be determined approximately, but he does not remember whether he examined the molar teeth of the concerned workman. He has also admitted that he does not know whether by ossification of pelvic bone, the age of a person between 20 to 80 years can be determined. He has asserted that the concerned workman declared his age as 40 years on the date of medical examination, but the clinical examination did not favour the case of the concerned workman with regard to the age disclosed by him. He has also admitted that the report does not mention that any clinical examination was held at all. In the circumstances, I have no hesitation to hold that the age of the concerned workman was not determined by the Board constituted by the management scientifically and hence it cannot be accepted.

8. Form 'B' Register (Ext. M-2), admittedly, was prepared on the basis of this medical report. Form 'B' Register maintained by the erstwhile employer has not been produced although the present management is legally the custodian of such register. Anyway, when the report of the Medical Board constituted by the management is not reliable, it follows, therefore, that the age of the concerned workman as recorded in the Form 'B' register prepared by the present management on the basis of the report of the Medical Board is not also dependable.

9. After the order of the Hon'ble Court, the Medical Board consisting of the Civil Surgeon and two other Prof. members has determined the age of the concerned workman as about 57 years, as on 25-10-91. There is no assertion that the report of this Medical Board is unscientific and undependable. This being the position, I am constrained to accept the age as determined by this Medical Board and held that the age of the concerned workman was 57 years as on 25-10-91.

Since, a workman of M/s. B.C.C. Ltd., admittedly, reaches the age of superannuation on completion of 50 years of age, the concerned workman has got a few years more to reach the age of superannuation. Hence, the management was not justified in superannuating him from service with effect from 3-5-83. It follows, therefore, that the concerned workman should be re-instated in service immediately and paid full back wages from the date he was superannuated from service till he resumes his duty.

10. Accordingly, the following award is rendered the management of Barora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal



Limited, Post Office Nawagarh, Dist. Dhanbad, is not justified in superannuating Ujha Mahato, Trammer, from service on and from 3-5-1983. The management is directed to re-instate him in service and to pay him full back wages with effect from the date of superannuation i.e. 3-5-1983 till he resumes his duty within one month from the date of publication of the award. The concerned workman is directed to report for duty within one month from the date of publication of the award.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20012/192/83-D.II(A)/IR(Coal-I)]

नई दिल्ली, 15 जनवरी 1992

का.ग्रा. 487.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भैरम बी. सी. सी. एल. की लोदना कोक प्लांट के लोदना क्षेत्र के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कामकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. I), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-1-92 का प्राप्त हुआ था।

[फा. सं. एल—2001/2/275/89-आई. आर. (कोल-I)]  
क. जे. दैव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th January, 1992

S.O. 487.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. I), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Lodna Coke Plant of Lodna Area M/s. BCCL and their workmen which was received by the Central Government on the 14-1-1992.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 101 of 1990.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Lodna Coke Plant of Lodna Area of M/S. BCCL.

#### AND

Their Workmen

#### PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri D. K. Dey, Organising Secretary, Colliery Karmachari Sangh.

STATE : Bihar, INDUSTRY : Coal.

Dated, the 31st December, 1991.

#### AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012/275/89-I. R. (Coal-I), dated, 24-4-1990 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :

"Whether the action of the management of Lodna Coke Plant, M/S. BCCL, P. O. Lodna, Dist. Dhanbad in not providing employment Shri Bishundeo Dusadh dependent son of late Doman Dusadh of Lodna Coke Plant is justified? If not, to what relief the workman is entitled for?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and pass an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer.

[No. L-20012/275/89-IR (Coal-I)]

L. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
NO. I, AT DHANBAD

Reference No. 101/90.

Employers in relation to the management of Lodna Coke Plant of Lodna Area.

#### AND

Their Workmen.

#### PETITION OF COMPROMISE

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the above dispute has been amicably settled between the parties on the following terms :—

#### Terms of Settlement

- (a) That the management will provide employment as Badli Miner/Loader to one of the dependant sons of Late Doman Dusadh who will fulfil all the conditions of clauses 9.4.2(i) of NCWA-IV.
- (b) That Shri Bishundeo Dusadh who has made his demand for his employment as dependant son of Late Doman Dusadh, will be required to file all the documents as regards his proper identification, certificate of age and physical fitness which will be verified by the management as regards genuinity his physical fitness and age as per usual procedure.
- (c) That after establishing genuinity of relationship Shri Bishundeo Dusadh will be provided the job of 'Badli' Miner/Loader if he will be found less than 35 years of age and physically fit to perform the job of Miner/Loaders. In case he will fail to establish regarding his genuinity as son of Late Doman Dusadh or will be physically unfit and 35 years of age, he will not have any right to claim for employment. The decision of the management will be final and Shri Bishundeo Dusadh will be debarred for raising any future dispute.
- (d) That in case Shri Bishundeo Dusadh is not selected on any of the grounds mentioned above, the other sons of Late Doman Dusadh may apply for their employment as 'Badli' Miner/Loader alongwith all relevant prescribed documents as per clause 9.4.2 of NCWA-IV and the management will select one of them fulfilling all the conditions of clause 9.4.2 of NCWA-IV after examining physical fitness.
- (e) That in case no one of the dependant sons of Late Doman Dusadh will fulfil the conditions of clause

9.4.2 of NCWA-IV and was consequently not selected, no future dispute will be raised on this account. The decision of the management will be accepted as final in this matter.

2. That in view of the above settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

#### FOR THE WORKMEN

1. D. K. DEY, Organising Secretary,  
Dhanbad Colliery Karmchhari Sangh.
2. N. K. SINHA, President,  
Dhanbad Colliery Karmchhari Sangh.

#### WITNESSES :

1. Sd./- (Illegible).
2. Sd./- (Illegible).

#### FOR THE EMPLOYERS

1. V. K. SINGH, Dy. Chief Mining Engineer,  
Lodna Colliery.
2. V. R. JOSHI, Dy. Chief Personnel Manager,  
Lodna Area.
3. S. K. GHOSH, Personnel Manager (I.R.),  
Lodna Area.

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

का.प्रा. 488.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सी. सी. एल. की करकट्टा कॉलियरी/प्रोजेक्ट के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[फा. सं. ए/ल 20012/122/88-डी-4(ए)/आई.आर. (कोल-I)  
के. जे. देव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th January, 1992

S.O. 488.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Karnataka Colliery/Project of M/s. C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on the 14-1-1992.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 76 of 1989

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Karkatta Colliery/Project of Central Coalfields Ltd., North Karanpura Area.

AND

Their Workman.

#### PRESENT:

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : Shri J. P. Singh, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 31st December, 1991

#### AWARD

By Order No. L-20012(122)/88-D.4(A)/I.R. (Coal-I), dated, the 14th June, 1989, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Karkatta Colliery of Central Coalfields Ltd. in not considering the date of birth as recorded in the Army Discharge Certificate (2-12-1935) and superannuating Shri Bhuneshwar Singh, Head Security Guard w.e.f. 2nd August, 1988 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the management of Karkatta Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd., as disclosed in the written statement-cum-rejoinder, details apart, is as follows:

The reference is bad in law and not maintainable. Shri Bhuneshwar Singh, the concerned workman, was initially appointed with effect from 5-8-64 as Watchman in the Central Workshop at Barkakana of the erstwhile National Coal Development Corporation, which was renamed as Central Coalfields Ltd. with effect from 1-11-1975. National Coal Development Corporation had a system of maintaining the Service Books/Registers of their workmen. The first page of the Service Book/Register indicates the date of appointment, date of birth and other personal details of the workman concerned. The concerned workman declared his date of birth for the purpose of entry in the Service Book/Register as 2-8-1928 which was duly attested by him by affixing his L.T.I. and signature. In due course he was promoted to the post of Armed Guard with effect from 8-4-1974 and later to the post of Head Security Guard with effect from 14-12-82. His services were transferred from one Unit/Establishment to another of the company from time to time. The age of superannuation for the workman of the company/management is 60 years. He was issued due notice by the management for his superannuation in 1987 by way of advance information. During the year 1987 following the decisions taken by the Joint Bipartite Committee for the Coal Industry, the employees of M/s. Central Coalfields Ltd. which is subsidiary of Coal India, were issued excerpts in 1987, which, among other things, indicated their date of birth as recorded in the service records of the employees for confirmation by the employees. Such an excerpt was issued in August, 1987 to the concerned workman. He claimed at that time that his date of birth recorded in the Service Book sheet i.e. 2-8-28 was wrong and it should be corrected as 2-8-35 based on his purported Army Discharge Certificate. The Area Management of North Karanpura Area in which he was working at that time took a decision keeping in view of the Implementation Instruction No. 76 dated 25-4-88 of JBCCI that the date of birth recorded in the Service sheet of the workman concerned be recorded as 2-12-35. Subsequently, however, the order issued in this respect was superseded by a subsequent order dated 29-7-88 and the concerned workman was informed that his date of birth would be treated as 2-8-28 as originally recorded in the Service Register and that he would be retired from service with effect from 2-8-88. The Area Management made a mistake in applying item No. 3 of the Implementation Instruction No. 76 dated 25-4-88 of JBCCI in the present case as the said item No. 3 was not meant for application in the case of the employees already

working in the company whose date of birth/age was already recorded in the Service Record and that it was only meant for new recruits/fresh employees. The concerned workman moved their Lordships of the Patna High Court, Ranchi Bench for declaring his date of birth as 2-12-35 based on the Army Discharge Certificate. After hearing the parties, their Lordships of High Court, Patna, Ranchi Bench, passed order that no relief could be granted to him in the writ jurisdiction even assuming that the date of birth of the concerned in the Service Book was not correct. He may, if so advised seek his relief before an appropriate forum. Subsequently, the case of the concerned workman was considered by the Age Assessment Committee/Medical Board at its sittings held on 18-7-89. The Age Assessment Committee/Medical Board noticed that the marks of identification on the person concerned as recorded in the purported Army Discharge Certificate had not been found on the person of the concerned workman and this raised serious doubt as to whether the Army Discharge Certificate belonged to him or not. Anyway, the Medical Board after medical examination confirmed the age of the concerned workman as recorded in his service-sheet i.e. 2-8-28. At no time the concerned workman produced his Army Discharge Certificate before the management earlier and there is likelihood of the purported Army Discharge Certificate belonging to some other person and not to the concerned workman and in the process he has impersonated as Bhuneshwar Singh. In view of the facts and circumstances, the management has asserted that its action in superannuating him with effect from 2-8-88 is justified.

3. The case of the concerned workman, as disclosed in his written statement, briefly stated, is as follows:

He was a permanent employee of Karkatta Colliery/Project where he served as Head Security Guard. He was duly appointed by the colliery management on the basis of his record of service in the Indian Army. He was recruited as a Sepoy in the Bihar Regimental Centre at Danapur on 2-12-53 at the age of 18 years. He was discharged on compassionate ground at his own request on 7-6-59. At the time of discharge, he was issued with a certificate by Bihar Regimental Centre; he was enrolled in the District Sailors, Soldiers and Airmen Board at Arrah. As the management of M/s. C.C.L. wanted to recruit Ex-Servicemen, he was appointed in the Security Department of M/s. C.C.L. and posted as Head Security Guard in Karkatta Colliery/Project. By Office Order dated 24th/27th June, 1986 the Deputy Personnel Manager of Karkatta Project accepted his date of birth as 2-12-35 as recorded in the Service Certificate. By subsequent Office Order dated 31-7-88 the Addl. C.M.E./Project Officer, Karkatta Project ordered for his retirement on 2-8-88 (Forenoon). According to the date of birth recorded in the Certificate of Service issued by the Bihar Regimental Centre of the Indian Army, he would superannuate on 2-12-95. He was not communicated the basis on which after accepting the record of his service in the Army, his date of birth was changed in order to superannuate him prematurely. According to the terms of reference his date of birth on 2-12-35 is not a matter of dispute and the management is required to justify its action in retiring him from service with effect from 1-8-88. The action of the management is apparently vindictive and an instance of unfair labour practice.

4. In its rejoinder the management has reiterated its case as made out in the written statement and denied that the concerned workman was initially appointed as Head Security Guard. The management has further asserted that the concerned person is an impersonator and he is impersonating the real Bhuneshwar Singh.

By supplementary written statement the management has stated that by enquiries made subsequently it was revealed that Army Discharge Certificate produced by the concerned workman belongs to some other person i.e. real Bhuneshwar Singh who was employed earlier at Bachra Colliery of NCDC/CCL and who later was transferred to the neighbouring Pibarwar Project. The enquiries have revealed conclusively that the concerned workman is Sheo Puian Singh S/o Late Viswanath Singh, Village Bargaon, P.S. Sahar, Distt. Arrah and that he impersonated Bhuneshwar Singh. Ex-Army personnel and secured employment in NCDC/CCL and continued to work as such. It is alleged that the entire claim of the concerned workman is based on impersonation, fraud, dishonesty, cheating etc.

5. The management, in order to justify its action, has examined three witnesses, namely, MW-1 Bhuneshwar Singh, MW-2 Surendar Singh, and MW-3 G. K. Choudhary, now posted at Headquarters of M/s. C.C. Ltd. at Ranchi and laid in evidence a number of documents which have been marked Exrs. M-1 to M-15/1.

On the other hand, the concerned workman examined himself and laid in evidence a sheaf of documents which have been marked Exrs. W-1 to W-5.

6. The management has raised plea in its pleading that the present reference is bad in law and not maintainable. There is nothing on record to indicate that the present reference is bad in law or it is not maintainable. Shri R. S. Murthy, learned Advocate for the management, has not pressed this issue at the time of hearing. Hence, the conclusion is reached that the present reference for adjudication of the industrial dispute is maintainable.

7. Admittedly, the concerned workman was working as Head Security Guard at Karkatta Colliery of M/s. C. C. Ltd. at the time of his superannuation from service with effect from 1-8-88.

It is the firm case of the management that the concerned workman was initially appointed as Watchman on 5-8-64 in the Central Workshop at Barkakana of the erstwhile N.C.D.C. which was renamed as M/s. Central Coalfields Ltd. with effect from 1-11-1975. This statement of fact has not been denied by the concerned workman. On the other hand, the Service Register of the concerned workman maintained by the erstwhile N.C.D.C. indicates that he was appointed as Watchman in the Central Workshop at Barkakana on 5-8-63 (Ext. M-4).

Shri R. S. Murthy has submitted that since the Central Workshop at Barkakana was/is not a mine, there was no scope for recording the name of the concerned workman with all particulars in Form 'B' Register maintained in the mine. Section 2(j)(vii) of the Mines Act defines 'mine' and includes all workshops situated within the precincts of a mine and under the same management and used solely for purposes connected with that mine or a number of mines under the same management. There is no vestige of evidence on record to indicate that the Central Workshop at Barkakana was situated within the precincts of a mine and that the workshop and the mine were under the same management. This being so, the contention of Shri Murthy that there was no scope for the management as a statutory obligation to maintain Form 'B' Register in Central Workshop at Barkakana and that statutory obligation to maintain Form 'B' Register applies only in the case of a mine is sustainable.

8. Anyway, the case of the management is that N.C.D.C. had a system of maintaining Service Book or Register of a workman and this Service Book contains the date of birth, date of appointment and other personal details of the workman concerned. This statement of fact has not been denied or disputed by the concerned workman. The date of birth of the concerned workman has been recorded in Service Register as 2-8-28 (Ext. M-4). The case of the concerned workman is that he was appointed as Head Security Guard by the colliery management on the basis of his record of service in the Indian Army. I have already pointed out from the evidence on record that the concerned workman was not initially appointed as Head Security Guard and that he was appointed in the Central Workshop at Barkakana as a Watchman on 5-8-63. The certificate of his Army service produced by the concerned workman (Ext. W-1) indicates that he was enrolled in the service of the Army on 2-12-53 and discharged on 7-6-59 and that his age was 18 years at the time of enrolment. This being so, his date of birth comes to 2-12-35. Now, the question is whether the concerned workman produced this certificate before the authorities of Central Workshop at Barkakana at the time when he got into employment of that Workshop. His case in the pleading is that he did so. He has also testified at the time of hearing that he got employment in M/s. C.C. Ltd. on the basis of certificate issued by the Military Authority at the time of his discharge. But this statement that he got employment in M/s. C.C.L. is inaccurate because he got employment under N.C.D.C. on 5-8-63 because N.C.D.C. was re-named as M/s. C.C. Ltd.

with effect from 1-11-75. Anyway, there is no vestige of evidence on record to indicate that he produced the Army Discharge Certificate (Ext. W-1) at the time when he got into employment of N.C.D.C. His letter to the management dated 14-9-89 (Ext. M-5) does not indicate that he produced his Army Discharge Certificate at the time of his appointment. On the other hand, he has admitted in cross-examination that before he had written the letter (Ext. M-5) to the management, he showed his Military service papers including discharge certificate to the management for the first time. Thus, from the evidence on record, the inescapable conclusion is reached that the concerned workman did not produce Army Discharge Certificate at the time of his appointment.

9. The next question that comes up for consideration is the basis on which his age was recorded in the Service Register.

It appears from the evidence of the concerned workman that he read upto Class III or Class IV Std. in his village school at Brahmanpur. On being grilled further in cross-examination he has stated that he knows that Military personnels are given education while in Military Service, but no certificate is issued for the purpose. Cross-examination of the concerned workman does not reveal that he was educated further while in Military Service and in the process got a modicum of education in English language. The Service Book of the concerned workman is recorded in English. All along the concerned workman has signed papers in Hindi including the Service Register. There is no evidence on record to indicate that the entry in the Service Register was read over and explained to him in Hindi. Even so, the fact remains that his date of birth was recorded as 2-8-28 in the Service Register. But who did so. There is no allegation by the concerned workman that some maligned clerk or officer had done so. Reasonable inference that can be drawn is that the date of birth of the concerned workman was recorded in the Service Register as per his own statement. Anyway, the pleading of the management indicates that during the year 1987, following the decision taken by the JBCCI, the employees of M/s. C.C. Ltd. were issued excerpts in 1987 which among other things, indicated the date of birth of the employees as recorded in the Service record for confirmation by the employees and that such excerpt was issued in August, 1987 to the workman concerned when he claimed that his date of birth as recorded in service record i.e. 2-8-88 was wrong and it should be corrected as 2-8-35 on the basis of Army Discharge Certificate. It is also the case of the management that the Area management of North Karanpura Area took a decision to correct the date of birth of the concerned workman as recorded in the service-sheet keeping in view the Implementation Instruction No. 76 dated 25-4-88 which envisages correction of date of birth on the basis of Army Discharge Certificate. It is the further case of the management that accordingly order was issued in this respect but by subsequent order dated 29-7-88 he was informed that he would retire from service with effect from 2-8-88 on the basis of his date of birth as recorded in Service Register. The management has produced both the Office Orders. By Office Order dated 24/27-6-1988 that his date of birth recorded in the Service sheet as 2-8-28 was substituted by 2-12-35 on the basis of Army Discharge Certificate (Ext. M-6) (which corresponds to Ext. W-3). By another Office Order dated 29-7-88 the concerned workman was intimated that he would retire from service on attaining the age of 60 years on 1-8-88 (Ext. M-6/7) (which corresponds to Ext. W-5). Thus, it is seen the management, in superannuating the concerned workman with effect from 1-8-88, relied on the date of birth as recorded in the Service Register and discarded the date of birth as recorded in the Army Discharge Certificate. The reason provided by the management in doing so is that the Implementation Instruction No. 76 dated 25-4-88 was not correctly appreciated by the local management and that the mistake was detected and actual position realised and thereafter subsequent order dated 29-7-88 was issued (Ext. M-6/7) (which corresponds to Ext. W-5). Indeed, the management has right to remedy its mistake at any stage. But it needs to be explored as to whether it was really a mistake and for the matter of that misappreciation of the Implementation Instruction or it was a deliberate act and afterthought on the part of the management.

10. Implementation Instruction No. 76 dated 25-4-88 has been made available by the management. This instruction envisages, among others, determination of age at the time of appointment and determination of date of birth in respect of existing employees. The aforesaid implementation with regard to determination of age of the employees falling in the category of Ex-servicemen at the time of appointment envisages as follows:—

#### Ex-servicemen :

In the case of Ex-servicemen who are not matriculates, the date of birth recorded in the Army Discharge Certificate shall be treated as correct date of birth and the same will not be altered under any circumstances. In the case of Ex-servicemen who have passed Matriculation examination, the date of birth recorded in the Matriculation certificate will be treated as correct date of birth, provided they have passed the Matriculation examination before entering the Defence Services; otherwise the date of birth recorded in Army Discharge Certificate will be taken as correct date of birth."

The Implementation Instruction also provides for determination of date of birth in respect of existing employees and envisages that wherever there is no variation in records, such cases will not be reopened unless there is a very glaring and apparent wrong entry brought to the notice of the Management. The Management after being satisfied on the merits of the case will take appropriate action for correction of age through Age Determination Committee/Medical Board. Hence, there is obviously merit in the contention of the management that the Implementation Instruction was not correctly appreciated by it and that date of birth of the concerned workman was corrected on the basis of Army Discharge Certificate mistakenly.

11. The management has made much ado over the Army Discharge Certificate produced by the concerned workman. It has alleged that the certificate is not genuine and that the concerned workman had stolen away the certificate from the real person and produced it in support of his employment and date of birth. Investigations have been made by the management and even the genuine person and his brother as considered by the management have been examined as MW-1 Bhuneshwar Singh and MW-2 Surendar Singh respectively. Besides, the management has produced a number of documents marked Exts. M-8, M-8/1, M-9, M-10, M-11, M-12, M-15 and M-15/1 to prove that the concerned workman is not the real Bhuneshwar Singh who was in the employment of the Army and that he is Shoopujan S/o Late Sri Viswanath Singh, Village Bargaon, P.S. Sahar, Distt. Bhojpur (Arrah). All these documents related to the enquiry of the management as to genuineness of the concerned workman and his employment in the Army.

MW-1 Bhuneshwar Singh has claimed in his testimony that in December, 1953 he joined Indian Army and he left Indian Army in the middle of 1959. He got Army Discharge Certificate when left the Army, but unfortunately the certificate was stolen away sometime in 1961 or 1962 from his quarter at Bachra colliery and that about 8 to 10 people were huddled in the same quarter and he reported the matter to the police. It has been suggested to the concerned workman that he had stolen away the certificate. It is too difficult to believe that a person having little or no education as the concerned workman is a man of such scheming and shrewd mind as to steal away the certificate for the purpose of using it some 24 years later. That apart, the simplest and easiest course that could have been adopted by the management is to refer the matter to the Army Authority. But without doing so, the management went in for the tardy process of investigation of its own. Anyway, this aspect of the matter need not be considered in depth for the issue here is the superannuation of the concerned workman and whether the management is justified in superannuating the concerned workman with effect from 2-8-88.

12. Implementation Instruction indicates that where there is no variation of age as in the record such cases will not be reopened unless there is a very glaring and apparent wrong

entry. It further envisages that the management after being satisfied on the merit of the case will take appropriate action for correction of age through Age Determination Committee Medical Board. In the present case there was no variation in the record nor was there any glaring or apparent wrong entry. Hence, the question of re-opening of the issue of date of birth did not arise. Even so, the management had the concerned workman medically examined by Medical Board for determination of his age. The Medical Board has determined his age which agrees with the age as recorded in the Service Record (Ext. M-3). The report of the Medical Board has not been assailed on merits. That being so, I come to the conclusion that the management is justified in superannuating the concerned workman from service with effect from 2-8-88 and in the process it was justified in disallowing the date of birth as recorded in the Army Discharge Certificate.

13. Shri J. P. Singh, learned Advocate for the concerned workman, has complained that the management has not paid the retirement benefits to the concerned workman including gratuity and provident fund. There can be no justification for the management in doing so. Hence, the management is directed to release gratuity amount and to ensure early release of provident fund amount to the concerned workman.

14. Accordingly, the following award is rendered—the action of the management of Karkatta Colliery of Central Coalfields Ltd. in superannuating Bhuneshwar Singh, Head Security Guard, the concerned workman with effect from 2-8-1988 is justified. The management is directed to release gratuity amount to the concerned workman at once and ensure early release of his provident fund amount to him.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. I-20012/122/88-D-IV-A/IR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

का. आ. 489.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैमर्स सी. सो. एल. की लैवा कोलियरी के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[फा० सं० एल-20012/105/88—डी-4(ए)/आई.आर.  
(कोल-I)]

के.जे. देव प्रसाद, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th January, 1992

S.O. 489.—In Pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Laiyo Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on the 14-1-1992.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 125 of 1989.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Laiyo Colliery of Central Coalfields Ltd., P.O. Laiyo, Distt. Hazaribagh.

226 GI/92—26

#### AND

Their Workmen.

#### PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.  
For the Workmen : Shri Lalit Burman, Vice-President,  
United Coal Worker's Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated : The 31st December, 1991.

#### AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012 (105)/88-D. IV(A), I. R. (Coal-I), dated 5-10-1989 passed by the Central Government in respect of a industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the contention of Shri Chowla Kewat Ex-workman in Laiyo Colliery of Central Coal Fields Ltd., P. O. Laiyo, Distt. Hazaribagh that he was suffering from mental disease from 1973 to 26-4-84 is correct? If so, whether the action of the management in denying him employment is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and pass an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947

S. K. MITRA, Presiding Officer.

[No. L-20012/105/88-D. IV(A)/IR (C-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

REFERENCE NO. 125/89.

#### PARTIES :

Employers in relation to the Management of Laiyo Colliery of Central Coalfields Ltd., P. O. Laiyo, Distt. Hazaribagh.

#### AND

Their Workmen.

#### JOINT COMPROMISE PETITION OF THE EMPLOYERS AND WORKMEN

The above mentioned Employers and workmen beg to submit jointly as follows :—

(1) That the Employers and the workmen have jointly negotiated the matter covered by the above Reference with a view to arriving at an amicable and mutually acceptable overall settlement.

(2) That as a result of such mutual negotiations, the Employers and the workmen have agreed to settle the matter on the following terms and conditions :—

(a) It is agreed that the Employers shall reinstate the workman concerned Shri Chowla Kewat the workman concerned as a Category I Mazdoor on the minimum of the pay scale as incorporated in

NCWA IV i.e. daily rated pay scale of Rs. 38.47-0.70-48.27 plus allowance as laid down in NCWA IV.

- (b) It is agreed that the reinstatement of the workman concerned will be done by the Management/within one month of the Joint Compromise petition being accepted by this Hon'ble Tribunal.
- (c) It is agreed that the workman concerned shall not be entitled to any back wages or other benefits except the continuity of service.
- (d) It is agreed that the Management shall pay to the Sponsoring Union an amount of Rs. 10,000/ (Rupees Ten Thousand only) towards the expenses incurred by it in conducting this litigation within one month of this Joint Compromise Petition being accepted by this Hon'ble Tribunal.
- (e) It is agreed that this is an overall settlement in full and final settlement of all the claims of the workman concerned and the Sponsoring Union arising out of the aforesaid Reference.
- (3) That the Employers and the workmen submit that they consider and hereby declare that the aforesaid terms and conditions of settlements are fair, just and reasonable to both the parties.

In view of the above, the Employers and the workmen jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this Joint Compromise Petition and give an Award in terms thereof.

#### Part of the Award.

LALIT BARMAN, Vice President.  
United Coal Workers' Union,  
for and on behalf of workman.

S. D. SHARMA, Secy.  
United Coal Workers' Union, Dhanbad.  
Dated : 30-12-1991.

RAL. S. MURTHY, Advocate.  
for Employers for and on behalf  
of Employers.  
P. S. K. SINHA, Sr. Personnel Officer.  
Hazariabagh Area, Central  
Coalfields Ltd.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का. आ. 490.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार धूरदर्शन केन्द्र त्रिवेंद्रम के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण कोलम के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-1-92 को प्राप्त हुआ था।

एल-42012/140/89-डो 2(बो) (Pt.) आई. आर. (डायू)  
एल-42012/141/89-आई. आर. (डायू) (Pt.)  
एल-42012/142/89-आई. आर. (डायू) (Pt.)  
एल-42012/143/89-आई. आर. (डायू) (Pt.)  
एल-41012/139/89-आई. आर. (डायू) (Pt.)

के.वी.बी. उष्णी डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 490.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of Doordarshan Kendra, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on 14-1-92.

#### ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
KOLLAM

(Dated, this the 8th day of January, 1992)

PRESENT :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal.  
IN

Industrial Dispute Nos. 19/90, 20/90, 21/90, 22/90 and 23

(1)

Between

The Director, Government of India, Doordarshan Kendra  
Trivandrum-695005.

And

[L-42012/140/89-IR(DU)] Sri. John Knox F. Kolassery  
Konam, Puthwal Puthen Veedu, Kallayam P.O.  
Trivandrum.

(2)

Between

The Director, Government of India, Doordarshan Kendra,  
Trivandrum.

And

[L-42012/141/89-IR(DU)] Sri. N. Haridasan Pillai  
Sthanumangalam House, Nedumon, Kallayam P.O.,  
Trivandrum.

(3)

Between

The Director, Government of India, Doordarshan Kendra,  
Trivandrum.

And

L-42012/139/89-IR (DU)] Sri B. Edwin Prakash, Bethol  
House, Kwalam, P.O., Trivandrum.

(4)

Between

The Director, Government of India, Doordarshan Kendra,  
Trivandrum.

And

[L-42012/143/89-IR(DU)] Sri. N. Kanakara, Varuvila-  
kom Veedu, T.C. 42/225, Manacaud Trivandrum.

(5)

Between

The Director, Government of India, Doordarshan Kendra,  
Trivandrum.

AND

[L-42012/142/89-IR(DU)] Sri. Wilson V. Puthuval Puthen  
Kalayam P.O. Trivandrum.

Sri P. S. Biju, Advocate, High Court of Kerala, Erna-  
kulam—for management, Doordarshan Kendra.

Sri R. Lakshmana Iyer, Advocate, Trivandrum—for  
workmen.

#### AWARD

Denial of employment to five workers by the Director, Doordarshan Kendra, Trivandrum is the dispute referred for adjudication to this Tribunal by the Government of India as per separate orders dated 19-1-1990.

2. The dispute involved and the managements are same in all these references. Therefore as agreed by the parties all these cases were tried together and are being disposed of by this common award.

3. For the purpose of deciding the question involved a reference to the contention advanced by the parties in I. D. 20/90 alone would suffice which is briefly as under :

As per the claim statement of the workman Sri Haridasan Pillai he was engaged by the Dooradarshan Kendra, the management in this case on 2-3-1985 and was working as a Peon. He was a daily rated workman and while he was looking forward to his regularisation in service he was denied employment with effect from 16-12-1985. The management regularised several workmen who were engaged subsequent to the date of engagement of the workman and they are still continuing in service. After denying employment to the workman the management is engaging other persons to attend to the duties which were being discharged by the workman. No reason was given to deny him employment. According to him the management has denied him employment with mala fide motive of depriving him of the benefit of regularisation in service which had been extended to others. This action of management is illegal, unfair, arbitrary and unconstitutional according to him. His further case is that he remains unemployed and that he is entitled to be reinstated in service with all benefits and also regularisation.

4. The management opposes the claim of the workman. In its counter management has stated that the workman is not entitled to any relief. The contention of management is that it is an attached office of the Ministry of Information and Broad Casting (I and B for short) under Government of India and it is not an industry. Therefore provisions of Industrial Disputes Act, 1947 ('the Act' for short) is not applicable to the management and the claim of the workman will not come within the jurisdiction of this Tribunal. Appointment on regular basis are made in management on the basis of Recruitment Rules framed under Article 309 of the Constitution of India. The provisions of the Act are not made applicable on the ground also. The workman was engaged by the management on daily wages intermittently for a period of 196 days during the years 1984-85 and 1986. When regular posts were sanctioned action for recruitment of persons on regular basis through permissible channels were also undertaken. Since the workman was over aged, his claim could not be considered. Upper age limit for the post which the workman could be considered is 25 years according to the Recruitment Rules. Persons who were appointed on regular basis were having requisite qualification and were within the age limit as per the Rules. Those found fit by the selection committee were thus recruited. Persons on a casual basis were appointed depending upon vacancies available and exigencies of service. From 1989 onwards only Employment Exchange sponsored candidates are considered. Casual Mazdoors have been engaged in unavoidable circumstances on earlier occasions. It was done on a rotation basis depending upon the exigencies of service and in the earlier stages of the working of the Dooradarshan Kendra. The workman is therefore not entitled to any relief.

5. The workmen in all the five cases have jointly filed a replication disputing the contentions of management. It is further stated that Dooradarshan Kendra is an industry as defined in the Act as the activities being undertaken by this Kendra satisfied the various decisions laid down by the Supreme Court to find out whether a venture is an industry or not. This Kendra is being run in a systematic manner and the provisions of the Act are applicable. The workmen involved in these cases were not considered for regular appointment. The management have appointed persons who were over aged at the time of their regular appointment. So the action of management in not considering the claim of the workmen amounts to discriminatory treatment. The further case is that these workmen were retrenched without complying with the procedure laid down in the Act.

6. The evidence consists of the deposition of one of the workman Sri Haridasan Pillai who is the claimant in I. D. 20/90. Ext. W-1 to W-6 have also been marked on the side of the workman. A Senior Administrative Officer of management has given evidence as MW-1 and Exts. M-1 and M-2 have also been marked on the side of management.

7. The management has raised a preliminary objection to the effect that the provisions of the Act are not applicable to the management and this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate these claims. According to the management the Dooradarshan is an attached office of

the Ministry of I and B under the Government of India and it is not an industry. This contention is not substantiated by proving the nature of activities being undertaken by the management. It is also not explained how Dooradarshan Kendra is exempted from the purview of the Act. No evidence is before this Tribunal regarding the activities of the management. In these circumstances the preliminary objection raised by the management is unsustainable. The management has yet another contention that the appointments in Dooradarshan are made on the basis of Recruitment Rules framed under Article 309 of the Constitution of India and therefore the provisions of the Act are not made applicable. This contention is also not substantiated. Further, considering the nature of issue involved here the question whether the above said rules are applicable to Dooradarshan Kendra or not is not relevant in deciding the issue. Therefore this contention is also only to be rejected.

8. I shall now pass on to the merits. The workmen in all these cases claim reinstatement in service on the ground that they were denied employment illegally and arbitrarily. According to the workmen they were continuing under the management and worked there for more than 180 days. It is also contended that their services were terminated without complying with the provisions of the Act. According to the management all the workmen except the workman Sri John Knox in I. D. 19/90 were over aged at the time of regular selection by the selection committee as per the Recruitment Rules and therefore their claims could not be considered. Ext. M-1 is the photocopy of the relevant portion of the Recruitment Rules. It is not disputed that the workmen in I. D. 20, 21, 22 and 23/90 were over aged at the time of selection on permanent basis. The only dispute is that the management has selected other over aged persons ignoring the claim of these workmen. Reliance was placed on Ext. W-1 which is a list of 19 persons who have been regularised in the service of management according to the workman. None of the persons stated in Ext. W-1 was cited or examined here. MW-1 who was given evidence on behalf of the management has emphatically denied that over aged persons were selected by the management. It is not proved otherwise by the workmen. MW-1 has stated that out of the 19 persons stated in Ext. W-1 list, Sl. Nos. 1 to 5, 10 to 13, 15 and 17 to 19 are working under the management and that they have been appointed as per Recruitment Rules. Sl. Nos. 6, 7, 8 and 9 are canteen employees according to MW-1 and there are separate Rules for such employees and that they are not paid by the management. Sl. Nos. 14 and 16 are with the All India Radio which is a separate management according to MW-1. This witness has categorically deposed that the workmen in these cases could not be appointed because they did not satisfy the Recruitment Rules. Ext. M-2 is a list of employees working under management. The details of date of birth of persons mentioned in Ext. W-1 are stated in Ext. M-2 which also establish that the management has not selected over aged persons as pleaded by the workman. MW-1 has further explained that the workman in I. D. 19/90 though within the age limit, did not come through the selection. According to this witness the workmen were employed there on casual basis for specific period by the clerk. It is true that MW-1 was not working under the management at that time. But he has clarified that he has knowledge about the recruitment of these workers and other things from the files and other persons. There are no reasons to disbelieve the statement of MW-1. The workmen have not adduced any concrete evidence to take a different view except the testimony of MW-1. It is also not proved that the workmen stated in Ext. W-1 were only regularised as contended by the workman and that these workmen were terminated by the Director of Dooradarshan Kendra. These circumstances clearly establish that the management has recruited overaged workers ignoring the claims of the workmen in these cases. The above contentions of the workmen is therefore devoid of merit.

9. Admittedly no appointment orders were issued to the workmen involved in these cases by the management. There is also nothing on record to show that these workmen were appointed on regular basis. Absence of any appointment order also show that these workman were engaged only on casual basis. It is also not establish that these workmen had worked there continuously for a period of 240 days.

Since the workmen were appointed for a specific period on casual basis, the termination of their services does not arise at all. So issuance of notice or compensation also does not arise. In view of the above reasons I have no hesitation to hold that the workmen involved in these dispute were engaged only as casual employees for specific period and the management has selected qualified persons in those posts on regular basis as per the Recruitment Rules. There was no denial of employment or termination of service as contended by the workmen. The action of management cannot be said to be unjustified. That being the case the contention of the workmen that they were denied employment by the management is devoid of merit. There was no unjustified action on the part of the management.

10. In the result, an award is passed holding that there was no denial of employment to the workmen involved in these references by Doordarsan Kendra, Trivandrum and therefore they are not entitled to any relief. These references are accordingly answered in the negative.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal  
[No. L-42012-139/89-IR (DU) (Pt.)]  
[No. L-42012/140/89-IR (DU) (Pt.)]  
[No. L-42012/141/89-IR (DU) (Pt.)]  
[No. L-42012/142/89-IR (DU) (Pt.)]  
[No. L-42012/143/89-IR (DU) (Pt.)]  
[No. L-42012/143/89-IR (DU) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### APPENDIX

Witness examined on the side of the workmen  
WW-1—Sri N. Haridasan Pillai.

Witness examined on the side of the Management

MW-1—Sri M. P. Kesavan Nambisan.

Documents marked on the side of the workmen

Ext. W-1—Statement showing the names of the workmen who have been regularised in the service of management.

Ext. W-2—Certificate issued to Sri Haridasan Pillai from the management on 2-6-1986.

Ext. W-3—Certificate issued to Sri John Knox from the management dated 26-5-1987.

Ext. W-4—Certificate issued to Sri Edwin Prakash from the management date 16-7-1987.

Ext. W-5—Certificate issued to Sri N. Kanaka Raj from the management.

Ext. W-6—Certificate issued to Sri Wilson from the management dated 27-4-1987.

Documents marked on the side of the Management

Ext. M-1—Photocopy of relevant portion of Recruitment Rules.

Ext. M-2—Series. Statement and list showing date of birth of 13 employees working under the management.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का. आ. 491—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार संनियर सुपरिन्टेण्डेंट आफ पोस्ट आफिस, कोटा के प्रबन्धसंस्थ के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल—40012/47/89-2(बी) (भाग)]

के बी बी उण्णो, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 491.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kota as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sr. Supdt. of Post Office, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on 10-1-1992.

अनुबन्ध

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण, कोटा/

राजस्थान

निर्देश प्रकरण क्रमांक: श्री. न्या. रे. (केन्द्रीय)—17/1989

दिनांक स्थापित: 3/11/89

प्रसंग: भारत सरकार, श्रम मंत्रालय के आदेश क्रमांक

एल-40012/47/89-डो-2 (बी) दि. 3/10/89

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

श्रीमती प्रेमबाई पत्नी स्वर्गीय श्री मुरारीलाल,  
नयापुरा हरिजन बस्ती, कोटा/राज.

—प्रार्थिनी, श्रमिक

एवं

सीनियर सुपरिन्टेण्डेंट आफ पोस्ट आफिस,  
भोमगंज मण्डो, कोटा/राज.

—प्रतिपक्ष, नियोजक

उपस्थित

श्री जगदीश नारायण शर्मा,

आर. एच. जे. एस.

प्रार्थिनी श्रमिक की ओर से प्रतिनिधि :— श्री एन. के. तिवारी  
एवं श्रीमती प्रेमबाई  
(श्रमिक स्वयं)

प्रतिपक्ष, नियोजक की ओर से  
प्रतिनिधि :— श्री सी. बी. सोरल  
एवं

श्री एन. आर.

भारद्वाज

(सीनियर

सुपरिन्टेण्डेंट)

अधिनिर्णय दिनांक: 2 दिसम्बर, 1991

अधिनिर्णय

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय द्वारा निम्न निर्देश औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 का धारा 10(1)(घ) एवं उपधारा (2-क) के अन्तर्गत इस न्यायाधिकरण को अधिनिर्णयार्थ सम्प्रेषित किया गया है :—

"Whether the action of Sr. Supdt. of Post Offices, Kota in terminating the services of Smt. Prema Bai W/o. Late Shri Murari Lal w.c.f. 1-12/1981 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"



New Delhi, the 21st January, 1992

S.O. 494.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Eastern Railway, Bilaspur and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-1992.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

CASE NO. CGIT/LC/(R) (12)/1988.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Divisional Railway Manager, S. E. Railway, Bilaspur (M. P.) and their workman, Shri S. J. Alam, Clerk C/o. Sri S. M. Hasan, Guard Railway Gr. No. 418/1, Control Block, Bilaspur (RS) (M. P.)

#### APPEARANCES :

For Workman : Shri A. K. Shashi, Advocate.

For Management : Shri S. K. Mukerji, Advocate.

INDUSTRY : Railways

DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

#### AWARD

Dated : 26th December, 1991.

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-41012/30 82-D, II, dated 6-1-1988, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the Divisional Railway Manager, S. E. Railway, Bilaspur (M. P.) in removing Shri S. J. Alam from his services as Clerk with effect from 1-11-1980 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. Facts Heading to this case are that the workman concerned, Shri S. J. Alam, while working as Clerk during the year 1974 alleged to have committed gross misconduct for which he was charge-sheeted on 24-8-1977, departmental enquiry held and thereafter he was removed from service w.e.f. 1-11-1980.

3. The proceedings of departmental enquiry as also the charges framed against him have not been filed and therefore it is not on record. From the statement of claim para 1 filed by the Senior Divisional Personnel Officer, S. E. Railway, Bilaspur it appears that “while functioning as Clerk in the office of Head Train Examiner/Bilaspur during the year 1974 he committed gross misconduct in the discharge of his duty and failed to maintain absolute integrity in that he (Shri Alam) wrote application in his own hand writing for payment of wages in the name of Sahorik Fitter (Carriage) Bilaspur, who died on 20-2-1967, which ultimately resulted in making payment to a wrong person. This appears to be the main charges against him.

4. The case of the workman in brief is that he was initially appointed as Khalasi in C & W Department in the year 1966. In the year 1970 he was promoted as Clerk and he has been working in the post continuously. He had a very good record of service. In the year 1974 to 1977 he was working as Clerk under the Head TXR Shri D. Guchiraju. There are various Khalasis working who are illiterate. These Khalasis approach individuals who are literate for preparing their various applications such as leave and other matters.

5. During the year 1974 a person claiming himself to be one Shri Sashasik (Sahorik) approached him and asked him

to prepare an application claiming his unpaid wages amounting to Rs. 42.18. He wrote the application in good faith. It was signed by the person who approached him. But it was found that the so called Sahasik has already expired in the year 1967 and wrong payment has been made. For the above reasons he was charge-sheeted, enquiry held and he was removed from service from 1-11-1980.

6. The workman has challenged the order of removal as also the enquiry held against him on various grounds given in the statement of claim. It is contended that the finding of the Enquiry Officer is perverse in as much as the Enquiry Officer has ignored the material evidence which has come on record in favour of the workman. The action of the management of S. E. Railway in imposing punishment of removal from service is unjustified and he is entitled to be reinstated with full back wages.

7. The management has denied all the allegations and contended that the charge against him was proved. Since the applicant workman has failed to maintain absolute integrity in discharging his duty he was rightly removed from service after proper and fair enquiry under R. S. (D & A) Rules. The management has prayed that in case the enquiry is held to be vitiated the management be granted an opportunity to prove the misconduct. The workman is not entitled to any relief and the reference is liable to be rejected. No issues were framed in the case. The points for determination are as under :—

1. Whether the departmental enquiry is legal and proper?
2. Whether the punishment awarded is commensurate to the misconduct committed by the workman on fact of the case.
3. Relief and costs.

#### FINDINGS WITH REASONS :

8. On 26-12-1991 Counsel for the workman has stated that he does not challenge the validity of the departmental enquiry. He only prays that lesser punishment may be given to the workman in the circumstances of this case. Therefore the parties were heard on the quantum of punishment.

9. Since the departmental enquiry has not been challenged, it is held that the enquiry is proper and legal and hence there is no question of giving an opportunity to prove misconduct before this Tribunal. Now the question remains whether the workman can be given lesser punishment.

10. Looking to the facts and circumstances of the case. He would be in interest of justice if the workman is reinstated without back wages but with continuity of service. The workman's services were removed w.e.f. 1-11-1980 and he has already been sufficiently punished. He is therefore reinstated without any back wages but with continuity of service No order as to costs Award is given accordingly.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.

[No. L-41012/30/82-D, II (B) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1992

का.आ. 495.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडीय के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय जबलपुर के पंनपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन 12012/19/91-आई आर (बैंक III)]

सुभाष चन्द्र शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1992

S.O. 495.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th January, 1992.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(113)/1990

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of Indore, Gwalior (MP)

#### AND

Their workman, Shri Ashok Kumar Gupta, Peon, C/o Bank Asthai Karmachari Sangh, Mannu Pandey Building, Court Road, Shivpuri-473551 (MP).

#### APPEARANCES:

For Workman—None.

For Management—Shri K. N. Patghia, Advocate.

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Shivpuri (M.P.)

#### AWARD

Dated, December 24, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/19/90 dated 18th April, 1990, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of the State Bank of Indore, Gwalior in not providing employment to Shri Ashok Kumar Gupta, Shivpuri, Peon after the 31st July, 1983 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. This case was referred in April, 1990 for adjudication. Party raising the dispute was to file the statement of claim etc. with this Tribunal as directed by the Central Government in the reference order itself and on receipt of the reference order this Tribunal had also directed the parties to file their respective statement of claim. Workman neither appeared nor filed statement of claim. He is absenting for the last seven hearings. It appears that the workman has no interest in the case. I therefore, record a no dispute award. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/19/90-IR (Bank-III)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1992

का.प्र. 496.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-92 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 10011/632/86-डो 2 (ए.)]

बी. के. वेणुगोपालन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th January, 1992

S.O. 496.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in

the Industrial Disputes between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 16-1-92.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(157)/1987.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Bank of India, Bilaspur and their workman Shri Banshilal Yadav, C/o Shri B. Narayan Rao, Advocate, Vinoba Nagar, Bilaspur (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman.—Shri A. K. Khare, Advocate.

For Management.—Shri N. K. Patel, Advocate.

INDUSTRY.—Banking. DISTRICT.—Bilaspur (MP)

#### AWARD

DATED : DECEMBER 26, 1991.

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/632/86 D.II(A) Dated 1st September 1987, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of Central Bank of India Bilaspur in terminating the services of Shri Banshilal Yadav after 30-8-82 and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under Section 25H of the I. D. Act is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Facts leading to this case are that the workman was appointed on daily wages from 1-8-1970 and payment was made weekly. His services were terminated with effect from 30-8-1982.

3. The workman says that he was appointed as a Peon on 1-8-1970. He was engaged as temporary Chowkidar for a period of one month on 1-9-1970 on lump sum payment of Rs. 213.44 P. Thereafter he was engaged as a Peon from 1-4-1971 to June 1983. He was continuously paid bonus from 1971 to 1984. He was performing his duties diligently thereby getting the right of permanent posting as Peon. He has completed more than 240 days continuous service from April 1971 to March 1972. He has not been given retrenchment notice or retrenchment compensation in violation of the provisions of Sec. 25F of the I. D. Act.

4. That apart the management has given permanent posting to Shri Bideshi Khewat and Shri MADHU Soni who had respectively joined in the year 1988 and 1975 and who were juniors to him ignoring the claim of the workman. Thus he is entitled to be reinstated with all back wages and consequential benefits.

5. The management denied that the workman has completed 240 days continuous service. The claim of the workman has been denied by the management.

6. Reference was the issue in this case.

7. From the proceedings it appears that after filing their respective statement parties pleased to remain absent. Thus there is no evidence to prove the case of the workman. That apart the violation of the provisions of Sec. 25F of the I. D. Act is not issue. The workman is not entitled to any relief.

8. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management of Central Bank of India Bilaspur in terminating the services of Shri Banshilal Yadav after 30-8-82 and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under section 25-H of the I. D. Act is justified. He is not entitled to any relief No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-12012/632/86-D.II(A)]

V. K. VENUGOPALAM, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1992

का.आ. 497.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा केन्द्रीय न्यासी बोर्ड में श्री बी. पी. पंत के स्थान पर श्री सुशान्त नाथ को एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है और 13 फरवरी, 1991 के भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. (92)(अ) में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में क्र. सं. 30 और इससे संबंधित प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्

“श्री सुशान्त नाथ,  
उप सचिव,  
अखिला भारतीय नियोक्ता संघ,  
फेडरेशन हाउस, तान सेन मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

[सं. वी-20012(1)/90-एस.एस. II]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 24th January, 1992

S.O. 497.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Sushant Nath as a member of the Central Board of Trustees in place of Shri B. P. Pant and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 92(E) dated the 12th February, 1991 published in Part-II section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India extraordinary dated the 13th February, 1991.

In the said notification, against serial No. 30 and entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

Shri Sushant Nath,  
Deputy Secretary,  
All India Organisation of Employers,  
Federation House, Tansen Marg,  
New Delhi-1100017.

[No. V-20012(1)/90-SS.II]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

